

३१८६
३१८६

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[२२] नई दिल्ली, शनिवार, जून २, १९८४ (ज्येष्ठ १२, १९०६)

[०. २२] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1984 (JYAISTHA 12, 1906)

इस भाग में भिन्न घट उल्लेख दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

लियों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1984

सं०ए०-३२०१८/४/८३-प्रशा० II—इस कार्यालय की अधिसूचना दिनांक 17 जनवरी, 1984 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी प्रोग्राम सहायक एवं कन्सोल आपरेटर सर्वश्री डी०आर० आनन्द और बी०के० बोहरा को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 13-4-1984 से 12-7-1984 तक तीन मास तक अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्राम के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया

पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का रूप कोई हक नहीं मिलेगा

दिनांक 26 अप्रैल 1984

सं०ए०-३२०१३/२/८३-प्रशा० II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं०ए०-३२०१३/२/८३-प्रशा० II(i) सं०ए०-३२०१३/२/८३-प्रशा० (ii), दिनांक 13 मार्च 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग 1-86 डी०/84

एततद्वारा कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्रीमती राजकुमारी आनन्द और श्री राम सिंह (अ०जा०) को 15-4-84 से 14-10-84 हो तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, छ: महीने की अग्रेतर अवधि के लिए संघ लोक आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (ग्रुप क) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्रीमती राजकुमारी आनन्द और श्री रामसिंह की नियुक्ति पूर्णतयः तदर्थ आधार पर है और इससे उनकी उक्त पद में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

सं० ए० ३२०१३/३/८३-प्रशा० I (i)—इस कार्यालय की समसंबद्ध अधिसूचना दिनांक 19 अक्टूबर 1983 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एततद्वारा वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जे०ड०ई० शेख को 13-4-1984 से 12-10-1984 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, छ: महीने की अग्रेतर अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबंधक (पदनिवास और मुख्य प्रोग्रामर) (ग्रुप "क") के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. प्रबंधक, (पदनिवास और मुख्य प्रोग्रामर) के पद पर श्री जे०ड०ई० शेख की नियुक्ति पूर्णतयः तदर्थ

आधार पर है और इससे उनको इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

सं० ए०-३२०१३/३/८३-प्रशा० II (ii) —इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक २० अक्टूबर, १९८३ के अनुक्रम में श्री एम० एल० ध्वन, उप नियंत्रक (७० सं०) को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा १३-४-८४ से १२-१०-८४ तक छः मास की अग्रेतर अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबंधक (तथ्य निर्मित) (ग्रुप क) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

२. प्रबंधक (तथ्य निर्मित) के पद पर श्री एम०एल० ध्वन की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एम०पी० जैन,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक २६ अप्रैल १९८४

सं० ए० ३२०१३/४/८३-प्रशा० II —इस कार्यालय की अधिसूचना सं०ए०-३२०१३/४/८३-प्रशा० ११ (i) तथा

सं० ए० ३२०१३/४/८३-प्रशा० II (ii) दिनांक २४ अक्टूबर, १९८३ के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डा० टी० रामासामी, उप सचिव और श्री के० आर० पी० नायर विशेष कार्य अधिकारी (भा०) को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा १३-४-८४ से १२-१०-८४ तक छः मास की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में संयुक्त निदेशक (परीक्षा सुधार) (ग्रुप क) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

२. संयुक्त निदेशक (प०सु०) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक २७ अप्रैल १९८४

सं० ए०-३२०१३/१/८३-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १० जनवरी १९८४ के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी इंजीनियर श्री प्रदीप मेहता को २३-३-१९८४ से ३०-६-१९८४ तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ इंजीनियर (ग्रुप "क") के पद पर नियुक्त करते हैं।

२. वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर श्री प्रदीप मेहता की उक्त नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन के द्वारा है।

३. उनकी यह नियुक्ति पूर्णतयः तदर्थ आधार पर है और इससे उनको वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एम०पी० जैन

अवर सचिव (प्रशा०

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक १८ अप्रैल १९८४

सं० ए० ३२०१३/१/८२ प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक ९ नवम्बर १९८४ के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव को १९८४ से ७-१०-१९८४ तक अथवा आगामी आदेशों जो भी पहले हो, छः महीने की अग्रेतर अवधि के संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

२. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) की तदर्थ नियुक्ति के दौरान श्रीमती सुधा भार्गव का वेतन समय-समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ० I/(ii)-ई० III (बी)/७५ दिनांक ७-११-१९७५ के उपबंधों के शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

३. श्रीमती सुधा भार्गव की वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर की नियुक्ति पूर्णतयः तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और इससे उनको इस ग्रेड में विलयन अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

विजय भल्ला

अनुभाग अधिका

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक ९ मई १९८४

सं० ए०/१९०१५/११/८४-प्रशा०सन-५ --मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, निम्नलिखित अप्रतिनियुक्त निरीक्षकों/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने, प्रत्येक के सम्मुख दी गई तिथि से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर पुलिस उपाधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

१. श्री एम०एम० यादव, पुलिस उपाधी- २६-४-८४ क्षक/कें० अ० ब्यूरो/विशेष एकक/नई दिल्ली।

२. श्री कृपाल सिंह^१ पुलिस उपाधीक्षक/कें० अ० ब्यूरो सी० आई० यू० (पी)/नई दिल्ली।

23-4-84

3. श्री डी० एन० चौधरी, पुलिस उपाधीकारीकैं। अ० व्यूरो सी०आई०य० (ए०)/नई दिल्ली । 26-4-84
दिल्ली ।

सं० ६०/२२०१३/१/८४-प्रशासन-५—निदेशक/किन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सम्बन्ध वी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिए किन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीकारक के रूप में नियुक्त करते हैं।

अधिकारी का नाम	शाखा, जिसमें पद स्थापित किया गया	तदर्थ प्रोफ्रेशन की तिथि
----------------	----------------------------------	--------------------------

सर्वथ्री

1. जे०एस० बगारिया सी०आई०य० (१)	6-4-84
2. एम०एम० यादव विशेष एकक	26-4-84
3. कृपाल सिंह सी०आई०य० (पी०)	23-4-84
4. राज किशोर सिंह भुवनेश्वर	23-4-84
5. एच० सी० विज्ञ सी०आई०य० (पी०)	(अपरा०) 17-4-84
6. डी०एन० चौधरी सी०आई०य० (ए०)	26-4-84
7. एम०बी० गोडबोले सा०अ० स्कंध/बम्बई	16-4-84
8. सतीश बन्द्रा सा०अ० स्कंध/दिल्ली	30-4-84
9. डी०के० चौधरी सी०आई०य० (ई०)	6-4-84 (अपरा०)
10. गोपीनाथ गुप्ता विशाखापटनम	28-4-84
11. गीरी प्रसाद एस०आई०सी०	6-4-84
12. हरमजन राम विशेष एकक	18-4-84
13. एलवर्ट कनरे सा०अ० स्कंध/बम्बई	10-4-84 (अपरा०)

दिनांक 11 मई 1984

सं० जे०-१४/६५-प्रशासन-५—श्री जे०सी० ग्रौसा, उपप्रधिकारी-सलाहकार (तदर्थ), केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, दिनांक १० अप्रैल, 1984 (अपराह्न), से निवृत्ति पर, सेवा-नियुक्त गए।

आर० एस० नागपाल,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिवेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

सं० ओ० दो०-१३९/८४-स्था०-१—राष्ट्रपति कर्नेल (अधिकारी प्राप्त) एस० बनर्जी को के०रि०पु० बल में कमांडेन्ट/सहायक निर्देशक (संचार) महानिवेशालय के०

रि० पु० बल नई दिल्ली के पद पर प्रथमतः वो साल की अवधि के लिये पुनः नियुक्त करते हैं।

2. कर्नेल एस० बनर्जी ने कमांडेन्ट/सहायक निर्देशक (संचार) महानिवेशालय के०रि०पु० बल नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 28 मार्च 1984 (पूर्वाह्न) से संभाला।

सं०-एफ०-२/१७/८४-स्था० (के०रि०पु० बल) — कमांडेन्ट सलेक्शन ग्रेड की नियुक्ति फलस्वरूप श्री० के० डी० एस० बुलसत जो कि इस समय गृह मंत्रालय में डेपुटेशन पर है, को कमांडेन्ट सलेक्शन ग्रेड के पद पर प्रोफार्मी प्रोफ्रेशन दिनांक 4-12-83 से दिया गया है।

2. यह गृह मंत्रालय यु०पी० नोट संख्या-४२२५/जे० एस०पी०/८४ दिनांक 21-4-84 द्वारा अनुमोदित करते पर जारी किया जाता है।

वाई० एन० सक्सेना,
उपनिवेशक (स्थापना)

महा निवेशालय, केन्द्रीय प्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1984

सं० ई०-३२०१५(२)/२/८४-कार्मिक —राष्ट्रपति, श्री एस०सी० लाल को, प्रोफ्रेशन पर, 27 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ किए जाने तक, जो भी पहले हो, के ग्रीष्म सुख्यालय, नई दिल्ली में उप कमांडेन्ट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-३२०१५(२)/४/८४-कार्मिक —राष्ट्रपति, श्री एस०एन० गंजू को, प्रोफ्रेशन पर, 27 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से, पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ किए जाने तक, जो भी पहले हो, के ग्रीष्म सुख्यालय, नई दिल्ली में सहायक महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 अप्रैल 1984

सं० ई०-३२०१५(२)/१/८४-कार्मिक —राष्ट्रपति, श्री डी०एस० बडवाल को, प्रोफ्रेशन पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, अस्थाई रूप से 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ किए जाने तक, जो भी पहले हो, 6 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से केग्रीष्म यूनिट, बी०एन०पी० देवास में कमांडेन्ट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अप्रैल 1984

सं० ई०-३२०१५(३)/१०/८४-कार्मिक —राष्ट्रपति, श्री डी०एस० बडवाल को, प्रोफ्रेशन पर, 29 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई रूप से पूर्णतया सदर्थ आधार पर 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ किए

जाने तक, जो भी पहले हो, केशीमुब यूनिट, एफ०सी०पी० फरक्का में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अप्रैल 1984

सं० ई०-16016/2/83-कार्मिक—गृह मंत्रालय से प्रतिमियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री जे०सी० कुमारा ने तारीख 23 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से महानिदेशालय, केशीमुब, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्माल लिया है।

दिनांक 3 मई 1984

सं० ई०-32015(2)/10/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एस०सी० जैना को, प्रोफ्रेसर पर, 4 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय०सु०ब० यूनिट, ई०एस०पी० दुर्गापुर में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(2)/6/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री श्यामल राय को, प्रोफ्रेसर पर, 6 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय०सु०ब० यूनिट, आई०पी०सी००५८०, बड़ौदा में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(2)/16/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री आर०के० मुखर्जी को, प्रोफ्रेसर पर, 9 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय०सु०ब० यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-16013(1)/6/83-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एम०के० राजू, भा०पु०से० (उत्तर प्रवेश: 65) को, प्रोफ्रेसर पर, 25 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, 2000-2250/- रुपये के बेतनमान में अवधि-प्रतिनियुक्ति आधार पर केंद्रीय०सु०ब० में उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मई 1984

सं० ई०-32015(3)/6/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री के०के० कौल को, प्रोफ्रेसर पर, 3-4-84 के पूर्वाह्न से पूर्णतया तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से, 6 महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ किए जाने तक, जो भी पहले हो, केशीमुब यूनिट, एच०एफ०सी०, बरौनी में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(2)/9/84-हिन्दी—राष्ट्रपति, श्री जैड०एस० सागर को, प्रोफ्रेसर पर, 3 अप्रैल, 1984 के अपराह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय०सु०ब० यूनिट, ई०सी००५८० कनू-स्टोरिया में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015(2)/8/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री पी०के० लाहिरी को, प्रोफ्रेसर पर, 6 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थायी तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल 6 माह के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, केशीमुब यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सरेन्द्र नाथ
महानिदेशक/केशीमुब

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
तथा स्वर्ण नियंत्रण अधील अधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

फा० सं०-6/सी०श० उ०श० स्व०नि०अ०अ०/83—श्री प्रामाण्यमान दास कश्यप ने जो कि पहले श्रम वं पुर्नवास मंत्रालय, (श्रम विभाग), नयी दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, 7 मई 1984 (पूर्वाह्न) से सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अधील अधिकरण, दिल्ली बैंच, नयी दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

फौजा सिंह गिल,
अध्यक्ष

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद (म०प्र०) दिनांक 2 मई 1984

सं० पी०डी०/6/1308—श्री जाय पीटर, सहायक कार्य प्रबन्धक के 30-4-1984 से 2-6-1984 तक 34 दिन तक अर्जित अवकाश पर जाने से हुए रिक्त स्थान पर श्री सी०पी० भाटिया, फोरमेन (उत्पादन) को रु 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के बेतनमान में 30-4-84 से 2-6-84 तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

शा० रा० पाठक,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मई 1984

सं० प्रशासन-1/का०आ० संख्या/72—निदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों को 840-1200 रुपये के

समयमान में इनके आगे दर्शायी गई तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रमसंख्या	नाम	स्थायीकरण की तारीख
संवैधानिक		
1.	द्वारका दास भारद्वाज	1-3-1984
2.	रामनाथ शर्मा	1-3-1984
3.	श्याम लाल गुप्त	1-4-1984
4.	ललित कुमार राय	14-4-1984
5.	सतपाल खन्ना	1-5-1984

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या/73 —इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री किशन चंद शर्मा वार्षिक आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई, 1984 (अपराह्न) को भारत सरकार की सेवा से सेवा-निवृत्त हो जायेंगे। श्री किशन चंद शर्मा आजकल कुदाल कमीशन आफ छनक्वारी में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

उनकी जन्म तिथि 15 मई, 1926 है।

ह० अपठनीय
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1984

सं० प्रशासन-1/का०आ० संख्या-70—निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली श्री विश्वन चंद शर्मा (आ० जा०) को सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (मुप "बी" राजपत्रिल) के पद पर 3 मई, 1984 पूर्वाह्न से 650-30-740-35-880-ई०बी०-40-1040 रुपये के बेतन-मान में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

शंकर नरायण
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 11 मई 1984

सं० प्रशा०-1/8-132/84-85/43—श्री बी० के० शर्ट-चंद्र, लेखापरीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा); आंध्र प्रदेश, हैदराबाद दिं 31-3-84 (अ०) से सरकारी सेवाओं से निवृत्त हुए हैं।

सं० प्रशा०-1/8-132/84-85/43—श्री एम० राजगोपालन, लेखापरीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा), आंध्र प्रदेश, हैदराबाद दिं 30-4-84 (अ०) से सरकारी सेवाओं से निवृत्त हुए हैं।

म० रामचंद्रमी,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्धोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1984

सं० ए०-12(684)/71-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (जी०ए०डी०) श्री आर०आर० कौञ्जदार को उसी कार्यालय में श्री ए०प०ए०ल० जुनेजा, उप निदेशक (जी०ए०डी०), जो छह्यी पर है, के स्थान पर 21-2-84 (अपराह्न) से 19-5-84 तक की अवधि के लिए तर्वर्ष आघार पर उपनिदेशक (जी०ए०डी०) नियुक्त किया है।

सी० सी० राय
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1984

सं० ए०-17011/250/84-प्र०-6 —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल के भण्डार परीक्षक श्री टी०आर० सचदेव को दिनांक 11 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के दिए जाने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में नियमित आधार पर, स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/252/84-प्र०-6 —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, उत्तरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (अभि०) श्री चरनजीत बेदी को दिनांक 17-4-84 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/258/84-प्र०-6 —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल के भण्डार परीक्षक श्री श्री०पी० लाल को दिनांक 11 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तर्वर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एल० कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)
पूर्ति महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकता, दिनांक 8 मई 1984

सं० ६०-१-२(३)/७५ (.) — अधीक्षकरक्ता एतद् द्वारा श्री एस०पी० [चक्रवर्ती, अधीक्षक] को 1 मई, 1984 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से इस कार्यालय में सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

डी० के० घोष,
लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016 दिनांक 5 मई 1984

सं० ३१०-बी०/६०-१९०१२(३-एस०के०बी०)/८४-१९बी० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन), श्री सुजित कुमार भादुड़ी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, नियमानुसार वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28 मार्च, 1984 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० ३४१-३-बी०/६०-१९०१२ (१-जी०एस०ए०)/८३-१९४० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री जी०एस० अग्रवाल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ६५० रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर, ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक १५-२-८४ के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 8 मई 1984

सं० १३८३-बी०/६०-१२०२५(४-बी०एल०बी०)/८२-१९-बी० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वेधन) श्री बनवारी लाल वर्मा को ड्रीलर के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार वेतन या दो अग्रिम वेतन वृद्धियों पर जो अधिक हों, ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक ८ जून, 1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी,
निदेशक (कार्मिक)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

सं० १०/५/८२-एस०-३/४—स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति की स्वीकृति भिलने के परिणामस्वरूप श्री एव० नणिकर, सहायक अभियन्ता, बम्बई ने 21 मार्च, 1984 (पूर्वाह्न) से सहायक अभियन्ता के पद पर अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1984

सं० १०/१५६/८२-एस०-नीन/चार—स्वैच्छा से सेवा निवृत्ति के अनुरोध की स्वीकृति के परिणामस्वरूप श्री ए० के० थामस, सहायक अभियन्ता, दूरदर्शन रिले केन्द्र, भुवनेश्वर (दूरदर्शन केन्द्र, कटक) को १-१२-१९८३ (पूर्वाह्न) में दूरदर्शन से कार्यमुक्त किया गया।

मार्क्स एन० इलियास
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

(सिविल नियमण स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

सं० ए०-३२०१४/१/८३-सी० डब्ल्यू०-एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, निम्नलिखित अक्षितयों को पदोन्नति करते हुए ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पदों पर, प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीखों से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम स्थान व तैनाती	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एस० सहायक इंजीनियर (सि) ए० हमीद, सी०सी० डब्ल्यू०, ए०आई० आर० आर० श्रीनगर	24-२-८४ (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० सहायक इंजीनियर (सि) एन० सिंह सी०सी० डब्ल्यू०, ए०आई०आर०, अल्मोड़ा	29-२-८४
2.	उनकी नियुक्ति, पदोन्नति आदेश संख्या ए०-३२०१४/४/८३-सी० डब्ल्यू०-एक, दिनांक 24-९-८३ तथा 12-१२-८३ में उल्लिखित नियमों एवं शर्तों द्वारा शासित होगी।	(पूर्वाह्न)

स० कु० महिन्द्रा
मुख्य अभियन्ता (सिविल) के
इंजीनियर-अधिकारी,
कूते महानिदेश क

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1984

सं० ऐड०-28013/42/82-टी०बी० —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० महेश्वर हुसैन एम० चौहान को 18 फरवरी, 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में वैज्ञानिक अधिकारी (कनिष्ठ जीवाणु विज्ञानी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

बी० के० जाना,
उप निदेशक प्रशासन (पी०एच०)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

सं०ए०-12023/7/76 (एच०जे०एच०) प्रशासन-1/
(खण्ड) —राष्ट्रपति ने श्री के०एल० वीर, लेवर अक्सर, श्रम एवं पुनर्वास मंदालय को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 18 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जन सम्पर्क अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

पी०एन० ठाकुर,
उप निदेशक प्रशासन (सी०एच०बी०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

कार्मिक प्रभाग

बंबई, दिनांक 7 मई 1984

सं० पी०ए०/73(13)/83-आर०-4 —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र डा० (श्रीमति) रामस्वामी मंजुला देवी को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिनांक 27-4-84 (अपराह्न) से तीन वर्ष की अवधि तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

बी०सी० पाल,
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग

बंबई, दिनांक 5 मई, 1984

सं० षि०प०प्र०/३(282)/83-स्थापना-I/4264—
निदेशक, (अभियांत्रिकी) विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बंबई एतत्वारा श्री एन० कृष्णकुमार, इस प्रभाग के स्थायी सहायक लेखापाल को अप्रैल 26, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी

प्रभाग में 650-30-740-35-880-१००२०-४०-९६० के वेतन मान पर, सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्रार० छ्व० बाजपेयी,
सामान्य प्रशासन अधिकारी

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बंबई, दिनांक 30 अप्रैल 1984

आदेश

सं० सी० एवं एस०जी०/ए०/१०(९) —चूंकि श्री ए० डी० अम्बावडे, ट्रेड्समैन “सी”, निर्माण एवं सेवा वर्ग दिनांक 4-7-1983 से अपनी इयूटी से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे हैं।

ओर चूंकि अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री अम्बावडे को दिनांक 12-3-1984 का एक ज्ञापन-पत्र क्रमांक सी० एवं एस०जी०/ए०/३(416)/1700 जारी किया गया था, जिसमें श्री अम्बावडे को उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यालयी क्यों नहीं करने का कारण बताने के लिए कहा गया था।

ओर चूंकि उक्त ज्ञापन श्री अम्बावडे के अंतिम रूप से ज्ञात पता-१४, शिवराज भवन, बिल्डिंग सं० 2, एल-फिस्टन रोड, बंबई-400013 पर रजिस्ट्री-पायसी डाक से भेजा गया था।

ओर चूंकि उक्त पत्र पत्रालय-अधिकारियों द्वारा इस टिप्पणी के साथ अवितरित लौटा दिया गया कि “उक्त पते पर उपलब्ध नहीं।

ओर चूंकि श्री अम्बावडे अभी भी अपनी इयूटी से अनुपस्थित हैं और उन्होंने निर्माण एवं सेवा वर्ग को अपने पते के आरे में सूचित नहीं किया है।

ओर चूंकि श्री अम्बावडे अपनी इयूटी से विना किसी सूचना/अनुमति के अनुपस्थित रहने और स्वेच्छा से सरकारी सेवा का परित्याग करने के कोषी हैं।

ओर चूंकि श्री अम्बावडे ने निर्माण एवं सेवा वर्ग को अपना वर्तमान पता बताये बगैर सरकारी सेवा का परित्याग किया है, फलस्वरूप अधोहस्ताक्षरी आश्वस्त होकर यह अनुभव करता है, कि इस मामले में शासकीय जांच कराना तार्किक रूप से व्यवहारिक नहीं है तथा वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि श्री अम्बावडे सरकारी सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं है।

अतः श्री अधोहस्ताक्षरी परमाणु उर्जा विभाग की दिनांक 12-8-83 की अधिसूचना संख्या 2/2/82-बीजि० के साथ पठित केन्द्रीय सिविल सेवा (सी०सी०ए०) नियमावली 1965 के नियम 19 (द्वितीय) के घोर्गत् प्रदत्त शक्तियों

का उपयोग करते हुए कथित श्री अम्बावडे को सरकारी सेवा से तत्काल निष्कासित करता है।

डी० आर० बाटसीवाला, निदेशक

प्रति—(1) श्री ए० डी० अम्बावडे, 94, शिवराज भवन, विलड़ींग नं० 2, एलफिस्टन रोड, बंबई-400013

(2) लेखा अधिकारी एवं सहायक आर्थिक वित्त सलाहकार, निं० एवं सें० ब०

(3) श्री अम्बावडे की गैपनीय-रिपोर्ट फाईल

(4) श्री अम्बावडे की वैयक्तिक फाईल

नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना

न०प०य०प० कालोनी, दिनांक 9 मई 1984

ऋ० सं० न०प०ब०प०/प्रशा०/1(182)/84-ए०/3389—
अपने पैतृक विभाग में सहायक अंकेक्षण अधिकारी के पद पर नियुक्ति के कारण, श्री एन० के० शर्मा, अनुभाग अधिकारी, अंकेक्षक निदेशक के कार्यालय, उत्तर रेलवे, बरोदा हाउस, नई दिल्ली के, नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यस्थ थे, ने अप्रैल 30, 1984 के अपराह्न में अपने पूर्व विभाग को प्रत्यावर्तन पर अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर० के० बाली

प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1984

सं० ए०-32014/7/83-स्था०-१—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को इसी विभाग में स्थापना सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में उनके नामों के सामने वी गई तारीख से आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्ति करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री एम०एन० दयाली	15-11-1983
2.	श्री थोमस अग्रहम	8-12-1983
3.	श्री एम० मुखोपाध्याय	25-11-1983
4.	श्री आई०डी० शर्मा	15-12-1983
5.	श्री ओ०पी० कपूरिया	29-3-1984
6.	श्री के० जैड० चक्रवात	23-3-1984

के० मुखर्जी

मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं० ए०-24013/3/84-ई०ए०—इस कार्यालय की दिनांक 12-3-1984 की समसंबंधित अधिसूचना का प्रधिक्रमण करते हुए महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० कुण्डा-मूर्ति, उपनिदेशक, बम्बई एयरपोर्ट को दिनांक 12 मार्च से अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय नियन्त्रक विभाग क्षेत्र, बम्बई क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है।

जी० बी० लाल
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1984

सं० ए०-32013/1/82-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की नागर विमानन में उपनिदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के घेड़ में की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने वी गई अवधि के लिए सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:—

सर्वश्री

1. ए० एन० मुखर्जी	1-10-83 से 30-4-84 तक
2. एस० जी० गोस्वामी	—वही—
3. एस० आर० दास	—वही—
4. सी० डी० कोहली	—वही—
5. आर० एन० दोसाज	16-9-83 से 15-3-84 तक
6. मधुसूदन लाल	17-9-83 से 23-1-84 तक

बिं० भौमिक
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1984

सं० ए०-32013/7/79-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 20-1-84 की अधिसूचना संख्या ए०-32013/7/79-ई०-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की वैज्ञानिक अधिकारी के घेड़ में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नामों के सामने वी गई अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री बी० के० गांधी	1-1-1984 से 30-6-1984
2.	श्री कुलदीप सिंह	1-1-1984 से 30-6-1984

ओ०शी० अग्रवाल
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 4 मई 1984

सं० 2/3/84-प्रशासन-1(अ)।—प्रधान, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्वारा श्री एम० आर० जीवन, लकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समूह 'ख') सेवा के

תְּמִימָנֶה, תְּמִימָנֶה, תְּמִימָנֶה

תִּשְׁעָה בְּתַשְׁעָה, 1956 מִזְרָחָה

الله ربنا

Digitized by srujanika@gmail.com - 1394 at 1332

፩፻፲፭ ዓ.ም. ፪፳፭፯፮ (፪፳፭፯፮) ፩፻፲፭ ዓ.ም. ፪፳፭፯፮ (፪፳፭፯፮)

卷之三十一

۱۱۵۴ ۱۱۵۳ ۱۱۵۲

ପ୍ରକାଶ ପତ୍ରିକାରେ

15-2-1984

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

82/٢٠١٥٠٦/١٦ — ملک حسین

الكتاب المقدس

طہری، طہری ۱۴ ٹکٹی ۱۹۸۴

(ﻢﻠـ ﺔـ ﻪـ) ﻪـ ﻢـ ﻪـ ﻪـ

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन भूमि

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० ५/३७-ई० ई०/५६७/८३-८४—यतः मुझे

शिक्षिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
2500/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्रॉफेस नं० 1 पहला मजला 733 (न्यू)
सहायिता पेठ, पूना-३० (क्षेत्रफल ५४५ स्केयर फीट) है तथा जो
में हिस्थित है (श्रीर इसमें उपापद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
पूरा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीके कार्यालय महायक आयकर
आयकर (निरीक्षण) अर्जन, रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1983 दिन बर/ (डाकु. नं० 4815)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाब की दावत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्से सालूंखे बिल्डर्स, 113/2-वी०, प्रभात रोड,
पूना-४।

(अन्तरक)

(2) श्री लिलकराज विणूदत्ता अग्रवाल द्वारा श्री एस०
एस रावत, 479, सदाशिव पेठ, पूने-411030।
(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताकरी के पात्र
लिखित में किए था सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

शिक्षिकांत
कुलकर्णी

प्रॉफेस नं० 1

पहला मजला

733 (न्यू) सदाशिव पेठ,

पूना-३०

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० ३७-ई०/४८१५/पूना, ता०
सितम्बर ८३ को सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पूना के दफतर में लिखा है।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 11 अप्रैल 1984

माहूर :

प्रस्तुप आइंटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 3 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ए०, ५/३७ ई० ई०/५६१/८३-८४—

यतः, मुझे, शलिकात कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्मीय संख्या फ्लैट नं० 301 लालबाग को-आप हाऊसिंग
सोसायटी लि० सं० नं० ५५९/ए/वी-१/१ विवेकांडी, पूना-२
है तथा जो पूना-२ में स्थित है। ग्रीष्मीय संख्या अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन (नं० 3087) दिनांक विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्राहक पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम द्वारा अधीन कर देने को अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनासरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज, पूना

- (1) मैसर्स प्रदीप कन्द्रकशन्स, १३६, नाना पेठ, पूना-२१
(अन्तरक)
(2) श्री गिरीधारीलाल जे० शिंगली, २८०/२, फूले
नगर, शंकर सेठ रोड, पूना-४११००२१
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंप और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २० के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० ३०१

लालबाग को-आंप० हाऊसिंग सोसायटी, सं० नं० ५५९/
ए०/वी०/१/१, विवेकांडी, पूना-२।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत नं० ३७-ई० ई०/३०८७ पूना/
८३-८४ ता० विसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : १३-४-१९८४

मोहर :

प्रकृष्ट भाई टी. एम् एस् -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० सी० ए०-५/३७ ई० ई०/५६०/८३-८४—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 203, लालबाग को-आप० हाऊसिंग सोसायटी, स० नं० ५५९/ए०/बी-१/१, बिबेकांडी, पूना-२ है तथा जो पूना-२ में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख (नं० 3082) दिसम्बर 1983। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिओत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करु वर्ने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में त्रुटियों के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जैन भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स प्रदीप कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, 136, नाना पेठ, पूना-२।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकांत उदयचंद नवलखा, 207, नाना पेठ, पूना-२।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

शशिकांत

फ्लैट नं० 203।

लालबाग को-आप० हाऊसिंग सोसायटी, स० नं० ५५९/ए०/बी-१/१, बिबेकांडी, पूना-२।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० ३७ ई० ई०/३०८२/पूना/८३-८४ ता० दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफतर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-2-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाइंटी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन दृष्टव्य

आरक्ष ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७-ई० ई० ५५९/८३-४—पत्र;—
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 104, लालबाग कोआप० हाऊसिंग
सोसायटी सं० नं० 559/ ए० बी०-१/१, विवेवाडी, पूना-
2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपावद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज,
पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख (नं० 3081) दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अस्तरीय
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूमिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिखे में लूपित कर दिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारतः—

(1) मैसर्स प्रदीप कन्द्रकशन प्रा० लिमिटेड, 136, नाना
पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)
(2) श्री बन्सीलाल बी० लुकड़ 161/62, ब्रारिका
अपार्टमेन्ट, मुकुन्दनगर, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्यूक्त किसी भूमि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

लक्षणोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रषित हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104

लालबाग कोआप० हाऊसिंग सोसायटी, स० नं० 559/ए०-बी०-१/१, विवेवाडी, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० ३७-ई० ई०/३०८१/पूना०८३-४ तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना के वपतर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 3-4-1984

मोहृ

प्रकृष्ट बाइंडी एन.एस. 5-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत चुक्काल

विधायिय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निदेश सं० सीए 5/37 ई ६/558/83-84—यतः मुझे
शाशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 202 लालबाग को-आप० हाऊ०
सोसायटी सं० नं० 559/ए/वी-1/1, विवेकेवाडी, पूना-2
है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नं० 3083/दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरुक (अन्तरकर्ते) और अन्तरिती
(अन्तरितीरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रती-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरुण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन करु देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
शाकिता के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बधात है—

(1) प्रदीप कम्प्लेक्शन प्रा० लिमिटेड 136 नाना पेठ,
पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज हर्षथकुमार बंद, 231/2, नाना पेठ,
पूना-2।

(अस्तित्व)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तानरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वन्दूस्ती

फ्लैट नं० 202, लालबाग को-आप० हाउसिंग सोसायटी
सं० नं० 559/ए/वी-1/1, विवेकेवाडी, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37 ई ६/3083/पूना/
83-84 ता० दिसम्बर 1983 को संहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी
सभी प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-4-1984

मोहृ

प्रलम्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 3 अग्रैस 1984

निवेश सं सीए० 5/37 ई/557/83-84—यतः मुझे,
शिक्षकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 204, लालबाग को-आप० हाऊँ
सोसायटी सं० नं० 559/ए/वी-1 विवेवाडी, पूना-2
है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज
पूना में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नं० 3084/दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) मैसर्स प्रबीप कन्स्ट्रक्शन प्रा० लिमिटेड 136,
नाना पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीष रमण लाल नवलखा 216 पूना पेठ,
पूना-2।

(गम्भीरती)

को यह सूचना आरूप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है [1]।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, लालबाग को-आप हाऊसिंग सोसायटी
लि०, सं० सं० 559/ए/वी-1/1, विवेवाडी, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ई/3084/पूना,
83-84 ता० दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दपतर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 3-4-1984

मोहर ४

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सीए० 5/37 ई ६/५५६/८३-४—यतः मुझे,
शाशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा
269-ष के अधीन सकारात्मकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402 लालबाग को-ओप हाऊ०
सोसायटी सं० नं० ५५९/ए/बी-१, बिवेकाडी, पुना-२ है तथा
जो पुना-२ में स्थित है (और इसमें उपावड अनूसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
पुना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन नं० 3085/दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हड़ि किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के बन्तरक के
वायित्व में कमी करने था उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैरसे प्रदीप कन्स्ट्रक्शन प्रा० लिमिटेड, 136,
नाना पेठ, पुना-२।

(अन्तरक)

(2) श्री विमलचन्द्र फूलचन्द्र ओसवाळ, 181, नाना पेठ,
पुना-२।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होंगा, जो उस अध्याय में दिये
गया है

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, लालबाग को-ओप हाऊसिंग सोसायटी,
सं० नं० ५५९/ए/बी-१/१, बिवेकाडी, पुना-२।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत नं० ३७ ई ६/३०८५/पुना/
८३-४ ता० दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 3-4-1984

माहेर :

प्रस्तुत बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सोग 5 /37 ई/555/83-84—यतः मुझे,
शिक्षिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-ग (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, लालबाग को-आ०प०
हाऊ० सोमायटी, सं० नं० 559 इ/बी-1/1 विवेवाडी
पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इसमें उपायदृ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नं० 3086 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, एसे रख्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के नियः अर्च/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य अधिकारी
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में संविधा
के निएः

जन. अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारी (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

3—86GII84

(1) मैमसे प्रदीप कन्स्टेन्ट श्री. दिग्गिल, 136,
नाना पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल बन्सीलाल लुकड 161/62 द्वारिका
प्रापटमेंट्स, मुकुन्दनगर, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवृद्धि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, लालबाग को-आ०हाऊ० सोमायटी, सं० नं०
559/इ/बी-1, विवेवाडी, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर नं० 37ई०/3086/पूना/
1983-84 ता० दिसम्बर 1983 को महायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा
।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 3-4-1984

मोहर :

प्रध्यप बाई.टी.एन.एस.-----

मात्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी 5/37 है ई/554/83-84—यतः मः
शिकायत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, (ए) 1240, भवानी
पेठ, पालघरी विठोवा चौक, पूना-2, तथा जो पूना-2 में
स्थित है (और इससे उपावढे अनमूलो में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, जिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नं० 2973 दिसम्बर/1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किंवित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या
के लिए; अरि/या

(ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसेतियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपने में सहाय्या
के लिए;

(1) मैमवं चैम्पियन इस्टेट प्रा० लिमिटेड 95, न्यू पेटोट
मेन्नान, मेट्रो रोड, पांड रोड, ब्रॉम्बे-7।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकांत एन० मुन्नवा और श्रीमती निमंता
पान० मुचान 1105, नविवार पेठ, पूना-2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग्य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भैं लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403 (ए) 1240, भवानी पेठ, पालघरी विठोवा
चौक, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० 37 है ई/2973/पूना/
83-84, ना० 2 दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

गणेशांत कुलकर्णी
मन्त्री प्राप्तियांगी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

तारीख : १-१-१९८४

माहूर :

प्रस्तुप बाहौदी, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निषेध सं० सी ०४० ५/३७ ई० ६०/५५३/८३-८४—यतः
मुझे, शिक्षकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं० 108 (ए) 1240 भवानी
पेठ पालखी विठोवा चौक, पूना—२ (थोवा—१८१ स्क्वे
र्फीट) है तथा जो पूना—२ में स्थित है (और इसमें उपावढ
ग्रनूस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नं० 2680/ तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एम्बे अंतरण के लिए नया यथा मया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्ट किसी आय की वाचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकृत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चेम्पियन हस्टेट (प्रा०) निमिटेड, 95 न्यू पलिं
मेन्शन स्लेटर बॉड, ग्रान्ट रोड, बांग्ले-७
(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसूमति श्रार० सोनी और श्री विष्णु
श्रार० सोनी, 19 कसबा पेठ, पूना-११.
(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अस्तित्वों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

भूमिकाएँ

आफिस नं० 108 (ए)

1240 भवानी पेठ, पालखी विठोवा चौक, पूना—२
(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत नं० 37 ई० ६०/२६८०/पूना-
८३-८४ ता० १०-११-८३ को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।

शिक्षकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-4-1984
मोहर

मस्त. नाई, डी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कार्यालय

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं. सी० प० 5/37ई० ई०/552/83-84—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ऑफिस नं. 112 (ए) 1240, भवानी पेठ पूना -2, है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 2412 तारीख सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल का प्रदूषित दूसरामात्र से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की भावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निः; और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहृण था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की जगह (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पी, असत् :—

- (1) मेसर्स चैम्पियन इस्टेट (प्रा०) लिमिटेड, 95 न्यू पेटटि मेन्शन, स्लेटर रोड, ग्राट रोड, वॉम्बे-८
(अन्तरक)
(2) श्री महेंद्रा एच शाह 290/1, घोड़पड़े पेठ,
पूना-२
(अन्तरिती)

अब यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के सिए कार्यवाहियां करता है :

सम्पत्ति सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कांड़ भी आश्रप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऑफिस नं. 112 (ए)

1240, भवानी पेठ, पूना-२

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37 ई० ४०/2412/पूना-83-84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दफतर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

मार्गीका 4-4-1984

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-थ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक ५ अग्रैल १९८४

निर्देश मा० सी० ए० ५/३७ ई० ६०/५५/८३-८४—यह:
मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भाग
२६९-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

अंतर जिसकी संख्या शाप नं० २ (ए), १२४०, भवानी पेठ,
पूना -२ है तथा जो पूना -२ में स्थित है (अंतर इसमें
उपाबद्ध अनूसूची में प्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन नं० २०७९ तारीख सितम्बर १९८३

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में, एसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निरीक्षण में घासीबक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बन्नरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सहीनियम के अधीन कर वर्ते के अंतरक के
वार्तियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अंतरित इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-थ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (१) नैमित्यन इस्टेट (प्रा०) लिंगिटेड, ९५, न्यू पेटीर
मैन्यन, स्लेटर गेट, प्राइंट रांड, बांस्बे—७
(अन्तरक)
- (२) श्री ओमप्रकाश शिवानगरन मुद्दा १५/ग
आयकर मोमायटी बवाटर गेट, रास्ता पेठ,
पूना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के उचित रूप से प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के उचित रूप से प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेकृत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में पौरभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
पया है।

मनूसनी

शॉप नं० --२ (ए)

१२४० भवानी पेठ, पालघाटी विठोबा चौक पूना--२

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० ३७ ई० ६०/२०७९/पूना,
८३-८४ ता० सितम्बर १९८३ को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : ४-४-१९८४

माहेर :

मरुष माइ. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सि० ए० 5/37 ई० ई०/55084-85—

यतः मृमे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संख्या शाप नं० 3 ए 1240, भवानीपेठ पालखी विठोबा चौक है तथा जो पुना 2. में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर संयुक्त अर्जन रेंज पुना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(1) मेसरो वीम्पयन इन्डेस्ट्री निं० 95, न्यू, पेट्रोट
मैनेजन स्लेटर रोड ग्रांटरोड, बोम्बे — 7

(अन्तरक)

(2) असेशर दधाल गोर्धनदास गोपल,

(2) श्री जयभगवान दास गोवर्धन दास गोपन 768
गणेश पेठ पुना—2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

वास्तवी

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दृकोन नं० 3 ए- 1240 भवानीपेठ पालखी विठोबा चौक पुना-2, क्षेत्र 256, स्क्वेर फिल।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3409 (37 ई० ई०) पुना 83-84 ता० 3-1-83 को सहायक आयकर आयकर अर्जन रेंज पुना के वक्तार में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दारीख : 4-4-1984

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्यक्ष बाहु¹, टी. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश मं. सो. ०४०. ५/३७८० ई०/५१९/८३-८४—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं. 16 (ए) 1240 भवानी पेठ
पालखी विठोदा चौक, पुना-2 है तथा जो पुना-2 में स्थित
है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नं. 2624 तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता आहिए था, छिपाने में मुश्किल
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स चैम्पियन हस्टेट (प्रा०) लिमिटेड, 95,
न्यू पेटीट मेन्शन, स्लोटर गोड, ग्रांट गोड, ओम्ब्रे
400007

(अन्तरक)

(2) श्री चम्पालाल जीवराज मनडोल और श्री बाबूलाल
जीवराज मनजीत, 67, जीवन मोहल्ला, फिरोजाबाद
283203।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सबल
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं. 16 (ए)

1240, भवानी पेठ, पालखी विठोदा चौक, पुना—2
(जैसे कि रजिस्ट्रीकूर नं. 37 ई०/२६२४/पुना)
83-84 ता० नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांग कुलकर्णी

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 4-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आदृ. ई. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निवेश सं. सी० ए० ५/३७ ई० ५४८/८३-८४—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

ग्रीष्म जिसकी सं. फ्लैट नं. 401(ए) 1240, भवानी पेठ, पालखी
विठोवा चौक, पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (ग्रीष्म
इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नं. 2972/दिनांक दिसम्बर 1983
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
मन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा यथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप में कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के दूर्द की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे वर्धन में सुविधा के लिए
कीर/अ

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या वन्य जाप्तियों
को, जिन्हें भारतीय अम्भकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया बाया चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकार्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थतः :—

(1) मेमर्ज चैम्पियन इंटरेंट (पा०) निनिटे०
95, न्यू पॉट मेंगन, स्लेटर रोड,
ग्रॉट रोड, वर्म्बै०-७।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल रामचन्द्रा डागा,
1244, भवानी पेठ,
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
मवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास
निवित में विद्यु जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 401(ए) 1240, भवानी पेठ, पालखी विठोवा
चौक, पूना-2

[जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नं. ३७६०६०/२९७२/पूना-८३-८४
तारीख 2 दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के द्वारा में लिखा है।]

दिनांक : 4-4-1984

मोहर

शशिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ई० ई०/467/83-84—यतः
मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
द्वीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21 (पुराना नं० 2), सुयोजना को०
आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आय की नापद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे भ्रन्ति में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—86GI[84

(1) डा० आनंद लालचंदानी आनंद,
203, धूपलाल, ए-विंग,
फोर बंगलो रोड, वरसोवा,
बम्बई-400058।

(अन्तरक)

(2) सुयोजना को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि०,
9-ए०/2, बुधवार पेठ,
पूना-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहृत्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लालचंद

फ्लैट नं० 21 (पुराना नं० 2), सुयोजना को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० कोरेंगांव पार्क के नजदीक, पूना/क्लैंस 10890 स्क्वे० फीट।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-ई० ई०/2583/पूना/ 83-84 ता० 1-11-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफतर में लिखा है।

शिक्षिकांत कुलकर्णी,
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

दिनांक: 15-2-1984

मोहर

प्रस्तुत आहे, टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, वितांक 12 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० ५/३७ ई० ३६७/८३-८४—यतः
मुझे, शिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-३ हर्मस टावर को०-ग्रा० सोसायटी
सर्व० नं० ६१८ पूना १ (क्षेत्र १०१८ स्क्वै० फीट) है तथा जो
पूमा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितंबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में किसी करने या उससे उत्तरे में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भव या वन्य जास्तियों
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
के लिए।

उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) मेसर्स रमेश विलडर्स,
धीरज चेम्बर्स, ९ वौदवाय रोड,
मुंबई-१

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक जी० मुंद्रा,
ए-३, हरमेश टावर,
६१८, साचापीर स्ट्रीट,
पूना-१

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-३ हर्मस टावर्स को० आ० हाऊसिंग सोसायटी
सर्व० नं० ६१८ पूना-१
(क्षेत्र १०१८ स्क्वै० फीट)

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० ३७ ई० ३६७/पूना/ जो
तारीख २३-९-१९८३ को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के आफिस में लिखा है।]

शिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

वितांक: 12-12-1983

माहूर :

प्रस्तुत आई., टी., एन., एस.-----

(1) कुमार बेहरे राठी,
783, भवानी पेठ, पूना-2आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना(2) श्री शांतीलाल एल० गोधी,
206/ए, शिवाजी नगर,
पूना-5

(अम्मरिती)

पूना, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० ५/३७ ई० ई०/३६८/८३-८४—यतः
मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 शिवाजी नगर पूना-5 (ध्वेत
630 स्क्वै० फीट) है तथा जो पूना-5 में स्थित है (श्री इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नं० 2103/दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्त सम्पाद्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन बत वर्तने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की समन्वय में ‘बोई’ भी जालेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बूष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

फ्लैट नं० 401, 216, शिवाजी नगर पूना- ।
(630 स्क्वै० फीट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2103/दिनांक सितम्बर 83 को
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर
में लिया है)।

शाशिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक: 7-1-84
मोहर

प्रकृष्ट माइ. टी. एन. एस. -----
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

आरत लूटकार

बायोलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 दिसम्बर 1983

निर्देश सं. सी० ए० 5/37 ई० ३६९/८३-४—यतः
मुझे, प्रशिक्षात् कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधीन उत्तर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवरास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. है अधिक है।
प्रीर जिसकी सं. फ्लैट नं. 405, 216, नारायण पेठ, पूना-30
(क्षेत्र 495 स्क्वैर फीट) है तथा जो पूना-30 में स्थित है (और
इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नं. 2104/दिनांक सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते भूत
विवरास का कारण है कि विषयपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अस्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आरूप्य
(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

वर्तमान उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भेसर्स श्री साई विल्सन,
48, मुकुंदनगर, पूना-37

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वी० पेंडरे,
744, सदाशिव पेठ, पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वापरेपें—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में इह-
दृश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तान्तरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है॥

विल्सन

फ्लैट नं. 405, 216, नारायण पेठ, पूना-30
(क्षेत्र 495 स्क्वैर फीट)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 2104/सितम्बर 1983 को सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में
लिखा है।)

प्रशिक्षात् कुलकर्णी,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 24-12-1983

मोहर

प्रकल्प बाई, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

सामग्री

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए०-५/३७ ई० ४१२/८३-८४—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
प्रदर्शन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2 सर्वे० नं० 844 दस्तुर मेट्रे० रोड
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद अनुभूति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 5 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरज्ञों) और बांतरिती
(बान्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हूँ किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बदने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य ब्राह्मियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

बता॒ अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति हूँ—

(1) मेसर्स रमेश बिल्डर्स,
9 बौद्धाय रोड, धीरज चेम्बर्स,
फोर्ड, बम्बई-400, 001

(अन्तरक)

(2) श्री कनाया दत्ताराम अधिवानी,
791 रानी टौम, अग्रवाल कालीनी,
भवानी पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय
कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पावड़
निश्चित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम सबों और पदों का, जो सबल
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचि

दुकान नं० 2 सर्वे० नं० 844 दस्तुर मेहरे रोड पूना-1
(जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं० 1827/83-84 जो तारीख
5-9-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, पूना

दिग्गंबर : 9-12-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के पर्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निर्देश सं. सी० ए० 5/37 ई० ३५७/८३-८४—यतः

मुझे, शाश्विकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाओर मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. छठा मंजिल, हरमीस हॉटेल को० हाऊसिंग
सोसायटी पूना-१ है तथा जो पूना में स्थित है (आर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 2 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाष्टोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बतारिती (बतारितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तद पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वाई/वा

(1) मेसर्स रमेश बिल्डर्स (इंडिया)

9 बुद्धाय रोड,
फोर्ट-मुबई-१

(अन्तरक)

(2) श्री विपीन कुमार लालजी ठक्कर,

मुकेश लालजीभाई ठक्कर,
को०/आफ "द्वारका" 245 नारायण पेठ पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन नहीं

(क) इस सूचना के लिए प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा

(ख) इस सूचना के लिए प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिप्त्रोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आव या किसी बन या अन्य आविष्यों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० एफ-४ हरमीस हाईस को० आ० हाऊसिंग सोसायटी
1944 कोनब्टेट स्ट्रीट पूना-१ (क्षेत्र 1300 स्क्वै० फीट)।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूट नं० 37 ई० ३५७/८३-८४
पूना जो तारीख 2-९-१९८३ को सहायक आयकर आयुक्त
के दफ्तर में लिखा है)।

शाश्विकांत कुलकर्णी,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-12-1983

मोहर :

प्रस्तुप लाइंग, टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती अनुसुया तारारामद बंध,
नानिक रोड—जिला नासिक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) श्री एस० एस० मोशी,

छोटी बुद्रक लहसील इगतपुरी, जिला नासिक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, गृहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए०/५—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्ता अधिनियम' कहा गया है), फी धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० छोटी बुद्रक तातो इगतपुरी मकान नं० 357
एरिया—140 जिला नशिक है तथा जो इगतपुरी में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वायम निवंधक
इगतपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घान प्रतिफल से ऐसे दूर्घान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरदाय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वायम प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञानदृष्टि

छोटी बुद्रक मकान नं० 357 थोल 140, 48 स्केवर मीटर
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 408/83 जो सितम्बर 1983
को दूर्घान इगतपुरी के कार्यालय में लिखा है)शशिकांत कुलकर्णी
सकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुनाअसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सचात् :—

दिनांक: 7-4-1984

लोहुड श

प्रस्तुत वाईं टी. एन. एस. —————

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भ्रात्यकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/83-84—यतः मुझे, शिकायत
कुलकर्णी,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजे कुपवाड सर्व० नं० 329 प्लाट नं० 15
कुपवाड जिला सांगली है तथा जो कुपवाड में स्थित है (और
इससे उपाखद ग्रन्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निबंधक मिरज I
सांगली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको): और अंतरित
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से जारी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
कार्य की अपील अहं दर्ने के अन्तरक के दायित्व में
जीव चलने वा उचले जाने वाली दृष्टि के द्विभाव के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तियों
को, उक्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उचल अधिनियम, या
भत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री नूर मोहम्मद हुसैन मिरजे,
माधव नगर—मैन रोड,
रेयुलर टेलरिंग फर्म—ता० मिरज,
जिला सांगली

(अन्तरक)

(2) श्री जयसिंह तुलसीराम यादव,
श्री गुलाब तुलसीराम यादव
साम्वारवाड़ी ता० मिरज,
जिला—सांगली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बधाय में दिया
गया है।

मन्त्री

मौजे कुपवाड—सर्व० नं० 329 प्लाट नं० 15 कुपवाड
जिला सांगली।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2120 जो तारीख सितम्बर
1983 द्वयम निबंधक मिरज I जिला सांगली के आफिसर में
लिखा है)

शिकायत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर प्राप्ति (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 4-4-1984

मोहर :

यतः बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
वा., वा., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपारण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकान्द

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० आ० 5/37 ई० ई०/569/83-84—यसः
मुझे, शिक्षकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 आर० एस० नं० 102/2ए
एच० नं० 2 सी० एस० नं० 102 तथा जो शिवाजी नगर पूना
स्थित है (श्रीर इसमें उपांचढ़ी अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित अंतरिक्ष
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आंतरिक
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी हैं—

5—86GI|84

(1) मेमसं भावेश्वर बिलड्सं,
25 "श्रीकृष्ण" दूसरा माला,
देवीदयाल रोड, मुंबई-80

(अन्तरक)

(2) श्री एम० डी० माने,
श्रीमती एस० एम० माने

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी
अधिक दाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिङ्गित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में पर्याप्ति-
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
दिया गया है।

सम्पूर्णी

फ्लैट नं० 101, आर० एस० नं० 102/2ए एच० नं० 2
सी० एस० नं० 102, शिवाजी नगर पूना-5

[जैसा कि रजिस्ट्रीक्ट नं० 37 ई० ई०/1968/(ग्रन्तुमर
1983) पूना जो नारीघ भारतीय आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है]।

शिक्षकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-3-1984

माहूर

प्रस्तुप्. आर्द्ध. टी. एन. एस. - + + -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० पा० 5/37 है० है०/570/84-85—यह:
मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विवाहास करने वा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. ते अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, फाईना० प्लाट नं० 54, योगन
कालोनी है नथा जो पूना-1 में स्थित है (और हमसे उपावल
श्रुत्युक्ति में श्रौत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अगस्त 1983।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे रखनान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नथ नामा गया
प्रतिफल, निम्नानियम उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमिट में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हूँड़ किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उसमें बचने गे ग्रन्तिधा के लिए,
कौड़ा/वा(ख) एसी किसी आय या किसी भन या वन्य आमतयां
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में
संविधा के लिए;(1) श्री योगेन्द्रनाथ विश्वास,
12-पूर्व वैष्णवीग गोद,
कलकत्ता-43(2) श्री जगदीश परणराम नाथ,
16/6, एर्डवना, पूना-4

(अन्तर्गत)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्प :—

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंग-
पट्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित से दिए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुसंघी

प्लैट नं० 3, फाईना० प्लाट नं० 54 योरारान कालोनी
एर्डवना पूना-4।

क्षेत्र-4524 स्वच० फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-है० है०/1815/83-84/
पूना/अक्टूबर 1983 को सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।शिक्षिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूनाअन्न भव., नवकर अधिनियम, की भाग 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपायास (1)
के अधीन, निम्नानियम व्यक्तियों, अधीत ४—

तारीख : 10-4-84

माहेश

प्ररूप आर्द्ध, टी. एन., प्रस., अमृतसर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय, पुना

पुना, दिनांक 29 मार्च 1984

निवेश मं० सी० ए० 5/३७ ई० ५७१/८३-४।—अन्तः
मध्य, शिक्षकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं० फैट नं० ८, गोरख याटमेंट्स, प्लाट नं० १६
सं० नं० ११३ है तथा जो कास पुना में स्थित है (ओर इसमें
उपावद्ध अनुमूल्यी में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरन
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक निम्नवर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संबंध के छयामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे गहर विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है तोर अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) दो बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्न निखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिक्रिया में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सहूद किसी आय की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हरने के अन्तर्क के
दायित्व में कमो करने था उसम बनने भा तूर्निया
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिक
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जावाग (1)
के अधीन, जिसलिखित व्यक्तियों, अधोत् :—

(1) मससे के प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स,
५८/ए, कस्तुरबा हाऊसिंग सोमायटी,
विश्वानंदांगी, गांधीनगर, पुना

(अन्नारक)

(2) श्री तिलकचंद रामस्वरूप अग्रवाल,
न०/श्रफ मुकेश जनरल स्टोर्स,
विश्वानंदांगी, गांधीनगर, पुना

(अन्नारकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां झरता है।

उक्त संविति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धध
विभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-वीं चौं परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महासचिव

फैट नं० ९, गोरख याटमेंट्स, फैट नं० १०, मं० नं० ११३;
कलग शिशानवाडा पुना/मेव ६२१ म्केव० फीट (बिस्ट अब
परिया)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरन नवर ३७-ई० १११८/पुना/
८३-४ मिन्म्वर 1983 का स्थायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) ग्रंथालय, पुना के द्वारा में लिखा है)।

शिक्षकांत कुलकर्णी
गठम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय, पुना

दिनांक: 29-3-1984

मोहुर

प्रधन बाई, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37 ई० ई०/573/84-85—यतः
मुझे, शिक्षिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संशमन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं०—4501, घोरपडे पेठ, पूना-2 है।
तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपावडे अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मं० 1960/मित्रवद्वारा 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

(1) श्री हरीनारायण पन्नालाल मात्यानी,
1538, शक्कवार पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साधना सुभाय शर्मा,
फ्लैट नं०-1, आनंद सोमायारी,
मुकुंदनगर, पूना-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के से परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सुची

आफिम नं० 4 पन्ना चेम्बर्म, 501, घोरपडे पेठ, पूना-2

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत मं० 37 ई० ई०/1960/पूना/1983-
84 ता० मित्रवद्वारा 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शिक्षिकांत कुलकर्णी
संशमन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तरिती, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-4-1984

माहूर ४

प्रस्तुत आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० मी० ८० ५०/३७ ई० ५०/५७४/८४-८५—यतः

मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 206 मी पश्चा चेम्बर्स, 501, घोरपटे
पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नं० 1673/सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
विविध, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से है किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दौने के बन्तरक वे
वास्तविक में कमी करने वा उसमें बदलने में सुविधा
के निए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
हो जिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीनारायण पन्नालाल माल्यानी,
1538, शक्तिवार पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

(2) मंगल ज्ञानेश्वर मूजबन्द,
श्रवंतिका आपार्टमेंट, फ्लैट नं० 11,
मुंदुंदतगर, पूना-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममृसूची

आफिस नं० 206सी पश्चा चेम्बर्स, 501, घोरपटे पेठ, पूना-2
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ई० ५०/१६७३/पूना/८३-८४
ता० सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-4-1984

मोहर :

प्रकृत नाईट बी इंड इंडिया —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 मार्च 1984

निर्देश मं. मी. १० ए०/३७ ई० ई०/५७५/८३-८४—यतः
मुझे, शणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. प्लैट नं. 304 विकास आपार्टमेंट, प्लैट नं. 35,
गजबंधन पाथरी, डोम्बीवली—थाणा है तथा जो डोम्बीवली में स्थित
है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सौंचा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः बब्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमसं विकास बिल्डर्स
32, अपोलो स्ट्रीट फोर्ट,
वम्बई 400023।

(अन्तरगत)

(2) श्री नारायणभाई मंगलदाम पटेल,
जानकी राम निवास—गोपालवली,
संत नामदेव पट्टी, डोम्बीवली,
जिला थाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाईहारण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मृत्यु की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ग किसी व्यावक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास दिलाई गई किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभृत है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

ममूसूची

प्लैट 304, विकास आपार्टमेंट प्लाट नं. 35, गजबंधन पाथरी
डोम्बीवली जिला थाणा।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकून नं. 37 ई० ई०/२७१५/थाना जो तारीख
सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शणिकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 30-3-1984
मोहर #

प्ररूप आई. ई. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 21 जून 1984

निवेदण सं० सी० ए० 5/37ई/576/83-84—यतः मुझे,
श्रियकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० फ्लैट नं० 103 पहिला माला, विकास अपार्टमेंट,
सर्वे नं० 57, मकान नं० K-2 डोम्बीवाली जिला ठाणा है तथा
जो डोम्बीवाली में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी को
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21-10-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इक्षमान प्रतिफल सं, ऐसे इक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा
प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्दरेख से उक्त अन्तरण निमित्त
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी भाय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन्दा अस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभासा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मसूं विकास विलेस

32. अपोलो स्ट्रीट, फोर्ट मुम्बई-23।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश वानकृष्ण देशपांडे

सम नं० 1 और 2 ग्राउंड फ्लोर

प्रभात निवास संन नामदेव पथ

निवार आईल डेपो, डोम्बीवाली

जिला—ठाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, पहिला माला विकास अपार्टमेंट सर्वे नं०
57 मकान नं० के-2 डोम्बीवाली जिला ठाणे।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई/2202/पूना जो तारीख
21-10-1983को० महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

श्रियकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 21-3-1984
मोहर

प्रकाश बाई, टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निवेश सं० मी० ए० 5/37ई/577/83-84—यतः मृत्ति, मृत्ति, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फैट नं० बी-4 द्वारा माला मकान नं० 1994 कान्वेंट स्ट्रीट, पूना में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर (आयकर) निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में, ग्रन्ति-स्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी भाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कानून देने के अन्तरक के अधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) मेसर्स रमेश श्रीडम,
धीरज बेम्बर्म 9 बौद्धाय रोड फोर्ट
बम्बई-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधाबाई एम० भोजवानी
श्रीमती पूजा ह्वी० भोजवानी
10, अग्रवाल कालोनी पूना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके 1वं त्र. सम्पत्ति के अर्जन के लिए यार्थवाक्यों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भैं हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैट नं० मी०-१ द्वारा माला माकान नं० 19904 कान्वेंट स्ट्रीट पूना—1

(जैसी कि रजिस्ट्रीक्षण नं० 37ई/1942 जो तारीख सितम्बर 1983 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के आफिस में लिखा है)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 4-4-1984

मोहर

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ई/83-84/578—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० शीतल बिल्डिंग है तथा जो कल्यान
जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंचव अंतरिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में लिखा नहीं दिया गया है :—

(क) अंतरण से हृदय किसी आव की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दत्ते के बत्तुक वी
वायित्व में कमी करने या उससे उक्त में सुविधा
का नियम, और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आवदों
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगस्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सांचड़ होना,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

6—\$6GI/84

(1) श्री गणानन विठ्ठल फडनीस और अन्य
फडनीस वाडी पार नाका,
कल्याण, जिला थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधाकर रघुनाथ शिंदे
ले० ले० आलं कल्याण, जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में हृदय भी आवेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
अविक्षय में से किसी अविक्षय इवाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभ किंती बन्य अविक्षय इवाया अधोहस्ताकरी भी
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, शीतल बिल्डिंग, फडनीस वाडा, आगरा रोड
कल्यान जिला थाना/क्षेत्र-60. 77 स्क्वे० मीटर्स।

(जिसे कि रजिस्ट्रेशन नम्बर 37ई/2460/थाना/83-84-
सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

प्रस्तुत बाटौँ, टी. पट., एवं, -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 मार्च 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ई/83-84/579—यतः मुझे
शाशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं० प्लैट नं० 6 प्लैट नं० 2 और 3 सी० एल०
नं० 3333 है तथा जो कल्यान जिला धाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कायलिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 24-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिक्षाओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब यामा गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
कर से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसरें अभिनव विलडर्स,
मालेराव भवन तिळक चौक,
बत्ता अर्ले कल्यान जिला धाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश मोहनलाल पोपट
सं० 12. कानानी घास डा० अम्बेडकर रोड,
कल्यान, जिला धाना।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कायलियाहीया शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दस
लिङ्गित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, प्लाट नम्बर 2 और 3 सी० नं० 3333
गोशाला रोड, कल्यान जिला० धाना / थेव्रे वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन नम्बर 37-ई/2465/83-84/
धाना/ता० 24-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 30-3-1984

सांहर :

प्रकृष्ट नाइंटी-एन-एस] -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयकर आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 30 मार्च 1984

निरेश सं० सं० १० ए० ५/३७ई/८३-८४/५६०—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रतिशत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, फ्लैट नं० 2, हिस्सा नं० 8
सं० नं० 17ए है तथा जो बासीरी पुना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 26-९-1983,

मेरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रक्रि-
या दिनांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
मूल्य से कमिह नहीं किया गया है—

(१) अन्तरण के हुए किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वास्तविक में अधीन करने वा उक्त दने में दूषित
में नियंत्रण की गयी।

(२) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिसे हास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए तो, उसने में दूषित
में नियंत्रण की गयी।

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्सं परमार कन्स्ट्रक्शन्स,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
शांतीनगर सोसायटी, पुना-२
(अन्तरक)
(2) कर्नल इंदु भूषण गोएल,
9, आनन्द कार्नर, 18 डॉ कोयाजी मार्ग,
पुना-१
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके अंदर व्यक्तियों पर^१
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रदृश्यत छायाँ और पड़ों का, श्री उद्योग
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृतसूची

फ्लैट नं० ५, प्लाट नं० २, हिस्सा नं० ८, सं० नं० १७ए, मौजे
बासीरी पुना—१।

ओवर—१०४० वर्ग फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर ३७ई/२११८/८३-८४/
पुना दिनांक 26-९-1983 को सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : ३०-३-८४

माहूर :

कल्प आई.टी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 मार्च 1984

निवेदा सं० सौ० ए० ३७६१/८३-८४—५८१—यतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6,
सं० नं० 17-ए है तथा जो वानोरी पूना में स्थित है (और इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 18) के अधीन, दिनांक १०-९-१९४३,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते को कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेशर्स परमार कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
3ए/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
शांतीनगर सोसायटी

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० प्रेमकुमार
18/2/6, नेताजी नगर, वानोरी,
पूना-40।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 18, चौथी मंजिल, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6,
सं० नं० 17-ए, वानोरी, पूना-13 खेत्र—720 कर्ग फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्ट नम्बर 3761/1939/83-84/
पूना/दिनांक 9-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना।

दिनांक : 30-3-84

मोहर :

प्रलेप आई. टो. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

(1) श्रीमती पुर्णदा पी. करंदीकार

35/18 पी. डब्ल्यू. डॉ. कालोनी,
अरेंडवना, पुना--38

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा गिरीष करंदीकार

1225/ई, दुर्ग प्रसाद,
डेकन जिमखाना-पूना-4

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्प :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तराम्बधी द्वारा स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीकरण :--इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्का

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा हिस्सा प्राप्त या नहीं था या अन्य पासित रूप, जिन्हे नारंगी प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सन्तुरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पुर्णदा पी. करंदीकार

35/18 पी. डब्ल्यू. डॉ. कालोनी,
अरेंडवना, पुना--38

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा गिरीष करंदीकार

1225/ई, दुर्ग प्रसाद,
डेकन जिमखाना-पूना-4

(अतिरिक्त)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्प :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तराम्बधी द्वारा स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीकरण :--इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं. 3 प्लाट नं. 2 लवे नं. 30/ए/6/1/2 कोथड
पुना-29।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकूट नं. 37ई/2241/पुना/83-84 जो तारीख मितम्बर 1983 को सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

गणितांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 2-4-1984

माहूर :

मुख्य वाइ.टी.एम.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) वे अधीन सूचना

शोध संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए/5/37ई/83-84/583—यतः मुझे,
शिक्षकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5 घनलक्ष्मी अपार्टमेंट सी० टी०
एस० नं० 3025/6 सर्वे नं० 93-1 भाँडुर्डा पूना है तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तीर्ण की गई है और मृत्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापितव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतृ अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बर्तात ५—

(1) श्री के० एम० गुजार
मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स—८३६, सदाशिव पेठ,
पूना-३०।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती कमला इन्ड्रेसेन पाटिल,
2. पोमना अविनाश जठार
भागीदार।
उमा इंटरप्राइसेस—८२०/४ सुरुचि सोसायटी,
धांडारकर इंस्टीट्यूट रोड,
शिवाजी नगर
पूना-४

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

दुकान नं० ५, घन लक्ष्मी अपार्टमेंट सी० टी० एस० नं०
3025/6 सर्वे नं० 93-ए-१ भाँडुर्डा पूना।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई/1841/83-84 जो
तारीख सितम्बर 1983 को व सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 2-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई, दी. पर., पर.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 मार्च 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ई/83-84/584—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 503, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 8,
सं० नं० 17ए है तथा जो बांगोरी पूना में स्थित है (और इससे
उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीकण) अर्जन
रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 26-9-1983,

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत वित्तव के अनुसार अस्तरित की
गई है और मूर्ख, यह विषयास करने का कारण है कि बथा-
पूर्णोक्त सम्पत्ति का ऊर्जित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल
का पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया
बाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
वं बास्तविक रूप से कीचित नहीं किया जया है :—

(म) अन्तरण वं हूई किसी बाय की बायत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दनें के अन्तरक की वायित्य में
कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा की लिये;
जीड़/शा

(न) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बायारा प्रकट नहीं किया जाय
या या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स परमार कन्ट्रोक्शन्स
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
पूना—2

(अस्तरक)

(2) श्री रमजान अली शेख,
606, शुक्रवार पेठ,
पूना-2।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बायारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति बायारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 503, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 8, सं० नं० 17-
ए, बांगोरी, पूना-13।
केंद्र—730 वर्ग फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नम्बर 37-ई/2116/83-84/
पूना दिनांक 26-9-1983 को सहायक आयकर आयकर
(निरीकण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 30-3-1984

माहूर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ई/83-84/586—यतः, मुझे,
शणिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रुपये अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 426 है तथा जो पुना में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-9-1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य में लगता अन्तर्याम निम्निका
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) भेसर्स विजय एण्टरप्राइजेस ,
515, रेवा चैम्बर्स, मरीन लाईंस,
बम्बई—20 .।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल ए० गुरनानी
1/10, सरस्वती सोसायटी, 819,
भवानी पेठ, पुना—2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करका है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप्रयोग नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
धाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरीर से
दूर विच्छिन्न यों बित्त जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्या

फ्लैट नं० 426, चौथी मंजिल, बी० विंग, कलोवर सेंटर,
7 मोलेदिना रोड, पुना—1।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ई/2100/83-84/
पुना दिनांक 17-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

शणिकांत कुलकर्णी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 5-4-1984

मोहर :

अतः नब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5.अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ई/585/84-85—यसः मुझे,
शिक्षिकांस कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्तनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद संघरण का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 5, 501, घोरपडे पेठ, पूना—2 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नम्बर 1959 दिनांक गिरवार, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाद संघरण का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त असरण लिखित में बाल्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रकट कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—86GII84

(1) श्री हरीनारायण पन्नालाल मालपाणी

1538, शुक्रवार पेठ, पूना—2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारी आई जी० शर्मा

फ्लैट नं० १, आनन्द सोसायटी

मुकुंद नगर, पूना—37।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थान समीक्षा में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विभास्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मान्यता

आफिस नं० 5,
पन्ना चैम्बर्स, 501 घोरपडे पेठ,
पूना—2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ई/1959/पूना/83-84, सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-4-1984

माहूर 2

प्रस्तुत आइं. टी., एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ई/572/84-85—यतः,
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 206 ए/बी, पन्ना थेम्बर्स, 501,
घोरपडे पेठ, तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) नम्बर 1674, के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्य में कभी कुनै या उससे बद्धने में सूचिधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सूचिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित हूँ—

(1) श्री हरीनारायण पन्नालाल मालयाणी
1538, कवार, पेठ, पूना—2।

(अन्तरक)

(2) श्री शानेश्वर भिकू मूजवल
अवंतिका अपार्टमेंट्स फ्लैट नं०-11
मुकुंदनगर, पूना—37।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

सूचना

आफिस नं० 206 ए० और थी० पन्ना थेम्बर्स, 501, घोरपडे
पेठ, पूना—2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्यूट नं० 37ई/1674/पूना/83-84
सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन
रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

द्रुक्ष प्राइ. टी. एन. एस. -----

(1) 1. श्री लाल चन्द्र अग्रवाल

श्रीमती मिलम आर० अग्रवाल

(3) श्रीमती मन्जू वाम अग्रवाल

प्रार० ओ० सिंधिल लाईन, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अम्पालाल, एम० राठी,

2. श्री पुरुषोत्तम एम, राठी

3. श्री मूरलीधर एम० राठी

आर औ पेठरेटाउन, धरमी नागपुर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार

कायांसय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, विनांक 31 मार्च, 1984

निर्देश सं० सी/एक्सी/36/14/83-84:—अतः, मुझे, एम० सी०

जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 86 है, तथा जो धरमपेट नागपुर में स्थित है
और उसके उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांसय, नागपुर (डाकूमेंट सं०
4972/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908,
(1908 का 16) के अधीन, 29 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कुछ दरने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 47 और मकान जो खरेटाउन धरमपेट नागपुर
में स्थित हैं और जिसका कुल एरीया 7126 वर्ग फैट

एम० सी० जोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

तारीख: 31-3-1984

मोहृषि ॥

प्रकल्प बाईंडी, पटना एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 4 मई, 1984

सं. III वी/28/अर्ज /84-85:—अतः मुझे प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्रविधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाता सं. 70, प्लाट सं. 137-क, 137-
ख एवं 137-ग वाई सं. 12, सर्किल सं. 3, हो. सं.
33 र, तथा जो मोहल्ला मन्डीयक, पटल बाबू रोड पो./
जिला भागलपुर में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि
और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-1989।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दूर्घान प्रतिफल संपत्ति का ऊचत बाजार मूल्य,
उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हूँ लिखी जाने की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दत्ते के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था. छिपाने में सविधा के लिए;

उक्त अद्य उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्रीमती हिरन बाला अटर्डी,
मिशासी-29, बनमामला अटर्डी स्ट्रीट,
कलकत्ता-2

(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ प्रसाद,
सा०/पो० नाथमगर,
जिला-भागलपुर

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

मन्त्रालय

.025 हैटर्स जमीन मध्य भकान जो महल्ला मन्डीचक,
पटल बाबू रोड, पो० जिला/भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण
रूप से असिका सं. 1983 दिनांक 2-9-89 में वर्णित
है और सब रजिस्ट्रार आफ एस्प्रीरेंस कलकत्ता के द्वारा
पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दुबे,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

प्रस्तुत बाई.टी.एस.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्रम, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 4 मई, 1989

निर्वेश सं. II-- 23 अर्जन 84-85:—अतः, मूँहे, प्रबोध
कुमार दूधे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इकले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 70 खाता सं. 137, क, 137 ख,
एवं 137 ग वार्ड सं. 12, सर्किल सं. 3, हा० सं. 33
है, तथा जो महल्ला, मूँडीचक पटल बाबुरोड, पो०/जिला
भागलपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तुण के हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धरे या अन्य व्यापत्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भद्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवोधनार्थ अस्तरिती द्वाया शब्द महीं किया
जावा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दरिद्रा के लिए;

1. श्रीमती उमा अटर्जी,
निवासी-29, बनमाली अटर्जी, स्ट्रीट,
कलकत्ता-2।

(अंतरक)

2. श्रीमती कैशो कुमारी देवी,
सा० पो० नाथनगर,
जिला भागलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमदर्श
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यापार व्यापारात्मक रूप से
लिखित में किए था सँझें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जवा है।

मन्त्री

.025 हक्टर जमीन मय मकान जो महल्ला मूँडीचक,
पटल बाबु रोड, पो०/जिला भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण
रूप से वसिका संज्ञा 128890 दिनांक 2-9-83 में वर्णित
है और सब-रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा
पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूधे,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बिहार पटना

क्रमांक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हैं—

तारीख: 4-5-1984

मोहर:

प्रस्तुप आइ.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र बिहार, पटना।
पटना, दिनांक 4 मई, 1984

निर्देश सं. II— 22/अर्जन/84-85---अतः मुझे प्रबोध
कुमार दुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 70, एनाट नं. 137 क, 137
व एवं 137 ग, घाँड़ सं. 12, सक्किल सं. 3, हो. सं.
33 है तथा जो महल्ला मन्डीचक, पटल बाबू रोड, पो. जिला
भागलपुर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 2 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री मदन मोहन चटर्जी,
तिथासी-29, बनमाली चटर्जी स्ट्रीट,
कलकत्ता-2।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीना देवी,
सा.पो.०-भाथनगर,
जिला-भागलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

0.25 हैक्टर से जमीन सब भकान जो महल्ला मुन्डीचक,
पटल बाबू रोड, पो. जिला भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण
रूप से वसिका संख्या 1 8900 दिनांक 2-9-83 में वर्णित
है और भव-रजिस्ट्रार ऑफ एस्पोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा
पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार पटना

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० 111-26/अर्जन/84-85:—ग्रन्त: मुझे, प्रबोध
कुमार द्वाबै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं०-70, प्लाट सं०-137क, 137
ख एवं 137ग, वार्ड सं०-12, सर्किल सं०-3, हो० सं०-33
है तथा जो महल्ला-मुन्डीचिक, पटल बाबू रोड़, पो०/जिला-भागलपुर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6
सितंबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुभे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हर किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आविष्ट था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्री महेन मोहन चटर्जी,
निवासी-29,
बनमाली चटर्जी मुद्रीट,
कलकत्ता-2.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेणु आर्या,
साँ० पी०-गायनगर,
जिला-भागलपुर।

(अन्तरिती)

कां इह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनुसूची

025 लैक्टर्स जमीन मय मकान जो महल्ला-मुन्डीचिक,
पटल बाबू रोड़, पो०/जिला-भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप
में वसिका सं०-1-8990 दिनांक 6-9-83 में वर्णित है और सब-
रजिस्ट्रार ऑफ प्रस्टोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वाबै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण,)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना।

तारीख : 4-5-1984.

माहूर :

प्रस्तुत वाहौ. डी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट लेटर्स

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (नियुक्ति)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 4 मई 1984

निवेश सं० 111- 25/अर्जन/84-85:—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं०-70, प्लाट सं० 137 क, 137 व
एवं 137 ग, बार्ड सं०-12, सर्किल सं०-3, हो० सं०-33
है तथा, जो महल्ला-मुष्टीचक, पटेल बाबू रोड, पो०/जिला-भागल-
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कौर्यालिय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
या या प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त स्थावर
निवित में कास्त्रिक रूप से कार्यत नहीं किया था है-----

(1) श्री मदन मोहन चटर्जी,
निवासी-29,
बनमाली चटर्जी स्ट्रीट,
कलकत्ता-2.

(2) श्रीमती कमला देवी वी,
सा०/प०-नाथनगर,
जिला-भागलपुर।

(भ्रतरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और प्रदान का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्थ द्वारा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

(ए) अन्तरण ते हरू किसी आय की आवश्य, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक वे
सामिल हों की करने वा उद्देश्य दर्शन में दृष्टिया
के निए; और/वा

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना आहिये था, छिपाने में
दीविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाय (1)
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों द्वारा कि 5—

मनुसूची

025 हेक्टर जमीन मय मकान जो महल्ला-मुष्टीचक,
पटल बाबू रोड, पो०/जिला-भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप में
बमिका सं०-1-8940 दिनांक 5-9-83 में बर्णित है और मब-
रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेन्स कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण,)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख : 4-5-1984.
मोहर

प्रकल्प आई.टी.एस.प्रब.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, पटना
पटना, दिनांक 4 मई, 1984

निदेश सं० 111- 26/अर्जन/ 84-85:—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार द्वाबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं०-70, प्लाट सं०-137क, 137 ख
एवं 137ग, वार्ड सं०-12, सर्किल सं०-3, हो० सं०-33 है तथा,
जो महल्ला—मून्डीचक, पटल बाबू रोड़, पौ०/जिला—भागलपुर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-9-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तुरीक
क्रम से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती इचारा प्रकल्प नहीं किया
जाना या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—86GII/84

(1) श्री भोला नाथ चटर्जी,
निवासी-29,
बनमाली चटर्जी स्ट्रीट,
कलकत्ता-2.

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र प्रसाद,
सा०/पो०-नाथनगर,
जिला—भागलपुर।

(अन्तरिती)

वह सूचना धारो वर्क्स पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूसूची

. 025 हेक्टर जमीन मय मकान जो महल्ला—मून्डीचक,
पटल बाबू रोड़, पौ०/जिला—भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप से
वसिका सं०-।—8939 दिनांक 5-9-83 में वर्णित है और सब-
रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार द्वाबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना।

तारीख : 4-5-84.

माहूर :

प्रकरण नं. टी. एस. सू. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 जनवरी 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या टी०-३६/एक्य०:—यतः

मुझे, ए० प्रसाद,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा गया है) की भारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० मकान नं० 3 है तथा जो हिवेट रोड (विवेकानन्द
मार्ग), इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 1-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्ना ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीक्षों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्घोष से उक्त बास्तव कारण निम्न में पास्त-
गिक रूप से कथित नहीं किया ज्ञा है—

(क) उद्घोष व उत्तर की ओर आयकर अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कही करने वा उत्तर करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज टन्डन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विभुवन नाथ गुप्ता,

2. श्रीमती शोभा रानी गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भीकिसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3, पैमाईसी 246.44 वर्ग मीटर स्थित हिवेट
रोड (विवेकानन्द मार्ग) इलाहाबाद, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण
विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 4277 में वर्णित
है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में
विनांक 1-9-1983 बो किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

तारीख : 31-1-1984.

मोहर ॥

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० टी-३७/एक्सी०---यतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी नं० 283 है तथा जो ग्राम-नवादा
जोगियान, तहसील व जिला-बरेली में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-9-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी कुले या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बास: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. सर्वेश्वी धीम सेन 2. मेवा राम 3. ठाकुरदास
4. उमेदो 5. जमुना प्रसाद 6. श्रीमती प्रेमा देवी
7. प्रमोद कुमार (नाबा०) 8. ललित कुमार उर्फ
लालता प्रसाद (नाबा०) द्वारा श्रीमती प्रेमा देवी
बलिया कुदरती व माता सगी 9. राम अवतार
10. श्रीमती हर देवी 11. चरन सिंह (नाबा०)
द्वारा श्रीमती हर देवी बलिया कुदरती व माता सगी
(अन्तरक)

(2) तुलसी नगर भहकारी आवास समिति लि० बरेली
द्वारा सचिव, श्री हुकुम सिंह।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी भूमिधारी नं० 283, पैमाइसी 2 बीघा 13 बिस्ता
और 10 बिस्तान्मी 8091 स्क्वायर फैट, स्थित ग्राम-नवादा
जोगियान, परगना तहसील और जिला—बरेली, और सम्पत्ति
या सम्पूर्ण विवरण जो कि भैलडीड व फर्म 37-संख्या 8501,
में वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय
में दिनांक 26-9-1983 को किया जा चुका है :

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 6-4-1984

माझेर :

प्रश्न ब्राईटी एवं प्रदर्शन

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रारंभ सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई, 1984

निवेदण सं० पी० आर० नं० 2983/1/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 197 वी और 415 है तथा जो दरियापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिताम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरियापुर प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरियापुर प्रतिफल से, ऐसे दरियापुर प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की सावल, उक्त अधिनियम की धौनीन काय देने के बतारक की वाचिक भौं करने का उपचार दूरने से सुनिश्चित कीजिए; बार/वा

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने से सूचित की जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—

(1) 1. श्रीमती उजम बेन जो हरगोविनदास

मगन लाल की विधवा।

2. श्री परमानन्द भाई मोहन लाल पटेल।

3. श्रीमती उजोत्सना देवी परमानन्द भाई पटेल,
गोल बाजार,

जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठलभाई जयचन्द्र भाई पटेल,

मनहर सोसाइटी,

केम्प रोड,

शाहीबाग,

अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्द्धन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ?—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

मकान जिसका क्षेत्रफल 243.84 चौ० मी० है जो दरियापुर-काजीपुर में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में 4443 नं० पर सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहन

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु
बंगलूरु, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश सं. सी० आर० 62/40771/83-84—यतः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 10 (न्यू०) है, तथा ओ मिशन रोड, लाल
बाग रोड, बंगलूरु में स्थित है (और इसमें उपावस्थ अनुसूची में
ओआ पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 22-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
निम्निकृत में वास्तविक उप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई रिकॉर्ड वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कठोर कठुना वा उक्त वाय में सूचित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
हविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री के० एच० जगन्नात्सा और
2. श्री के० जे० नारेन्द्र (मैनर)
नं० 59, चिक्कान्नाम्मा टेप्ल स्ट्रीट,
सुन्कलपेट,
बंगलूर—2।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री ए० रामानना,
2. टी० रामाचन्द्रा,
नं० 125, लौवर प्लास, आरचरडस,
VI क्रम, बंगलूर—3

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
मन्त्रिकारी वाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास
प्रिलिङ्ग में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1856/83-84 दिनांक 22-9-83)
सम्पत्ति है, जिसका न्यू नं० 10, जो मिशन रोड, लाल भाग
रोड, बंगलूर-27 में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 11-4-1984

मान्दूर ४

प्रृष्ठ आर्ड २८ एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति उत्तराय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40689/83-84—यसः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० पुराना नं० 73/71, न्यू नं० कारपोरेशन नं०
73/15/1 है, तथा जो रत्ना लासा रोड, बसवन गुडि, बंगलूर
में स्थित है (आंदर इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
9-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवाग्र प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यसः अब, उक्त आधानियम, का भारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् है—

(1) श्रीमती अजीमुन्निसा बेगम,
नं० 73/15, रत्नाविलासा रोड,
बसवनगुडि,
बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री टी० के० दोरैस्वामी,
2. श्रीमती डी० यशोदा,
नं० 81-ए, 31 कास,
जयानगर,
बंगलूर—11

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त अधिकारी के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे एवं जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2107/83-84 दिनांक 9-9-83)
सम्पत्ति है, जिसका सं० पुराना 73/71, न्यू कारपोरेशन
नं० 73/15/1, जो रत्नाविलासा रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4,
में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 11-4-84

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विं. बी० गोडके,
नं० 61, भक्तावर अनेकास,
तारान धबोलकर रोड,
मलवार हिलैं,
बम्बई—6

(अन्तरक)

(2) मिसेज, भरियम बाई और मिस्स, आरमा याकूब,
न० 17/13, स्पेनसर रोड,
सिविल स्टेशन,
बंगलूर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40745/83-84---यतः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 500 है, तथा जो एच० ए० एल०-॥ स्टेज,
इंदिरा नगर बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमति
में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीस्टर्टा अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 22-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में बास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदारियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुमाधवन

(दस्तावेज सं० 1633/83-84 दिनांक 22-9-83)
सम्पत्ति है जिसका सं० 500, जो एच० ए० एल०-॥
स्टेज, इंदिरानगर, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजुमाधवन
सभग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

दिनांक : 11-4-1984

मोहर

प्रश्न आइलैंटी, एन. एस. - - - -
अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निवेश सं. सी. आर. 62/40769/83-84—यसः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 16/6 (पुरानी सं. 16/ए-1), है तथा जो
बेनसन क्रास रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 19-9-19 3,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वयमान प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० वी० एम० केशवाचन्द्रा राव,
नं० 10, 28 लैन, कोलम्बो—3,
प्रतिनिधि श्री एन० एस० शिवारामाकृष्णन,
नं० 16/ए-20, बिन्नी किसेंट रोड,
बेनसन टौन, बंगलूर—6

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्शन अग्रवाल,
नं० 2113, है पाइंट—2
दूसरे ए० अपार्टमेंट्स,
प्लाट्स रोड,
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टीकाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 1792/83-84 दिनांक 19-9-83)
सम्पत्ति है, जिसका सं. 16/6, (पुराना सं. 16/ए-1),
जो बेनसन क्रास रोड, बंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 11-4-1984
भोग्य :

प्रधान, आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकारी आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 अप्रैल 1984

निदेश मं० मी० आ० 62/40726/83-84—यतः मृष्णे,
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी मं० 71/26, है, जो तथा जो VIII ब्लाक, ज्यानगर,
बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्णलिपि
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्यानगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 12-9-1983,

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, इन्हींलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीभत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—86GII84

(1) श्री बी० राजा राव,
नं० 67, गंगा ग्राम रोड,
गंकरापुरम,
वसवनगडि, बंगलूर—4

(अन्तरक)

(2) श्री एन० श्रीनिवासा रेडी,
नं० 1197, V फ्लास, 27 मैन,
जयप्रकाशनगर,
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यालयीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले समावृत होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 2051/83-84 दिनांक 12-9-83)
सम्पत्ति है, जिसका मं० 71/26 जो VIII ब्लाक, ज्यानगर,
बंगलूर, में स्थित है ।

मंजु माधवन
मञ्ज माधवन
सहायक आयकर प्राप्तका (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 18-4-1984

मोदुर *

प्रस्तुप आइ०, टी०. एन०. एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, क्रिनांक 11 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40737/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण कि किसी स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं० 138, 139, 139/1 और 140 है तथा जो
आर० वि० गोड, वि० वि० पुरम, बंगलूर में स्थित है (और इसमें
नुपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, वसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-9-1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री जे० मनिरामेश्वरा,
नं० 49, मर्वियर स्ट्रीट,
वसवनगुडि,
बंगलूर—4,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० मरीजा,
प्रतिनिधि श्री आर० एम० वि० आरामदा,
नं० 26, विश्वानाता राव रोड,
माधवानगरा,
बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजुसूची

(दस्तावेज सं० 2190/83-84 दिनांक 16-9-83)
सम्पत्ति है जिसका सं० 138, 139, 139/1 और 140
जो आर० वि० गोड, वि० वि० पुरम, बंगलूर, में स्थित है।

मंजु साधवन

गक्षग प्राप्तिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की नपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-1-1984
माहे

प्रस्तुप बाइ'. डी. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रोज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश नं. 744/83-84—यतः मुझे, श्रीमती मंजु
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. आर.एस. नं. 22/बी है, तथा जो काजटी
ग्राम, तालुक बेलगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 14-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कार दंगे के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा
के बिष; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भव या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कुरिधा के तिए;

(1) श्री कृष्णाजी गणपती हन्दीपूरकर
निवासी—धारवाड़ ।

(अल्लरक)

(2) 1. श्री भरत वामोदर करणपीकर
2. श्री दिलीप वामोदर करणपीकर
निवासी—काकती ग्राम, तालुक ग्रीर जिला—बेलगांव
(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना बारी करके प्रस्तुप सम्पत्ति के अवधि के लिए
कार्यवाहियों करता है।

इस सूचना के अवधि के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्ध किसी ज्ञन्य व्यक्ति द्वारा, ज्ञान्यहस्ताभरी के
पास निवित्त में किए था सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त :

निवास के अन्याय 20-क में परिभाषित
वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया
है।

मंजुसूची

(दस्तावेज नं. 1808/83-84 दिनांक 14-9-1983)

गोपनीय जगदीन जिसका आर.एस. नं. है 22/बी जमीन
काजटी ग्राम, बेलगांव तालुक में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंत रोज, बैंगलूर

दिनांक : 10-4-1984

माहूर व

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धति :—

प्रस्तुत आई, टी. एन. एम. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बंगलूर
 बंगलूर, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० 745/83-84—यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन राखम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थानकर मम्मीत, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० रावें नं० 136/1 है, तथा जो कुसनूर ग्राम
 गुलबर्गा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 दिनांक 30-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 अर्जन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देसे के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के सिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
 किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद इब्राहीम गाहेब सन आफ
 मदरसाहेब विजापुरी
 निवासी—मोमीनपुर, गुलबर्गा

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र लाहोटी, डायरेक्टर आफ
 मेसर्स श्री शंकर सिमेट वक्से प्राइवेट लिमिटेड
 निवासी—कुसनूर ग्राम गुलबर्गा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तशृंखला
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

बनुसूची

(दस्तावेज सं० 2424 दिनांक 30-9-1984)
 यिन शेषांकी जमीन जिसका सर्वे नं० है 136/1 7 एकड़
 घाँर 8 गुंडा, जमीन कुसनूर ग्राम, गुलबर्गा में स्थित है।

मंजु माधवन
 संदर्भ प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 10-4-1984

माहूर ४

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं. 746/83-84—पत्र: मुद्रे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वाय
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वाला
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 136/1 और 136/2 है, तथा जो
कुसनूर ग्राम, गुलबर्गा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 30-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विस्तृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अस्तरण से हट किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी बाय या किसी भन या अन्य जारीतयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः बब उक्त अधिनियम की भाय 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाय 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इस्माइल साह सन आफ मदरसान विजापुरी

निवासी—मोमीनपुर गुलबर्गा

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र लाहोरी डायरेक्टर

मंसमे श्री शंकर सिमेंट वर्स प्राइवेट लिमिटेड

गुलबर्गा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाष्पेय :—

(क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 2425 दिनांक 30/9/1983)

ब्रिन शेतकी जमीन जिसका सर्वे नं. है 136/1 और 136/2
जमीन कुसनूर ग्राम गुलबर्गा में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूरु

दिनांक : 10-4-1984

मोहूष

प्रस्तुत बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-पृष्ठ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, लक्ष्मणक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निवेश सं० नोटिस नं० 747/83-84—यतः मुक्त, श्रीमती

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके भृत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 पृष्ठ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 50 और 56 है तथा जो कुसनूर
ग्राम, गुलबर्गा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 12 मित्रभर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थवाक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वैन के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए: बाई०/मा०

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यस
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—)

(1) श्री हनुमंतराव कुलगाराव देपमुख,
निवासी स्टेशन बाजार, गुलबर्गा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नागराज वेंकटराव कुलकर्णी,
निवासी स्टेशन राजार, गुलबर्गा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 2223 तारीख 12-9-1983)

जेतकी जमीन जिसका सर्वे० नं० है० 50 और 66, जमोन
कोटनूर ग्राम, गुलबर्गा तालुक में स्थित है ।

मंजु माधवन,
लक्ष्मण प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-4-1984

माहेर ।

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसदीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 18 अप्रैल 1984

निर्देश सं. मी० आर० 62/40751/83-84—यतः मुझे,

मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संसदीय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 434 और 435 हैं तथा जो बनांकरी II स्टेज,
बंगलौर में स्थित हैं (और उसमें उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 16 मिन्हम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिगी
(अन्तरिनियमों) के बीच उसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
वायिन्य में कभी करने या उसमें व्यवजे में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसके भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वाग प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर वामुदेव,
प्रतिनिधि श्री वैकटेश विमलाव कुलकर्णी,
नं० 490, बनांकरी II स्टेज,
बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प० श्रीनिवासन,
2. श्री ए० मुकुमन्यम,
3. श्री ए० राजामानिक्यम,
नं० 2257, 22 आग,
बनांकरी II, स्टेज,
बंगलौर-70।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ क्षार्गा, और उस अध्याय में विद्या
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 2130/83-84 दिनांक 16-9-1983)
सम्पत्ति है जिसका सं. 434 और 435 जो बनांकरी
स्टेज, बंगलौर में स्थित है।

दिनांक: 18-4-1984

मोहर :

मंजु माधवन,
संसदीय प्राधिकारी,
संसदीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलौर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनोंका 12 अप्रैल 1984

निर्देश मं० मी० आर० 62/40714/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 55, है तथा जो 9 मेन, विश्वामिंगला II स्टेज,
इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्तर्मुची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनोंका मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पापा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्णित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ रुपये किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्री एम० श्री० राज,
नं० ५५, ९ मेन,
इंदिरानगर,
बंगलौर-३८

(2) श्री जी० गनेशन,
नं० २८, २ कास०,
जर्नलिस्ट शालोनी,
बंगलौर।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित भें किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(वसावेज मं० 1487/83-84 ता० मितम्बर 1983)
सम्पत्ति है जिसकी मं० ५५, जो ९ मेन, विश्वामिंगला II स्टेज,
इंदिरानगर, बंगलौर ने स्थित है।

मंजु माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 12-4-1984
मोहर :

अस्पष्ट आहे. ई. एन. एस. -----

(1) 1. श्रीमती दी० एस० पदमावती,

2. श्री रविशेखर महाप्रभु,

नं० 3/24, कवेरियप्पा लेआऊट,
बंगलौर-52

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 21 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40694/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21, है तथा जो लोवर पैलेस आर्चेड्सर, बंगलौर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 2 सेतम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एस० छयमान प्रतिफल के
पक्षह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस० किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (ए९५७ का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—86GI|84

(2) मेसर रत्ना मुरेश शिंदे,
रेनुका भवन,
नं० 1201/5, गोले रोड,
पूना-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां चल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक नाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्पाक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 1640/83-84 ता० 2-9-1983)
सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 21, जो लोवर पैलेस आर्चेड्स,
बंगलौर में स्थित है।

मंजु माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलौर

दिनांक: 12-4-1984

गोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलौर
बंगलौर, दिनांक 23 अप्रैल 1984

निर्देश सं. सी० आर० 62/41538/83-84—पत्र: मुझे,
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 76 है तथा जो पैपलेन बेस्ट, करितिमानाहल्लि,
बंगलौर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
बसवन्गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 21 सितम्बर 1983
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वाजत, उक्त
जीवितवय के अधीन कर देने के अन्तरक के
शावित्र में करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती व्यापार प्रकल्प नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

अतः ग्रन्थ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री एस० पौ० मुखावीरा सेठी,
- 2. श्री एस० एम० नागराज,
- 3. मेसर्स नागरसना,
- 4. श्री एस० एम० नागेन्द्रा प्रसादा,
- 5. श्रीमती वनाजा शिवागंग,
मेलामंगला तालुक,
बंगलौर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स मधु गुप्ता,
48/7, रंगराव रोड,
शंकरापुरम्,
बंगलौर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जया है।

मंजुसूची

(दस्तावेज सं. 2274/83-84 ता० 21-9-83)
सम्पत्ति जिसकी सं. 76 है जो पैपलेन बेस्ट, करितिमानाहल्ली,
बंगलौर में स्थित है।

मंजु माधवन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलौर

दिनांक: 23-4-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री आर० रविशंकर,

न० 198 (54), रामा ऐयागार रोड़,
बी० बी० पुरम,
बंगलौर-4

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40744/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269--व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० न्यू नं० 321/1, है तथा जो चिन्मया मिशन
हास्पिटल रोड़, इंदिरानगर बंगलौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 22 सितम्बर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी वाय की बाबत, जिसके अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः :—

(1) श्री आर० रविशंकर,

न० 198 (54), रामा ऐयागार रोड़,
बी० बी० पुरम,
बंगलौर-4

(अन्तरक)

(2) श्री भट्टी एम० पदमिनी होल्ला,

न० 322, चिन्मया, मिशन,
हास्पिटल रोड़,
इंदिरानगर,
बंगलौर-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1625/83-84 ता० 22-9-83)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 32/1, जो चिन्मया मिशन,
हास्पिटल रोड़, इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है।मंजु माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, बंगलौरदिनांक : 12-4-1984
मोहर :

प्रस्तुति दी, एवं ऐसे लिए—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 23 अप्रैल 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 41373/83-84—यतः मुझे, मंजु

माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० के० नं० 1970 है तथा जो कचरकानाहल्ली
बंगलौर नार्थ ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंगलौर नार्थ ताल्लुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, एसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कानून के उचित वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में
सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् १—

- (1) 1. श्री के० पी० शामशा,
- 2. श्री के० पी० मुनि रेडी,
- 3. श्री के० पी० मूर्ति,
नं० 101, कचरकानाहल्ली,
बंगलौर नार्थ तालूक।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती भेरी जूड़ फेन्डा तामस,
उसके प्रतिनिधि श्री मारिस सेबाटियन, डि, सौजा,
नं० 28, हुचिस्स रोड एक्सटेंशन,
सेंट तामस टौन,
बंगलौर-८४।

(प्रस्ताविती)

क्षे यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपूर एम्बॉ और पदी का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 3223/83-84 ता० 8-9-83)

सब सम्पत्ति है जिसको सं० के० नं० 1970 जो कचरकानाहल्ली,
बंगलौर नार्थ ताल्लुक में स्थित है।

मंजु माधवन

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलौर

दिनांक: 23-4-1984

मोहर

इस्पत्र आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 23 अप्रैल 1984

पिंडेश मं० सी० आर० 62/41374/83-84-यतः मुझे,,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1970 है तथा जो कचरकानाहल्ली, बंगलौर
उत्तर तालूक, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंगलौर उत्तर तालूक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित
से वास्तुविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई रिता पापा की वाचना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव
में कर्ती करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन्द्रह कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) 1. श्री के० पी० शामशा,
2. श्री के० पी० मुनि रेड्डी,
3. श्री के० पी० मूर्ति,
नं० 101, कचरकानाहल्ली,
बंगलौर उत्तर तालूक, बंगलौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री फेलिक्स रेसांड तामस,
प्रतिनिधि श्री मोरिण्स सेबास्टीन डिसोजा,
नं० 28, हचिन्स रोड एक्सटेंशन,
सेंट तामस टीन, बंगलौर-84 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3225/83-84 ता० 8-9-1983)
सम्पत्ति है जिसकी सं० 1970, जो कचरकानाहल्ली,
बंगलौर उत्तर तालूक, बंगलौर में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 23-4-1984

मोहूर :

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

प्रस्तु थाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० सी० आर० 62/41504/83-84—यतः, मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके दस्तावेज़ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 (उत्तर भाग) है तथा जो बीलर रोड,
फेसर टौन, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के
कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपलब्ध से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वाक्ता उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपकार (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) श्री एस० जोसेफ,
56, केन्चाप्पा रोड,
काक्कू टौन,
बंगलौर।

(प्रस्तारक)

(2) श्री एम० कृष्ण मूर्ति,
नं० 2, 9 फास,
क० कामारीस्ता रोड,
बंगलौर-42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भाँहों किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(दस्तावेज सं० 1622/83-84 ता० 21-9-83)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 31 (उत्तर भाग) जो बीलर रोड,
फेसर टौन, बंगलौर में स्थित है।

दिनांक: 26-4-1984
प्रोहर :—

प्रकल्प बाहौदरी, ट्री. प्लॉ. एस. -----

(1) कुमारी इरिस मारतली,

16, 5 क्रास-वी,
हथिन्स रोड, सेंट तामस टीन,
बंगलौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आरा० 62/41403/83-84—यतः, मझे,
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 201/1, नया नं० 16 है तथा जो 5 क्रास-वी,
हथिन्स रोड, सेंट तामस टीन, बंगलौर में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, एसे उत्तमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सब पाया गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बाजारण से हुई किसी आय की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिलू में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी भना या अन्य जास्तियों
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) कुमारी इरिस मारतली,

16, 5 क्रास-वी,
हथिन्स रोड, सेंट तामस टीन,
बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अलैस जान,
86, 3 क्रास, नन्दिनुगा रोड
एक्सटेंशन, बंगलौर।

(अन्तरिती)

क्व यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितव्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मंजुसूची

(दस्तावेज सं० 1547/83-84 ता० 13-9-1983)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 201/1, न्यू नं० 16, जो 5
क्रास-वी, हथिन्स रोड, सेंट तामस टीन, बंगलौर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बंगलौर

यतः अर्थ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक : 26-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट बाइं. टी. पर., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

ग्राम पुस्तकाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/41402/83-84—यतः, मुझे,
मंजुमाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 22/12 है तथा जो फ्रास, हुचिन्स रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-9-83

को पूर्णकर्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का
कारण है कि दूसरामात्र सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एसे दूसरामात्र प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपवेष्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(1) श्री कौ० माधवन
नं० 22/12, हुचिन्स रोड,
3 फ्रास, सेंट तामस टीन,
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० श्रीगिवामन,
8/4, हैरिस वैरिक्स,
अलसूर, बंगलूर-8।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आती करके पूर्णकर्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
4.5 विवर की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकर्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ज होगा, जो उक्त अध्याय में विद्या गया
है।

मंजुमाधवन

(क्रस्तावेज सं० 1553/83-84 तारीख 14-9-83)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 22/12, जो 3 फ्रास, हुचिन्स रोड,
सेंट तामस टीन, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 1 28-4-1984

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40712/83-84--यतः, मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिस की सं० 16 है, तथा जो इनफैट्री रोड, सिविल स्टेशन,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व जै कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संत्रिवा
के लिए;

(1) मैसर्स वी० टी० मेरी,
नं० 19, इनफैट्री रोड,
बैंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मलिनका बेगम,
नं० 16, इनफैट्री रोड,
बैंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चात् का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 1448/83-84 ता० 15-9-83)
सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं० 11/1, नई सं० 16, जो
इनफैट्री रोड, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

असः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1).
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

प्रकृष्ट बाहु.टी.ए.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

मंजु माधवन
महायकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 23 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40738/83-84—यतः, मुझे,

मंजु माधवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1179 है, तथा जो अशोक नगर, बी० एस० के०
I स्टेज, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन्त
गुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 19-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवान
प्रतिफल के लिए अस्वीकृति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अथवान प्रतिफल से, ऐसे अथवान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ष
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(व) अन्तरण ते हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० टी० निम्मे गौडा,
नं० 1179/70, 10 काम,
अशोक नगर,
बनाशंकर I स्टेज,
बैंगलूर-50।

(अंतरक)
(2) श्री प्रायामसुन्दर और श्रीमती लीला बी० मोररे,
नं० 166, सुब्जा रामा शेष्टी रोड,
बसवन्तगुडि, बैंगलूर-4।
श्रीमती लीला बी० मोररे
56/4, 15 कास, मल्लेश्वरम, बैंगलूर।

(अंतरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्पण के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्पण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाकी में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिए
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 2249/83-84 ता० 19-9-83)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 1179, जो अशोकनगर, बनाशंकरि
I स्टेज, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक: 23-4-984
मोहर

प्रस्तुप गाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एच० एन० पालेगार,
(रिटायर्ड) डिविजनल कमिश्नर,
सं० 850/4,
नवा, 12/4,
मिरजा रोड, नज़रबाद,
मैसूर-10।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत लक्ष्मी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40698/84-84—यतः, मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 850/4-1 (नई सं० 12/4-1) है, तथा जो
लोकरंजन महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन विनांक 2-9-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रस्तुतों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(2) श्रीमती एन० एम० शीता,
सं० 850/4-1,
नई सं० 12/4-1,
लोकरंजन महल रोड,
इट्टीगेगुड़,
मैसूर-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सूची

(वस्तावेज सं० 2336/83-84 ता० 2-9-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 850/4-1, नई सं० 12/4-1, जो
लोकरंजन महल रोड, मैसूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

धन: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तर्गत
में, भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः :—

दिनांक : 26-4-1984
मोहर :

प्रृष्ठ. आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/40700/83-84—यतः मुझे
मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 14 तथा जो III ब्लाक, VIII कास',
कालिदासा रोड, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे
उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मैसूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 2-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् हैं—

(1) श्री रामाय्या,
2714/1, कालिदासा रोड,
कास, वि० वि० मोहल्ला,
मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वी० सुकुमार,
नंदिनातपुरा,
पेरियापट्टना तालुक,
मैसूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्भी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रकारी

(दस्तावेज सं० 2340/83-84 ता० 2-9-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 146, जो कास, I ब्लाक,
कालिदासा रोड, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 26-5-1984
मांहर :

प्रस्तुप आइं. टी., एन. एस. -----

(1) श्री अब्दुल भारि,
नं० 3, बोरे बैक रोड,
बैंगलूर।

(अन्तरक):

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/41399/83-84—यतः, मुझे
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 95 है, तथा जो सेंट जॉन्स चर्च रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर में राजस्ट्रीकरण अनिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता० 1-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा दाया गया प्रति-
क्रम निम्नलिखित नियम से उक्त अंतरण नियम में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरुक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में विविध
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

(2) श्री सलीम शर्फ़ुद्दीन और मिसंस अविदा बेगम,
दोनों भी रेसिडेंट्स आफ 99,
मकान रोड,
बैंगलूर।

(अन्तरक):

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वमन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अविधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्मीसूची

(दस्तावेज सं० 1456/83-84 ता० 1-9-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 95, जो सेंट जॉन्स चर्च रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, दो, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 26-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 अप्रैल 1984

निम्नों सं. सि. आर. 62/41415/83-84—यतः, मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 676 है, तथा जो मार्गदर्शक रोड एक्सटेंशन,
विजयानगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सा. 9-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और
बांतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे बांतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की 'बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था छिपाने में सूचिभा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स टिं जिं जगालक्मी

(2) मैसर्स नागरत्ना, नं. 32,
24 कास, एन० एच० एस० कालोनि फैस-II,
तिम्मानाहल्लि, बैंगलूर-79
(अन्तरक)

(2) डॉक्टर जिं विश्वेश्वारेय्या,
नं. 38, II मैन रोड,
यामराजपेट;
बैंगलूर-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के सिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(इसाविद सं. 1599/83-84 ता. 9-9-83)

सम्पत्ति है जिसका सं. 678, जो मार्गदर्शक रोड, कार्ड रोड
एक्सटेंशन, विजयानगर, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 26 अप्रैल 1984

मोहर :

प्रस्तुत माइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायूक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु कार्यालय

बैंगलूरु, दिनांक 2 मई 1984

निर्वेश सं० नोटिस नं० 748—यतः मुझे एस० बालसुभ्रमणीयन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से ऊपरीक है

और जिस की सं० मुनसिफ असेसमेंट नं० 1195 : 1144 है, तथा
जो तीर्थहली, शिमोगा जिला में स्थित है (और उससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय तीर्थहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 21-9-1983 को

की पद्धतिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तर्क के
दांयन्त्र में कमी करना या उसके अन्तरण के भूयान
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के ब्राह्मणार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किन्तु जल्द नाहिं था या शिष्याने में
सूचिधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्रीमती पुष्पा के० गोपाल पत्नी एस० कृष्णा गोपाल

(2) श्री एम० कृष्णा गोपाल,
कंकनाडी, मंगलोर

(अन्तरक)

(३) श्री न० सर्विजनद्र हेगडे भन आफ नेट श्री हिंगीयणा

हेगडे, 26, अजगरकाड़,
उडीपी, (पास के०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुत
किसी अन्य अविक्त इवारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में विवर जा सकेंगे।

एलेक्ट्रोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है

बनूसूची

(दस्तावेज मं० 656 ता० 21-9-1983)

संपत्ति जिसका मुनसिफ असेसमेंट नं० 1195 : 1144
संपत्ति तीर्थहली, शिमोगा जिला में स्थित है।

एम० बालसुभ्रमणीयन्
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु

दिनांक : 2 मई 1984

मोहर *

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती पंग० गरस्चरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजयलक्ष्मी

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 अप्रैल 1984

सं० 13227:—यतः मुझे आर० पी० पिलौ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
का 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/24 ए, 1/24 ए/1, सिरियन कंडूकालोनी
है, जो धनपती कोयम्बटूर में स्थित है (और इसके उपावढ़
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आदिपुरम कोयम्बटूर (डाकूमेंट 3517/83) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, विनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके हयमान प्रतिफल से एसे हयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

भूमि और निर्माण 1/24ए, 1/24ए/1, सिरियन कंडू
कालोनी न्यू सिद्धापुडुर कोयम्बटूर 47 (डाकूमेंट 3517/83)

आर० पी० पिलौ,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
मैं प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

तारीख: 9-4-1984

मोहर:

प्रस्तुप आइँ. टी. एन. पृष्ठ. ----

1. श्री मोगालस्वामी योग गवर्नर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री राजा और जीवा राजा।

(अन्तरितों)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निवेंग सं० 19261—यतः० मुझे, आर० पी० पिलैं.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 38, मुरुगेस मुदली स्ट्रीट, है, जो मद्रास 17
में स्थित है (और इसके उपावड अनूमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर
(डाकूमेंट 1009/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यालयियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होता है, जो उम अध्याय
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
शायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/या

मद्रासी

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ;
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
संविधा के लिए;

भूमि 38 मुरुगेस मुदली स्ट्रीट मद्रास-17 (डाकूमेंट
1009/83).

आर० पी० पिलैं
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस. ----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

1. तेलुगु फ़िल्म प्रोड्यूसर कॉर्सिल।

(अन्तरक)

2. श्री विजय गौरी।

(अन्तरिती)

भारत लक्षण

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्णय सं० 19243:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मं० 1 चारी स्ट्रीट है जो मद्रास-17 में स्थित
है (और इसमें उपाधिद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय टी० मगर (डाकूमेंट
1116/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के आयित्व
में कमी करने या उससं बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

भूमि-1, चारी स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकूमेंट 1116/83)।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 9-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइ. टी. एन. एस. -----

1. श्री वी.० समपतकुमारन् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री जयचन्द्रन् ।

(अन्तरिक्षी)

सारणी बहुलक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास विनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19076:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यापात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 39 और 40/2 राजेन्द्र प्रसाद स्ट्रीट है जो मद्रास 33 में स्थित है (और इसके उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकूमेंट 909/83) में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित द्वारा स्थानिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करूँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वर्ष व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछे निवित में किए जा सकें।

सम्बोधकरण:——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सम्पूर्णी

(क) अंतरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के समिक्षा में कमी करने वा उससे वर्तने वाले संविधान के द्वारा; और/या

गूमि टी० एस० 39, 40/2 राजेन्द्र प्रसाद स्ट्रीट,
मद्रास-33 (डाकूमेंट 909/83)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य वासियों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा उक्त नहीं किया जाय वा जो किया जाना चाहिए वा, जियाने वाले संविधान के द्वारा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक:—

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 9-4-1984
मोहर 4

प्रकल्प कानूनी दस्तावेज़—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रोज 11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19075:—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सारंगपानी स्ट्रीट है तथा' जो मद्रास 17
में स्थित है (और इसके उपांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर
(डाकूमेंट 908/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
यन्हीं प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक-
कात निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्त-
विक रूप सं कठित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती नाशमनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजेश्वरी वैद्यनातन।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बिति के बर्जन के सिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्बिति के बर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी बाष्पेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बिति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्धासाधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ए) अन्तरक ते हैं किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक वे
दावित ये करने या उक्तसे उत्तर में संबंधित
के विषय; और/वा

अन्तरीक्षी

भूमि और निर्माण—सारंगपानी स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकू-
मेंट-908/83)।

ग्राह० सी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रोज 11, मद्रास

यतः मम, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-व को उपाधान (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियाँ, बर्जतः—

तारीख : 9-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

1. श्री राजगोपालन और अंदरस।

(अन्तरक)

2. श्री बो० ग्र० शास्त्री और बी० जे० शास्त्री
(अन्तर्भृती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19077:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ल.
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
अधीन साथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है

और जिसकी मं० 59, नम्बरेंया रेडी रोड, है, जो तथा
मद्रास-33 में स्थित है (और डस्के उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय
टो० नगर (डाकूमेंट 905/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मितम्बर
1983

की प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि वयापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्न उद्देश्य पर उस प्रनाला निम्निति में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपूर्वक अन्तर्भृती

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित भौतिक रूप से किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्मूष्टी

भूमि और निर्माण—59, नम्बरेंया रेडी रोड, मद्रास-33,
(डाकूमेंट 905/83)

आर० पी० पिल्लै,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 9-4-1984

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री के० जोजोदैया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)^१ की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

2. उम्मत और अदरक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19278:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 15, बोग रोड है, तथा जो मद्रास-
17 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी
नगर (डाकूमेंट 992/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बाहुदारी

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उसमें बचने में संविधा
के लिए; और/या

भूमि -१०, वाग राड, मद्रास-१७ (डाकूमेंट 992/83)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II, गांधार

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-4-1984

मोहर

प्रख्यात आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री नंजप्प घोड़ेर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री वेलगज।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निवेश सं० 13232:---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सरखे 371/3, घोड़मपालयम, है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और हसके उपावन्न में और पूर्ण रूप
से बर्णित है), रजिस्ट्रोजर्टी अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर
(डाकूमेंट 3568/83) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं फिरा गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के बधान कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

भूमि सरखे 371/3, पौड़मपालयम कोयम्बटूर (डाकूमेंट
सं० 3568/83)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
रूप अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
निर;

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, गढ़ाम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

तारीख: 9-4-1984

मोहर

प्रस्तुप शाह, टी. एर्ने, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

1. मि. लौला नामस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पृथ्वी बेनन।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक ९ अप्रैल, १९८४

निवेश सं० 18973:- यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 44, नेलसन मानिक्ष मूदलियार रेज, है
जो मद्रास 29 में स्थित है (और इससे उपावन्द में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मद्रास
भारत (डाकमेंट 3192/83) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन सिन्मवन्
1983

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिमिट में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हरहूँ किसी आय की बाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मूदलिया

भूमि और निर्माण—४४, नेलसन मानिक्ष मूदलियार नेश्नल
मद्रास—२९ (डाकमेंट 3192/83)।

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुभवण
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

तारीख: १०-१-१९८४

माहर :

प्रधान प्राइवेट ट्री. एस. -----

1. श्री नटराजन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कृष्णस्वामी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')
अर्जन रेंज II मद्रास
मद्रास, दिनांक 9 अगस्त, 1984

देश में 19340:—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वही धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 798 सी०, कोठमधाखम—पुदूर है,
जो पुदूर में स्थित है (और इसके उपावड़ में और पूर्ण स्प से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत
(डाकमेंट 3049/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सिनम्बर 1983

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जिसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं
किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांशुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

- (क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन करी तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के
पास लिखित में लिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने की अन्तरुक के
दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा
के लिए; और/या

बनस्त्री

भूमि प्लाट 798 सी०, कोठमधाखम—पुदूर (डाकमेंट
3049/83)।]

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, II मद्रास

बता: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

प्रकृष्ट बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं. 19295—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. 17 भारती रोड है जो मद्रास-17 में
स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवाख्यम (डाकूमेंट
1634/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन सिपम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
है से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गी० के० जयगमन और अदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री वी० तियागराजन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्जन के
लिए कार्यालयितान करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—17 भारती रोड मद्रास-17 (डाकू-
मेंट 1634/83) ।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 9-4-1984

गोदूर :

प्रस्तुप आई०, टी०. एम०. एस०. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निवेश सं० 19228:—यतः मुझे, आर० पी० गिल्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 67 मूर्गी स्ट्रीट मद्रास-33 है, जो मद्रास
33 में स्थित है (और इसमें उपावढ़ ग्रन्तमूल्की में और पूर्ण द्वारा
वरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाल्यम
(डांकूमेंट 3398/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन गिरन्मार, 1983के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से काँधत नहीं किया गया है:—

1. श्री जोती रंगनातन।

(अन्तरक)

2. श्री तियागराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध विकास के लिए अधिकारी के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय द्वे दिया
गया है।(क) अन्तरण से हाई० किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिन्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

मनुस्थांशी

भूमि श्री निर्माण—67, मूरती स्ट्रीट, मद्रास-33
(डांकूमेंट 3398/83)।

आर० पी० गिल्स,

गदाम प्राधिकारी,

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

गदाम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-4-1984

मांहूर :

मुख्य आदेश दीक्षा एवं एस्ट्रेचर

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

सं० 18975.—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 4785, 20, हैविल्ला रोड,
जो मद्रास-17 में स्थित है (श्री८ इसके उपावढ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नार्थ मद्रास (डाकूमेंट 3119/83) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को उत्तमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, ऐसे उत्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरुकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

1. सरदारनी अतर कोर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपूर्वक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रोप्तान की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अंतरण से हुए किसी आय की आवृत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 20, हैविल्ला रोड, मद्रास-17
(डाकूमेंट 3119/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास।

बता अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का अधिकार ॥—

तारीख : 9-4-1984

मात्र

श्रम वाहन दो एवं पर्याप्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं. 19279—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 38, मुरुगेस मुदली स्ट्रीट, है, जो मद्रास-
17 में स्थित है (और इसके उपावद्ध में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय टी० नगर
(डाकमेंट सं. 961, 962, 963/83) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छहमास
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छहमास प्रतिफल से ऐसे छहमास प्रतिफल का पंदरह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बताए वायित्व में
की करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारु प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा
के लिए;

यतः बत, उक्त अधिनियम की आय 269-व के अनुसरण
में, अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री पदमावती बाय और अदरस।

(अन्तरिती)

2. श्री जीवा राजा और राजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के नियम
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वान्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि और निर्माण 38, मुरुगेस मुदली, स्ट्रीट, मद्रास-
17 (डाकमेंट सं. 961, 962, 963/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 9-4-1984

माहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

सं० 19280—यतः मुझे आर० पी० पिलै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 118, 119, 120, सर तियागराय रोड
है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इसके उपावद्ध में आग
पूर्ण रूप से बणित है) राजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
टी० नगर (ठाकूरमेंड 958, 959, 960/84) में भारतीय
राजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियाँ
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

मेरा अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मैं आपको आयकर अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

1. श्री रत्नवली और अदरस।

(अन्तरक)

2. श्री मुगनत सुब्बारामा रेडी और अदरस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-118, 119, 120 सरतियगरामा
रोड, मद्रास-17 (ठाकूरमेंड 958, 959, 960/84)।

आर० पी० पिलै,

सुक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-4-1984

माहर :

प्रस्तुत आदेश टी.एन.एस. 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं. 19244—यतः मुझे, आरा० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6, कृष्णस्वामी स्ट्रीट, मद्रास-17 है, जो
मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध शनूँसूची में और पुरी
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय टी०
नगर (डाकूमेंट 1105, 1106/83) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मितम्बार 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितात्मकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

1. श्री मेलवनाथवी।

(शनिरक)

2. मीनाकाशी, महादेवन।

(अनन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
वायित्वाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
उचित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
यिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगूँसूची

भूमि और निर्माण—6, कृष्णस्वामी स्ट्रीट, मद्रास-17
(डाकूमेंट 1105, 1106/83)।

आरा० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ति :—

तारीख : 9-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई^१, टी०, एन०, एस०, ८८७
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाई 269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्री बोमकर राव।

(अन्तरक)

2. श्री पठमाव राव और जेगथ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

सं० 19264—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)^२ जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाई
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16, राजमन्त्रार स्ट्रीट, है, जो मद्रास 17
में स्थित है (और इसके उपावन्द में छाँट पूर्ण रूप से बर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकू-
मैट 1042, 1043, 1044/83) में भारतीय रस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर

1983

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में दिए जा सकेंगे।

लक्ष्यक्रम — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

(क) अन्तर्य ते हूँ^३ किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वयमान में कमी कुनौ भा उससे बचने में सुविधा के लिए आदृत/वा ।

भूमि-16, राजमन्त्रार स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकूमैट 1042, 1043, 1044/83)।

(ख) एसी किसी भाव या किसी भूमि वा अन्य जातियों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज ; मद्रास

तारीख : 9-4-1984

मोहर ॥

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाई 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाई 269-ग की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री के० वी० रमना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-प (1) के अधीन सूचना

2. स्त्री शिव शंकर और अदरस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

मं० 19290—यतः मुझे आयुक्त पी० पिलौ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 20, प्रकाफ्टस घारठन रोड, नुगमवाख्म
मद्रास है जो मद्रास में स्थित है (और इसके उपावन्द में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, तौमटेलैट्स (डाकमेंट 86, 87/83) में भारतीय
रजिस्ट्रीट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनुस्त्री

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि-20, प्रकाफ्टस घारठन रोड, मद्रास-34 (डाकू-
मेंट 86, 87/83)।

आर० पी० पिलौ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उधारण (1)
के अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत नाम, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं. 19262—यतः मुझे आरा० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2, रामचन्द्र रोड, मद्रास-17 है, जो
मद्रास-17 में स्थित है (और इसके उपावन्द में और पूर्ण
रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी
नगर (डाकूमेंट 1069/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्बर,
1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पंचवांशीय से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए कम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

1. श्री वी० पारतसारती।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्रमनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतत्वद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है।

मन्त्री

(क) उक्त ते हुए किसी वाय की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्र में कमी करने या उससे बदने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या मन्य वासियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण-2, राम चन्द्र रोड, मद्रास-17
(डाकूमेंट 1069/83)।

आरा० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-4-1984

भोक्ता :

प्रस्तुत बाइ. टी. एन., पड़. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्भायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं० 19270—यतः मुझे आर० पी० पिलै,

आयकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम 501, आदियण मुदली स्ट्रीट,
है, जो मद्रास में स्थित है (ओर इसके ऊपरवाले में ओर पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
पुरस्ताखम (डाकमेंट 1675/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिस्तम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिंगा था, छिपाने में सहायता
के लिए;

1. श्रोमतो राफिया बेगम।
(अन्तरक)
2. श्रो दियोंटा आनन्द मिसरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में बोइ भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी की
पास लिप्ति में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भगि और लिमाण आदियण मुदली स्ट्रीट, मद्रास
(डाकमेंट 1675/33)।

आर० पी० पिलै,
सकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेज II, मद्रास

अतः अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

तारात्म 9-4-1984
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

1. श्री एस० मठनचन्द गमठरीया और अदरक।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री सुब्रह्मण्य रामटेटम।

(अन्तरित)

धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II; मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं० 19282—यतः मुझे आर० पी० पिलै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे 36/44, 35/1, 32, पतारी रोड,
ग्राम रोड, है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इसके उपा-
बन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टोस्टलैट्स (डाकूमेंट 101/83) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की थी कि या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक वा
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ग्राह/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आविष्ट था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कार्यवाही

भूमि और सरवे 36/44, 35/1, 32, पतारी रोड,
ग्राम रोड, मद्रास-1 (डाकूमेंट 101/83)।

आर० पी० पिलै,
मक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेज II, मद्रास

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपर्याए (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १—

तारीख: 9-4-1984

मोहर

प्रस्तुप. बाई. टी. एन. एस. - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मंद्रास

मंद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1984

मं. 158/सितम्बर/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भारा-
क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 25, आन्दियप्प नायकन, स्ट्रीट, है, जो
चूलै, मंद्रास-112 में स्थित है (ओर इसमें उपागढ़ में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय;
पेटियमट दस्तावेज सं. 961/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री एम० गोविन्दगांजन और अन्य।
(अन्तरक)
2. श्री जी० सरस्वती अम्माल और अन्य।
(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व
में कसी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बन्धुसूची

भूमि और निर्माण सं. 25, आन्दियप्प नायकन स्ट्रीट,
चूलै, मंद्रास-600112, (दस्तावेज सं. 961/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज I, मंद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धरा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धरा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित ध्याक्तिगाँ, अर्थात् :—

तारीख : 17-4-1984
मात्रार : .

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1984

सं० 10/सितम्बर/83—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष(1) के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 631/1 सी०, है, जो आत्मूर टीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आत्मूर (सेलम) दस्तावेज सं० 2427/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दन्तव्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्मिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

1. श्री ए० मनी।

(अन्तरक)

2. श्री बी० बास्करन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण सं० हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे भ्रन्त में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए।

मनुष्यी

भूमि और निर्माण एस० सं० 631/1 सी, आत्मूर टीन (दस्तावेज सं० 2427/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास,

* यतः यह उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में यह उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः—

तारीख: 17-4-1984

माहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. १२४४३

1. श्री एली अम्मिनी जान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती टेका बाटला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1984

मं. 192/सितम्बर/83—यतः भूमि आरा० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आरा० एस० सं० 282 है, जो कौड़ेकानल
टीन में स्थित है (और इसमें उपावड़े में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल
दस्तावेज सं० 101/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीण
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना नहीं था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आयकर करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकते

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नसूची

भूमि आरा० एस० सं० 282, कौड़ेकानल टीन, (दस्तावेज
सं० 101/83)।

आरा० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 17-4-1984
मोहर :

यतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपावड़ा (1)
के अधीन, नियंत्रित व्यक्तियों, अधीक्षित ॥

प्रलूप आर्द्ध. टी, एन. एस.-----

1. मैमर्स श्री० जी० पी० हौसिंग प्राइवेट लिमिटेड।

(प्रनेत्रक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-श (1) के अधीन सूचना

2. मास्टर लेख्चर वर्गीम और अन्यों

(अन्तर्गत)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)अर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1984सं० 19।/सितम्बर/83—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस० सं० 153 है, जो कोडेक्कानल गांव
में स्थित है (और इसमें उपाथद में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास
दस्तावेज सं० 2980/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतर्रक्ती (अन्तरितायाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्रक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

भूमि एस० सं० 153, कोडेक्कानल गांव, (दस्तावेज
सं० 2980/83)।आर० पी० पिल्लै;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 17-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती राजेष्वरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती प्रेमा ।

(अन्तरिक्ती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश संख्या 19205—यतः, मुझे, आर० पी० विलै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मर्व० 331/2, कोलपाखम, पल्लावरम है, जो
मद्रास में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत
(डाकुमेट 2654/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदरा
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रांत-
लिल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
उप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटौटी किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कठियत्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
बाँ/बा

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिता के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्त्विकता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—मर्व० 331/2, कोलपाखम (डाकुमेट 2654/83)।

आर० पी० विलै
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

15—86GT/84

तारीख: 16-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सोमसेना।

(बन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीनर्ति प्रशान्ती।

(अन्तरिक्षी)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना आरो करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 19353: यतः, मुझे, आर० प० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 बैंगलूर सैदापेट है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (डाकुमेंट 2775/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पूर्वान्तर से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) वौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में व्यासांकित रूप से कथित नहीं किया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में बोहू भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर स्वीकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्यांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के "प्राज्ञान" अन्तरिती इवारा शक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रविधा के लिए;

भूमि—दानशरम, सैदापेट (डाकुमेंट 2775/83)

आर० प० पिल्लै,
सक्रम प्राधिकरी,
सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 16-4-1984.

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री वैकटेस्वरा प्रिट्से ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ममबाइका टैक्सटाइल प्रिट्से ।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984 ।

निवेश सं० 13298:—यतः, मुझे, आर० पी० पिलौ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त प्राधिकारी सम्पत्ति, त्रिसक्त उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. दुष्कृति है

और जिसकी सं० टी० एत० 771/के, 2रा, 770/1सी, 1वी, है
जो तेजमवही में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रो पालम्बम.
(डाकुमेंट 2127/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरक) और बंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तथा यह यह
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के
वायिक्त में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

मूल्य

(ख) ऐसी किसी ओय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निमाण--771/के, 2रा, 770/1सी, 1वी, तेजम-
पट्टी। (डाकुमेंट 2127/83) ।

आर० पी० पिलौ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

असः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

तारीख : 16-4-1984.

माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री कृष्णराज और अदरस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नटराजन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13254:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/411, ओप्पनकार स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकूमेंट 4791/
83) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारंख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
प्रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की, तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानिकियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा; जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

निम्नलिखित
भूमि और निर्माण—15/411 ओप्पनकार स्ट्रीट कोयम्बटूर
(डाकूमेंट 4791/83)

आर० पी० पिल्लै
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

अतः नम, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरण
में, सौ, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-4-1984
नोट्स प

प्रध्य बाई, टी. ए. एड. -----

(1) श्री सुमिदरराज।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक्ष)

(2) श्रीमती अम्मुकुद्दि वाको।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० 13242-यतः, मुझे, आर० पी० फिल्स,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० डी० १२/१०५, संगतूर, गांधीपुरम
कोयम्बतूर में स्थित है और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम
(डाकुमेट 3251/83) में भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को प्रबोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रबोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नांतरित उद्दरण्य में उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनुष्यों

भूमि-टी० प्र० १२/१०५, संगतूर कोयम्बतूर।
(डाकुमेट 3251/83)।

आर० पी० फिल्स
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 16-4-1984.
माहूर ६

प्रकल्प बाईं दी, एवं यह, - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मरण चेट्टियार।

(अन्तरक)

(2) श्री सेतुरामन चेट्टियार।

(अन्तर्दिर्षा).

भारत उत्तरकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13225-अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्व० 400/1, 406/1, संगतुर है, जो मद्रास में
स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से घण्टित है);
रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, आंध्रप्रदेश (डाकुमेंट
3547/83) में भारतीय रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कभी करने था उसके बचने में सूचिता के लिए
और/या

(क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

(1) श्री मरण चेट्टियार।

(2) श्री सेतुरामन चेट्टियार।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में विया
गया है।

मद्रास

भूमि और निर्माण—सर्व० 400/1, 406/1, संगतुर,
कोयम्बटुर (डाकुमेंट 3547/83)।

आर० पी० पिल्लै,
नक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-II, मद्रास।

अतः बब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अतः :—

तारीख : 16-4-1984

मोहर

प्रेस्प्र बाई, टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रीमती सुशोलालार्फ।

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जे. पठमा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संस्थायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, भद्रास

भद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेदण सं 13196:—यत्, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आय
269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायक आयुक्त, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं टी० एस० 6/900, है, जो कोयमबदूर में
स्थित है (और इसके उपावड़ में और पूर्णलूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबदूर (डाकुमेंट 3965/
83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त शम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
अधिमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और भुक्त यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त शम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके अधिमान प्रतिफल से, एस० अधिमान प्रतिफल
का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया जाया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त शम्पत्ति के अर्जन के जिए
कार्यविहीन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्यन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वाहोहस्ताक्षरी के पास
विरक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के उसके कार्यालय
में अपनी बातें या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आइ/वा

अनुसूची

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922
(३२२ का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

भूमि और निर्माण—टी० एस० 6/900, कोयमबदूर
(डाकुमेंट 3965/83)।

आर० पी० पिल्लै,
संक्षम प्राधिकारी,
संस्थायक आमकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, भद्रास।

वक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपाधार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

तारीख : 16-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बौरेस्वामो नायडू और अदरक्ष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कमलपत

(अस्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निदेश सं. 13314:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 171/प०, 1, 2, 172/ए/1, 2, 173/
ए०/1, 2 है, जो ओठनतुरै में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मेहुपालीयम (डाकुमेंट 1784/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिकारी के सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
अधिकारी निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निर्विद् वे
मास्तरिक रूप से कीषत नहीं किया जा सकता है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के उम्मेद में कोई भी वास्तव ॥—

(क) इस सूचना के उम्मेद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उम्मेद में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-
द्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास सिविल में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण हे हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन का उक्त अधिकारी के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

मृगजी

(ख) एसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना आविहै वा, छिपावे में सुविधा
के लिए ।

भूमि—सर्वे 171/प०/1, 2, 172/ए/1, 2, 173/ए/1, 2,
ओठनतुरै मेहुपालीयम (डाकुमेंट 1784/83) ।

आर० पी. पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती समिरेला श्रीमित्रासन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० गीता।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निदेश सं० 13272:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रिवेस करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 23/136, ओप्पनकार स्ट्रीट है जो कोयम्बटूर
में स्थित है (और इससे उपांबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं०
4154/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19
का 16) के अधीन, सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से की थी तद्दीर्त किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृइ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

भूमि और निर्वाण—23/136, ओप्पनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर
(डाकुमेट 4154/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-, मद्रास।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्रस्तुप शाई.टी.एन.एस. -----
 आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री छंदनकुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री पलनिस्वामी।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13234:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है;
 और जिसकी सं० टी० एस० 11/278, गनपती है, जो गांधीपुरम
 में स्थित है (और इसके उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकुमेंट 3316/
 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख मिस्रियर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम रकमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 अन्तर ग्रातंत्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित
 हैं वास्तविक रूप से कार्यकृत से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 विवित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या भन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आकृप :—

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है॥

मृत्यु

भूमि—टी० एस० 11/1278, गनपति (डाकुमेंट 33
 83)।

आर० पी० पिल्लै,
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप नाहै टी एन एस. -----

(1) श्री लक्ष्मीनारायण और राजवंश ।

(अन्तर्का)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भारा
269 (प) (1) के अधीन सुचना

(2) साऊथ इंडिया शर्गर्स लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, सहाय

मन्द्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निदेश मं० 10600:- यतः, मुझे आर० पी० पिल्लै,
 भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिख बाजार मूल्य
 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मध्यें 23/1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11, विक्राण्ठी, है, जो विल्लपुरम में स्थित है (और इसके उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विक्रान्ती (डाकुमेंट 1990/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,

1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(c) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य जास्तियों को,, जिन्हे भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्वीकृति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भार 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सुखना जारी करके पूर्वाक्ष सम्पत्ति के अंरेन को इसए कार्यवाहिण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुपारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीले से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त लिखितयस के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ପ୍ରକାଶି

भूमि--सर्वे० 23/1-7, 10, 11 मुठियमवाल्लम, विक्रामठो
- (डाक्टरेट 1990/83) ।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी;
प्रायुक्त (निरीक्षण),
न रेंज- II मद्रास।

तारीख : 16-4-1984.

मीहर :

प्रस्तुप बाईंटी टै.एस.एस.

(1) श्रीमती मलिका।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शकुंतला गनेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 1984

निवेश सं. 13211:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी० एस० 73, 75 है, जो तेलुनगुपालयम में
स्थित है (और इसके उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट 3328/
83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मिस्राम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्राहापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में आस्तीनिक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के कभी कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
की लिए।

मन्त्री

भूमि और निर्माण—टी० एस० 73, 75, तेलुनगुपालयम
(डाकुमेंट 3328/83)।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत, (निरीक्षण,
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 16-4-1984

मोहर:

प्रलेप आई०, डी०, एन०, एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत भवन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, विनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेदा सं० 13213—यतः; मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति ब्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसको सं० सर्वे 711, है, जो बठबल्ली में स्थित है (और इससे
उपार्क अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट 3321, 3322/83) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
बार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवां प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 260-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् —

(1) श्री बौरे गोडर और अदरस।

(अन्तरक)

(2) इनादिरन और अदरस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुल्क करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बाबूलली
भग्नी—सर्वे 711, बठबल्ली (डाकुमेंट 3321, 3322/
83)

आर० पी० पिल्लै,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एम., एस.-----

(1) श्री यूसुफ अब्दुल करीम और अदरेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद जबरैया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निंदेण सं० 10521, 10522, 10523:—यतः मझे,
प्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ((जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयात् कहने वा
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं० टी० एस० 9 और 10, चितामनी है, जा बोर्यूए
में स्थित है (आर० इसके उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, बोरेपूर डाकुमेंट 2406,
2407, 2408/83), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का
पहले प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हटा किसी जाय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

भ्रम—टी० एस० 9 और 10, चितामनी बोरेपूर (डाकुमेंट
2406, 2407, 1408/83)।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर० पी० पिल्लै,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख: 16-4-1984.

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

वारद संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेश सं० 13317:—यहाँ, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 3906, ऊटी है, जो मद्रास में स्थित
है (और इसके उपाव और अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेंट 734,
735/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(1) श्री गिरियपा और प्रदर्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री रीतु पीरन और अदरस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बजाए में कोई भी वालोंपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत सूचना
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित
में कमी करने या उसने बदलने में सहिता के लिए;
प्रीरया

मनुसूची

भूमि—प्रार० एस० 3906, ऊटी, (डाकुमेंट 734, 735/
83)।

(ख) ऐसी किसी आय या एकसी भूमि या अन्य वार्ताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, किसान में सहिता
के लिए;

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, II मद्रास

वरद अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
दूर्दान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अन्तराल (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख : 16-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. 1984

(1) श्रीमती कातियां बाई।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जमबुलिंगम और अदरस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेश सं. 13174:—यतः, मुझे, आरोपी पिलै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे. 369/3, कोनवाकोरै है, जो मद्रास में
स्थित है (और इसके उपावरु अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटगिरी (डाकुमेंट
837, 838, 839/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भव्य यह विश्वास
फरमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे अन्तरने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

महात्मा

भूमि—सर्वे. 369/2, कोनवाकोरै (डाकुमेंट 837/83)

आरोपी पिलै,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेज-11, मद्रास।

तारीख : 16-4-1984,

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकल्प नामः टी.एन.एस.-----

(1) श्री गुरदयाल सुन्दर सिंह।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पाठियराज मेमोरियल एजुकेशन ट्रस्ट।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेश सं. 13299:—यह, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 18/1, 2, कोटगिरी है, जो निल-
गिरिस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोटगिरी (डाकु-
मेंट 1032/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण दे हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के
प्राप्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है लिए; और/या

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण-आर० एस० 18/1, 2, कोटगिरी
(डाकुमेंट 1032/83)

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

बता जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

(1) जनराधिन,

(अन्तर्रक्ष)

आद्वार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) काजीपी इन्वेस्टमेंट्स

(अन्तरिती)

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 84

निदेश सं० 19208—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 116/1 ए 50, 116/1 ए 60
बल्लनचेरी है, जो चैक्लपट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मद्रास सौत (डाकुमेंट नं० 3001/83) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) कलारक जै दूर्दृष्टि की आवश्यकता की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कुछ हने के अनुसुलक के वायित्व में
कमी करने या उत्तर से बचने में सुविधा के लिए
आर०/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया गया
था या किया आदा आदी है या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि सर्वे 116/1 ए 50, 116/1 ए 60, बल्लनचेरी
(डाकुमेंट 3001/83)

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-4-84.

मोहर:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

प्रस्तुत वाइ.टी.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत लाइब्रेरी

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीकण)

अर्जन, रेज, मद्रास

मद्रास दिनांक 19 अप्रैल 84

निदेश संख्या 19188—श्रतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘पिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, है सिंगराचारी स्ट्रीट, मद्रास-5
है, जो में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूल्यी में और
पूर्णस्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ट्रिप्पलकेन (डाकुमेंट 661/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर

1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ ह्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाए; औरहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) फैन होटलस (प्रा०) लिमिटेड,

(अन्तरक)

(2) श्री जैन स्वेताम्बर तेरापंड द्रस्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण-38, सिंगराचारी स्ट्रीट, मद्रास-3
(डाकुमेंट 661/83)।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

ज्ञतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकतः -

तारीख : 19-4-84.

मोहर :

प्राप्ति बाहुदृष्टि एवं एस. ----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) दीपा,
 (अन्तरक)
 (2) सुनीता,
 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 अप्रैल 84

निदेश सं० 13193—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 683-686, सिंगललूर है, जो
 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णस्पृ
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
 (डाकुमेंट 3645/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 83
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
 अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कीभी नहीं किया गया है :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहे भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

 (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 अधिकारी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; जाँच/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्याओं
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

आर० पी० पिल्लै
 सभी प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-4-84.
 मोहर :

मुक्त भाषा, दी.एन.एस.-----

(1) पार्षदसार्थी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) की अधीन सूचना

(2) सुनदरेसन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 84

निदेश संलग्न 19181—अतः मुझे, आरो पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी आयकरी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 115/6, अड्यार है, जो में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्णाङ्क से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
सौत (डाकुमेंट 2902/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

कि यह सूचना आड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन की सम्भावना में कोई भी वास्तव 1--

- (क) इस सूचना के एजपृष्ठ में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रदृश्यत जावा और पद्मा का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरुण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरुण के
सावित्र में कोई करने वा उससे बहुत में सूचिता
नहीं है; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिधृढ़ है दृष्टि;

भूमि सर्वे सं० 115/6, अड्यार (डाकुमेंट 2902/
1983)।

आरो पी० पिल्लै
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 12-4-84.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्यक्ष श्री. टी. एन. एम. -----

(1) श्री चंद्रशेखर और कुंवरसेन

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मुद्राहानियम

(प्रत्यरित)

भारत दृष्टिकोण

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अप्रैल 84

निवेश संख्या 13172—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
260-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35, 36, कुप्रस्वामी स्ट्रीट, जुहलूर है, जो
घोपी में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
घोपीचेडिपालयम (डाकुमेंट सं० 750/83) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरुक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाद या किसी भूमि या अन्य वासिताओं को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ओइर्ड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्रिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी अधिकार हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यय में दिया गया है।

मृदुली

भूमि, निर्माण 35, 36, कुप्रस्वामी स्ट्रीट, जुहलूर
घोपी (डाकुमेंट 750/83)।

आर० पी० पि.
सक्षम प्राधिका

सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज-II म

तारीख : 19-4-84.

मोहर ८

प्रस्तुत आई.टी.एल.एल.

(1) रहमत बी

(अन्तरक)

उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष. (1) के अधीन सूचना

(2) दी टाटा आयल मिल्स कम्पनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 84

निवेश संख्या 19240—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 95, करुणगली, पोन्नेरी है, जो में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट
2537/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचांग प्रतिशत से अधिक है और बासरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

मैं यह सूचना आई.टी.एल.एल. को वर्तने के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्णरूप
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ हुंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरक से हूँई किसी आय की वादतः, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ममृसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहृत था छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि-95, करुणगली, पोन्नेरी (डाकुमेंट 2537/83) ।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

वादः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-4-84

माहेर ॥

प्रस्तुप आहूँ, टी. एन. एस. -----

(1) कल्यानरामन सुन्दरम्,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) बालकुण्ज,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निवेद नं. 19237—प्रति : मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं. 14, सैदापेट, मद्रास है, जो में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ही प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्रति : अब, उक्त अधिनियम की भाय 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-14, सैदापेट, मद्रास (डाकुमेंट 1582/
83)।

श्रार० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर (आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-III मद्रास

तारीख : 16-4-84.

माहूर

प्रधान माइंटर दी. एन. एस. -----

(1) श्री पोष्टम्भाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुलस्वामी :

(अन्तरिती)

भारत ब्रह्मकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अग्रैल 1984

निदेश सं० 13278:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० तिरुमुग्ननपूनठी, राकीयापालयम है, जो आनि-
नाशी, कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इसके उपावन्द और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अविनाशी
(डाकुमेंट 1235/83) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगसार अन्तरिती बाबार प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18 — 86GI|84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए
कार्यवाहीहीं करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोइ भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
या है ।

अनुसूची

भूमि—तिरुमुग्ननपूनठी, राकीयापालयम अविनाशी (डाकुमेंट
1235/83) ।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास ।

तारीख: 16-4-1984।

मोहर :

प्रख्यूप बाईं, टी.एन.एस. - - -

(1) श्री वी० सोमसुन्दरम्,
गिरिराजन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विसवनातन और अदरस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निवेद सं० 13233:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे 238/2 बी० है, जो गनपती में स्थित है (और इसके उपावरु और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम (डाकुमेंट 3614/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1983

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अन्तरिती

भूमि-सर्वे 238/2 बी०, गनपती (डाकुमेंट 3614/83)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

जतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :—

तारीख : 16-4-1984.
मोहर :

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री टी० एस० रामस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेम लक्ष्मी।

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निवेश सं० 13230:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 532 सनगमूर, कोयम्बटूर है, जो
में स्थित है (और इसके उपावद्ध और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के काय लिय, गांधीपुरम (डाकुमेंट 3425/
83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का पन्ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उम्मेद्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
घास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीर्णों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन-कल अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

भूमि—सर्वे 532, सनगमूर, कोयम्बटूर (डाकुमेंट 3425/
83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-4-1984.
माहूर

प्ररूप आइ., टी. एव. एस.:-

(1) श्री के० रामस्वामी।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरोजिनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निदेश सं० 13229:—मतः, मुझे, आर० पी० पिलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे 293/2 ए. जनपति, है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसके उपावड़े में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, वांदिपुरम (डाकुमेंट 3467/83) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिन्हासन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल न्है लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में कानूनीकृत रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण—सं० सर्वे 293/2 ए. जनपति कोयम्बटूर (डाकुमेंट 3467/83)।

आर० पी० पिलै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 16-4-1984.

मोहर ४

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री रामस्वामी गौड़र।

(अन्तरक)

(2) श्री रंगस्वामी।

(अन्तरिती)

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निवेदा सं. 13219--यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. सर्वे 706, कम्पमनायकनूर है, जो मद्रास में
 स्थित है (और इसके उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊटमलपेट (डाकुमेंट 2192/
 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पर्वोंकृत सम्भिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के सिए;

भूमि—सर्वे 706, कम्पमनायकनूर (डाकुमेंट 2192/83)

आर० पी० पिल्लै,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-II, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधारत :—

तारीख : 16-4-1984.
 मोहर ॥

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बकरावटचलम।

(अन्तरक)

(2) श्री कासी।

(अस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

निदेश सं० 19180-यतः, मुम्मे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मवें 29/2, 29/1 सी 1, 1 सी 3, 36/1, 2,
3, 3/7/2 बी० 2, है, जो नटलूर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध
में और पूर्ण स्वप्न से बिणी है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास सौत (डाकुमेंट 2895/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवैन, तारीख सितम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे नष्टने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थान / ।)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की लामी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

भूमि—सं० 29/2, 1सी१, 1सी३, 36/1, 2, 3, 37/2
बी० 2, नटलूर। (डाकुमेंट 2895/83) ।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-4-1984.

माहूर ३

प्रकृष्ट आइ, टी.एन.एस.

(1) श्री कुमारी पत्नि जगन्नाथन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री उदयमपालयम कोआपरेटिव हहा० विलिंग
सोसायटी ।

(अन्तर्की)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13201:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 66, 206, 207/3, 205 है, जो मोरि-
पालयम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसके उपावद्ध में और पूर्ण
रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
(3844/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया ग्राहक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ये लिए; लौट/वा

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय कार्यवाहियां करता है।

चक्षु सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाखे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, प्रिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम्बर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सुविधा ये लिए;

भूमि—सर्वे 66, 206, 207/3, 205, सोरिपालयम, कोयम्बतूर (डाकुमेंट 3844/83) ।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 16-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट आइ, टी. एन. एस. -----

(1) श्री मनुस्वामी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामनाथपुरम् को० आपरेटिव हा० बिल्डिंग
सोसायटी।

(मन्त्रिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13204:—यतः, मुझे, आरा० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा०
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवरास करने का
कारण है कि स्थाप्त उपर्युक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० आरा० एस० 304/1, 305/2, रामनाथपुरम्
है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण
मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
(डाकूमेंट 3691/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मिन्हवर,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास
करने का कारण है कि अधारपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दबावमान प्रतिफल से, ऐसे दबावमान प्रतिफल का पंचह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अंति-
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
एवं ये कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाइ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती दबाव प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अह. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्त सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और दबाँ को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—आरा० एस० 304/1, 305/2, रामनाथपुरम्,
कोयम्बतूर (डाकूमेंट 3691/83)।

आरा० पी० पिल्लै,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-4-1984
माहेश

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पोदम्माल ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री कुमरेन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निदेश सं० 13308:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे 85, 86/1, 87/1, 2, 3, 6 रामपट्टिनम,
है, तथा जो पोल्लाच्छी में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्छी
(डाकूमेंट 1950/83), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त गम्भीर के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रशोङ्गार्थ अन्तिमी दबाव प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
19-66GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचीभूमि—सं० सर्वे 85, 86/1, 87/1, 2, 3, 6, रामपट्टिनम,
पोल्लाच्छी (डाकूमेंट 1950/83)।

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-4-1984

माझेड़ :

प्रख्यात आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री गोविंदस्वामी और अदर्म ।
 (जन्तरक)
 (2) श्री पलनिस्वामी और अदर्म ।
 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

आर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निवेश सं० 10528:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० सर्वे 503, पुतूर, वारापुरम है, तथा जो मद्रास में
 स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारापुरम (डाकूमेंट 2843/
 83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख मित्स्विंवर, 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
 विक कर से लिखित नहीं किया यवा है:—

(१) अन्तरण में हुई किसी प्राय की भारत उक्त अधि-
 नियम के प्राप्तीय वरदेते के प्राप्तरक्त के वाविल वें कमी
 करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(२) एरौ किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

भूमि—सर्वे 503, पुतूर, वारापुरम (डाकूमेंट 2843/
 83) ।

प्रार० पी० पिल्लै,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
 आर्जन रेंज-II, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

तारीख : 16-4-1984.
 मोहर ४

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री तंगप्रकाशम और अदर्स।

प्रायहर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

1. श्री पेलमाल।

(अन्तर्भूती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1984

सं 10493:—यतः मुझे आर० पी० पिलै.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं ० टी० एस० 257, सरम, ओलगरट है, जो ओलगरट में स्थित है (और इससे उपाकद्व में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आजुकराम (डाकुमेंट 1912/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, निम्नलिखित 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यात् प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है भीर सुन्दे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वेषण से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरारों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(ब) अन्तरुण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(व) उसों का आर० पी० किसी बन या अन्य आक्षियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्रण के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपक्रमा (1) अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् ४—

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अवित्त धारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी प्रत्येक अवित्त धारा, प्रत्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सके।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्री एवं पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रषित है, वही प्रयोग होता, जो उक्त प्रधानमें दिया गया है।

मन्त्रसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० 257, सरम, ओलगरट (डाकुमेंट 1912/83)।

आर० पी० पिलै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-4-1984
मोहर :

प्रलूप. माइ. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स मधुरा कोट्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स बैंग इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

सं. 81/सितम्बर, 1983:—यतः मुझे, आर० पी० पिलै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 वाई सं. 2, ब्लाक सं. 3, मदुरै मद्रास ट्रॉक नोड समीप है जो विहृत नगर टोन, रामनाड जिला में स्थित है (और इससे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास-1, दस्तावेज सं. 2763/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1983।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अंतरण निम्निकृत में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृङ्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

बन्सूचि

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० पी० पिलै,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि वाड सं. 2, ब्लाक सं. 3, मदुरै मद्रास ट्रॉक रोड समीप, विल्लुबुनगर टोन, रामनाड जिला। (दस्तावेज सं. 2763/83)।

तारीख: 28-4-1984

मोहर:

प्रस्तुत प्राइंट टी० एन० एस०—

1. श्री नारायणस्वामी और बावायी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) को धारा
269-व (1) के पश्चीन सूचना

2. श्री नाचिमुतु

(अन्तरिती)

भारत प्रदेश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

सं० 13170:—यह मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे 188, निल्पपुर है, जो तिल्पपुर में
स्थित है (और इसके उपावड़ में और पूर्ण रूप में वर्णित है).
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्दीपुर ठाकूमेंड
1439/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इरथमान प्रतिफल से, एसे इरथमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया श्रिति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इडटोरण:—इसमें पूर्वत शाम्लों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिसालित
है, वहाँ शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृशे किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
जैर० पी०

मृत्युचंद्री

भूमि—सर्वे 188, तिल्पपुर (ठाकूमेंड 1439/83)

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पंद्रह
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
जै नियम;

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

कृत. अध., उक्त अधिनियम, का धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—

तारीख : 28-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टो. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

सं० 13177:—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

आर० जिसकी सं० सरवे 57 डठुमलपेट है, जो डठुमलमेट में
स्थित है (आर० इसके उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूरी रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, डठुमलपेट (डाकू-
मेट 2051/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1983।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में नास्तिक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुधारणा के लिये;
आइ/वा

1. श्री प्रसीरुन्निसा बीबी।

(अन्तरक)

2. श्री रंगनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबू नहीं:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृद्धि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरण के
पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानसूचित

भूमि सरवे 57, उठमलपेट (डाकूमेट 2051/83)।

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित
के लिए;

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-4-1984

मोहर :

पर्याप्त दस्तावेज़, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री पोश्चुम्बामी और अदर्स।

(अन्तरक)

2. श्री गोप्तव्य, घोड़िर।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अजग रज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

मं. 13302—यतः, मुझे, आर० वी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति भौतिक वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे 441/2, है, तथा जो सिवगिरी में
स्थित है (आंदर इसके उपावास अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवगिरी डाकूमेंट
1037/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन निम्नवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन तर देने के अन्तरक के दायित्व
ने कमी करने या उससे बचन मा सुविधा के लिए;
और/या

ममुसूची

(ब) पंसो किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के उक्त अधिनियम, या
पत्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसके अंतर्गत
सुविधा के लिए;

मूल सर्वे 441/2, सिवगिरी, (डाकूमेंट 1037/83,

आर० वी० पिल्लै,
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अंतरक रेज-II, मद्रास

अतः अब, दबत अधिनियम की भारा 269-व के अव्याहरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

तारीख : 28-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप लाई० टी० एन० एम० ——

आदेशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्री नाचिमतु और अदर्म०

(अन्तरक)

(2) श्री सरवनबवन और अदर्म०

(अन्तरिती) —

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निदेश सं० 13301—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 227/1, 2, 256/257/1, 255/3 है, जो
बेट्टमपट्टिमंगलम में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवगिरी
(डाकुमेंट 1024/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्हूं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित
में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में नमान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम् अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भूमि या जन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भक्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अमृसूची

भूमि सर्वे 227/1, 227/2, 256/257/1, 255/3,
बेट्टमपट्टिमंगलम, ईरोड (डाकुमेंट 1024/83)।

आर० पी० पिल्लै,

सक्रम प्राधिकारी,

मद्रास आयकर आयकल (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

तारीख : 28-4-1984

मोहर :

प्रध्यप आई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती नहामश्मी चंद्रमे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) भवश्री चंद्रमेकर के० नागराजन, एस० रामचंद्र
राव, प्र० रंगनाथन, टी० पार्थसारथी, लोलावती
मोना, रामकृष्ण, आर० तिष्मूर्ति, जी० पावर्ती, आर०
शेनबग लक्ष्मी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 प्रब्रैल 1984

निदेश मं० 37 ई/44-52/83—यतः, मले, आर० पी०
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन यक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० 30, 31 पलनी आठवंवर कोविल स्ट्रीट, है, जो
मद्रास-26 में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल में ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रांशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

जन: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपर्याप्ति (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—
20—86GII84

तारीख : 28-4-1984

लोड़ ॥

प्रस्तुत बाइं, टी. एन. एस. -----

(1) श्री श्रीष्ठा राव।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मई 1984

निवेद सं. 19356:—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 10, बरकिट रोड, मद्रास-17 है, जो मद्रास में
रिश्त है (और इससे उपाबूद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं. 3369-
3376/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी बाय की जावत, उक्त
वर्धनियम की वर्तीन कर देने के अन्तरक और
वासविक रूप से कठी करने या उक्ते वर्तने से सुविधा
ने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भूमि या अन्य आसियों
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दूरिता की विलीन।

यतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारि:—

- (1) 1. के० सनतानम, स्टेट बैंक आफ इंडिया, मद्रास-6.
- 2. आर० मनकरनारायण, स्टेट बैंक आफ इंडिया,
के० के० नगर, मद्रास
- 3. एस० रंगस्वामी 12, टेयलरटरा स्टेट । स्ट्रीट,
मद्रास-24
- 4. एस० लक्ष्मिनरसिंहबून, स्टेट बैंक आफ इंडिया,
मद्रास-52
- 5. के० मुरलीधरन, स्टेट बैंक आफ इंडिया, तामबरम,
मद्रास
- 6. जे० विष्णवानाथन, 4, तनिका चलम पिल्लै स्ट्रीट,
मद्रास-5
- 7. ए० बी० नवनीतन, स्टेट बैंक आफ इंडिया,
रंबेली
- 8. एस० महेश्वर, स्टेट बैंक आफ इंडिया, अरकोनम।

(अन्तरिती)

वह वृच्छा वारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के वर्तन के बिषय
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
सिखित में किए जा सकें।

स्थावरण:—इसमें प्रबुक्त वस्त्रों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—10 बरगिट रोड, मद्रास-17 (डाकुमेंट 3369-
3376/83)।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, मद्रास

तारीख: 3-5-1984

मोहर ३

प्रकृष्ण बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियुक्ति)

अर्जन रेज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निवेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०१/९५८३/

482:- ग्रातः भूमि, बी० एल० ध्वनि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 30 है तथा जो दुकान नं. 30, कुण्डा क्लाउ
मार्किट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुमूली में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1983को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(1) श्री बीरेन्द्र नाथ सेठ तथा
उमा सेठ,
ए-३८, सी० सी० कालोनी,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह,
डी-१५४,
एजय इन्क्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आरूप/या

मनुमूली

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।दो मंजिला गोडाउन दुकान नं. 30, कुण्डा क्लाउ होस्टेल
मार्किट दिल्ली । क्षेत्रफल ९'. ९" x ७'बी० एल० ध्वनि,
मध्यम प्रांताकारी,
सहायक आयकर अधिकारी निर० क्षण
अर्जन रेज-11, दिल्ली ।गत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अन्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-5-1984.

मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख विलिनी, विनांक 11 मई 1985

निर्देश मं० आई० ए० गी०/ग्रय००-२/ग्रम० आर०-१/९-८३/
५००:—अतः मुझे, बी० ए० एन० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘सके पश्चात ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सदम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर रूपांतर, जिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी मं० ग्रम० सी० नं० ४१५ है तथा जो कटरा औबन
दिल्ली में स्थित है (ग्रांड इंसो उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोंक्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की तरह नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महाराज किळन पुस्ता,
पुत्र स्व० श्री बन्मीलल,
10 नवजीवन विहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सेठी,
पुत्र श्री मुम्ती गम सेठी,
सी-१/१४५, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्ष संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ष
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से
किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बायाय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता था उस अधाय में दिया
गया है।

बाल्लभ

प्रोपर्टी नं० ग्रम० सी० 415 (भाग) वाई० नं० 5, पहली तथा
हमरी मंजिल, दुकाना नं० 414 पर बनी कुई, कटरा औबन बाजार
बांदनी छीक, दिल्ली।

बी० एन० धवन,
सक्तव प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, विल्सो।

तारीख : 11-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत गाइंग, दी. एन. पर्स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं. ग्राई. ८० भी०/एक्यू०-२/एम० आर०-१/९-८३/
५०२—अन्त. मुद्र. बी० एन० ध्वनि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी ओं, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. ५३ जै० है, तथा जो राजीनी गाँड़न दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित
है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) J अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कांत मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम को वर्तीन कर दने की वस्तुकर के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बी/था

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिदों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनासरण
में, भी, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स० किशन सिंह,

पूर्व स्व० श्री राम प्रताप मिह व दूसरे,
जै०-५३, राजीनी गाँड़न.
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

(2) श्रीमती प्रेम कुमार वर्मा,

प्रमोद कुमार वर्मा,
ग्रामोक कुमार वर्मा,
पुन स्व० श्री कुलदन लाल वर्मा,
जै०-५३, राजीनी गाँड़न,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पद्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ठाई मंजिला बना द्वारा मकान प्लाट नं. जै०-५३ राजीनी
गाँड़न गांव अमैद दारा पुर दिल्ली। क्षेत्रफल 243 वर्ग गज।

श्री० एन० ध्वनि,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

माहूर :

प्रधान भारतीय एवं प्रधान मंत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर नियमण (नियमण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निवेश सं. आई.ए.० सी०/एक्यू०-२/एस० आर० 1/9-83/
506:—अतः मुझे, भी० एल० ध्वन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3 है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है
और (इससे उपावल्ल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरुण से हूँ एकी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लाभित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाई/शा

(क) एकी किसी आव या किसी भन या अन्य आविष्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री रामजी शाम घावळा,
11/8, ईस्ट पंजाबी बाग तथा बूसरे,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं अमर लुड्डीकेन्ट्स,
27/35, नोर्थ एक्यू० रोड,
पंजाबी बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

बनस्तु

शाप कम आफिल नं. 3, सेक्टर नं. 4 नार्थ एक्यू० रोड,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

बी० एस० ध्वन,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (नियमण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर

प्रेस आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०-२/एस० आर०-१/१०-८३/

511:—अतः मुझे, बी० एस० श्रवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5152 है तथा जो रुई मन्डी सदर बाजार, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्षहूँ प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिह्वा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मिसरी देवी,
पत्नी श्री राम दाम व दूसरे,
3756, जमादार गली,
पहाड़ी धीरज,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी,
पत्नी श्री मूल चन्द्र,
4597, गली नाथन मिहू,
पहाड़ी धीरज,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदात
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

प्रोपर्टी नं० 5152 रुई मन्डी सदर बाजार, दिल्ली-६ ।
क्षेत्रफल 47.56 वर्ग गज ।

बी० एल० श्रवन,
प्रश्नम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1984
मोहर

प्रस्तुप बाइं.टी.एन.एस.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-का (1) के प्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1984

निवेश मं० आई० ए० सी०/गकू०-३/एम० आर०-१/९-८३

521:—अतः मूँजे, वी० प० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्राहक प्रिसकी मं० दुकान नं० 5 हैं तथा जो चांदनी चौक, दिल्ली
में स्थित है (ग्राहक इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण व्यष्टि में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधुपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के मीड़े ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-का अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर लाल,
17, पंजाबी बाग,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जय गोपाल,
3188,
मोरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायोवाहियां शरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजसत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की व्यवधि या तसम्बन्धीय अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी
प्रवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदाप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में सिखा गया
है।

मनुसूची

आदा हिस्सा प्राउन्ड फ्लौर, दुकान नं० 5, कृष्णा क्लास सार्किट,
चांदनी चौक दिल्ली। शेवफल ($10' \times 9'' \times 6' \times 4''$)

बी० प० धवन,
मकान प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप बाहर टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर० 1/983/
523:—अतः मुझे, बी० एल० धधन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो जय देव पार्क बसई दारा पुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनूसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
इन्ह अंतरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से सबत अन्तरण निश्चित ये वास्तविक
कृप से करित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्ड फिली बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण से
वायित्व में कली करने वा उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
के, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—
21—८६GII84

(1) श्री कश्मीरी लाल,
पुत्र श्री मूलक राज,
रोड नं० 7,
मकान नं० 6,
जय देव पार्क,
दिल्ली।

(2) श्री प्रेम नाथ पुत्र
श्री मूलक राज,
रोड नं० 7,
मकान नं० 6
जय देव पार्क,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी जापें :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूष्प
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलिंग में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूलसूची

1, 2 हिस्सा प्रोपर्टी नं० 6, रोड नं० 7 जय देव पार्क (नरेन्द्र
ऐवेन्यु स्ट्रीट गांधी बसई दारा पुर, नई दिल्ली। क्षेत्रफल 155
घर्ग गज।

बी० एल० धधन,
संसाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एल. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० २/एस० आर० १/१९८३/
५२५:—अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० ८७ है तथा जो कशमीरी गेट दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीता रानी,
पत्नी श्री जे० पी० सहगल,
डब्ल्यू०/ 158,
गैटर कैलाश,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय रिकारी,
पुत्र श्री आर० के० रिकारी,
जेड 4, हौज खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी वास्तेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुखता सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया जाता
है।

मन्त्रसूची

दुकान नं० ८७ दुसरी मंजिल, मूनिस्पल नं० १/२८४६
गूरु नानक आटो मार्किट, बड़ा बाजार, कशमीरी गेट, दिल्ली।
फोल्डर नं० ३४० लंग फुट।

बी० एल० धवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.
मोहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----
 अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-के (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर० 1/983

/526:—अतः मूल्य, वी० एल० धवन,
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० 27 है तथा जो आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है
 (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल हो हस्ते अधिकान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती चन्द्र वती,
 पत्नी श्री राम कुमार,
 गांव व डाकखाना : बखतावर पुर,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा जैन,
 पत्नी श्री दर्शन कुमार जैन,
 जी-3/80,
 माझल टाउन,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कार दर्ते के अंतरक व अंतरित व अंतरिती के लिए; जाइया

(क) अंतरण व हुई किसी बाद की वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कार दर्ते के अंतरक व अंतरित व अंतरिती के कारण वा यहां व अंतरण व हुई किसी बाद की वस्तु के लिए; जाइया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आवृद्ध वा, जिसने में सूचिता के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-की अनुसूचि में, ये उक्त अधिनियम की भारा 269-की उभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवास: —

मानूसी

प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० डी० अशोका रोड, आदर्श नगर
 दिल्ली। क्षेत्रफल 150 वर्ग गज।

वी० एल० धवन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीख: 11-5-1984.
 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एम्प० 2/एस०आर० 1/983/

528:-अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० जी०/67 है तथा जो कीर्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्पू से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यान
प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यान प्रतिफल से एसे अध्यान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचणा
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कीर्ति ५—

(1) श्रीमती दयावंसी,
पत्नी स्व० श्री हरबंस सिंह,
जी०/67, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम निवास प्रसाद टंडन,
पुत्र श्री राम निवास प्रसाद टंडन,
२६/८७, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जी०/67, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 116
घर्ग गज।

बी० एल० धवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्ज० रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 11-5-1984.
संकेत

राज्य भारतीय शब्द संक्षेप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

लाइब्रेरी विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर० 1/१०-८३/

५२९:—अतः भूमि, ग्री० एल० ध्वन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'चक्रत अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-ग के अधीन संक्षम प्रांतिकरण को वह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपर्युक्त भाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी 427 है तथा जो मजलिस पार्क, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपर्युक्त भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवरण
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उपर्युक्त भाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(म) बल्लाल तं हर्दि किसी जात की ध्वनि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बल्लाल के
वायिक में कली करने का चक्र से बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(न) ऐसी किसी जात या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिहूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसवन्त कौर,
पत्नी स्व० श्री हरदीत सिंह,
1553, मौहल्ला फेज गंज,
दरया गंज,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता,
पुत्र श्री धर्जा राम,
सी-411, मजलिस पार्क,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी कहके पूर्वोक्त सम्बत के बर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्बत के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में विदा
गया है।

बनस्पति

प्लाट नं० सी-427 रेवन्यू स्टेट गांव भरोला मजलिस पार्क
दिल्ली। क्षेत्रफल 111 वर्ग गज।

बी० एल० ध्वनि,
संभाल अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984

मोहर ३

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर० 1/9-83/
531:—अतः पुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1915 है तथा जो कूचा चेलन खारी बावली,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
बच्चित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अनुचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राजेन्द्र नाथ निगम, तथा दूसरे,
677, सेक्टर नं० 1,
प्रार० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रंजीत कुमार निगम,
पुत्र श्री जगदीश प्रसाद निगम,
1917, कूचा चेलन,
खारी बावली,
दिल्ली-6.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :--.

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्रोपर्टी नं० 1917 कूचा चेलन खारी बावली दिल्ली।
फ्लैटफ्लू 80 वर्ग गज।

बी० एल० धवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत बाईं, टी. एन., एल.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

मई दिल्ली, विनांक 11 मई, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/ए क्य० 2/एस० आर०-1/9-83/
532:—अतः मुझे, बी० एल० ध्वन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-159 है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर, 1983

का प्रबोचित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसवान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रबोचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दसवान प्रतिफल से, एसे दसवान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यरूप नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के
वायिक्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसे किसी आय या किसी धन या मन्त्र आर्सियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती कौशलया देवी,
ई-159, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(2) श्रीमती स्वर्ण जीत कौर,
ई-159, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रबोचित सम्पत्ति के उक्तन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबोचित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुद्धि किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सामूहिक

क्वाटर नं० ई-159, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। तादादी
254 वर्ग फीट।

बी० एल० ध्वन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984
गोहर

प्रकाश बाहौदी.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर० 1/9-83/

536:—अतः मुझे, वी० एल० धब्बन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6247-48 है तथा जो खारी बावली, दिल्ली-6
में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को प्रावेशिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि व्यापारोंके संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्ण प्राप्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया गति प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरुक द्वारा कियी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर कर्त्ता के अन्तरक के
साथ भी कमी करने या उत्तरे बदने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १—

(1) श्रीमती श्वेता देवी,
पत्नी श्री सिंधू राम और दूसरे,
6247, कूचा शिव मन्दिर,
खारी बावली,
दिल्ली-6.

(अन्तरक)

(2) श्री अग्नोक कुमार, सतीश कुमार, मुकेश कुमार व
राज कुमार,
पुत्र श्री राधे मोहन,
6246, कूचा शिव मन्दिर,
खारी बावली,
दिल्ली-6.

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना खारी करके प्रावेशिक सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

'उक्त सम्पत्ति के बर्बन के तम्बूप द्वारा' भी बालोऽप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तराधिकारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावेशिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज्ञाहस्तान्त्री के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इसमें
अधिनियम के अधीन कर कर्त्ता के अन्तरक के
साथ भी कमी करने या उत्तरे बदने में सुविधा
के लिए; और/या

ज्ञाहस्त्री

पुराना नं. 6/3055 और नया 6247 और 6248 बाई
नं. 6 गियर मन्दिर कूचा खारी बावली, दिल्ली-6।

वी० एल० धब्बन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
ग्रांजन रेंज-2, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984

मोहन

प्रस्तुप आई. ई. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश न० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर० 1/9-83/
539।—अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० 38/9 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मिन्हावर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरीत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि इथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, दोसे इयमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहाया
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमतो नाना शर्मा मैत्री,
पर्ती श्री पी० एन० मेहरा,
38/10, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश बाधवा और श्री सतीश बाधवा,
पुत्र श्री जीवन दास बाधवा,
2878, हरध्यान सिंह रोड,
गफकार मार्किट के सामने,
करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्री वा पाल
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 38/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। क्षेत्रफल
200 वर्ग गज।

बी० एल० धवन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड-2, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

साहूर :

प्रकल्प नाइर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आ० 1/9-83/
540:—अतः मुझे, बी० ए८० ध्वन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम पायिक्यारी का, यह उक्त अधिनियम का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 38 बी है तथा जो आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नागरिक
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुए किसी वाय की वायत, उक्त
अधिनियम के वधीय कर देने के अन्तरक तो
राहित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; कौर/का

(ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाप्तनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरबचन सिंह,
पुत्र श्री हरनाम सिंह,
डी-19, महान मिह रोड,
आदर्श नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती उषा रानी ;
पत्नी श्री मदन मोहन मितल,
डी-19, कमला नगर,
दिल्ली-7.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दोनों में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्य

लाइन नं० 38, ब्लाक बी०, गांधी भवाला, आदर्श नगर, दिल्ली ।
धेत्रफल 223 वर्ग गज ।

बी० ए८० ध्वन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-2, दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर

प्रसूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्यू० II/2-एस० आर०-1/
983/547:—अतः मूल्य, भी० एल० धब्न,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जी०-22/6 है तथा जो राजौरी गाँव, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि व्याप्रवैदन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृष्टमान शिक्षक में, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का प्रदृढ़ है
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिशत (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यतिरण के निए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निम्नित में व्याप्रवैदन से कथित नहीं किया क्या है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी० एल० धब्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला हरजीत,
पत्नी श्री हरजीत सिंह,
निवासी जी०-22/6,
राजौरी गाँव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह प्रोबराए,
सुपुत्र श्री लाभ सिंह औबराम,
निवासी जे०-22, राजौरी गाँव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांहूँ आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्पन्नन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्तूपी

मकान बनाया प्लाट नं० जी०-22/6 नाम 143. 3 वर्ग गज
राजौरी गाँव, स्थित गांव बासाई, दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

भी० एल० धब्न,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

माहूर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एस० आर०-।/९-८३/
५५४:—अतः, मुझे, बी० ए० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-३/१५ है तथा जो माडल टाऊन में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीरं पूर्व स्पष्ट से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य में यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रांगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या जिस दाना चाहिए था, लिपाने में मिला
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी लीला मेहरा,
मुमुक्षु स्वर्गवासी श्री कण्ठमोरी लाल,
निवासी बी० के०-३३,
शालीमार बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीता अरोड़ा,
पत्नी श्री मन मोहन सिंह,
(2) श्रीमती यसतवन्त कौर पत्नी श्री एस० कर्म सिंह,
दोनों निवासी एफ०-२/५,
माडल टाऊन,
दिल्ली ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० एफ०-३/१५, नाप 272.2 वर्ग गज माडल
टाऊन, स्थित, दिल्ली ।

बी० ए० धवन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिनांक : 11-5-1984.
मोहन

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश मं० आई० ए० मं० पक्ष्यु-२एम आर।/१९-८३

560:—प्रतः मुझे, बी० ए८० धब्त, इसमें
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी मं० 168 से 173 तक तथा जो कश्मीरी गेट, दिल्ली में
स्थित हैं (प्रीर डम्स उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण स्पष्ट में वर्णित
हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मित्रस्वर, 1983

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत नहीं गई है और मैंने वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्रीमति जौला देवी,
पता श्री परमानन्द,
232, गन्दा नाला,
कश्मीरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति जमला,
पत्नी श्री परम वीर,
168, काश्मीरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
प्रिलिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 168, 169, 170, 171, 172 और 173
कश्मीरी गेट, दिल्ली।

बी० ए८० धब्त,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- ; दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

मोहुदः

प्रस्तुत गाई, टी. एन. एस.:-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/आर० एस० 1/९-८३/
५६।—ग्रतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1662 वी है तथा जो नूर गंज, हाथी
खाना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाढ़ अनुसूची में और
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने वा उक्त बायित्व में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जैमब बाई,
विधवा श्री रमेश जफर तथा श्रूसरे,
8844, नया मौहल्ला,
पुल बंगला,
दिल्ली-6.

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र लाल,
पुत्र श्री बद्री नाथ तथा दिनेश कुमार,
पुत्र जोगिन्द्र लाल,
6232, पक्की गल्ली,
बारा हिन्दू राव,
दिल्ली ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनूसली

ग्राउन्ड टुकान नं० 1862 ए और बी नूर गंज, हाथी खाना,
दिल्ली । एरिया 95 वर्ग गज ।

बी० एल० धवन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1984.

मोहुदः

प्रस्तुत वाइ.टी.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली

दिल्ली, बिनाक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य० II/एम० आर० I/9-83/

562:—अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-7, है तथा जो कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पृष्ठह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अंतरण से है इसी किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती फूला रानी,
निवासी एम-7, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ती बाई,
(2) बलवन्त सिंह, (3) हरबन्स सिंह,
निवासी 2/44, योती नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम-7, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

बी० एल० धवन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, नई दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

प्रोहर ४

प्रस्तुत आई.टी.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रन्ज०-II/एम० आर० 1/9-83/
569:—अतः मुझे, बी० ए० ध० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-7/12सी० है तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति ना उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्ताविक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन.
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से संरक्षण
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाखा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शा. यार० प०० भट्टा,
पुत्र स्व० शा. चुनै। लाल भट्टा तथा दूसरे,
जे-7/12-सी०,
राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द्र, पुत्र
श्री हुकम चन्द्र दुम्रा तथा दूसरे,
जे-7/12-सी०,
राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भैं
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसाकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

लक्ष्य

प्रोपर्टी नं० जे-7/12-सी०, राजौरी गार्डन, गांव अमृ
दारापुर, नई दिल्ली ।

बी० ए० ध० धवन,
गक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर :

श्रीहरि कौर, टॉ. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1984

निर्देश सं० आद० ए० सी०/एक्स० 2/एस० आर० 1/9-83/
572:—अतः, सुन्न, बी० एल० ध्वन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-घ के अधीन राजग प्राधिकारी ने गत विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, उक्तका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 3319, 3321 है तथा कृचा कशगरी बाजार,
सीता राम, दिल्ली में स्थित है (पैर हस्तसे लावड़ अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मिन्हवान, 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशक्ति के लिए अन्तीं तक रहे हैं तो उसके लिए विश्वास
करने का कारण है कि धारा 269-घ के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशक्ति से अन्तराल प्रतिशक्ति द्वे
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उसके (जनरक्षकों) और
अन्तरिती (बन्तरितियों) के गीच एवं भल्लरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिशक्ति, निम्नलिखित लाइंगेश से उक्त अन्तरण
निषिद्ध भौं वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन में अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाता जाहिन था, जिसने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्दियों, अर्थात्:—

23—86GT/84

(1) श्री प्रमोद कुमार राठी,
पुत्र श्री मोहन लाल राठी,
ई-73, प्रेटर कैलाश नं० 1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी,
पत्नी श्री किशन महेश्वरी,
3321, कूचा कशगरी,
आजार सीता राम,
दिल्ली।

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति ब्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पैरभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

1/3 बिलावटा भाग प्रोपर्टी नं० 3319 और 3321 कंचा
कशगरी बाजार सीता राम, दिल्ली।

बी० एल० ध्वन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीख : 11-5-1984.

मोहर :

भ्रष्ट बाजूँ दी... एस० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भ्रष्ट सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस० 2/एस० आर० 1/983/

573—अतः मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अधिक बाजूँ मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 856/18 है, सथा जो एस० पी० मुख्यमंत्री मार्ग
दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बावजू, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाईर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

(1) श्री अर्जीत प्रसाद जैन,
पुत्र लाला मंगल राम जैन,
49, राजपुर रोड़ सिविल साइन्स,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गलजार सिंह,
पुत्र श्री श्याम सिंह,
856/18 एस० पी० मुख्यमंत्री मार्ग,
दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के नियमानुसारित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेवाले

(क) इस सूचना की राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाब भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमायः

(ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
दबाप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकारुण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों बारे पर्याप्त का, जो सूचना
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बाबसूची

प्रोटोकॉल नं० प्राइवेट 856/18 बिल्डिंग मुनिसिपल नं०
856 से 863 वार्ड नं० 3, सराय मंसूर नहर सादत खान, एस०
पी० मुख्यमंत्री रोड़ दिल्ली, एसिया 20.03 वर्ग मीटर।

बी० एल० धवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-1984

मोहृद ३

प्रधान बाईं थीं एवं इन् दोन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एम० आर० 1/983/
582—अतः मुझे, बी० एल० ध्वनि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4675 और 77 है तथा जे.महाबीर बाजार
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बतारकों) और अंतरिकी
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में की करने वा उससे बचने में सुविधा
वे विकृ बौद्धि/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

(1) मेसर्सं अमर चन्द्र धर्म चन्द्र,
कटरा अशफी चांदनी चौक,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल दास गांधी,
पुत्र श्री राम रंग तथा श्रीमती तारा रानी,
पत्नी श्री राम रंग 1288 गांधी नगर,
गांधी गली बगीची नन्द किशोर,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त दस्तावेज़ के अन्तर्भूत में कोई भी आक्षेत्रः—

(क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन व्याप्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि वा भी
व्यवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चार दुकान और वरान्डा प्रोपर्टी नं० 4675 और 4677
महाबीर बाजार दिल्ली और 2/233 हिम्मा मार्केट ट्रस्ट
कमेटी ग्राउन्ड फ्लॉर थोवफन 76/213 वर्मगत।

बी० एन० ध्वनि,
भश्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

दिनांक : 11-5-1984

पोहर

प्राक्षय बाईंटी एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष० 2/एस० आर० 1/983/
586—अतः मझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गहरा विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी० 2 है तथा जो इन पर्क, वसई दारापुर
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक भित्तिकर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्केश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तर्के क
दायित्व में कमी करने या इससे बढ़ने में अतिव्युत
हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दयाराम पुत्र गोविन्द राम,
बी०-29 गली नं० 1, वेस्ट चल्दर नगर,
दिल्ली तथा दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम कुंज पत्नी श्री वेद प्रकाश,
487 मुदर्शन पांडे,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना भारी करके द्वारा उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त में कोई भी बाधेद्वय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रदर्शन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापीक से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी जांचते द्वारा;

(ख) इस अवृत्त के राजपत्र में प्रदर्शन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भवनीस में हितबद्ध
किये जाने वाले अधोलक्षण अधोलक्षण के पास
प्रतिक्रिया दियी जानी चाहिए।

पृष्ठोकरणः—इसमें प्रगृहित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधान

प्लाट नं० बी०-2 रुपन पांडे परियां गांव वसई दारापुर
दिल्ली 1 क्षेत्रफल 115½ वर्गमील।

बी० एल० धवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-5-1984

माहेर

प्रस्तुप बाईं, टी० एन० एस० -----

(1) श्री प्रेमनाथ अरोरा,
पुत्र स्व० श्री गनपत राम,
डी०-28 निजामुद्दीन इस्ट,
नई दिल्ली-1।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस० आर० 1/983/
589—अनृ० मुझे, बी० एल० धब्बन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को उह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. मे अधिक है

और जिसकी सं० 4852/24 है तथा जो दरियागंज दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृइ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बातेके
दायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हैं—

(2) श्री आर० सी० कपूर,
पुत्र स्व० श्री म्याम दास कपूर,
डी०-36 एन० बी० एस० ई० पार्ट-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(अस्तरिती)

ओ यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थमें
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिकारी द्वारा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4852/24 का भाग आबादी हृत्वांस तिह लीड
दरियागंज नई दिल्ली क्षेत्रफल 150 वर्गफीट।

बी० एल० धब्बन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-5-1984

माहूर :

मुख्य बाइबल ट्री. एवं एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस० 111/एस० आर० II/9-83/

890—प्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० 5-61 है तथा जो तिलक नगर दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वै
वादित ने कभी कहने या उक्त दने में छापा
के बिंद; बीड़/वा

(क) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य जास्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) श्री राम प्रकाश पुरी 5/61,
तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रवि गुलशन

2. कमलेश

3. रामलाल

4. सतीश चन्द्र

एफ-54, कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयों के उपरा है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिफल:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

5/61 तिलक नगर, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रैरुप आर्द्ध.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

आर्टिकल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/9-83/
773—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-6 है तथा जो शिवाजी पार्क में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
विनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
एक्सहू प्रतिरक्षण से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वात्सविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री मनोहर लाल कोहली,
14/527, फैज रोड़ करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक.)

(2) श्रीमती स्त्री देवी, रजिन्द्र प्रसाद,
और महेश कुमार
निवासी सी-64/बी शिवाजी पार्क,
रोहतक रोड़, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजाए ज्ञात
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपत्र ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अभी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी जैसे पारे
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय से लिया
जाया है ।

अनुसूची

(क) बन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरुक के
वायिक से कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बी० के० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

दिनांक : 17-4-1984

भोहर ॥

प्रकल्प आई.टी.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर० २/९-८३/

८१—प्रतः मुझे, बी० के० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

झीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव बुरारी दिल्ली
में स्थित है (झीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमाण प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा प्राया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेय से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
हुदृष्टा है लिए;

(1) श्रीमती चमेली देवी,
गांव बुरारी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार गुप्ता,
156 पार्ट-2 गुजरांवाला टाउन,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्णी ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनष्ट
किसी अन्य व्यापित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्वित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, भवी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गुप्ता

कृषि भूमि खसरा नं० 21/16/2, 25, 24/2, 22/191/2
20, 21, 22/1, 35/1, 10, 2/1, 9/2 गांव बुरारी दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

लग्नः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ॥—

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस.-----

(1) श्री कुलदीप सिंह,
निवासी जे० 3/76, रंजीरी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर० २/९-८३/
८२८—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाखार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १/८३ है तथा जो पंजाबी बाग गांव मादीपुर
के एस्ट्रिया में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एस्ट्रिया में इस्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरीरासयों) के बीच एस्ट्रिया के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से उद्दृ त किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस्ट्रिया किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
भत्ता-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधानार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट नं० 1 रोड नं० 83 क्लास मी 633.33 वर्गगज,
पंजाबी बाग मादीपुर एस्ट्रिया ट्रिट दिल्ली।

बी० के० गुप्त,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 3, नई दिल्ली

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप बाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस०-आर० 2/८-८३/

798—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 12/37 है तथा जो पंजाबी बाग गांव शकूरपुर
के क्षेत्र में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवादास
करने का कारण है कि वाधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिस-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी ९/४४,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली,
बैम चन्द और वेद प्रकाश,
निवासी ९/४४ पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हुकम सिंह, निवासी ३, कृष्णा नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्थाओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

प्लाट नं० 12 रोड नं० 37, 279. 55 वर्गगज पंजाबी बाग
शकूरपुर गांव के एरिया में ।

बी० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

लतः शब्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984

मोहर

प्रकल्प बाई.टी.एच.एल.-----

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-२/९-८३/

८३८—ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०/२६ है तथा जो शिवाजी पार्क गांव
मारीपुर एरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अथवान प्रतिफल से, एसे अथवान प्रतिफल का पक्षह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक वे हूँ जिसी बाब की बाबद, उक्त
व्यक्तियम् जी अधीन कर देने की अन्तरक के बाबत
में कभी करने वा उक्त हूँ बाब में त्रुटिया के लिए;
और/वा

(1) श्री रवि चन्द्र घ्रबरोल,
निवासी 75, वेस्ट एवेन्यू रोड,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनुराग गुप्ता,
निवासी 134, गुजरांवाला टाऊन,
पार्ट-2, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिव
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त इथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्स्ट्रॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानसिक

प्लाट नं० ए०/२६, २५० वर्गगज शिवाजी पार्क गांव
मारीपुर विल्ली स्टेट, विल्ली ।

बी० के० गप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त नीतिनियम की धारा 269-व की अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984

भाष्ट्र :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 प्रत्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर० ३/९-८३/
३०४—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्य०-७, है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ी अन्सूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आसफ
ग्रामी रोड दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र जास्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पर-प्रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रष्ट नहीं किया
दया था या किया था तो बाह्य हा, जिसमें से
संविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जन्मस्वरूप
अ०, स०, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग उपचार्य (1)
के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नौबत राय एवम् तोला राम,
निवासी ५-जै-६३, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) पुनात मुसरील इडीकुला,
एवम् श्रीमती अनामा इडीकुला,
निवासी डब्ल्य०-७, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली।

अतिरिक्ती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहित किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मन्मूली

मकान नं० डब्ल्य०-७, 200 वर्गगज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली।

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर० ३/९-८३/
२८९—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 42 किता नं० 10 है तथा जो गांव
महरौली, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, आसफ अली रोड दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
दिवित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती स्वपना बोस,
निवासी एफ-1/2, हौज खास,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगे राम शर्मा,
निवासी ३६/५, यूसफ सराय,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइं भी वाक्येष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन 'की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुख्य

कृषि भूमि 4 बीघे 9 बीसवे एन० नं० 42 किला नं० 10
गांव महरौली तहसील महरौली नई दिल्ली ।

बी० क० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

दिनांक: 16-4-1984

माहूर ३

प्रस्तुति काहौं, टो. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर० ३/९-८३/
२९०—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० नं० 42, किला नं० 9 है तथा जो गांव महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, आसफ शर्ली रोड, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।

कार्यालय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एक इश्यमान परिपालन का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ताय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उक्तस्त्रेय से उक्त अंतरण निम्नलिखित रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के तायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती स्वपता बोस,
निवासी एफ-1/2, होज खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगे राम शर्मा,
निवासी ३६/५ यूसफ सराय,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यालयों करता है

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-हात किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

कृषि भूमि 4 बीचा 9 बीतवें एम० नं० 42, किला नं० 9 गांव महरौली तहसील महरौली, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

अतः आय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, सूचना अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जुन—

दिनांक: 16-4-1984

मोदूर

प्रकाश बाहरौ. टी. पन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निर्देश पं० अ ई०००सी००/एन्य०/३/एस० आर०-III/१५-८३/

291—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उद्दृ अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 42 किला नं० 12 है तथा जो गांव
महारौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्सूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, आमफ अली रोड, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, निनांक नियमकर

1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्वोक्त सम्पत्ति के
करदू का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बतरक (अंतरकों) और
अन्तरिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ
मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बतरक से हुई किसी बाब की बाबत, उस
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
हावित्य में कमी करने वा उक्त बदलने में त्रुटिया
ने बिए; और/वा

अन्सूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंसूचीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था छिपाने में संविधा
के लिए;

बी० के० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज III, नई दिल्ली

अतः अम्, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् “—

(1) श्रीमती स्वपना बोस एवम्
सुदेव बोस निवासी एफ-1/2,
हौज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगे राम शर्मा,
निवासी 36/5 यूसफ सराय,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लघि भूमि 4 बीघा 12 बिस्ता महारौली, नई दिल्ली ।

दिनांक: 16-4-1984

माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत प्रशासन

आयातिय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1984

निर्देश नं. ०आई०ए०सी०/एक्यू०/III/एस० आर०III/९-८३/
२९२—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता, अई० ए० सी० अर्जन रेंज ३
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जितकी सं०ए०म० नं० ४२, फिला नं० ११ है तथा जो गांव मह-
रौली तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (बौद्ध दृष्टि: दृष्टि-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आगफ अली रोड दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रे-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ
पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती स्वप्ना बांस एवं
सुदेव बौस निवासी एफ-१/२,
हौज बांस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगे राम शर्मा,
निवासी ३६/५, यूसफ रुग्या,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बूथ किसी तर्ज व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ देखा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किसी दाना वाली वार्षिक वा, किसान में दृविता
के लिए;

हृषि भूमि १ बीघा १५ विस्ता एम० नं० ४२, फिला नं०
११/१ गांव महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक: 16-4-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई०ए० सी०ए०ग्र०/III/एम० आर०-III/
9-83/316—अन: मुझे, बी० को० गुप्ता, अर्जन रेंज-III,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पादन, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो नाइवाला दरोल बाग में स्थित
है (और इसमें उपाख्य अनुसन्धान में पूर्ण रूप में दर्जित है).
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमफ अली रोड दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) आ. नुरजोत तिहाई एन्ड्रू
निर्मल तिहाई 26/2120 नाइवाला,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मुपरस्टार एस्टेट,
प्राइवेट लिमिटेड 26/2277, 68, नाइवाला,
हरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इवल एटोरी मशात, दो कमरे, किचन हरोल बाग।

बी० को० गुप्ता,

निम्न प्राधिकारी

महाया० आयकर आयुवन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III: नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकरण नामः दी.प्रक.एव-

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० भी०/एक्य०/III/एस० आर-4/9-83
 857—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारुण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तार उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०/9/3 है तथा जो कृष्ण नगर, घोड़ती
 गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक मितम्बर 1983

को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूल्य के यह विश्वास
 करने का व्यावरण है कि यथा प्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री स्वराज सिंह,

बी-164, अशोक विहार फेज
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी,

निवासी 199-बी, गला नं० 4,
 यापर नगर, मेरठ शहर

(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्ति संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनुष्याची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बंदी
 विधियों में कमी करने या उसमें अन्तरण में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
 सुविधा के लिए;

बी० के० गुप्ता
 सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज III नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ८—

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट वाईटी. एन. एस. —————

(1) श्रीमती बिमला रानी बजाज,
और श्री बी० एन० बजाज,
कें-43, कनाट सर्केस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1984

निर्देश मं० आई० ए० सो०/एस०/III/एस० आर०-III/9-83/
37 ई० ई०-917—अतः सुन्न, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पसं० फ्लैट नं० 6 है तथा जो प्रगति टावर, 26,
रजिन्द्रा एन० नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908:

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983।
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयोगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके उपयोगान प्रतिफल से, ऐसे उपयोगान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्घाटन से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; बार/बा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के सिए;

बाब: बाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसन्धण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित:—

(2) कुमारी आशिमा और पूजा,
गंभीर, 40/44, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यांशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
अधिकारी में से किसी अविक्षिया के भीतर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य अविक्षिया द्वारा अधारस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिकृत
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बद्रूची

फ्लैट नं० 6 प्रगति टावर 26, रजिन्द्रा एल्स, नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

दिनांक: 27-4-1984

मोहर:

प्ररूप आई० टी० इन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1984

जिर्देश सं० आई० ए० स००/एक्य०/३/एम० आर० III/३७
ई० ई०/९-८३/१६—अतः मुझे, वो० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, हैं तथा जो प्रगति टावर, 36
रजिन्द्रा पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावड
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के
कार्यालय, आई० ए० स०० अर्जन रेंज 3 में भारतीय राजस्वकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर
1983।

को प्रधोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एंसे इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित भूमों किया गया है :—

(क) अन्तरण से है० किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था गा तो क्या जान धार्हण, या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती बिमला रानी बजाज,
और श्रीमती तिमल रत्न,
के०-४३, कनाट सर्केस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मानिक एवम्,
कर्ण गंधीर ४०/४४, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 2 प्रगति टावर 26, रजिन्द्रा प्लैस नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III, नई दिल्ली।

दिनांक: 27-4-1984

मोहर:

अन: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

(1) नेहा दीप कंस्ट्रक्शन,
1 रजिन्द्रा प्लैस,
नई दिल्ली ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज III, नई दिल्ली(2) श्री नरिन्द्र मोहन गोस्वामी,
एवम् श्रीमती किरन गोस्वामी,
बी— 109 सरवोदया एनक्लेब,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/३/एम० आ०० ३७६० ई०/
९-८३/१६—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संचालित जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एयर कंडीशन है तथा जो सी—७ ग्राउंड फ्लोर
1 रजिन्द्रा पैलेस नई दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपावन
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रान्टस्ट्रॉकर्टा अधिकारी
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1983।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहीर्षा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा की लिए;

पायर कंडीशन 3 स्पेस नं० सी—१, 1 रजिन्द्रा प्लैस बिस्डींग
श्री निचली मंजिल ।बी० के० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,
सपाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 3, नई दिल्ली

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 27-4-1984

मोहर:

प्रस्तुत बाइंडी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत राष्ट्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4500—अर्जन:
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लाट नं० 4 का द्वितीय मंजिल का
दक्षिणी भाग है, तथा जो नेमी नगर, एक्सटेंशन, इंदौर में स्थित
है (और इससे उपाबृह अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिलस्वर
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार पिता बाबूलाल जी पटीवी
निवासी 64/3, मल्हारगांज, इंदौर।
स्वयम् तथा सनत कुमार व राजकुमार पुत्र बाबूलाल
के एटार्नी की हैसियत से।

(अन्तरक)

(2) श्री चिरोंजीलाल पिता कंघेलाल जी जैन,
निवासी लखना दोन, जिला सिवनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त दृष्टित्व व्यवस्था के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी बालोपः—

(क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की बवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की बवाधि, जो भी
बवाधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पात्र
सिवित वर्ते किए वा सक्ते।

तथात्वोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
जवा है।

मन्त्री

मकान, प्लाट नं० 4 पर का द्वितीय मंजिल का दक्षिणी भाग,
नेमी नगर एक्सटेंशन, इंदौर में स्थित है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की उक्त उक्त सम्पत्ति के अधीन कर दर्ते के अन्तरक के
शावित्र में किसी वर्तने वा उत्तरने वर्तने में सुरियोग
के दृष्टिकोण से वार्ता है।

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में
दृष्टिकोण से विवरण है।

उक्त अवधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हूँ—

देवप्रिय पत्त

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4501—अतः

मुझे, देवप्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लाट नं० 4 पर का उत्तरी भाग है, तथा जो नेमी नगर एक्सटेंशन, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाथद अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाबत को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आविष्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) 1. डा० सनत कुमार पटौदी

2. राजकुमार पटौदी

3. नरेन्द्र कुमार पटौदी पिता श्री बाबूलालजी पटौदी

तरफे आम सू० नरेन्द्र कुमार पटौदी

निवासी 64/3, मल्हारांज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार जैन पिता श्री चिरोंजीलाल जैन,
निवासी ग्राम लखना दोन,
जिला सिवनी

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यस्त्री

मकान, प्लाट नं० 4 पर जो कि नेमी नगर एक्सटेंशन जैसे कालोनी, इंदौर में स्थित है (मकान का उत्तरी भाग)।

देवप्रिय पत्ता
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4502—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान का भाग जो कि बना है प्लाट नं० 4 पर
है, तथा जो नेमी नगर एक्सटेंशन, जैन कालोनी, इंदौर में स्थित
है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर

1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
निमित्त में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री सनत कुमार पटौदी
- 2. राजकुमार पटौदी
- 3. नरेन्द्र कुमार पटौदी सभी पुत्र श्री बाबूमाल जी
पटौदी नं० 1 व नं० 2 तरफे आम मु० नं० 3, नरेन्द्र
कुमार पटौदी ।
- निवासी 64/3, मल्हारगंज, इंदौर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रकाशचन्द्र जैन पिता श्री चिरोंजीलाल जैन,
निवासी ग्राम लग्ना दोन,
जिला सिवनी (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधान

मकान जो कि बना है प्लाट नं० 4 पर नेमी नगर एक्सटेंशन
जैन कालोनी, इंदौर में स्थित है (मकान का भाग) ।

देवप्रिय पत्त
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रख्यात आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रमांकिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल
भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ग० मी०/अर्जन/भोपाल/4503—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
₹ 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० मकान, प्लाट नं० 4 पर का द्वितीय मंजिल का
उत्तरी भाग है तथा जो नेमी नगर एक्सटेंशन, जैन कालोनी,
इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का उच्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, जिन्हें उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वै
सामिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य जातियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
ने सिए;

(1) 1. डा० सनत कुमार
2. राज कुमार 3, नरेन्द्र कुमार पटेली सभी पुत्र श्री
बाबूसाल जी पटेली, नं० 1 व 2 तरफे आम मु० नं०
3 नरेन्द्र कुमार पटेली
निवासी 64/3, मल्हारगंज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री चिरोंजीलाल पिता श्री कंबीलाल जी
निवासी ग्राम नाथना दोन,
जिला सिवनी।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
मिलित हो किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो कि प्लाट नं० 4 पर है, नेमी नगर एक्स-
टेंशन, जैन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकल्प बाई० टी० एच० एच० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4504—असः
मुझे, वेदप्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पछात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लाट नं० 4 पर, का प्रथम मंजिल का
दक्षिणी भाग है, तथा जो नेमी नगर एक्सटेंशन, जैन कालोनी,
इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इंदौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबदबान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का
कारण है कि दबदबान प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य,
उसके दबदबान प्रतिफल से, ऐसे दबदबान प्रतिफल का पंडह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तुण से है० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबें के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) 1. डा० सनत कुमार 2. राजकुमार 3. नरेन्द्र कुमार
पटेली सभी सुन श्री बाबूलाल जी पटेली, स० नं० 1
व 2 तरफे आम मू० नरेन्द्र कुमार पटेली
निवासी 64/3, मल्हारांग, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पिता श्री चिरोंजीलाल जैन
निवासी आम लखना दोनी
जिला सिवनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी बाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यापारी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नम्बर 4 पर, का द्वितीय मंजिल का दक्षिणी
भाग, नेमी नगर एक्सटेंशन जैन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984
मोहर :

प्रस्तुप बाहरी टी.एस.-----

- (1) 1. डा० सनत कुमार 2. राजकुमार 3. नरेन्द्र कुमार जी पटौदी पिता बाबूलाल जो पटौदी, स० न० १ व २ तरफे आम मु० न० ३ नरेन्द्र कुमार पटौदी निवासी ६४/३, मल्हारगंज, इंदौर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

- (2) श्री अभय कुमार पिता श्री चुनीलाल जी जैन, निवासी आम लखना दोन, जिला सिवनी ।

(अन्तर्की)

को यह सूचना बारी करके पूर्णिमा सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णिमा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाय;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितावहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पैरामिट द्वारा दिया गया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

जनसूची

(क) बल्लुड चैंपरी बाद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बल्लुड के वायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसे किसी बाद या किसी भूमि वासिताओं को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोगनार्थ जनतारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

नोट: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, ये उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984
प्रीहरन:

प्रकल्प काहौँ टी. एन. पटे. - - - - -

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं. आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4506—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. ० तल मंजिल के मकान का भाग, प्लाट नं. ४
पर है, तथा जो नेमी नगर एक्सटेंशन, जैन कालोनी, इंदौर में स्थित
है (और इसमें उपायन्द अनुसूची में और पूर्णस्वप्न से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लाभित्य
में कभी करने वा उसके छब्बे में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए या जिसाने में सुविधा के
लिए;

वह उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हैं—

(1) १. डा० समेत कुमार पटौदी, २. राजकुमार पटौदी
३. नरेन्द्र कुमार पटौदी सभी पुत्र श्री बाबूलालजी
पटौदी नं. १ व २ तरफे आम मू० नं. ३ नरेन्द्र
कुमार पटौदी।
निवासी—६४/३, मल्हारगंज, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र जैन पिता चिरोंजीलालजी जैन
निवासी—ग्राम लखना दोन
जिला—सिवनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहौँ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ऐसी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग, तल मंजिल, जोकि प्लाट नं. ४ पर है, नेमी
नगर एक्सटेंशन, जैन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पत्त

मंथम प्राधिकारी

(निरीक्षणी) महोयक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल,

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984.

मोहर :

प्रध्यम आई. डी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4507—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 31, प्लाट नं० 30 का भाग है, तथा जो
साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्णस्त्रप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बतारकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री गोकुलदास पिता कन्हैयालाल जी मुठाल
निवासी—उदापुरा, मकान नं० 2,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री डीलक्स अपार्टमेंट्स कोम्पानीरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 7, नासिया रोड, इंदौर तरफे
अध्यक्ष श्री थांडूल पिता श्री कुंदनदास।

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाइ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

वायुसूची

प्लाट नं० 31, एवमं प्लाट नं० का भाग, साकेत नगर,
इंदौर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

माहूर ४

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

(1) मेसर्सं प्रगति कंसट्रक्शन कम्पनी,
36, सियांगंज, इंदौर।

(प्रस्तावक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत लेट्टर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4508—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारी
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, छिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है, तथा जो अग्रवाल नगर, इंदौर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर
1983,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंदरा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ।—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिल
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;(ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे ।स्थावौकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कहा जाने के अन्तरण के बाविल
में कही करने वा उससे बचने में सुविधा के सिल;
वार/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी भूमि वा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तारिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिल ।देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल)
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपालदिनांक : 17-4-1984.
माहरअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अधार :—

प्रस्तुप बाई^१, टी. एन. एस.,
सम्पादक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4509—ग्रतः

मुझे, देवप्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 321 है, तथा जो चिरहुलडीह,
समता कालोनी, रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

कों पूर्णवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल के
पश्च अद्यमान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इस्त-
विक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) समता सहकारी गृह निर्माण समिति
रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमेश्वरी बाई पत्नी करतार सिंह पंजाबी
ताहरपारा, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वापरें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 321, चिरहुलडीह, समता कालोनी, रायपुर।

देवप्रिय पत्ता
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयकर
अर्जन रेज, भोपाल
गंगोत्री विल्डग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984

ओहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4510—प्राप्त
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 221 है, तथा जो गुमास्तानगर,
सुधानिवास रोड, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिर अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितर में कमी करने वा उससे वर्धने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इंदौर कलाय मार्केट मध्यम वर्गीय गृह निर्माण
सहकारी संस्था, गुमास्तानगर, इंदौर।
(अन्तरक)

(2) श्री आनन्दीलाल शान्तीलाल,
निवासी-6, मुराई मोहल्ला, इंदौर।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उज्जप्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा व्याहृताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुद्रूत्तरी

प्लाट नं० 221 है जो गुमास्तानगर, मुद्र निवास नोड, इंदौर
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन बोर्ड, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निवेदा सं. ० आई० ग० म०/अर्जन/भोपाल/4511—अन:

मुझे, देवप्रिय पन्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वामित्रने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित दातार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री और जिसकी मं० प्लाट नं० 103 है, तथा जो गुमास्तानगर, मुख-
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (श्री इसमें उपावद्ध अनुसूची में
श्री और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वामित्र
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी काय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विद्युती धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

(1) श्री हन्दौर क्लास मार्केट मध्यम वर्गीय गृह निर्माण
सहकारी संस्था, गुमास्तानगर, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मणदाम
आत्मज श्री प्रह्लाद दाम मुठल,
निवासी—209, उषा नगर, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्तव्याधियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलक्ष्याकारी व
पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 103 है जो गुमास्ता नगर, मुख निवास रोड, इन्दौर
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर शासुक्ता

अर्जन रेज, भोपाल (निरीक्षण)

गंगांवी त्रिन्डिग, चौथी मंजिल,

टी० टी० नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णन :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4512--प्रतः

मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21 है, तथा जो गुमास्तानगर, मुख्य-
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में
शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से एसे दूसरामात्र प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाथा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
हैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को शायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, द्वारा इक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कलाय मार्केट मध्यम वर्गीय गृह निर्माण
सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्तिलाल
आत्मज श्री तेजमल जैन,
निवासी—16, भण्डारी मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूमि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० 21, जो गुमास्तानगर, मुख्य निवास रोड, इन्दौर
में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल
गंगोदी बिल्डिंग, शौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

माहूर :

प्रस्तुत वाइंटी, एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4513—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है, तथा जो गुमास्तानगर, सुख
निवास रोड, हन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निम्निति
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कलाथ मार्केट मध्यम वर्गीय गृह निर्माण
सहकारी संस्था, गुमास्तानगर, हन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री फूलचन्द
आत्मज श्री प्रेमचन्द शर्मा,
निवासी—909, सुदामा नगर, हन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-
भाषित है, वही अर्थ हुंगेगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19, जो गुमास्तानगर, सुख निवास रोड, हन्दौर
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (रिक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल)

दिनांक : 17-4-1984

माहूर ॥

इकाइ वाहूँ, टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4514—ग्रतः
मुझे, देवप्रिय पत्त,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, तथा जो गुमास्तानगर, मुख्य
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,
को प्रबंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रबंधित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) क्लाथ मार्केट मध्यम वर्गीय गृह निर्माण
संस्था मर्यादित, गुमास्तानगर, सुखनिवास रोड,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर
आत्मज श्री भागीरथ,
द्वारा श्री दिलीप कुमार भागीरथ,
निवासी—एम० टी० क्लाथ मार्केट, इन्दौर।
(अन्तरित)

अब यह सूचना आउट करके प्रबंधित सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में क्रोड़ भी बाहेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की ब्रह्मिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रह्मिय, जो भी
ब्रह्मिय वाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबंधित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवाद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारीसर्वों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

प्लाट नं० 3, जो गुमास्ता नगर, सुखनिवास रोड, इन्दौर में
स्थित है।

देवप्रिय, पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः :—

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

प्ररूप मार्टिन टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4515—अतः
मूझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 95 है, तथा जो गुमास्तानगर सुख-
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता [प्राधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम-
पाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए] नाहु/था

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या, उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

(1) इन्दौर क्लाय मार्केट मध्यवर्गीय गृह निर्माण
सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर।

(अस्तरक)

(2) श्री पुष्पोत्तम दास आत्मज श्री रामेश्वर सुरेका
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्रुती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगलक्ष्मी

प्लाट नं० 95, जो गुमास्तानगर, सुखनिवास रोड, इन्दौर
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहुड़ ॥

प्रह्लद बाई०, टी०, एन०, एस०-----

बामलड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/अर्जन/भोपाल 4516—अतः
मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 83 है, तथा जो गुमास्तानगर, सुखनिवास
रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाथद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) कलाथ मार्केट मध्यमवर्गीय गृह निर्माण सहकारी
संस्था भविदित,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानचन्द्र आत्मज श्री मिश्रीलाल पटवा, निवासी
दुकुमचन्द्र मार्ग,
इन्दौर।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षणे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

प्लाट नं० 83 है जो गुमास्ता नगर, सुख निवास रोड,
इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1984

माहूर ॥

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलिय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4517—अतः
मुझे देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 364 है, तथा जो गुमास्ता नगर, सुख
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निक्षित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री कलाय मार्केट मध्यमवर्गीय गृह मिर्ण
सहकारी संस्था, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश्वर आरमज श्री शालाराम,
निवासी 16, सांठा बाजार,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्त्विक से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 364, गुमास्ता नगर, सुखनिवास रोड, इन्दौर में
स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 1984

मोहर :

अम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत बाई दी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4518—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारब्द है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 216 है, तथा जो गुमास्तानगर सुख-
निवास, रोड, इन्दौर में स्थित है (प्रीर इससे उपायद अनसूची में
और पुणी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 1983

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिफल से, एसे दूसर्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
गास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै कि कोई आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् 8—

(1) क्लास भार्केट भव्यमवर्गीय गृह निमणि सहकारी
संस्था, गुमास्ता नगर,
इन्दौर :

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्पराज आत्मज श्री तेजमल,
निवासी एम० टी० क्लास भार्केट,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी दे 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अभोहसाकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 216, गुमास्तानगर, सुखनिवास रोड, इन्दौर में
स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर :

३ प्ररूप ब्राह्म. टी. एम. एस. - - -

(1) क्लाय मार्केट मध्यमवर्गीय गृह निर्माण सहकारी
मस्था, गुमास्तानगर,
इन्दौर,

(अन्तरक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाबत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अप्रैल 1984

(2) हासानन्द आत्मज श्री धराराम,
निवासी १०,
बैराठी कालोनी,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल ४५१९--अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

बाबकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिस की सं० प्लाट नं० ८३ है, तथा जो गुमास्ता नगर, मुख-
निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन सिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
दर्शने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पञ्चव अन्तिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नतिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आसाधिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहै करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै
ष्वाक्षर भौं करने या उससे बचने में दृष्टिका
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

प्लाट नं० ८३, गुमास्ता नगर, मुखनिवास रोड, इन्दौर में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
मुखम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 17-4-1984

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नतिति व्यक्तियों, अर्थात् :—
28—86GI/84

प्रस्तुत वार्ता, टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5371—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बहु विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ रुप किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

"(1) श्री मन मोहन सिंह पुत्र
श्री निरंजन सिंह,
वासी ई एच० 350,
लाडो बाली रोड,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरमन जीत कौर पत्नी
श्री कलामीर सिंह, वासी
भवानी पुर, कलकत्ता-20
श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी
श्री अमरजीत सिंह,
नवां कलकत्ता-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

चूप दृश्यमान वै अर्जन के सम्बन्ध में हॉर्ड भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्नीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेल नम्बर 3578
दिनांक सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
में लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5372—अतः मुझे, जै० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाधृतवैक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी या किसी भन या वन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

बतः बतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) न्यू फाइनेंस और क्रेडिट
कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड,
जालन्धर द्वारा
श्री राम कुमार भारद्वाज
मैनेजिंग डाइरेक्टर पार्फेट
पैरिश सतपाल, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी
श्री तरसेम सिंह पिंड
अध्यकाली जिला, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 3871
दिनांक सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर:

प्रस्तुत वाहौ. टी. एल. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत चारकार
कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5373—अतः मुझे, जे० ए० ए० ग्र०
गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मिसापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थायमान प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कल्पना
लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कल्पना सं० हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वार्ताविक में कही करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आर्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती होना प्रयुक्त नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपावे में सहित
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपलब्धा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

(1) श्री अनन्त सिंह पुल
श्री केहता सिंह,
वासी माडल टाउन एरिया,
जालन्धर मुख्यारे आम :
श्री जागीर सिंह पुल
श्री दलीप सिंह,
वासी पिङ बाड़ा संगर
तहसील बटाना।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दन सिंह पुल
श्री जीवन सिंह,
वासी पिङ फोलोरेवाला,
तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वार्ताविक

ममता तथा व्यक्ति जैसा कि विसेख नम्बर 3588
दिनांक सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर
में लिखा है।

जे० ए० ए० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख : 2-5-1984
माहूर ३

जे० ए० ए० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई, 1984

निवेश सं० ५० पी० नं० ५३७४—अतः मुझे, ज० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पक्षहूँ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा
गामा गया प्रतिफल मिमिलिकित उपदेश से उक्त अंतरण
लिहित में वालादिक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हटा किसी वाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दमे के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; औड़वा

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वे उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फकीर चन्द्र पुत्र
श्री छोटूराम मुख्तीयारे आम खास
श्री बृज मोहन खुद और
मुख्तीयारे आम श्री बचीत्तर सिंह पुत्र
श्री मुन्नी राम,
11-ए, बीमा नगर,
जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरप्रीत मलौचा पत्नी
श्री हरजिन्द्र सिंह वासी ईई-46,
बाग कमे बल्ला, जालन्धर
और श्री बाल कृष्ण अरोड़ा पुत्र
श्री दुनी चन्द्र वासी एन ओ 369,
टड़ा रोड, जालन्धर और
श्रीमती रामा रानी पत्नी
श्री रमेष चन्द्र दलिया,
डब्बूयू० एक्स० 106, बसन्ती,
नी जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के निए
कार्यालिहायों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर दृष्ट के स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्विकृतरण :—इसमें प्रदूषित पद्धो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3578 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

ज० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

श्री आई ट्रॉ एन., एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के वर्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई, 1984

निदेश सं. ए० पी० सं. 5375—अतः मुझे, जे० ए ल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के वर्तीन संकेत प्राधिकारी को यह विषवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगारा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत है और अंतरङ्ग (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दृश्य पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती दृश्य प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री ओम प्रकाश पुल

श्री कुन्दन लाल

वासी हिन्दू समाजार

गली जालन्धर

दी न्यू लाइट कारपोरेशन

हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि०

जालन्धर स्क्रेटरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुल

श्री गुरदयाल सिंह,

वासी 372,

माडल टाउन,

जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्याबाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी बाल्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तस्वीराती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा दृ

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी वा पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

लगानी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख सं. 3628 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है ।

जे० एल० गिरधर

संकेत प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

गोहर ॥

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निदेश सं० ए० पं० न० 5376—यतः मुझे, ज० ए० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अननुच्छी में लिखा है तथा जो किंगारा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः बाय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र
श्री भोजा मिह,
वासी किंगारा,
तहसील जालन्धर द्वारा मुख्यारे-आम
श्री बलबन्त मिह।

(अन्तरक)

(2) श्री राजा सिंह पुत्र
श्री नौबत सिंह
वासी 8 न्यु विनय नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्यान्वयी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि शिलेख नं० 3563 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

ज० ए० गिरधर
सम्म प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984
मोहर :

प्रकाश भाइ^१, टी., एस., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5377—अतः सुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगारा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युभे वह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिस-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बहुतरण निम्नित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटौं किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अन्तर कर हमें के अन्तरुक के दावित में
कठी करने वा उससे बचने में हाविना के लिए;
और या /

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या इसे किया जाना चाहीए था, जिसने में लूकिभा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र
श्री भोला सिंह वारी गाँव किंगारा,
तहसील जालन्धर मार्क्स
मुल्लायारे आम
श्री अनिल चौपड़ा,
शिशु माडल स्कूल मोहल्ला
खोदिया, नया बाजार,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदेव बीर सिंह
पुत्र श्री सतविन्द्र सिंह,
वासी डब्ल्यू० एस० ५५,
बस्ती शेष,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारी करने के पूर्वोक्त संपत्ति के बदले के लिए
एतद द्वारा कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वहू या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विशेषतासँदृगी के
पास सिद्धित द्वारा किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस
अधिनियम के अध्याय 20-क में पैरभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
वया है।

ननूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3576 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आहू, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निवेदन मं. पा. फॉ. नं. 5378—अतः मुझे जै. एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनूसूची में लिखा है तथा जो किंगारा
में स्थित है (और इससे उपावद अनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1983

का पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित-की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्थ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—86GI|84

(1) श्री मनजीत सिंह पुत्र

श्री मेला सिंह

घासी 4, माडन टाऊन,

जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र

श्री जोगिन्द्र सिंह

बासी पिंड नोली,

तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में यथापरि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्धाय
में दिया गया है।

अनुमति

मम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं. 2694 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा
है।

जै. एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

ओहर :

प्रलेप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (गिरीशण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निवेश सं० ८० पी० नं० ५३७९—अतः मुझे, जे० ए००
गिरधर

आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
किंगरौं में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण
अधिकृत में बास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(ब) अन्तरण म हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा पक्क नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए तो उसमें मूल्यित न हो।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) श्री अवतार सिंह पुत्र
श्री भगवान सिंह मुख्तायारे ब्राम
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र
डॉक्टर कर्म सिंह
वार्सा मानद चौक
जालन्धर मुख्तायारे आम
श्री प्रतीपाल सिंह पुत्र
श्री इन्द्र सिंह, किंगरौं।

(अन्तर्गत)

(2) श्री मोदी जयलाल पुत्र
श्री चंद्र राम,
वासी मकान नं० बी-48/3399,
गुरुद्वारा नतपुरा,
बक्कोदर रोड,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा भकेंगे।

ल्पक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, वे अन्याय 20 के में पर्याप्तित
हैं, वही अर्थ होता है। जो उम अन्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्री

सम्पत्ति नया अधिनियम जैवा कि लिखे व सं० 3788 दिनांक
गिरिश्वर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० ए००० गिरिश्वर

मध्यग प्राधिकारी

महाराज आयकर आयकर (गिरीशण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. ----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निदेश सं. ए. पी. सं. 5380—अतः मुझे, जे. ए.ए. सं.

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के ऐए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एंसें इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से है इसी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तरों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अगत :—

(1) श्री अवतार सिंह पुत्र
श्री भगवान सिंह,
मुज्जायारे आम श्री ज्योति स्वरूप
पुत्र श्री लाहौरी मल,
वामी डल्लू० एम० 243,
वस्ती मुजा,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री भवजीत सिंह पुत्र
श्री भुला राम,
वासी मकान नं० डल्लू० एक्स० 76,
मोहल्ला खोदियां वस्ती शेख,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वासीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णता अवधियां में में किमी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ध द्वे हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताकरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही यथा होगा जो उस प्रधायाय में दिया जया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं. 4120 दिनांक सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. ए.ए. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निर्देश सं० ए० पी० सं० 5381—अनु: मुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें
इसके पदबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्ववत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चतरेष्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतर्क के वायित्व में
कभी बदलने वा उससे बदलने में सविभा के भिन्न
कीट/वा

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसुरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4—

(1) श्री बलदेव सिंह पुत्र
श्री दर्शन सिंह,
वासी पिंड किंगरा,
तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रणधीर सिंह पुत्र
श्री आत्मा सिंह,
वासी पिंड लिहरा,
तहसील नकोवर,
जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववत् सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आंदोलन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्ववत्
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी दे
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

तब्दीलकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3806 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

भोजन :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निदेश सं० ए० पी० सं० 5382—अतः मुझे, जे० ए० ए० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो चक
हुमें लम्बा पिछे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री बूदा सिंह पुत्र
श्री निरंजन सिंह,
बासी चक हुसेन,
लम्बा पिण्ड,
तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह पुत्र
श्री निरंजन सिंह,
बासी ढोड़ा,
तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4022 दिनांक
सितम्बर, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984
मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

सं० ए० पी० नं० 5384—यतः मुझे, जे० ए०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भूटा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाथ गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
बाबत जैसे कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्यु आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् १—

१. श्री मोल राज
पुत्र श्री कृष्ण दाम
वासी बुटा मन्डी जालन्धर।

(अन्तरक)

२. श्री सुदेश कुमार,
करतार कीर
नानक चन्द
भागवती गुरमीती
वासी बुटा मन्डी जालन्धर।

(अन्तरक)

को यह सूचना आई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के निम्न के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 3642
दिनांक सितम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई 1984

निवेश नं० सं० पी० नं० 5385—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दिष्ट बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हड्डी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर बनें के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीतियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. गियानी गुरदयाल सिंह
पुत्र श्री मेवा सिंह वैद्य
वासी एल-71 ए
नजदीक खीम रुम लोको शेड रेलवे जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री सरबजीत सिंह
पुत्र करतार सिंह
वासी 147 रणजीत नगर,
जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा० अन्तरिती
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 4141
दिनांक गितम्बर 83 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
गदग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-5-1984

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मई 1984

सं० ऐ० पी० नं० ५३६३—यतः मुझे, जे० ए८० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन मक्कम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबदाश
पुत्र तह० दसूहा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय टांडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मित्सबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षाओं) के अधीन एस० अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रति-
क्षेप, मिम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वं० हूई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्वरके
दारीदार में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जारिताओं
को, जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान मिह, पुत्र गुरदित्ता राम वामी नये पास, दारा पुर, तहसील दसूहा,
जिला होशियारपुर।
(अन्तरक)

2. श्री गुरशरण सन्तोख सिह, हरविन्द्र सिंह पुत्र भजन मिह सा मिल्स, बाये पास दारा पुर, उरमर होशियारपुर।
(अन्तरिनी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। श्री हरजिन्द्र सिंह पुत्र प्यारा सिह, एजेन्ट ट्रांसपोर्ट बाग पास, अनंतर टांडा जिला होशियारपुर।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

बचत सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में क्यों भी जारी नहीं किया जाता :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि, विनेख नं० 735, दिनांक 8/83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी टांडा ने लिखा है।

जे० ए८० गिरधर,
मक्कम प्राधिकारी
महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-5-1984

माहौर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मई 1984

सं. ऐ. पी. नं. 5387:—यतः मुझे, जे० एव०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षम, निम्नलिखित उल्लेख से उबत बन्तरण लिखित में वास्तविक
है कि उसके क्षेत्र में किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाप की वावत, उबत
अधिनियम के अधीन कर देने के बालाक के
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाप या किसी भन्न या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उबत अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण के लिए;

1. श्री महाबीर प्रसाद
पुत्र श्री विरन्जी लाल
अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार
पुत्र बाबू राम
बरनाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण:—इसमें प्रदूषित पद्धों और पदों का, जो उबत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही मर्द होंगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2828 दिनांक
अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

जे० एव० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अम्युक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-5-1984

मोहर :-

प्रह्लाद थारौ. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक '4 मई 1984

सं. ऐ० पी० नं. 5388 और 5389 —यतः मुझे
 जे० एल० गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 भट्टिंडा में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और
 पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बस्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया,
 या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार अमृत लाल
 पुनर दीवान चन्द पश्चा देवी विट्ठल
 दीवान चन्द श्रीर मुख्याराम-ए-आम आफ निर्मला देवी,
 विमला देवी, कृष्णा देवी,
 पुत्री दीवान अन्य

नजदीक आयं समाज घोफ
 पता विजय कलाय हाउस, भट्टिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव श्रीलख

पुत्र किरपाल सिंह जोगिन्द्र सिंह,
 पुत्र गोविन्द सिंह, करनैन सिंह,
 पुत्र काहन सिंह, गुरचरण सिंह,
 पुत्र अमर सिंह, बिक्कर सिंह,
 हरजिन्द्र सिंह, सुपुत्र जागर सिंह,
 धासी नलोट रोड, नजदीक
 जे० बी० इन्डस्ट्रीज, भट्टिंडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
 में लिखा है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकें।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2866 और
 2867 दिनांक सितम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 भट्टिंडा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
 सकार प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-5-1984
 मोहर :

प्रस्तुति दोष पत्र पत्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विमान 4 मई 1984

सं० दें० पी० नं० 5390 और 5391—यतः मुझे,
जै० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो
भट्टिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक अनुसूची में ग्रीर
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय भट्टिंडा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कभी करने या उसके बाबने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री विजय कुमार, अमृत खाल
पुत्र दीवान चन्द्र और पश्चा देवी
विष्वास दीवान चन्द्र और
मुख्यायर आम आफ निर्मला देवी, बिमला देवी,

कृष्ण देवी पुत्र दीवान चन्द्र,
नजदीक आर्य समाज चीक,
पता—विजय कलाथ हाउस, भट्टिंडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदेव सिंह, सुखदेव सिंह
पुत्र श्री सरवन सिंह, किरणाल सिंह,
पुत्र पूर्ण सिंह, करतार सिंह
पुत्र सुच्छा सिंह, नसीब कौर
पत्नी हरी, सिंह
वासी—मलौट नजदीक जे० बी० इन्डस्ट्री,
भट्टिंडा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुवती

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2879 और
2880 दिनांक 8-8-3 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिंडा में
लिखा है ।

जै० एल० गिरधर,
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-5-1984

गोहर

प्रलेप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मई, 1984

सं० दे० पी० नं० 5392—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भट्टिन्डा
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भट्टिन्डा
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983।

को पूर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
या वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण सं० हूँ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कार देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

लक्षण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसंग
में, नी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षाः—

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर

पत्नी गुरदर्शन सिंह

गांव मारनाटान वाल तहू मुक्तसर।

(अंतरक)

2. अमरजीत कौर

पुत्री शमशेर सिंह,

पता सुबेदार शमशेर सिंह लम्बरदार,

पावर हाउस, रोड, भट्टिन्डा।

(अंतरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2881 दिनांक
अगस्त 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिन्डा ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेज, जालन्धर
दिनांक: 4-5-1984
मोहर:

प्रकाशित दी.एस.एस.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5393-5394-5995—यतः

मुझे, जै० ए० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुमूल्य में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, पार्सें लिखा सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पैर कास्टिंग रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाया जाना था, छिपाने में
बहुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितु :—

(1) श्री बवेन्द्र सिंह, हरदीप सिंह
सन्तोष सिंह द्वारा मोहिन्द्र कीर
वासी—333 माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) विश्वनाथ
पुत्र देवी दयाल व मुरदयाल,
जगदीश चन्द्र पुत्रान विश्वनाथ नाथ
वासी—चांक मस्जिद, कुमहार,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए
कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही कर्त्ता होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनूत्तमी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3929,
3978 तथा 4036 दिनांक सितम्बर 1983 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० ए० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 4-5-1984

मोहर:

प्रस्तुति नाइंटी एन. एस. - - - - -

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 3596—यतः मुझे जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(प्रौढ़ जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो
भट्टिंडा में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उद्देश्य बढ़ाने और सुविधा
नी किए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

* अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरन
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) श्री भगवन्न सिंह
पुत्र श्री धर्म सिंह,
मावसा रोड, भट्टिंडा।

(अन्तरक)

(2) कुमारी बलबल कांर
पुत्र श्री जसमेर सिंह,
गांव मुन्दरज तहसील वर्ग।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

नामसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2810 दिनांक
अगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भट्टिंडा में लिखा
है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 5-5-1984

माहूर ॥

सूचना बाइंदी पुनर्प्रकाशन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, गवायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 मई 1984

निर्देश सं० ए० फी० नं० 5397—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भट्टिंडा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्णित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई जिसी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्देश्य में सूचित हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों को, छिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचित के लिए;

यह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

(1) श्री प्रीतम सिंह

पुत्र किरपाल सिंह,
वासी—कोठी अमरपुरा, पीछे थर्मल कालोनी,
भट्टिंडा।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम माल ग्रोवर

पुत्र सन्त राम ग्रोवर,
गांव मेहना सरकारी तहू० भट्टिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना द्वारी करने से पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेषः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2935 दिनांक अगस्त 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भट्टिंडा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-5-1984

मोड़ूर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
प्रार्थलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 4 मई 1984

निर्देश नं० भिवानी/11/83-84—अतः, मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं०प्लाट 95 बर्ग गज घेर सहित है तथा
जो बिछला बाजार, भिवानी में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिवानी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
सिद्धिरा में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, 1छाने में सूचित
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) सर्वश्री शाम सुन्दर, हेम राज,
पुत्रान राम बिलारा, दीप अनं
पुत्र राम स्वरूप, इन्द्र मेन
पुत्र बेग राज, रवि कुमार, सुनिल कुमार,
पुत्र श्री सामन चन्द,
निवासी—गली चिड़ीमारान, भिवानी।
(अन्तरक)
- (2) सर्वश्री पवन कुमार, सुशील कुमार
पुत्रान श्री भागीरथ मल, भिवानी बाजा
निवासी—बिछला बाजार, भिवानी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में हिंगा
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि व चार दोवारी निष्ठला बाजार भिवानी में
स्थित है जिसका अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,
भिवानी में, रजिस्ट्री संख्या 1764 दिनांक 5-9-1983
पर दिया है।

आर० के० भयाना
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 4-5-1984

मांहूर :

प्रकरण नामः दी.एम.एस.पृष्ठा 269-ग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 मई 1984

निर्देश नं. भिवानी/13/83-84—यतः, मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो गली खिआलीकन, हाल
बाजार, भिवानी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भिवानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभुमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगमन प्रतिफल से, ऐसे स्थगमन प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
शास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री विमल कुमार कनोरिया
पुल श्री गजानन्द,
गली खिआलीकन, हाल बाजार, भिवानी
द्वारा क्लोथ मार्केट, फतेहपुरी, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री गुगन राय, तारा चन्द दुलचरीबाजार
वैगिर्दी दम्पट
द्वारा श्री तारा चन्द दम्पटी,
पत्तराम गेट, हाल बाजार, भिवानी ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

अनुसूची

सम्पत्ति मकान गली जिसमें स्थित है, खिआलीकन, हाल
बाजार, भिवानी है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय, भिवानी के रजिस्ट्री संख्या 1828, दिनांक
12-9-1983 पर दिया है ।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

प्रस्तुत शास्त्रीय टा. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 मई 1984

निर्देश सं. बल्लभगढ़/112/83-84—यन्; मूल्य, आरा के ०
भायाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संभवता प्लाट नं. आर-8/आई०-वी है तथा
जो एन० एच० 5, न्यू टाउनडिशन, फरीदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 का (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्व्यमान प्रतिफल से ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री जवतार सिंह
पुत्र श्री काम सिंह,
म० न० 474,
सेक्टर-16,
फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमांद कुमार कोंपक,
पुत्र स्व० श्री घन्द चेन शर्मा,
म० न० 146,
सेक्टर 16-ए०,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
धार में समाप्त होती है, के भीतर प्रारंभिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

सम्पत्ति प्लाट नं. आर०-8/1-वी, एन० एच० 5, न्यू
टाउनडिशन, फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिकारी विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 7580 दिनांक
26-9-1983 पर दिया है।

आरा के ० भायाना
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

(स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपशायु (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

तारीख : 2-5-1984
मानूर :

प्रस्तुप काहौर, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मई, 1984

निवेश मं० बल्लभगढ़/107/83-84:—अद्य: भूमि, आर० के०
भायाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से कम्भिक है

और जिसके सं० प्लाट न० ए-2/10, मेकटर-11, है तथा जो
फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 1) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से इसे किसी नाम की बाजार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री योगन्द्र सिंह,
पुत्र श्री राम सिंह,
निवासी : मुजेशर।

(2) श्रीमती पूतम रानी,
पत्नी श्री विजय कुमार,
निवासी अगंगा रोड़,
होशियारपुर।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्विध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० ए-2/10 रोक्टर-11 फरीदाबाद में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रेकर्ट के कार्यालय बल्लभगढ़ में,
रजिस्ट्री संख्या 7377 दिनांक 20-9-83 पर दिया है।

आर० के० भायाना,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 5-5-1984.

मोहर

प्रस्तुप वाई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मई, 1984

निक्षेप सं० बलभगदृ/116/83-84:—अतः मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 114 ब्लाक-जे, सेक्टर-10, है तथा
जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलभ-
गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
आदित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
ऐसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-करु अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिये था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों की अर्थात् १—

(1) श्री जे० एन० ग्रोवर,
पुन श्री घनश्याम वास,
निवासी ए-५२
गुल मोहर पार्क
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक सिंह-
पुन श्री नारायण सिंह-
४४७ पंचशील पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रथक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

सम्पत्ति प्लाट नं० 114 ब्लाक जे सेक्टर 10 फरीदाबाद
में स्थित है जिसका अधिका रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
बलभगड़ में रजिस्ट्री संख्या 7642 दिनांक 28-9-1983 पर
दिया है।

आर० के० भयाना
राजग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज रोहतक

तारीख : 5-5-1984.
मोहर

प्रकल्प बाहरी प्रयोगिक विवरण

आधिकारिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

नोट का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मई 1984

निवेश सं० बल्लभगढ़/109/83-84.—अतः मृदु, आर०
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसका सं० प्लाट नं० 109, ब्लाक जे, सेक्टर-10, है तथा
जो फरीदाबाद में स्थित है और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
ल्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 17) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विवास करने
का कारण है कि दूरमान प्रतिफल से सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अंतर्विकल्प के बारे में निम्न छिपा गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के विवित में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आड़िए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) श्री राम मुर्ति खन्ना,
पुत्र हुड्डीया मल खन्ना,
निं० आर०-558,
न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० योगेन्द्र,
पुत्र श्री कर्म चन्द्र,
श्री मुकुल योगेन्द्र,
पुत्र श्री एच० योगेन्द्र,
म० नं० बी०-झ०/15,
ग्रेटर कैलाश, एन्कलेक्यूलैज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

*सम्पत्ति प्लाट नं० 109, ब्लाक जे, सेक्टर-10, फरीदाबाद में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़
में, रजिस्ट्री संख्या 7453 विनांक 22-9-83 पर दिया गया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
राजपत्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख : 5-5-1984.

मोहर :

प्र० प० बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत लिपि

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अप्रैल, 1984

निवेदण सं० पी० आर० न० 2936:— 23-1/83-84:—

अतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० घोवा सर्कल में मकान, प्लाट नं० 1274-ए
है तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधोन, तारीख 6-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
एवं इन्हें प्रतिरिद्धी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पटेल मनहरबेन कान्तीलाल,
पटेल रमेश कान्तीलाल,
पटेल उपेन्द्र कान्तीलाल,
पटेल हेमन्त कान्तीलाल,
सभी प्लोट नं० 1274-बी०,
घोघा सर्कल, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील कुमार हरी सिंह चचोरिया,
प्रबोनकुमार हरीसिंह चचोरिया,
प्लाट नं० 122-बी०,
आंबावाड़ी, स्वस्तीक सोसायटी,
भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो प्लाट नं० 1274-बी०, घोघा सर्कल भावनगर
में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1482, 1483,
1484, 1485/6-9-83 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुप आइँ. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दानक 12 अप्रैल, 1984

निकेश सं० पो० आर० नं० 2937/23-I/84-85:—अतः
मझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्व० नं० 246 पैकी एफ० थी० नं० 60 पैकी
सेकंड फ्लोर है तथा जो फ्लेट नं० 10, घाटलोडिया, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और भूमि पर विषयास
करने का कारण है कि द्वयमान प्रतिफल, से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्धा :—

(1) घाटलोडिया मौजा पार्क को० शो० हा० सोमायडी,
चेयरमैन—श्री वसंतकुमार उमेदभाई,
मेट्रोटरी—कनुशाई पो० पटेल,
'मानेक नीवास', सरदारकुज भोसायटी,
बहाई सेन्टर,
अहमदाबाद।

(अंतरक)

(2) श्री राजेशभाई मानेकलाल शेठ,
बी-2-45, मधुबन फ्लैट्स,
हारकेश्वर पोलीस चोकी के नजदीक,
अमराहिवाड़ी,
अहमदाबाद—26.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तानशीरी के पाम
लिखित है किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट जिसका धोकफल 77 वर्ग यार्ड है जो घाटलोडिया सबै
नं० 246 पर स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीखत नं० 12447/1-9-83 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984.

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2938/23-1/84-85:—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेन० 17-1 और 17-2, टी० पी० ए० 20,
एफ० पी० नं० 155 है तथा जो पैकी ए० पी० नं० 6, चंगीसपुर,
मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शास्त्रीलाल गोरजाशंकर तिवेदी, की ओर से फूल
गुवाहाटी—श्री नानुकलाल गिरजाशंकर तिवेदी,
5, सरदार पटेल नगर,
टेलीकोन पक्सघेज, नवरंगपुरा,
शहमदाबाद।

(प्रत्तरक)

(2) श्री भगवन्नपाल शास्त्रीलाल शाह,
4-ए०, विकें अपार्टमेंट,
फस्ट फ्लोर, मीठाखली,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना आर० करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकर्त्ताओं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्याक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 100वर्ग फूट है जो मीठाखली नवरंग-
पुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रबद्ध नं० 12929/13-9-83 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984.

मोहर

प्रस्तुप ब्राई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कन्भाई आदरभाई पटेल,
गांव—वासना,
अहमदाबाद ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2939/23-I/84-85:—अन्;
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सबै नं० 601, हिस्सा नं० 1, पैकी 1/3 हिस्सा
है तथा जो वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 1-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के झंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—8601/84

(2) तुलसीवन्द को० श्री० हा० सोमायटी (प्रोजेक्ट),
मुख्य प्रमोटर—श्री रमेश भाई बालकृष्ण द्वे,
वृद्धावन फ्लेट्स, वासना,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय रूप से करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसङ्केत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

नमूना

1/3 जमीन, खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 963 वर्ग मीटर है
जो वेजलपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 12469/1-9-83 है ।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद ।

तारीख : 12-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुप बाई^१, टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2940/23-१/84-४५:—ग्रतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 28-१ और 28-२ है तथा जो मकान-पुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपांचड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-९-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें शारीरिक आणकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-बदल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावशाली नियमों द्वारा शक्ति नहीं दिया जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चाहूबेन सुरेन्द्रभाई महेता,
श्री जी बाग फ्लेट,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद-380006.

(अन्तरक)

(2) नाफीसा ग्रनवर शेरवानी,
11-ए०, फैज मोहम्मद सोसायटी,
बालडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेत् ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिलिंग जो मकानमपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिलिंग नं० 12487/3-९-८३ है।

आर० आर० शाह,
सक्रम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-84.
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

(1) श्रीमती पदमबेन आशानंद दाउ,
आजम मोजम सोसायटी,
बंगला नं. 8, वासना,
अहमदाबाद।

(अन्तर क)

(2) श्रीमती शमीम राउफ गेरवानी,
11-ए, फैज मोहम्मद सोसायटी,
चालडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तथा यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बिल्डिंग जो मकानपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 12486/3-9-83 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984.

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)-के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

प्रकल्प बाई^१, टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2942/23-1/84/85:—अतः
 मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ. पी० नं० 390-1, टी० पी० एस० 20,
 फ्लैट नं० 10, थड़े फ्लैट है तथा जो ब्लाक नं० एफ०, न्यू गिरधर
 पार्क, सोसायटी ओबाबाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (ओर इसे
 उपाख्य अनुसूची में प्रोर पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है^२ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम की वधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनस्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर्षकुमार बीठलदास परीख,
 6, वैशालीनगर,
 राजकोट-360001.

(अन्तरक)

(2) ए० विद्यवान चन्द्र मिसरीमल सिंगी,
 फ्लैट नं० एफ० ब्लाक, थड़े फ्लैट,
 न्यू गिरधर पार्क,
 को० श्रो० हा० सोसायटी,
 सी० ए० विद्याविहार के सामने,
 अंबाबाड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाई में सफाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुक्रोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लघुक्रूप

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग यार्ड है जो अंबाबाड़ी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 12908/13-9-83 है।

ग्रार० आर० शाह,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-84.

मोहर :

प्रकाश कार्यालय, टी.एफ.एफ.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 प्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2943/23-I/84-85:—प्रतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 2+18, एफ.पी० नं० 21 और
187, शोप नं० 40 है तथा जो न्यू क्लोथ मार्किट, रायपुर दरवाजा
बाहर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमति में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बहावक वे
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य जास्तियों
की, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा है लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) मैसर्स के० मनसुखराम एण्ड सन्स,
के०/प्र०० एन० मनसुखराम एण्ड कंपनी,
दोशीवाडाकी पोल, कालुपुर,
अहमदाबाद-380001.

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीजी ट्रेडिंग कंपनी,
14, शांतीनिकेतन सोसायटी,
गुजरात कालेज के नजदीक,
अहमदाबाद-380006.

(अन्तरिती)

का वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वापरण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमदृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित ये किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया
है।

नमूना

शोप नं० 40, जो न्यू क्लोथ मार्किट, रायपुर दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीखात नं० 13053/15-9-83 है।

मार० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984.

माहर ४

1

प्रकल्प वाइटी.एम.एस.-----

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आपत्ति सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2944/23-1/84-85:—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 190, जी० एफ० फ्लेट नं० सी-
13 है तथा जो चंदन अपार्टमेंट, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004
में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

19-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रीती (अन्तरीरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हरे किसी बाय की बाजार उक्त
अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे अन्तरने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मधुकान्तादेव नारायणदास मोदी,
15, पूर्णमा अपार्टमेंट,
इम्दर भुवन के सामने, नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कालीदास मूलचन्द शाह,
सी-13, चंदन अपार्टमेंट,
शाहीबाग,
अहमदाबाद-380004.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, जहाँ अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नाल

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग यार्ड है जो दरियापुर-काजीपुर,
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीखत नं० 13219/19-9-83 है।

आर० आर० शाह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984

मोहुर :

प्रकाश, बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री गुलाबबेन बनमालीदास बाबरी,
22, हरि बर्झन अपार्टमेंट,
रामजी मंदिर के नजदीक,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पंकजभाई चन्द्रुलाल शाह,
146, हीराभाई की पोल,
थतासा पोल, गांधी रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2945/23-1/84-85:—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 22, एफ० पी० 82/2, है तथा जो
पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दीश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीशां द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूतूरी

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 97 वर्ग यार्ड है जो पालडी अहमदाबाद
में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखात
नं० 13098/16-9-83 है।

आर० आर० शाह,

सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984.

मोहर :

प्रकाश नामः टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निवेदा सं० पी० आर० नं० 2946/23-1/84-85 :—अतः
 मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थापत्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1126, सत्याग्रह छावनी को०
 थो० हा० सोसायटी है तथा जो प्लोट नं० 18, पैकी वेजलपुर,
 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 16-9-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
 पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 याता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी जाव की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
 में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती केतकीबेन गिरीशचन्द्र परीख,
 श्रीमती भारतीबेन दिलीपकुमार परीख,
 डाकोर, जिला खेड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधवीबेन दीपकभाई देसाई,
 श्री दीपकभाई प्रमुखभाई देसाई,
 माकेगावाग, ओवावाडी,
 अहमदाबाद।

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र संपत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पाव
 लिखित में किए जा सकते।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनूषी

जमीन जिसका थोकफल 566.66 वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर,
 सत्याग्रह छावनी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
 अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विशेषत नं० 13103/16-9-83 है।

आर० आर० शाह,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 2947/23-१/८४-८५:—अन:

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 307, टी० पी० एस० 20,
17 खेर विहार को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड
आंवाड़ाडी, वस्त्रापुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 16-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
दृश्यमान में कमी करने या उससे बढ़ने पर मार्गिधा
र्ण लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंसूसियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इधाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधार (1)
द्वारा अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

33—86GI184

(1) श्री पमरवेन लगनलाल हीरानी,

17, स्पैरिविहार को० ओ० हा० सोसायटी नं०,
पोलीटिकनीक पुराना सचिवालय नजदीक,
आंवाड़ाडी,

(अन्तरक)

(2) श्री मीनेश जयंतीलाल शाह,

मंयंक जयंतीलाल शाह,
51, श्रीमद्वीन, वल्लभभाई रोड़,
शान्ताकूल वेस्ट,
वम्बई-400054.

(अनुसन्धानी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवारीहां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा भाषेस्ताभरी के पास
मिलित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 110 वर्ग यार्ड है जो वस्त्रापुर अहमद-
ाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकी-
खत नं० 13151/16-9-83 है।

आर० आर० शाह,

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

नारीख : 12-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट बाई० दी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2948/23-1/84-85:—अतः
मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं० सबै० नं० 484-ए०, 484-बी०, 488-17-
12, दिनांक नं० 17 है तथा जो पैकों वाडज, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अकिरां के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 17-9-83

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के उत्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, ऐसे उत्तमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेय से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटौं किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता:—

(1) श्री कैलाशबेन पोपटलाल पास्खीवाला,
शाहपुर दरवाजा खांचा,
शाहपुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तेश्वर कंचनलाल बापीसी,
जीवन कमलशीली पोल,
शाहपुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेधारी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पैरभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बदूचूर्ची

फ्लेट जिसका ध्वेत्रफल 74 वर्ग यार्ड है जो वाडज अहमदाबाद
में स्थित है (सेकन्ड फ्लोर, नं० 12) तथा अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विभागीय नं० 13200/17-9-83 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 12-4-1984.

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत द्वारा

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2949/अर्जन रेज-1/23/
83-84—अतः मुझे, आर० आर० आह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और पैकी जिसकी सं० आर० एस० नं० 170-1, पैकी 170-2;
टी० पी० एस० 21 है तथा जो एफ० पी० 490, एस०
पी० नं० 13-1, 13-2, पाली, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और दूसरे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, एस० एस० दृष्टिभाव प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्राप्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय
(अंतरिक्षीयों) के बीच एस० अंतरण के लिए उप पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क.) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; श्रीडू/या

(क.) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षीय दृष्टारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अनुसर्यों, अस्ति ।—

(1) श्री सुरेशचन्द्र लंबकलाल भट्ट,
सेक्टर नं० 20,
ब्लाक नं० 30/4,
गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन कुमार नटवरलाल मोठ,
केयर आफ श्री सुरेशचन्द्र लंबकलाल भट्ट,
सेक्टर नं० 20,
ब्लाक नं० 30/4,
गांधी नगर।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तकनीकी अवधियाँ पर
सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में न किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधार 20-क में परिभाषित हैं
वहीं परं दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 70 वर्ग फैट्ट है जो पालडी
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13207/दिनांक 17 सितम्बर,
1983 है ।

आर० आर० आह.
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984
मंदिर

प्ररूप वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अग्रैल, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2950/अर्जन रेंज-1/23/
1/84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, 194 पंक्ति सं० पी० नं०
27, प्लैट नं० 3 है तथा जो रायपुर-हीरपुर, मनी नगर,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि विधायकों सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय को बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने रहे अन्तरक के
दायित्व में कमी करनी या उससे बच में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः वह उक्त अधिनियम की भार 269-व के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की भार 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अंदरामें अधीन रहे।

(1) मैं अम्बिका फ्लैट आनसे
एसोसिएशन की ओर से (प्रयोज्ञ),
श्रीमती शारदा बेन
नटवर लाल मिस्त्री,
14, अमृत फ्लैट्स,
मनी नगर।

(अन्तरक)

(1) डा० राजेन्द्र नवीन चन्द्र पोद्धा,
आजाद सोसाइटी के नजदीक,
सरस्वती नगर,
अम्बा बाड़ी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वधिय, जो भी
वधिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

फ्लैट जिसका नं० 3, थोकफल 170 वर्ग यार्ड हैं जों
रायपुर-हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार,
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिश्वी खत नं० 13186, 13190
दिनांक 17 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984
माटेर।

रक्षण आर्ड, टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

6

आयकर विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 12 अप्रैल 1984

निवेश मं० पी० आर० नं० 2951/अर्जन रेज 23/

1/84-85 अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 60, म्य० सी० नं० 44/2/34
टेनामेंट नं० 34 है तथा जो ड्रीमलैण्ड को० आपरेटिव
हाऊसिंग सौसाइटी, पैरानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथ्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे रथ्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाशा गया ग्राफि-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वारस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयोग (1)
के अधीन, विश्वासित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्रीमती लक्ष्मीबेन गोविधन दास
नवी पोल,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रनछोड लाल गोविधन दास पटेल,
नं० ३४, ग्राउण्ड फ्लोर,
ड्रीम लैण्ड को आपरेटिव हाऊसिंग
सौसाइटी लिमिटेड,
नारन पुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्याधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही बर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युमूली

टेनामेंट नं० 24, ड्रीम लैण्ड को० आपरेटिव हाऊसिंग
सौसाइटी लिमिटेड, नारनपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा
सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत सं०
13277 दिनांक 19 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984

माझर ६

प्रकल्प बाइि.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2952/अर्जन रेंज-I/23-1/
84-85—यतः मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-थ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संग्रहीत पोनं 253, टी.पी.एस. 19,
शेखपुर-बानपुर, फ्लैट नं० 35 है तथा जो फस्ट फ्लोर,
जय स्वनं को०-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड रन्धर भवन
पूर्णनन्द आश्रम के नजदीक, अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छव्यमान प्रतिफल से एसे छव्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी भन या बन्य वास्तविक्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः बत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अनिल भाई पुरुषोत्तम दास पटेल,
बंगला नं० 7,
मोतीलाल पांडे,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(2) श्रीमती हीराबेन चौमनलाल शाह,
गांधी—गनी पोल,
तालुका—दहेगाम,
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है?

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में रिकॉर्ड जा सकेंगे।

प्रब्लैकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"वै. जिसका लैंबफल 106 वर्ग यार्ड है जा शेखपुर-
बानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद
रजिस्ट्रोकर्ता विशेषता नं० 13692/28 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2953/अर्जन रेंज-I/

23/1/84-85—अर्त: सुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

ओर जिसकी सं० फ० पी० नं० 232, टी० पी० ए० स०
19, फ्लैट नं० ए०/३, जी० फ० है तथा जो दोप कुन्ज
को आपरेटिव मोसाइटी, शेखपुर-खानपुर मेमनगर,
अहमदाबाद में स्थित है (ओर इससे ऊपर अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छूट है किसी आय वी भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें देने में गाँधीया
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या इन्हीं आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-द्वार अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के
प्रान्तज्ञानीय अंतरिती द्वारा प्रदूष नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

(1) श्रो प्रमृतलाल कीशदास कतारिया,
4, प्रीमल फ्लैट,
विकास ग्रह रोड,
पालघर, अहमदाबाद-380007।

(अन्तरक)

(2) श्रो प्रद्योत कुमार वी० गंगुली,
केयर आफ मै० रोल्स्ट्रोट (इण्डिया),
गुजरात वेपारी महामण्डल
इन्डस्ट्रोज इस्टेट, ओठब,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभूमि व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

फ्लैट जिसका ध्वेक्षण 95 वर्ग याड़ है जो शेखपुर-
खानपुर उपर नवरंगपुरा में स्थित है तथा सब-
रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 11653/
26 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984
मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राया
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, व्रम्बई

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2954/अर्जन, रेज-I/23/I/
84-85—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्राया
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 117, ब्लॉक नं० 20, फर्स्ट
फ्लॉर है तथा जो प्रगति नगर, नारनपुरा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सारीख 26 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तड़ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृश किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किये करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या बन्ध आस्तयों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती बवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री पोपट लाल भवानभाई प्रजापती
ब्लॉक नं. 62/8,
मेक्टर नं० 16,
गोधीनगर।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती कुन्जबाला चन्द्रकांत पारीख,
श्री बकिम चन्द्रकांत पारीख,
श्री धीमत्त चन्द्रकांत पारीख,
सगीर भावेश चन्द्रकांत पारीख,
ए-11, एम-20-117,
प्रगति नगर, नारनपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठोंकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दी का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 105 वर्ग यार्ड है जो नारनपुरा,
अहमदाबाद में स्थित है तथा मव रजिस्ट्रार, अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 13608/26 मितम्बर,
1983, है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-4-1984
मांहर 3

प्रस्तुप बाहौदरी, एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2955/अर्जन रेंज-1/23-I/

84-85—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/11, महावीर बाग अपार्टमेंट है तथा जो अम्बावाडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दारीख 22 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्भुत प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित है वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अभिन्नियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट गहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था इष्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

34-86 GI/84

(1) श्री दोपक मानेक जाल मुदलोयार
उफ आरकोट,
केशर आफ पालमानेर व्याघरापुरी रघुनाथन,
एफ/11 महावीर बाग,
अम्बावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) पालमानेर व्याघरापुरी रघुनाथम,
एफ/11, महावीर बाग अपार्टमेंट,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग फैट है जो अम्बावाडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा मव-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखन नं० 13523 / 22 मितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
गवर्नर प्राधिकारी
गहाया आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984

माहर :

अधिनियम ५४८ आई० टी० एन० एस० १९६१

आपकु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा २६९-घ(१) के अधीन, सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक १२ अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० २९५६/अर्जन रेंज-I/23-
J/84-८५—यतः मुझे, आर० आर० ग्राह० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसवा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० २५३, टी० पी० १९,
शेखपुर-खानपुर फ्लैट नं० ३२ है तथा जो जय सुवर्ण को०
आपरेटिव सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपाध्यक्ष अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
२० सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, जिन्हिसे उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायद में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौए/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री रमेशभाई परवोत्तमदास पटेल,
केयर आफ पटेल रमेशकुमार मोतीलाल विग्रे,
फ्लैट नं० ३२, जय सुवर्ण को०
आपरेटिव सोसायटी पुणिन्द आश्रम
के नजदीक,
इन्हर भवन के नजदीक,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(२) श्री पटेल रमेशकुमार मोतीलाल,
पटेल अनिलकुमार मोहनलाल,
गांव हंसलपुर,
तालुका—हिमतनगर
जिला साबरकांठा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वा अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तिप्रयः—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वहध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त संपत्ति के अध्याय २० के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

जनसंघी

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल १०६ वर्ग फैट है जो शेखपुर-
खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० १३३१३/२० सितम्बर,
१९८३ है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : १२-४-१९८४
मोहर

प्रस्तुप ब्राइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2957/अर्जन रेज-I/23/1/

84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 40/3 और 40/5 पैकी टी० पी० एस० 1, एफ० पी० 88 है तथा जो हिस्सा नं० 4, मेम नगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में शांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि दूष्यमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(व) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्रीमती राईबेन, मफतभाई जर्यासह भाई की विधवा पत्नी,
मेम नगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री गौतम भाई अम्बालाल पटेल,
७, अचलायतन सोसाइटी,
नारनपुरा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्क

जमीन जिसका धेनफल 826.13 वर्ग मीटर है जो मेम नगर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13189 दिनांक 17 सितम्बर, 1983, है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984 ।

मोहूँ

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2958/अर्जन रेंज-123/1
84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 40/3 पैका और 40/5 पैका
टी० पी० एस० नं० 1 तथा जो ५फ० पा० नं० ४८, मेम
नगर, अहमदाबाद में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
प्रदृश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायरे
में किसी करने या उससे करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधित् :—

(1) श्री राम भाई मफत भाई पटेल,
गांव मेम नगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत अम्बालाल पटेल,
7, अबलायतन सोसाइटी,
नारनपुरा, रेलवे ओर्सेंग,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

नमूना

जमीन जिसका क्षेत्रफल 731×95.13 वर्ग मीटर है
जो मेम नगर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार,
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13189 दिनांक
17 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2959/अर्जन-I/23/I/

84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जेतपुर घोरानी रोड पर है तथा जो
सर्वे नं० 136, जेतपुर, जिला राजकोट में स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरणी प्राधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14
मितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दनेने के अन्तरक के बायित्य
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर आंधानियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्ना भाई बाबू भाईश्वरी
नान्गी भाई हुंसराज जी भाई खपारिया,
बावावालापरा जेतपुर,
जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीशचन्द्र कानजीभाई पटेल,
श्री परणोत्तम भाई के० पटेल,
श्री रत्नलाल कानजीभाई पटेल,
श्री प्रभुदास के० पटेल,
श्री मनसुख लाल के० पटेल,
श्री रजनीभाई रनछोड भाई,
श्रीमती सुशीला रजनीकांत,
केथर आफ पटेल अदर्स
फुलवारी, जेतपुर,
जिला राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके नीतिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जो जेतपुर में स्थित है जिसका सर्वे
नं० 136 है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1473/
14-9-1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984

माहर

श्रीमत बाहूँ दी. एव. एड.—संस्कृति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2960/अर्जन रेज-I/23/1/
84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन रेया पर सर्वे न० 131/1 है तथा
जो फ्लैट न० 38, राजकोट में स्थित है (अबर इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौतुःपा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनहर लाल सी० चीनाई
जय प्रकाश नगर,
प्लाट नं० 102,
गोरे गांव, बम्बई-63 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तृप्ति बेन दामोदर भाई गरीबा,
मार्फत डी० गरीबा अस्पताल,
मामलातारदार वाजी मलाड,
बम्बई-64 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवालियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

जमीन रेया पर, सर्वे न० 131/1, प्लाट न० 38 तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 3943 दिनांक 3 सितम्बर,
1983 है।

आर० आर० शाह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984
मोहर

प्रारम्भ आर्द्ध-दी, एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2961/ग्रन्जन रेंज/1/23/
84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वासी करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन महाबीर नगर सोसाइटी कलावार्ड
रोड है तथा जो सर्वे नं० 458, फ्लोर नं० 49 बी, राजकोट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के
अधीन, तारीख 21 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हसुसती बैन
श्री वृन्दावन हपारेल,
राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्ती लाल
हरजीवन दास खबर,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो राजकोट महाबीर नगर सोसाइटी सर्वे नं०
458 फ्लोर नं० 49 बी पर भी स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 5699 दिनांक 21 सितम्बर, 1983 है ।

आर० आर० शाह

सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 16-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1984

निवेश सै० पी० आर० नै० 2962/अर्जन रेंज-1/23/
1/84-85—अतः मशे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सै० जमीन महावीर को० आपरेटिव सोसाइटी
सर्वे नं० 458 है तथा जो कलापाड़ रोड, राजकोट में स्थित
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धौरा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शांता बेन हरी लाल मेहता,
को ओर से कुल सुख्तारा:
श्री भाई चन्द रतनशी मेहता
मेहता हाऊस,
29, प्रह्लाद फ्लोर,
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाला बती बेन मनुभाई मेहता,
विवेकानन्द रोड,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रेदै भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महात्मा

जमीन जो कलावाड़ रोड, महावीर को० आपरेटिव
सोसाइटी फ्लोर नं० 35 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नै० 2728 दिनांक 26 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984
मोहर :

प्रधान बाई, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1984

निदेश सं. पो. ० आर० नं. 2963/अर्जन रेंज-1/23-१

/84-85—अनु: मध्ये, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मूल फ्लॉर क्लावड रोड है तथा जो ज्योति
अपार्टमेंट राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नारीख 29 मितम्बर, 1983

को प्रार्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) इनरेस से हृदृ फिल्मी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में दृष्टिकोण
के लिए; और/या(ब) एसी किसी आय या फिल्मी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भास्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबल नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण

(1) जौ. ज्योति कलावाड नामी

पुत्र युवराज

भागीदार :

श्री वसन्त राय जयचन्द गांवी,

क्रासग वॉड,

कलावाड रोड,

राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रप्रभा बनीलाल

पुत्र मुख्तयार :

बेनीलाल बालाजी भाई कोष्चा,

चौक आफिसर,

अकनेश्वर जिला सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रार्वाक्त संपत्ति के अर्जन के निए
कार्यालयों करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रार्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विल
द्या है ॥

अनुसूची

फ्लैट जो कलावाड रोड पर ज्योति अपार्टमेंट पर स्थित
है, तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं. 869 नारीख 29
मितम्बर, 1983 है ।

आर० आर० शाह

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख : 17-4-1984

माहर ३

अनु: श्री, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० पी० आर० सं० 2964—अतः मुझे,
 आर० आर० शह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० बिल्डिंग भवित नगर सोसाइटी है तथा जो
 प्लाट नं० सो-१७, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाख्य
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 कल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में बाल-
 विक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
 मूर्चिका के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इच्छा गौरी केशवलाल पंडया,
 श्री केशवलाल भगवानजी पंडया,
 गोपाल नगर,
 राजकोट।

(अन्तरक)

(2) भारतीयन मनोलाल शाह,
 2, भवित नगर
 मोमाइटो, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्बमध्य में कोइं भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्तयों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराह से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

बनसूची

बिल्डिंग जो राजकोट भवितनगर में स्थित है जिसका
 प्लाट नं० सो १७ है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं०
 5435 दिनांक 8 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शह०
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984

योग्य

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2965 अर्जन रेंज-II/23-1

84-85—अतः मूसी, आर० आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 201, एस० पी० नं० 37,
टी० पी० एस० 29 है तथा जो 29 मुदर्शन सोसाइटी नं० 1
नारनपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद अनूच्छी
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), अरई फसुर्म पर से के कार्यालय
निम्न दस्तखत किया हुआ में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 सितम्बर,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हथमान प्रतिफल से ऐसे हथमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभी :—

(1) श्रीमती प्रियबाला बेन शर्डीलाल शाह,
जी 20-21,
तारा बाग इस्टेट,
गोरगांव, अम्बई-४।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दीपाली बेन चमनलाल सोनी,
श्री हर्षदभाई चमनलाल सोनी,
श्री सुरेशचन्द्र चमनलाल सोनी,
श्री सुदर्शन सोसायटी,
नरनपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विर्लिंग जा सी-37 मुद्रण सोसाइटी नारनपुरा,
अहमदाबाद में स्थित है तथा 37 ई०ई० फोर्म पर से निम्न दस्तखत
किया हुआ आफिस में 5 सितम्बर, 1983 को प्राप्त हुआ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984
मोहर

प्रधन बाई.टो.एग.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-प (1) के अधीन सूचना

कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज, रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० पा० आर० आर० नं० 2966 अर्जन रेंज-I-23-I/

84-85—अतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
प के अधीन सर्वम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थानवार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 205, सर्वे नं० 67, 70, 75
और 123 गूजरामे पेपारी है तथा जो महा.मण्डल सहकारी
उद्योगिक वसाहत लिमिटेड, ऑफिस, अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
37 ईई फोर्म पर में निम्न दस्तखत किया हुआ के अधीन
तारीख 27 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त समर्पिता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदादेश से उक्त अंतरण निर्धारित है वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अंतरण से हुआ किसी ओम की बाजार उक्त कार्य-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

(1) श्री भुपेन्द्र कस्तूर भाई शाह,
602, प्लॉमेन्ट प्लेस बिल्डिंग,
नारायण ढबोलकर रोड,
बम्बई-400006।

(अन्तरक)

(2) मैं माहार इन्जीनियरिंग
प्राइवेट लिमिटेड,
डायरेक्टर :
श्री दिनेश आर० शाह,
31, शांतिनगर,
ग. 98, नेयन्स रोड,
बम्बई-400006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाता में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवार सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों बारे परों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैस्ट्रो बिल्डिंग जा. प्लॉट नं० 205, गुजरात वेदारी
महा.मण्डल सहकारी उद्योगिक वसाहत लिमिटेड, अहमदाबाद
में स्थित है तथा 37 ईई फोर्म निम्न दस्तखत किया दाचहरी
में दिनांक 27 सितम्बर, 1983 को प्राप्त हुआ है।

आर० आर० शाह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
तारीख : 17-4-1984
माहर :

प्रस्तुप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पो० आर० नं० 2967/अर्जन रेज-1/23/1

84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग एजेंट रेया रोड पर है तथा जो
सब्वे नं० 451/1, प्लाट नं० 9 में स्थित है (और
इहसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चावश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्भे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें मज़ने में वृद्धि
के निम्न; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आँहा था, छिपाने से सुनिश्चा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जागहा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्णिकार्यों, अर्थात्

(1) श्री हरगुट राय जीवन नाम रायल,
रैया रोड,
राजकोट ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जे० महेश देवचन्द ।
2. श्रीमति निमलाबेन महेशभाई ।
3. श्री विजय देवचन्द शाह ।
4. श्री देवचन्द वानजी भाई ।
5. श्री जदाबेन देवचन्द ।
1, वैशाली नगर,
चंचल निवास के नजदीक,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्ते के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से
वस्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ग होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो रेया रोड, सब्वे नं० 451/1, प्लोट नं० 9,
पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3567 दिनांक
22 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984
माह्र :

प्रस्तुत वाहौं, टी. एन. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निदेश सं० पा० आर० नं० 2968/अर्जन रेंज-I/23-1/84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० विलिंग राम कृष्ण नगर में स्थित है (आर० इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर्स-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान प्रतिफल के लिए अनंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषणा से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण दे हरौं किसी बाब की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाबिल्य, में करने करने वा उससे उन्हें में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाप या किसी भन या बन्द वासिताओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज-I,

(1) श्री सर्वोत्तम भाई अन्दुल हुसेन,
श्री जयद भाई अन्दुल हुसेन,
परा वाजार,
राजकोट।

(अन्तररक्षा)

(2) स्पेस 24 सोले प्रोप्राइटर,
श्री जसवन्त राय बाबुलाल मेहता,
जै० चासिक रोड,
राजकोट।

(अन्तररक्षा)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु विस्तारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

विलिंग जी राम कृष्ण नगर, राजकोट में विवत है तथा रजिस्ट्रेक्टर्स-कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3182 दिनांक 14 सितम्बर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1984

मार्गीर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2969/1/84-85—अतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णनगर की जमीन, रमोई नं० 837-ए०
बाँडे नं० 5 है तथा जो भाव नगर में स्थित है (और इसमें
उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रो-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० भावनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल के
पैदाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाँ किसी जात को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
एन-आर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोङ्गमार्थ प्रतिनिधि दद्याने नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

- (1) 1. श्री नाभूबेन रमणीक लाल।
- 2. श्री जयन्त कुमार रमणीक लाल।
- 3. श्री हरीश कुमार रमणीक लाल।
- 4. श्री योगेश कुमार रमणीक लाल।
- 5. श्री अजय कुमार रमणीक लाल।
- 6. श्री विजय कुमार रमणीक लाल।

स्थानीय व्यक्ति

श्री वृजलाल रायचन्द मालविया,
भगानो सर्कन, भावनगर।

(अन्तरक)

- (2) श्रोमती प्रमोदिनीबेन

शिकिकांत भाई मेहता,
प्लाट नं० 1200,
महा लक्ष्मी कृपा,
अम्बावाडी बस स्टैन्ड के नजदीक,
भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्धि
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलिंग में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुहृती

कृष्णनगर में आई हुई जमीन है। जिसका प्लाट नं०
837-ए है। भावनगर के बाँडे नं० 5 है आई हुई जमीन है।
जमीन रजिस्टर्ड नं० 3126 को दिनांक 20 सितम्बर,
1983 के रजिस्टर किया है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-5-1984

माहर :

प्रेस्प्रेस आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2970/I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्ण नगर का मकान, माणिकबाड़ी विस्तार,
ज्लाट नं० 534, रोड, रमांड़ा है तथा जो बोर्ड नं० 5;
भावनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय।
एस० आर० भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवेक्षक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित लंबुक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कामी करने या उसमें बचने में मरिभा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-पार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था इनमें में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः :—

- (1) 1. श्री दिलीप आर० विश्वेदी,
श्री डी० आयेकररोड़,
माटुंगा, बम्बई ।
2. श्री चित्रलैखा पी० देव,
'पंकज'—राजोरी स्कूल के मासने,
बड़ौदरा ।

३ भोमनी रघनी नेन भास्कर जाग,
परीमल मजुमदार का घाड़ा
प्रताप रोड, बड़ोदरा ।

(अन्तर्गत)

- (2) 1. श्री प्रताप राय बूजलाल पारेख,
माणेक बाड़ी ज्लाट नं० 543,
भाव नगर ।
2. श्री रमणीक लाल बूजलाल पारेख,
बोगा बाजार, भाव नगर ।
3. श्री प्रताप सिंह मंगल मिहू
मिलिट्री सोसाइटी,
ज्लाट नं० 65, भाव नगर ।
4. श्री मंगल सिंह बजे सिंह,
मिलिट्री सोसाइटी,
ज्लाट नं० 65, भाव नगर ।
5. श्री नाथदेव कैसू मल,
रसाला कैम्प अय्यर कोट्ट,
भाव नगर ।
6. श्री प्रताप मल. कैसूमल,
रसाला कैम्प अय्यर कोट्ट,
भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी नहीं
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधन—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पर्शों वाएँ, जो उक्त
अधिनियम, या अध्याय 20 के पर्याप्तियों
हैं, घटी हो रही होंगी, जो उग अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृष्ण नगर मणिक बाड़ी विस्तार में आया हुआ मकान है।
उसका प्लाट नं० 534 और वार्ड नं० 5 है। उसका
रजिस्टर्ड नं० 3045 पर दिनांक 23 मिन्हवर, 1983 को किया
गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984
मोहर :

इलाह बाहौदी, श्री. एस. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2971/I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन कृष्ण नगर की पलीर नं० 837 वी है
तथा जो बोर्ड नं० 5, भाव नगर में स्थित है (और इससे
उपायद्वय अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाव नगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20
सितम्बर, 1983

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
कर दें कीचित नहीं किया जा सकता है ॥

(क) अन्तरण से हूँ इसी बाय की बाबत उक्त अधिकारी
को जमीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भव या वस्तु वास्तियों
को, जिसके आरोपी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ वास्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवश्यक था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

36—86GT/84

- (1) 1. श्री जयन्त कुमार रमणीक लाल।
- 2. श्री फिरीह कुमार रमणीक लाल।
- 3. श्री योगेश कुमार रमणीक लाल।
- 4. श्री अजय कुमार रमणीक लाल।
- 5. श्री विजय कुमार रमणीक लाल।
- 6. श्री लालूदेन रमणीक लाल।

उन सबके सत्ताधीश :

श्री बृजलाल रायथस्ट मालविया,
मैगानी सर्कन, भाव नगर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री शशिकांत लगन लाल मेहता।
- 2. श्रीमती प्रभोदी देवी बैत शशिकांत मेहता
प्लाट नं० 2200,
महा लक्ष्मी कृपा,
भाव्याबाड़ी बस स्टैण्ड के पास,
भाव नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पर्याकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्ते ही भी जानें :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों तरं सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्त-
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वहाँ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कृष्ण नगर की जमीन है। उस जमीन का प्लोर नं०

837 वी और बोर्ड नं० 5 है। भाव नगर में जमीन आई
हुई है। यह जमीन दिनांक 20 सितम्बर, 1983 के दिन
रजिस्टर्ड नं० आर० नं० 3127 को की गई है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-5-1984

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 मई, 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2972/1/84-85--अतः

मुझे, आर आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269--ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है'

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 23,
एल० जी० होस्पीटन के मामने आई हुई 'कोटियार्के कृष्ण'
'बकालवाडी' मणि नगर है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुमूल में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिरी (अन्तरिरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जित्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शैलेश कुमार शांतिलाल शाह,
8, निराच सोसाइटी,
स्वामी नारायण मन्दिर रोड,
'शैलेश भवन' मणि नगर,
अहमदाबाद-380008 ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार शांतिलाल शाह,
'कोटियार्के कृष्ण',
बर्काल बाड़ी,
एल० जी० होस्पीटल के सामने,
मणि नगर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितव्यधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के ऊपर खड़ा हुआ मकान है। उसका विस्तार
888 घो० घार है। वह मकान मणि नगर, अहमदाबाद
में आया हुआ है। वह अहमदाबाद के सब-रजिस्ट्रार की ओर
से रजिस्टर्ड किया गया है। वेयाणा दस्तावेज के जरिए रजि-
स्ट्रेशन नं० आर० नं० 13068 दिनांक 15 सितम्बर,
1983 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-5-1984

मोहर :

श्रीमद् बाहुदी, टी.एस., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2973/1/84-85—अत
मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 824, पैका कोचरवा है
तथा जो पहला माल, जनशांति फ्लैट, पालड़ा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसन्धान में और पूर्ण रूप में
चण्डित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16 सितम्बर, 1983

ने पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के सिए वंतारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पामा गवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायाम
में कमी करने या उससे बचने में त्रुटिभा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

(1) श्रीमद्वा० हारेन्द्रेन पा० शाह,
1652, सुकेश्वर पेथ,
पुलिस चौकी के नजदीक,
पूना-२ ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री हंतेश डो० शाह,
ए-१, पहला ढाल,
जनशांति फ्लैट,
प्रातम नगर पहला ढाल,
पालड़ा, अहमदाबाद ।
2. श्री जयेन्द्र आर० शाह,
बाला सीनोर,
जिला खेड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वम् वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट का विस्तार 104 चौ० वार है । फ्लैट पालड़ा में
आया हुआ है । अहमदाबाद के सब रजिस्ट्रार को और से
रजिस्टर्ड किया गया है । वेयाणा वस्त्रवेज का रजिस्ट्रेशन नं०
13143 दिनांक 16 सितम्बर, 1983 है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-5-1984

माहूर :

नोट : यह उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत ।

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

आयकर बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2974/1/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डक्टर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 166,
पैकी एस० पी० नं० 6 और 7 है तथा जो पांचवें माल
वी-5, तृतीय पार्क को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लिमिटेड हाई कोर्ट के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिक्रियता अधिक है और अन्तरक (अन्तरुकों) और
अस्ट्रॉरिसी (अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, जिसनीचैत उपलब्ध से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बता: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
में अधीन, जिसनीचैत अविकरणी, अर्थात् 5—

(1) श्री राजेन जयस्ती लाल पर्सेल,
46-2, भैरवनाथ मन्दिर के नजदीक,
भैरवनाथ रोड,
मणि नगर,
अहमदाबाद, 380022।

(अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्रसाद फकीरचन्द्र,
बी-5, पांचवा माल,
चौर तृतीय पार्क को० आपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी, गुजरात हाई कोर्ट के पाठे,
रेलवे लाइन के नजदीक,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संघित के अर्जन के अवधि में कोई भी आवेद्य:—

- (क) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट का विस्तार 121.7 चौ० पार है। फ्लैट शेखपुर-
आनपुर आमे नवरंगपुरा टॉ० पै० ३ में आया हुआ है।
वह थिल्टर गुजरात हाई कोर्ट अहमदाबाद के नजदीक है।
वह सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद ने बेयाणा दस्तावेज रजिस्ट्रेशन
नं० 12785 दिनांक 9 सितम्बर, 1983 के दिन किया
गया है।

आर० आर० शाह

संभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

इत्यं वार्षिक टी.एन.एस. 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

आयकर वार्षिक

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2975/1/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामांतर मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक० पी० नं० 130, पंक्ति एस० पी० नं०
ए० टी० पी० एस० 4, है तथा जो खोलका अहमदाबाद में
आई हुई मणिनगर, अहमदाबाद में स्थित है और इससे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में 'रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20 सितम्बर, 1984

की पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित भावार मूल्य से कम के दृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित भावार
मूल्य, उसके दृथमान प्रतिफल से, एस० दृथमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पादा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अंतरण सिद्धित में
प्राप्तिकृत रूप से कीभित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हट किसी आय की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कानूनों के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
नहीं लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

(1) श्री बशवन्त भाई अम्बालाल पटेल
और बगैरह,
7, मणि नगर सोसाइटी,
मणीनगर स्टेशन के नजदीक,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैं पूर्वी कल्पना
श्री कनू भाई भोगी लाल शाह के द्वारा,
पी० के० हाऊस,
कवि नाना लाल मार्ग,
मंगलवास टाउन हाल के पीछे,
सलीम प्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्षिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्दध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तर्कृती

जमीन का विस्तार 2746 चौ० फीट है। जमीन
खोखरा अहमदाबाद, मणीनगर, अहमदाबाद में आई हुई है।
वह जमीन सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद ने रजिस्टर्ड की है।
वह जमीन का वेयाणा दस्तावेज का रजिस्ट्रेशन नं० 13396
दिनांक 20 सितम्बर, 1983 के दिन किया गया है।

आर० आर० शाह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आहे, टी. एन. एस. -----
उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

आठव चरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई, 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2976/1/84-85—ग्रतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 76, एस० पी० नं० 2
टी० पी० एस० 2, एस० पी० नं० 4, 3 और 1 हैं तथा,
जो अनुक्रम नं० 29, हिस्सा नं० 1 और 2, घाटलिड्या,
अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का
पैदृष्ट प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षेप विनामित उपावड़ से उक्त अन्तरण विनियत में वास्तविक
रूप से कानून नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कसी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मधुबेन चौमनलाल पटेल,
गांव नारनपुरा,
जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं विद्याता देनामेंट्स,
सेनेटरी :—
श्री पुरुषोत्तम आत्मा राम पटेल,
16, भाग्य लक्ष्मी सोसाइटी,
नवा बांडा,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्द के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्रमांकों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन का विस्तार 1913 चौ० मीटर 1313 चौ०
मी०, 2000 चौ० मी० और 1913 चौ० मी० है। वह जमीन
घाटलोडिया, अहमदाबाद में आई हुई है। वह जमीन सन
रजिस्ट्रार, अहमदाबाद ने वेयाणा दस्तावेज के रजिस्ट्रेशन
नं० 13368, 13373, 13372, 13367 दिनांक 20
सितम्बर, 1983 के दिन रजिस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप भाई टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निवेदण सं० पी० आर० न० 2977/I/84-85—अतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197 वी, और 415 वी, टीपी
एम० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग, कैम्प रोड, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1008 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित इनारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5-—

- (1) श्रीमती ऊषा बहून जो हरगोपाल बास
मगनलाल की विधिवा।
- 2. श्री परमानन्द भाई मोहन लाल पटेल।
- 3. श्रीमती ज्योत्सना देवी परमानन्द भाई पटेल
गोल बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री जय शंकर कालीवास जोशी
उत्तर गुजरात पटेल नगर,
सोसाइटी, असारथा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 247.50 चौ० फी० है
जो दस्तियापुर-कासीपुर, अहमदाबाद में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार, अहमदाबाद से 4448 नं० पर तारीख 22 मार्च,
1988 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह
सहायक अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रकल्प संख्या: दी. इन. एव.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

सूचना समाचार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्ज. रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निर्देश सं. पी० आर० नं. 2978/1/84-85—अतः
मूल, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे नं. 197 और 415, टी० पी०
एस० नं. 227 हैं तथा जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मारीख 15 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्के यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी जाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या जन्म जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकाट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपार्थ में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुचरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जर, 5—

- (1) श्रीमती अजब बहन जो हरगोबिनदास
मगनलाल की विधवा
- 2. श्री परमानन्दभाई मोहन लाल पटेल।
- 3. श्रीमती ज्योत्सना बहन पी० पटेल,
गोल बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री कान्तीभाई ईश्वरभाई पटेल,
35, विष्णु नगर को० आपरेटिंग
हाऊसिंग सोसायटी, सरसपुर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभापति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
स्थिति में किए जा सकें।

सम्बोधित व्यक्ति:—इसमें प्रयुक्त व्यक्ति और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 249.70 चौ० मी० है
जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है। सब रजिस्ट्रायर
अहमदाबाद में 4456 नं. पर तारीख 15 सितम्बर, 1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 2979/1/84-85—प्रतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवरास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197/वी और 415 दी है तथा जो
शाहीबाग, कैम्प रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपारदू अनुमूली में और पूर्ण घर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, प्रहृष्टदावाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नामीख 15 सितम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छानान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विवरास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छानान प्रतिफल से, ऐसे इच्छानान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्रासादीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृँ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमत्य
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37—86 GI/84

- (1) 1. श्रीमती अजय बहन जो हरगोविन दाम
मगनलाल की विधवा,
2. श्री परमानन्द भाई मोहन लाल पठल।
3. श्री ज्योत्सना देवी परमानन्द भाई पठल,
गोल बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री बाबू भाई भक्तभाई पठल,
आर० गुजरात पठल नगर,
असारखा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी मान्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन फी तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबत में समाप्त छाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
बाबत लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
उही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में विद्या
पाया है।

अनुसूची

मफान जिसका कुल धोत्रफल 250 चौ० मीटर्स है जो
जो वरियापुर—कासीपुर अहमदाबाद में स्थित है। सब रजिस्टरार,
अहमदाबाद में 4450 न० पर ना० 15 सितम्बर, 1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रस्तुति आईटी, एन. एस. २२३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2980/I/84-85—गत:
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197 वी और 415, टी० पी०
एस० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग, कैम्प रोड, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपारद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
श्रिंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उसके अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती अजय बहन हरगोविनदास
मगत लाल की विधवा।
2. श्री परमानन्द भाई मोहन लाल पटेल।
3. श्रीमती ज्योत्सना बहन परमानन्द भाई पटेल।
गोल बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री अम्बालाल केशवलाल पटेल,
9, भरत मिलाप सोसाइटी,
संघवी हाई स्कूल के पीछे,
नारणपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
रुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो दरियापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।
जिसका कुल क्षेत्रफल 249.73 चौ० मी० है। सब रजिस्टर,
अहमदाबाद में 4455 नं० पर ता० 15 सितम्बर, 1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

श्रम बाईटी, एन.एस.-----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निदेश सं. पी० आर० नं. 981/1/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का
अनुरोध है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 197-वी और 415 टी० पी०
एस० 14 है तथा जो शाहीबाग, कैम्प रोड अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15 मितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कारदां के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

- (1) 1. श्रीमती उजम बेन जो हरगोविनदास
मगन लाल की विधवा।
- 2. श्री परमानन्द मोहन लाल पटेल।
- 3. श्रीमती ज्योत्सना देवी परमानन्द भाई पटेल
गोल बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री अमृतलाल बवाल पटेल,
आर० गुजरात पटेल नगर,
असारवा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं।
वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो दरियापुर-काजोपुर अहमदाबाद में स्थित है।
जिसका कुल क्षेत्रफल 249.63 चौ० मी० है। इव रजिस्ट्रार,
अहमदाबाद में 4460 नं. पर ता० 15 मितम्बर, 1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह
सहायक अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निवेश सं. पी० प्रा० नं० 2982/I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 197-वो एफ 415-वी, टी० पं० एस
नं० 1.4 है तथा जो शाहीबाग, कैम्प रोड, अहमदाबाद में
स्थित है (और इसमें उपावह अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) वीर अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वाय की वायत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए;
वीर/था

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,.. या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धातः :—

- (1) 1. उषा बहन हरगाविन दास
मगत लाल की विधवा।
- 2. श्री परमानन्द भाई
मोहन लाल पटेल।
- 3. श्रीमती ज्योतिना देवी परमानन्द पटेल।
गोत बाजार,
जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- (2) श्री ग्रन्थवनी कुमार भक्तीदास पटेल।
4, भरत मिलाप सोसायटी,
नारणपुरा,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्द्धन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ भी में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्तूच

मकान जिसका तुल क्षेत्रफल 243.70 वर्गमील है
जो दरियापुर-काजीपुर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, अहमदाबाद
में 4453 नं० पर सितम्बर, 1983 में रजिस्टर्ड किया गया
है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-1984

मोहर :

प्रकाश काहौं ई. एम. एस. ४ - - - -

(1) मैं शक्ति विलुप्ति एंड कंपनी, घारकोपर (वेस्ट) बम्बई 86।

(अन्तरक)

(2) आणाळन जिनानद कांचन 8 स्कंदगिरी, गणेश मन्दिर रोड, डॉबीवली (ईस्ट) जिं थाना।

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघीत के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वार्ताल में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वार्ताल में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

फ्लैट नं० 207 गुरु प्रकाश 'बी' बिल्डिंग गणेश मन्दिर रोड डॉबीवली (ई०) जिं थाना। अंक 545 स्केयर फीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नंबर 37-ई०/2206/ थाना/ 83-84 ता० 24/10/83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंजन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शक्ति कुलकर्णी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज, पूना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वास: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

तारीख: 21-2-1984

माहूर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th April 1984

No. A-32018|4|83-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 17th January, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints S/Shri D. R. Anand and V. K. Vohra permanent Programme Assistant-cum-Consol Operators in the office of Union Public Service Commission as Programmers (Group A) in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 13-4-1984 to 12-7-1984 or until further orders whichever is earlier.

Their appointment as Programmers is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 26th April 1984

No. A-32013|2|83-Admn.II.—In continuation of this office Notification No. A-32013|2|83-Admn.II(i) and No. A-32013|2|83-Admn.II(ii) dated 15th March, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Raj Kumari Anand and Shri Ram Singh (SC), Junior Research Officers as Research Officers (Group 'A') on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of 6 months with effect from 13-4-1984 to 14-10-84 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Smt. Raj Kumari Anand and Shri Ram Singh as Research Officers is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority in the said post.

No. A-32013|3|83-Admn.II(i).—In continuation of this Office Notification of even number dated 19th October, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Z. E. Sheikh, Senior Programmer, to the post of Manager (Systems Development and Chief Programmer) (Group 'A') on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of six months with effect from 13-4-1984 to 12-10-1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Z. E. Sheikh as Manager (Systems Development and Chief Programmer) is purely on ad-hoc basis and will not confer any title for regular appointment or seniority in the grade.

No. A-32013|3|83-Admn.II(ii).—In continuation of this office Notification of even number dated 20th October, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, Deputy Controller (DP) to the post of Manager (Data Preparation) (Group 'A') on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of six months with effect from 13-4-1984 to 12-10-1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri M. L. Dhawan as Manager (Data Preparation) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

No. A-32013|4|83-Admn.II.—In continuation of this office Notifications No. A. 32013|4|83-Admn. II(i) and No. A. 32013|4|83-Admn. II(ii), dated 24th October, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. T. Ramasami, Deputy Secretary & Shri K. R. P. Nair, Officer on Special Duty (Lang.) in the office of Union Public Service Commission, to the post of Joint Director (Exam. Reforms) (Group 'A') on ad hoc basis in the Commission's office for a further period of six months with effect from 13-4-84 to 12-10-84 or until further orders, whichever is earlier.

2. Their appointments as Joint Director (ER) is purely on ad hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment or seniority in the grade.

M. P. JAIN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th April 1984

No. A. 32013|1|83-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 10th January, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission as Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period from 23-3-1984 to 30-6-1984 or until further orders whichever is earlier.

2. The said appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer is subject to the approval of the Union Public Service Commission.

3. This appointment is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the post of Senior Engineer.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 18th April 1984

No. A. 32013|1|82-Admn. II.—In continuation of this office notification of even number dated the 9th November, 1983, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) to continue to officiate as Senior Research Officer (Hindi) on deputation on ad hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of 6 months with effect from 8-4-1984 to 7-10-1984 or until further orders whichever is earlier.

2. During the period of her ad hoc appointment to the post of Senior Research Officer (Hindi), the pay of Smt. Sudha Bhargava will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O. M. No. F. 1 (11)-E. III (B)|75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

3. The appointment of Smt. Sudha Bhargava as Senior Research Officer (Hindi) is purely on ad hoc and temporary basis and will not confer upon her any title for absorption or seniority in the grade.

VIJAY BHALLA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th May 1984

No. A|19015|11|84|AD. V.—Consequent upon repatriation from the Government of Madhya Pradesh, Bhopal, the following non-deputationist Inspectors|CBI, joined CBI as Dy. Superintendents of Police on ad hoc basis from the dates shown against each :—

- | | |
|---|-----------|
| 1. Shri M. M. Yadav, DSP CBI
Special Unit New Delhi | 26-4-1984 |
| 2. Shri Kirpal Singh, DSP
CBI CIU(P) New Delhi | 23-4-1984 |
| 3. Shri D. N. Choudhry, DSP
CBI CIU(A) New Delhi | 26-4-1984 |

No. A|22013|1|84|AD. V.—The Director|CBI and Inspector General of Police|Special Police Establishment is pleased to appoint the following Inspectors to officiate as Dy. Superintendents of Police in Central Bureau of Investigation

on ad hoc basis from the date mentioned against their names until further orders:-

Name of the officer, Branch to which posted and Date of ad hoc promotion

S|Shri

1. J. S. Bagaria, CIU (I)—6-4-84
2. M. M. Yadav, Spl. Unit—26-4-84
3. Kirpal Singh, CIU (P)—23-4-84
4. Raj Kishore Singh, Bhubaneswar—23-4-84
5. H. C. Bisht, CIU (P)—17-4-84 (AN)
6. D. N. Choudhry, CIU (A)—26-4-84
7. M. B. Godbole, GOW|Bombay—16-4-84
8. Satish Chander, GOW|Delhi—30-4-84
9. D. K. Choudhry, CIU (E)I—6-4-84(AN)
10. Gopi Nath Gupta, Visakhapatnam—28-4-84
11. Gauri Prasad, S.I.C.—6-4-84
12. Harbhajan Ram, Special Sunit—18-4-84
13. Albert Kanare, GOW|Bombay—10-4-84(AN)

The 11th May 1984

No. J-14|65-AD.V.—Shri J. C. Ojha D.L.A (Ad-hoc) CBI retired on superannuation on 30th April, 1984 (AN).

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF
New Delhi, the 11th May 1984

No. O.II-1939/84-Estt-1.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. (Retired) S. Banerjee as Commandant/Assistant Director (Communications) in the Directorate General, CRPF, New Delhi for a period of two years in the first instance.

2. Col. S. Banerjee took over charge of the post of Commandant/Assistant Director (Communications) in the Directorate General CRPF on the forenoon of 28th March, 1984.

No. E.2|17/84-Estt (CRPF).—Consequent upon appointment to the rank of Commandant Selection Grade, Shri K. D. S. Dullat presently on deputation with MHA has been given proforma promotion as Commandant Selection Grade wef 4th Dec. 1983.

2. This issued with the approval of MHA vide their UO Note No. 4225|JSP|84 dated 21-4-84.

Y. N. SAXENA
Deputy Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th April 1984

No. E-32015(2)|2|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. C. Lohani on promotion as Dy. Commandant CISF HQs, New Delhi with effect from the forenoon of 27th March 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(2)|1|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. N. Gargi on promotion as Assistant Inspector General (R & T) CISF HQs, New Delhi with effect from the forenoon of 27th March 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 24th April 1984

No. E-32015(2)|1|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Ishwar Singh on promotion as Commandant

CISF Unit BNP Dewas with effect from the forenoon of 6th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 25th April 1984

No. E-32015(3)|10|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri D. S. Badwal, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit FBP Farakka with effect from the forenoon of 29th March, 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 26th April 1984

No. E-16016|2|83-Pers.—On transfer on deputation from Ministry of Home Affairs Shri J. C. Cummra, has assumed the charge of the post of Section Officer in the Directorate General, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd April 1984.

No. E-32015(3)|6|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. K. Kaul, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit HFC Barauni with effect from the forenoon of 3-4-84 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 28th April 1984

No. E-32015(2)|10|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. C. Jana on promotion as Commandant CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forenoon of 4th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(2)|6|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Shyamal Roy, on promotion as Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the forenoon of 6th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(3)|9|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Z. S. Sagar on promotion as Deputy Commandant CISF UNIT ECL Kunustoria with effect from the afternoon of 3-4-84 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 30th April 1984

No. E-32015(2)|8|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri P. K. Lahiri on promotion as Commandant CISF Unit BSP Bhilai with effect from the forenoon of 6th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(2)|16|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri R. K. Mukherjee on promotion as Commandant CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forenoon of 9th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 3rd May 1984

No. E-16013(1)|6|83-Pers.—President is pleased to appoint Shri M. K. Raju, IPS (UP : 65), on promotion as Dy. Inspector General in the CISF on tenure deputation basis in the pay scale of Rs. 2000- 2250/- with effect from the forenoon of 25th April 1984 until further orders.

SURINDER NATH
Director General|CISF

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL)
APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 7th May 1984

No. F. 6-CEGAT/83.—Shri Shyam Dass Kashyap formerly working Section Officer, Ministry of Labour and Rehabilitation Department of Labour, New Delhi assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise and Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 7th May, 1984.

F. S. GILL,
President

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 2nd May 1984

No. PD/6/1308.—Shri C. P. Bhatiya, Foreman (Prodn.) is appointed on ad-hoc basis to officiate as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 in the leave vacancy of Shri Joy Peter proceeding on Earned Leave from 3-4-1984 to 2-6-1984.

S. R. PATHAK,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 11th May 1984

No. Admn. I/O O No. 72.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively the following officiating Audit Officers of this office against the permanent posts of Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates shewn against each :—

Sr. No.	Name	Date of substantive appoint- ment A.O.
1	2	3
S/Shri		
1. D.D. Bhardwaj	.	1-3-84
2. R.N. Sharma	.	1-3-84
3. S.L. Gupta	.	1-4-84
4. S.K. Roy	.	14-4-84
5. S.P. Khanna	.	1-5-84

No. Admn. I/O O No. 73.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri K. C. Sharma, a permanent Audit officer of this office, presently on deputation to the Kudal Commission of Enquiry, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-84. His date of birth is 15-5-1926.

Sd/- Illegible
Joint Director of Audit (Admn.)

New Delhi, the 16th May 1984

No. Admn. I/O O No. 70.—The Director of Audit, Central Revenues is pleased to appoint Shri Bishan Chand Rathee (SC), Section Officer as Assistant Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 3-5-1984 F.N. until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I,

Hyderabad-500476, the 11th May 1984

No. Admn. I/8-132/84-85/43.—Sri V. K. Saratchander, Audit Officer, Office of the A. G. (Audit) A.P. Hyderabad retired from service on 31-3-84 A. N.

No. Admn. I/8-132/84-85/43.—Shri M. Rajagopalan, Audit officer, office of the A. G. (Audit) A.P. Hyderabad retired from service on 30-4-84 A.N.

Sd/- ILLEGIBLE
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENTAL OF INDUSTRIAL
DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 9th May 1984

No. A. 12(684)/71-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri R. R. Fauzdar, Assistant Director (Gr. I) (GAD) in the office of Development Commissioner (SSI) New Delhi as Deputy Director (GAD) in the same Office on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon and for the period from 21-2-1984 to 19-5-1984 vice M. L. Juneja Dy. Director (GAD) granted leave.

C. C. ROY
Deputy Director(ADMN.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 1st May 1984

No. A-17011/250/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri T. R. Sachdev, Examiner of Stores (Engineering) in the Northern Inspection Circle, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on regular basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 11th April, 1984 until further orders.

No. A-17011/252/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Charanjit Bedi, Examiner of Stores (Engineering) in the Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on regular basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 17th April, 1984 until further orders.

No. A-17011/258/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri O. P. Laul, Examiner of Stores (Engineering) in the Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 11th April, 1984 until further orders.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 8th May 1984

No. EI-2(3)/75(.).—The undersigned hereby appoints Shri S. P. Chakraborty, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this Office with effect from 1st May, 1984 (F.N.) on ad-hoc basis until further orders.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 5th April 1984

No. 3100B/A-19012(3-SKB)|84-19B.—Shri Sujit Kumar Bhaduri, Sr. Tech. Asstt. (Chemical), GSI, has been appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th March, 1984, until further orders.

The 10th May 1984

No. 3413B/A-19012(1-GSA)|83-19A.—Shri G. S. Agarwal is appointed by the Director General, GSI as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on a initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 15-2-84 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

New Delhi, the 8th May 1984

No. 1383B/A-12025(4-BLV)|82-19B.—Shri Banwari Lal Verma S. T. A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules or two advance increments whichever is higher in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th June 1983, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th May 1984

No. 10|5|82-S.III|IV.—Consequent on grant of permission to retire voluntarily, Shri H. R. Nashikar, Assistant Engineer, Bombay has relinquished charge of the post of Assistant Engineer at that office with effect from the forenoon of 21st March, 1984 (FN).

The 9th May 1984

No. 10|156|82-S.III|IV.—Consequent on the acceptance of the request of Shri A. K. Thomas, Assistant Engineer, TVRC, Bhubaneshwar (DDK Cuttack) for voluntary retirement, he has been relieved of his duties in Doordarshan with effect from 1-12-1983 (FN).

MARKS N. ELIAS
Deputy Director of Administration (E)
for Director General

CIVIL CONSTRUCTION WING

New Delhi, the 11th May 1984

No. A-32014/1/83-CW-I/1175—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following persons on promotions as Asstt. Engineer (Civil) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-38—86 GI|84

35-880-40-1000-EB-40-1200|-at places and with effect from the dates shown against each :—

S.No.	Name	Place of posting	Date from which appointed
1	2	3	4
S/Shri			
1.	S.A. Hameed	AE(C), CCW, AIR, Sri-nagar.	25-2-84 (A.N.)
2.	M.N. Singh	AE(C), CCW, AIR., Almorah.	29-2-84 (F.N.)

2. Their appointment is governed by the terms contained in the order of promotion bearing No. A 32014/1/83-CW-I, dated 24-9-83 and 12-12-1983.

S.K. MOHINDRA,
E.O. to Chief Engineer (Civil)
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th May 1984

F. No. Z-28013|42|82-T.B.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Mehbubhussein M. Chauhan to the post of Scientific Officer (Junior Bacteriologist) at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18th February, 1984 and until further orders.

B. K. JANA
Deputy Director Administration (P.H.)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 7th May 1984

No. A-12023|7|76(SIH)Admn.I(Vol.II).—The President is pleased to appoint Shri K. L. Vir, Labour Officer, Ministry of Labour & Rehabilitation as Public Relation Officer in the Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of the 18th January, 1984 and until further orders.

P. N. THAKUR
Deputy Director Administration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 7th May 1984

No. PA|73(13)|83-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. (Mrs.) Ramaswamy Manjula Devi as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from 27-4-84 (Afternoon) for a period of three years.

B. C. PAL
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 5th May 1984

No. PPED|3(282)|83-Fstt.I|4264.—Director (Engineering), Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Krishnakumar, a permanent Assistant Accountant of this Division as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on regular basis in the same Division in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of April 26, 1984 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
General Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 30th April 1984

ORDER

No. C&SG/A/10(9).—WHEREAS Shri A. D. Ambavade, Tradesman 'C' C&S Group, DAE remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 4-7-1983.

AND WHEREAS a memorandum bearing No. C&SB/A/3 (416)/1700 dated March 12, 1984 was issued by the undersigned directing the said Shri Ambavade to show cause why disciplinary action should not be initiated against him.

AND WHEREAS the said memorandum was sent by registered post A/D to the last known address of the said Shri Ambavade namely at 94, Shivaraj Bhavan, Building No. 2, Elphinstone Road, Bombay-400 013.

AND WHEREAS the said letter was returned by the Postal Authorities undelivered with the remarks "not found" at the above address.

AND WHEREAS the said Shri Ambavade has continued to remain absent from duty and failed to inform the Construction & Services Group of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Ambavade has been guilty of remaining absent without intimation/permission and voluntarily abandoning the services.

AND WHEREAS because of his abandoning the services without keeping the Construction & Services Group informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry and has come to the conclusion that Shri Ambavade is not a fit person to be retained in Govt. service.

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules 1965 read with DAE Notification No. 2/2/82/Vie. dated 12-8-83 hereby removes the said Shri Ambavade from service with immediate effect.

D. R. BATLIVALA
Director

Copy to :

- (1) Shri A. D. Ambavade,
94, Shivaraj Bhavan,
Building No. 2,
Elphinstone Road,
Bombay-400 013.
- (2) Accounts Officer & AFA, C&S Group, DAE
- (3) CR file of Shri Ambavade
- (4) Personal file of Shri Ambavade.

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202 389, the 9th May 1984

No. NAPP/Admin/1(182)/84-S/1389.—Consequent on his appointment as Assistant Audit Officer in his parent department, Shri N. K. Sharma, Section Officer, in the office of Director of Audit, Northern Railway, Baroda House, New Delhi on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of April 30, 1984.

P. K. RAY
Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 10th May 1984

No. A32014/7/83-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistant, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity in the same Department with

effect from the dates mentioned against their names and until further orders —

Sl. No.	Name	Date of assumption charge as Assistant Meteorologist	3
1	2		

S/Shri

- | | |
|-------------------------------|----------|
| 1. M.L. Dayani | 15-11-83 |
| 2. Thomas Abraham | 8-12-83 |
| 3. M. Mukhopadhyaya | 25-11-83 |
| 4. I.D. Sharma | 15-12-83 |
| 5. O.P. Kapuria | 29-3-84 |
| 6. K.Z. Chawhan | 23-3-84 |

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment),
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110 066, the 23rd April 1984

No. A-24013/3/84-EA.—In supersession of this office Notification of even number dated the 12th March, 1984, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. Krishnamurthy, Deputy Director, Bombay Airport as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Region with effect from 12th March, till further orders.

G. B. LAL
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th May 1984

No. A 32013 1/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department for a period indicated against each on usual terms & conditions :—

1	2
---	---

S/Shri

- | | |
|-----------------------------|-------------------------|
| 1. A.N. Mukherji | from 1-10-83 to 30-4-84 |
| 2. S.G. Goswami | Do. |
| 3. S.R. Das | Do. |
| 4. C.D. Kolhe | Do. |
| 5. R.N. Dosanjh | from 16-9-83 to 15-3-84 |
| 6. Madhusudan Lal | from 17-9-83 to 23-1-84 |

B. BHAUMIK,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 1st May 1984

No. A-32013/7/79-E.I.—In continuation of this office Notification No. A-32013/7/79-E.I dated the 20-1-1984 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the

following Officers in the grade of Scientific Officers for the period indicated against their names :—

S. No.	Name	Period
1	2	
S/Shri		
1. B.K. Gandhi	.	1-1-1984 to 30-6-1984
2. Kuldeep Singh	.	1-1-1984 to 30-6-1984

O.P. AGGARWAL
Assistant Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi, the 4th May 1984

No. 2|3|84-Admn.1(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri M. R. Jeevan, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an offg. capacity with effect from the forenoon of the 11th April 1984 until further orders.

B. M. LALL
Under Secy.
for Chairman

MINISTRY OF RAILWAYS
RAILWAY BOARD

New Delhi, the 14th March 1984

PUBLIC NOTIFICATION

No. 82-RE|161|6.—It is hereby notified for general information of all users of Railway Lines and premises situated on SANTRAGACHI-DOMJUR section on Howrah-Amra line of South Eastern Railway, that the overhead traction-wires on these lines will be energised at 25,000 Volts AC on or after the date specified against the section. On and from the same date the Over Head Traction Lines shall be treated as LIVE at all the times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of said Over Head Lines.

Section	Date
Santragachi-Domjur (On Howrah-Amra Line)	15-2-84

PUBLIC NOTIFICATION

No. 82|RE|161|6.—It is hereby notified for general information of all users of Railway Lines and premises situated on the under noted sections of Central Railway, that the overhead Traction Wires on these lines will be energised at 25,000 Volts AC on or after the date specified against the sections. On and from the same date the Overhead Traction

Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of said OVER HEAD LINES.

Section	Date
Palwal-Kosikalan (Km. 1479 19-20 to 1438)	8-2-1984
Kosikalan-Mathura (BAD) (Km. 1438 to 1394)	1-3-1984
Mathura (BAD)-Bhandea (Km. 1394 to 1332)	15-3-1984

A. JOHRI
Secretary[Railway Board]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and the Mis. Seven Arts (P) Limited

New Delhi, the 5th January 1984

No. 4300|243|255.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Seven Arts (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

H. S. BHATIA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mis. ARC-

EN-CIEL Private Limited, Ujjain

Gwalior-474 009, the 9th May 1984

No. 1738|PS|CP|3391.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of MIS. ARC-EN-CIEL, Private Limited, Ujjain has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mrs. Ranjit

Spinning Limited, Indore

Gwalior-474 009, the 9th May 1984

No. 1762|PS|CP|3392.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ms. Ranjit Spinning Limited, Indore has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 11th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37ER|567|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 1, 1st floor, C.T.S. No. 733 (new) Sadashiv peth situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune, on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Salunkhe Builders,
113/2-B Prabhat Road,
Pune-4.

(Transferee)

(2) Shri Tilakraj Vishnudatta Agarwal,
C/o. Shri S. S. Rawat,
479, Sadashiv peth, Tilak Rd.,
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 1, 1st floor, at C.T.S. No. 733 (New) Sadashiv peth, Pune. (Area-sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4815/83-84 in the month of Sept. 83.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1984
Seal :

FORM ITN

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.**

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|561|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, Building at Lalbag Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 559[A|B-1|1] situated at Bibewadi, Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune, on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Building Lalbag Co-operative Housing Socy. Ltd., S. No. 559[A|B-1|1], Bibewadi, Pune-2.
(Area-880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3087/83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Udaychand Navalakha,
207, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|560|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203, Lalbag Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 559[A]B-1/1 Bibwewadi at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune, in December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Building of Lalbag Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 559[A]B-1/1, Bibwewadi, Pune-411 002.
(Area-880 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Pune Acquisition Range, under document No. 3082/83-84 in the month of December, 1983).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-4-1984.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5[37EE]559/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 104, Lalbag Co-op. Housing Society Ltd. S. No. 559[A|B-1|1 Bibwewadi, Pune-2, situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range Punc, on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Shri Bansilal Balchand Lunkad,
161/62, Dwarika Apartment,
Mukundnagar, Pune-411 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Building Lalbag Co-operative Housing Society, Ltd., S. No. 559[A|B-1|1, Bibwewadi, Pune-2.

(Carpet area-880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 3081-83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

(2) Mrs. Raj Harshakumar Bumb,
231(2), Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|558|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, Lalbag Co-op. Housing Society S. No. 559/A|B-1|1, Bibwewadi, Pune-2, situated at Pune-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune, in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Building of Lalbag Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 559/A|B-1|1, Bibwewadi, Pune-2.

(Area-880 sq. ft. Carpet area)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 3083/83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Petb,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60'61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37F|1|557|84-84.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 204, Lalbag Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 559|A|B-1|1, Bibwewadi situated at Pune-2.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq'n. Range Pune, in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Girish Ramanlal Navalakha,
216, Nana Petb,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Lalbag Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 559|A|B-1|1, Bibwewadi, Pune-2.
Area-880 sq. ft. Carpet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No 3084|83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-4-1984.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60,61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Re. No. IAC/ACQ.CA-5/37EE/556/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 402, Lalbag Co-op. Housing Society, Ltd., S. No. 559/A/B-1/1 Bibwewadi, situated at Pune-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune, in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

(2) Shri Vimalchand Fulchand Oswal,
181, Nana peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Building of Lalbag Co-operative Housing Sociey, Ltd., S. No. 559/A/B-1/1 Bibwewadi, Pune-2.
(Area-880 sq. ft. Carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3085/83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-4-1984,
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pradeep Construction Pvt. Ltd.,
136, Nana Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37GE|555|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103, Lalbag Co-op. Housing society Ltd., S. No. 559[A]B-1/1 Bibwewadi, situated at Pune-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on December 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Bansilal Lunkad,
161/62, Dwarika Apartment,
Mukundnagar,
Pune-411 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Building of Lalbag Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 559[A]B-1/1, Bibwewadi, Pune-2.
(Area—880 Sq. ft. carpet area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3086/83-84 in the month of December, 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60,61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC[ACQ.CA-5]37EE|554|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1420 Bhavani Peth, Flat No. 403(A) 4th floor, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
95, New Petit Mansion, Sleater Road,
Grant Road,
Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Shri Shrikant Hanumandas Muchhal,
Smt. Nirmala Shrikant Muchhal,
1105, Raviwar, peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403(A) fourth floor, 1240 Bhawani peth, Palkhi (Property as described in the agreement to sale registered (Area-700 sq. ft. carpet area))
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2973|83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-4-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
95, New Petit Mansion, Sleater Road,
Grant Road,
Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Smt. Jasumati Ratilal Soni and
Shri Vidyut Ratilal Soni (Ardeshra)
19, Kasba Peth, New Ganesh Rd.,
Pune-411 011.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5[37EE]553]84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 108(A) 1st floor, 1240 Bhavani peth, Pune-2, situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 108 (A), first floor, 1240 Bhavani peth, Paikhi Vithoba Chowk, Pune-411 002.

(Area 181 sq. ft. carpet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2680/83-84 in the month of November, 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4. the 4th April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5|37EE|84-85|552.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 112(A), 1st floor, 1240 Bhavani situated at Pune, (and more, fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at L.A.C. Acquisition Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
95, New Petit Mansion, Sleater Road,
Grant Road,
Bombay-400 007

(Transferor)

(2) Shri Mahendra H. Shah,
290/1, Ghorpade Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 112(A) on 1st floor, 1240, Bhavani Peth,
Near Palkhi Vithoba Chowk, Pune-2 (Area-273.0 sq. ft.
Carpet area.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2412/83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-4-1984.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 PRAPTIKAR SADAN
 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|551.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2 (A) ground floor, 1240 Bhavani peth situated at Pune-2, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
 95, New Petit Mansion, Sleater Road,
 Grant Road,
 Bombay-400 007.
 (Transferor)

(2) Shri Omprakash Shivnarayan Mundada,
 15/A Cycle Society,
 Quarter Gate, Rasta Peth,
 Pune.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2(A) ground floor, 1240 Bhavani Peth, Near Palkhi Vithoba Chowk, Pune-2 (Area-256.0 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 2079/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1984.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
95, New Petit Mansion, Sleater Road,
Grant Road,
Bombay-400 007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/84-85/550.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3(A), Ground floor, 1240 Bhavani Peth situated at Pune-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 3(A) Mexxanine on Ground floor, 1240 Bhavani Peth, Palkhi Vithoba Chowk, Pune-411 002.

(Area-256.0. sq. ft.) carpet area.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 3409/83-84 in the month of January, 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, FRANDAVANE, PUONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC/ ACQ/CA-S/37EE/84-85/549.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 16(A) ground floor, 1240 Bhavani peth situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune, in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(i) M/s. Champion Estate (P) Ltd.,
95, New Petit Mansion, Sleater Road,
Grant Road,
Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Shri Champalal Jivraj Mandot and
Shri Babulal Jivraj Mandot,
67, Chouban Mohalla,
Hirozabad-283 203.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16(A) Ground floor, with Mazanine, 1240 Bhavanileth, Palkhi Vithoba Chowk,
Pune-411 002.

(Area-143.0 sq. ft. carpet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2624/83-84 in the month of November, 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-4-1984.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA 5/371EP/84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 401 (A) 4th floor, 1240 Bhavani peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Champion Estate Pvt. Ltd.,
95, New Mansion, Sleater Road,
Grant Road, Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Shri Shankerlal Ramchandra Daga,
1244, Bhavani peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 (A) fourth floor, 1240 Bhavani peth, Palkhi Vithoba Chowk, Pune-411 002.

(Area—835 sq. ft. carpet area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2972/83-84 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Anand Lalchandani Anand
203 Dhoopchbaon, A-Wing,
Four Bunglow road, Varsova,
Bombay-58.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suyojana Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
9-A/2, Budhwar peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 15th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/467/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 21 Suyojana Co-op. Hsg. Society Ltd. Koregaon park situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C. ACQN. PUNE on Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 21 (Old No. 2) Suyojana Co-op. Housing Society Ltd. 9-A/2, Budhwar peth, Pune-2.
(Area—10890 sq. ft.).

(Property as described in an agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, under Doc. No. 37EE/2583/Pn/83 84 in the month of November 83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ramesh Builders, (India)
Dhiraj Chambers, 9 Waudby Rd., Bombay-400-001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/367/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-3 Hermes Tower Co-op. Hsg. Society Ltd., 618, Sachapir Street, situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune, in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Hermes Tower Co-op. Housing Society Ltd., 618 Sachapir Street, Pune-411 001.
(Area-1018 sq. ft.)

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2101 in the month of Sept. 1983).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1983
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 7th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE-368/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 401, Shivajinagar, 4th floor, C.T.S. No. 216, situated at Pune-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kumar Beharay Rathi,
783, Bhavani peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Lalchand Gandhi,
206/A Shivaji nagar, Bhagwati society,
Pune-411 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, C.T.S. No. 216, Shivaji Nagar, Pune-411 005.

(Area-630 sq. ft.)
(Property as described in the agreement of sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2103 in the month of Sept. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Shri Sai Builders,
‘Amogh’ 48, Mukundnagar, Pune-37.
(Transferor)
- (2) Mrs. V. V. Pendse,
744, Sadashiv peth, Pune-30.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 24th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/369/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 405, Akshya Chambers, 216 Narayan peth situated at Pune-411 030 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune, on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 216 Narayan Peth, Pune-30
(Area-495 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2104 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1983
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Ramesh Builders,
9 Waudby Road, Dhiraj Chambers,
Fort, Bombay-400 001.
(Transferor)
- (2) Mr. Kanaya Dataram Athwani,
791, Rani House, Agarwal colony,
Bhavini path, Pune-411 001.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/412/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, House No. 844, Dastur Meher Road, situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune on 5-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, plus mezzanine on the ground floor, Land bearing H. No. 844, Dastur Meher Road, Pune-411 001.

(Area—250 sq. ft. of shop, 125 sq. ft. of Mezzanine).

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No 1827 in the month of Sept. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 9-12-1983
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Ramesh Builders (India)
9 Wudaya road, Fort, Bombay-1.
(Transferor)

(2) Bipin Kumar L. Thakar,
Mukesh L. Thakkar
C/o. Dwarka 245 Narayan path,
PUNE.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/357/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 Chuta Manjil, Hermis Heights Co. op. Society, situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. PUNE on 2-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-4, Hermis Hoits, Co. op. Hsg. Society, 1944 Convet street, Pune-1.
(Area 1300 sq. ft.)
(Property as per Doc. Register No. 37EF/1845/83-84, Pune dt. 2-9-83 in the office of the I.A.C., ACQN. Range, Pune)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-12-83
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anusuya Tarachand Bumb,
Nasik Road, Dist. Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Modi and Shri A. S. Modi
Ghodi Bk, Tal. Igatpuri, Dist. Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 7th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37-G|1104|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 357, Ghodi Bk. situated at Igatpuri Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Igatpuri on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ghodi Kk., House No. 357, Area-14048 sq. meter.
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Jagatpuri under document No. 408 83 in the month of Sept., 9813).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

41—86GI|84

Date : 7-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1105/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouje Kupwad, Survey No. 329, Plot No. 14, Kupwad, situated at Dist. Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Miraj-I, Sangli on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Noor Mohd. Ilusain Miraj,
at Madhav Nagar-Main Road.
Regular Tailoring Firm.
Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) Sh. Jaysing Tulsiram Yadav,
Sh. Gulab Tulsiram Yadav,
at Sambarwadi, Tal. Miraj,
Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje Kupwad, Survey No. 329, Plot No. 15, Kupwad, Dist. Sangli.

(Area—7642 sq. ft).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-I, Sangli under document No. 2120 in the month of Sept., 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bhaveshwar Builders,
25, Shivkrupa, 2nd floor, Devidayal Road,
Mulund, Bombay-400 080.
(Transferor)

(2) Mr. Mahadeo Dattatraya Sane, and Mrs.
Shubhangi Mahadeo Sane, Manchrial Cement
Works, Pin-504 209
Andhra Pradesh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 28th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/569/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 101 Revenue Survey No. 102/2A situated at Hissa No. 2, City Survey No. 102, village Shivajinagar Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDEULE

Flat No. 101 of Revenue Survey No. 102/2A Hissa No. 2, City Survey No. 102 village shivajinagar, Tal. Pune.
(Area—700 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 1968/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-3-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 10th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/570/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 F.P. No. 54, Thorat Colony, Etandawana, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Amarendranath Biswas,
12/F-Brace Bridge Road,
Calcutta-700 043.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Parsuram Tambe,
16/6, Etandawana, Pune-411 004

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3, F.P. No. 54 Thorat Colony, Etandawana, Pune-411 004.
(Area—4528 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1815/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-84
Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s. K. Promoters & Builders,
58/A Kasturba Housing Society,
Vishrantwadi, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 29th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE/571]83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, 3rd floor, Gaurav Apartments, Plot No. 16, Survey No. 113, Kalas, Vishrantwadi situated at Pune-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mr. T. R. Agarwal,
C/o Mukesh General Stores,
Vishrantwadi, Alandi Road, Pune-15.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, 'Gaurav Apartments' Plot No. 16, Survey No. 113, Kalas, Vishrantwadi, Pune-15.

(Area-821 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1118|Pune-83-84 in the month of December, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922* (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 29-3-84

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Harinarayan Pannalal Malpani,
(Karta of H.P. Malpani-HUF) 1538, Shukrawar
Peth, Pune-2,
(Transferor)

(2) Mrs. Sadhana Subhash Sharma
Plot No. 1, Anand Society, Mukundnagar,
Pune-37.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/573/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 4, ground floor, Panna Chambers situated at 501, Ghoradi peth, Pune, situated at Pune-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 4, ground floor, Panna Chambers, 501 Ghoradi Peth, Pune-411 002.
(Area—240 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1960/83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Harinarayan Pannalal Malpani
(Karta of H. P. Malpani-HUF)
1538, Shukrawan Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Mangal Dnyaneshwar Bhujbal,
Avantika Apartment, Flat No. 11,
Mukundnagar, Pune-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/574/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 206-C 2nd floor, Panna Chamber 501, Ghorpadi Peth, situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 206-C 2nd floor, Panna Chambers, 501, Ghorpadi Peth, Pune-2.
(Area-356 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1673/83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Vikas Builders,
32, Apollo Street, Fort,
Bombay-400 023.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 30th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-S/37EE/575/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 304, Vikas Apt. Plot No. 35, Gajbandhan Pathrli, Ramwadi Colony, Dombivali situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Narayanbhai Mongaldas Patel,
Janki Ram Niwas, Near Gograswali Gate,
Sant Namdev Patti, Dombivali (East)
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, in Vikas Apartment, Plot No. 35, Gajbandhan Pathrli Ramwadi Colony, Dombivili, Survey No. 57. Hissa No. K (Part) Tal. Kalyan, Dombivili, Dist. Thane.
(Area—49.58 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2715 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-3-84

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vikas Builders,
32, Appollo Street, Fort, Bombay-400 023.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Balkrishna Deshnande,
Prabhat Niwas, Room No. 1 & 2 Gr. floor,
Sant Namdev Path, Near Oil Depot,
Dombivli (East), Thane.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
60/61 ERADAVANE, POONA-4

Poona-4, the 21st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/576.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103, 1st floor, Vikas apt. Plot No. 35 at Gajbha dan Patherli, Ramwadi colony, situated at Dombivli, Thane Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 103, first floor, Vikas Apartments, Plot No. 35, Gajbhandar Patherli, Ramwadi Colony, Dombivali, S. No. 57 H. No. K (Part) District Thane.

(Area—515 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2202 in the month of October, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s. Ramesh Builders (India),
Dhiraj Chambers,
9,Waudby Road, Fort,
Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Radhabai M. Bhojwani and
Mrs. Pooja V. Bhojwani,
No. 10, Agarwal Colony, Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERADAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|84-85|577.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-4, 2nd floor, House No. 1994, convent street, situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 2nd floor, House No. 1994, convent street, Pune-411 001.

(Area—1300 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1942/83-84 in the month of September, 1983.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-4-1984,
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
6061 ERADAVANE, POONA-4

Pune, the 29th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84.578.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as "the said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7, 1st floor, Shital Bldg., S. No. 120 Phadnis Baug, Agra Road, Kalyan situated at District Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gajanan Vithal Phadnis,
Shri Bhagwat Gajanan Phadnis,
Shri Madhav Gajanan Phadnis,
Phadnis Wadi, Par naka, Kalyan, Distt. Thane,
(Transferor)

(2) Shri Sudhakar Raghunath Shinde,
Lele Ali, Kalyan,
District Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Shital Building, S. No. 120, Phadnis Baug, Agra Road, Kalyan.

(Area—60.77 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2460/Thane/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 29-3-1984.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERADAVANE, POONA-4**

Poona-4, the 30th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/579.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6, 3rd floor, Guruja Shankar, Goshala Road, Near Shavaji Chowk, Kalyan situated at District Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Abhinava Builders,
Bhalerao Bhuvan, Datta Ali, Tilak Chowk,
Kalyan, District Thane.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Mohanlal Popat,
No. 12, Kanani Chawal, Dr. Ambedkar Road,
Kalyan, District Thane.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, 'Girija Shanker' Goshala Road, Near Shivaji Chowk, Kalyan, District Thane.

(Area—1021 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2465/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-3-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Road,
Shantinagar society, Pune-2.

(Transferor)

(2) Col. Indu Bhushan Goel,
9, Anand Corner,
18, Dr. Coyajee Marg, Pune-411 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERADAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/580.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 5 on 5th floor, K.P.T. 1, Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No. 17-A, Mouje Wanowarie situated at Pune-411 013 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor, K.P.T. 1m Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No. 17A, Mouje Wanowarie, Pune.
(Area—1040 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2118/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 30-3-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERADAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|581.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18, 1st floor, KPT-2 Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17A situated at Wanowarie, Pune-411 013 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Road,
Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. M. R. Premkumar,
18/216 Netaji Nagar, Wanowarie,
Pune-40.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 18, 1st floor, in KPT-2, Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17A Wanowarie, Pune-411 013. (Area—720 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1939|83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Purnada P. Karandikar,
35/18, PWD Colony, Erandawana,
Pune-38.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Girish Karandikar,
1225/E, Durga Prasad,
Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/582.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No.3, Plot No. 2, Survey No. 30/A/6/1/2 Kothrud situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 2, Survey No. 30/A/6/1/2 Kothrud, Pune.

(Area—878 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2241/83-84 in the month of Sept., 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 2-4-1984.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONT-4

Poona-4, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/583.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5, CTS. No. 3025/6 S. No. 93A-1 Bhamburda situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. K. M. Gunjal Family through M/s. Hindustan Builders, 836, Sadashiv peth, Pune-411 030.
|| (Transferor)
- (2) Mrs. Kamala Indrasen Patil and Mrs. Shobhana Avinash Jathar, partners of Uma Enterprises, 820/4, Suruchi Society, Bhandarkar Institute Road, Shivajinagar, Pune-4.
|| (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Dhanalaxmi Apartment at C.T.S. No. 3025/6 S. No. 93A-1 Bhamburda, Pune.

(Area—310 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1841/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1984,
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Road,
Pune-2.

(Transferor)

2) Mr. Ramzanali Sheikh,
606, Shukrawar peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 30th March 1984

Ref. No. IAC. ACK/CA-5-37/EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 503, K. P. Tower, Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No. 17A Wanowarie, situated at Pune-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, K. P. Tower—1—Plot No. 2, Hissa No. 8
S. No. 17A, Wanowarie, Pune-13.

(Area—730 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2116/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—86G/84

Date : 30-3-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/84-85/586.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 426, 4th floor, B-Wing, Clover Centre situated at 7, Moledina Road situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vijay Enterprises,
515, Rewa Chambers,
New Marine Lines,
Bombay-400 020.

(2) Mrs. Kala A. Gurnani,
1/10, Saraswati society,
819, Bhavani peth, Pune-2.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 426, 4th floor, B-Wing, Clover Centre, 7, Moledina Road, Pune-1.

(Area—665 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2100/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/585.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 5, ground floor, Panna chambers, 501, Ghorpadi peth, situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harinarayan Pannalal Malpani,
(karta of H. P. Malpani-HUF)
1538, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Pyaribai Girdharilal Sharma,
Plot No. I, Anand Society Mukund Nagar, Pune-37.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 5, on the ground floor, in Panna chambers, 501 Ghorpadi Peth, Pune-411 002. (Area-240 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1959 83-84 in the month of Sept. 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/572.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 206, A & B in second floor, in Panna chambers, 501, Khorpadi peth, situated at Pune-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune in Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harinarayan Pannalal Malpani, (karta of H. P. Malpani-HUF) 1538, Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Dnyaneshwar Bhiku Bhujbal Avantika Apartments, Flat No. 11, Mukundnagar, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 206, A&B second floor in Panna chambers, 501 Khorpadi peth, Pune-2.

(Area—493 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1674/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 5-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Uma Chatterjee,
R/o 29, Banamali Chatterjee Street,
Calcutta-2.

(Transferor)

(2) Smt. Kasho Kumari Devi,
At/P. O. Nathnagar,
Distt. Bhagalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 4th May 1984

Re. No. III-923|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 70, Plot No. 137 ka, 137 kha and 137 ga, Ward No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P. O. Distt. Bhagalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 16 (of 1908) in the office of the Calcutta on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O. Distt. Bhagalpur and more fully described in deed No. I-8896 dated 2-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Chatterjee,
R/o 29, Banamali Chetterjee Street,
Calcutta-2.

(Transferee)

(2) Smt. Meena Devi,
At P.O. Nathnagar,
Distt. Bhagalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 4th May 1984

Ref. No. III-922/Acq./84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 70, Plot No. 137 ka, 137 kha and 137 ga, Ward No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi Chak, Patel Babu Road, P.O./Distt. Bhagalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O./Distt. Bhagalpur and more fully described in deed No. I-8900 dated 2-9-1983 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Lalchand A. Agrawal,
2. Smt. Neelam R. Agrawal,
3. Smt. Manju V. Agrawal,
R/o Civil Lines,
Nagpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Champalal M. Rathi,
2. Shri Purshottam M. Rathi,
3. Shri Murlidhar M. Rathi,
R/o Kharetown, Dharampeth,
Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 31st March 1984

No. IAC/ACQ/86/14/83-84.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
as per Schedule
Plot No. 47 with hage Khareton, Dharampeth, Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Nagpur on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 47 with hage Khareton, Dharampeth, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-3-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Hiran Bala Chatterjee,
R/o 29, Benamali Chatterjee Street,
Calcutta-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghunath Prasad,
At P. O. Nathnagar,
Distt. Bhagalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 4th May 1984

Ref. No. III-924/Acq/84 85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 70, Plot No. 137 ka, 137 kba and 137 ga, Ward No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O.[Distt. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

.025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O.[Distt. Bhagalpur and more fully described in deed No. I-8898 dated 2-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Chatterjee,
R/o 29, Banamali Chatterjee Street.
Calcutta-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Patna-800001, the 4th May 1984

Ref. No. III-927/Acq./84-85.—Whereas, I,
P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-
tax, Acquisition Range, Bihar Patna,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 70, Plot No. 137 ka, 137 kha and 137 ga, Ward
No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi
Chak, Patal Babu Road, P.O. Dist. Bhagalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

* (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

.025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi
Chak, Patal Babu Road, P.O. Dist. Bhagalpur and more fully
described in deed No. 1-8990 dated 2-9-83 registered with
Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Madan Mohan Chatterjee,
R/o 29, Banamali Chatterjee Street,
Calcutta-2.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi,
At P. O. Nathnagar,
Distt. Bhagalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 4th May 1984

Ref. No. III-925/Acq./84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 70, Plot No. 137 ka, 137kha and 137 ga, Ward No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O. [Dist. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

.025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O. [Dist. Bhagalpur and more fully described in deed No. I-8940 dated 2-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhola Nath Chatterjee,
R/o 29, Banamali Chatterjee Street,
Calcutta-2.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Prasad,
At P. O. Nathnagar,
Distt. Bhagalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800001, the 4th May 1984

Ref. No. III-926[Acq]84-85.—Whereas, I,

P. K. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khatia No. 70, Plot No. 137 kha and 137 Ga, Ward No. 12, Cl. No. 3, H. No. 33 situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O./Dist. Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

.025 Hectors land with building situated at Mohalla-Mundi Chak, Patal Babu Road, P.O./Distt. Bhagalpur and more fully described in deed No. 1-8939 dated 5-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Tandon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 31st January, 1984

G. L. R. No. T-36[Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3 situated at Hewett Road (Vivekanand Marg), Allahabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Allahabad on 1-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Tribhuvan Nath Gupta.
2. Smt. Shobha Rani Gupta.

(Transferred)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3, measuring 246.44 sq. mtrs. situated at Hewett Road (presently known as Vivekanand Marg), Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4277, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 1-9-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-184
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW
 Lucknow, the 6th April 1984

G.I.R. No. T-37|Acq.—Whereas, J. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi No. 283 situated at Village Nawada Jogiyan, Tehsil and Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the registering officer at Bareilly on 26-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Bhim Sen
 2. Mewa Ram
 3. Thakurdas
 4. Umedi
 5. Jamna Prasad
 6. Smt. Prema Devi
 7. Pramod Kumar (Minor)
 8. Lalit Kumar Alias Lalta Prasad (Minor)
 Minor sons through their mother and Natural
 Guardian Smt. Prema Devi
 9. Ram Avtar
 10. Smt. Har Devi
 11. Charan Singh (Minor)
 Through his mother and natural guardian
 Smt. Har Devi
- (Transferors)

- (2) Tulsi Nagar Sahakari Avas Samiti Ltd., Bareilly,
 Through Secretary,
 Shri Hukum Singh.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari No. 283, measuring 2 Bighas 13 Biswa and 10 Biswansi—8091 sq. yards, situated at Village—Nawada Jogiyan, Pargana, Tehsil and Distt. Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8501, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly on 26-9-1983.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2983Acq23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 197-B+415 TPS, 14-FP.227 situated at Dariapur Kazipur A'bad, (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deceased Ujamben widow of Shri Hargovandas Maganlal Through Executrix :
1. Shri Parmanandbhai Mohanlal Patel.
2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
Gol Bazar, Jabalpur (M.P.).

Transferor(s)

(2) Shri Vithalbhai Jechandbhai Patel
Manhar Society—Camp Road,
Shahibaug—Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 243.84 sq. mtr. situated at Dariapur Kazipur S. No. 197-B+415 B FP 227 Shahibaug, A'bad duly registered by S.R. A'bad vidz sale deed R. No. 4448| September, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. H. Jagannathasa &
2. Shri K. J. Nagesh. (Minor)—
No. 59, Chikkaunawma,
Temple Street.
Sunkulpett,
Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramanna,
2. T. Ramachandra.
No. 125, Lower Palace Orchards.
VI Cross, Bangalore-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C. R. No. 62[40771]83-84]ACO[B.—

Whereas, I, MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 10 (New), situated at Mission Road, Lalbagh Road,
Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Gandhinagar on 22-9-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :&

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1856[83-84] Dated 22-9-1983)

Property bearing No. New-10, situated at Mission Road,
Lalbagh Road, Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 11-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Azemunnisa Begum,
No. 73/15, Ratnavilasa Road,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri T. K. Doraiswamy
2. Smt. D. Yashoda,
No. 81-A, 31st Cross,
Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C. R. No. 62/40689/83-84/ACQ/B--Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Old 73/71, New Corp. No. 73/15/1 situated at Ratna-
vilasa Road, Basavanagudi, Bangalore-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at Basavanagudi
on 9-9-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of--

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2107/83-84 Dated 9-9-1983)

Property bearing No. Old 73-71, New Corporation No.
73/15/1, Ratnavilasa Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C. R. No. 62|40745|83-84|ACQ|B.—

Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 500, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 22-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. B. Ghodke,
No. 61, Bhaktawar Anex.
Narayan Dhabolkar Road:
Malbaji Hill,
Bombay-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Mariane Bai and
Miss Asma Yakob,
No. 17/13, Spencer Road,
Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1633|83-84 Dated 22-9-1983)

Property bearing No. 500, H.A.L., II Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C. R. No. 62/40769/83-84/ACO/B.—
Whereas, I, MANJU MADHAVAN,**Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing**

Plot No. 16/6 (Old No. 16/A-1), situated at Benson Cross Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar dt. 19-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. V. M. Kesavachandra Rao,
No. 10, 28th Lane, Colombo-3,
P. A. Holder,
Mr. N. S. Sivaramakrishnan,
Mr. N. S. Sivaramakrishnan,
Benson Town, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Shrimati Sudarshan Agarwal,
No. 2113, High Point-2,
S. I. Apartments,
Palace Road,
Bangalore.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1792/83-84 Dated 19-9-1983)
Property bearing No. 16/6 (Old No. 16/A-1). Situated at Benson Cross Road, Bangalore.MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1Date : 11-4-1984
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri B. Raja Rao,
No. 67, Ranga Rao Road,
Shankarpuram,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th April 1984

(2) Shri N. Srinivasa Reddy,
No. 1197, V Cross, 27th Main,
Jayaprakashnagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2051/83-84 Dated 12-9-1983)
Property bearing No. 71-26, situated at VIII Block, Jayanagar Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Date : 18-4-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1984

C. R. No. 62/40737/83-84/ACQ/B.—

Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 138, 139, 139/1 and 140 situated at R. V. Road, V. V. Puram, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi on 16-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri J. Muniramaiah,
No. 49, Surveyor Street,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati M. Saroja,
P. A. holder
Mr. R. M. B. Aradhya,
No. 26, Viswanatha Rao Road,
Madhavanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2190/83-84 Dated 16-9-1983)

Property bearing No. 138, 139, 139/1 and 140, situated at R. V. Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishnaji Ganapati Haladipurkar,
R/o Dharwad.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Bharat Damodar Karaguppikar.
2. Shri Dilip Damodar Karaguppikar, both
R/o Kakati Tal & Dist: Belgaum.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th April 1984

Ref. Notice No. 744/83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 22/8 situated at Kakati Village, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Office of the Registering in Tal: Belgaum at Belgaum on 14-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 1808/83-84, dated 14-9-84.

Agricultural land bearing R.S. No. 22/8 situated at Kakati Village, in Taluka: Belgaum.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Ibrahimsab S/o Madarsab, Bijapuri
R/o Mominpur, Bangalore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shree Shankar Cement Works, (P) Ltd., by its Director Shri Rameshchandra Lahot, R/o Kusnoor Village, Rajapur, Hirenandur Road, Gulbarga.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th April 1984

Ref. Notice No. 745|83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land SY. No. 136|1 situated at Kusnoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga on 30-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2424|83-84 dated 30-9-1983.

Non-agricultural land purchased for Industrial purpose bearing SY. No. 136|1 to the extent of 7 Acres and 8 Gunthas situated at Kusnoor Village, Gulbarga.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1984

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ismail Sab S/o Madarsab Bijapuri
R/o Mominpura Gulbarga.
(Transferor)
- (2) M/s. Shree Shanker Cement Works, Pvt. Ltd., by its
Director, Rameshchandra Lahoti R/o Gulbarga.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th April 1984

Ref. Notice No. 746/83-84.—Where, I, MRS. MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land SY. No. 136/1 & 136/2 situated at Kusnoor village Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), the Registering Officer under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga on 30-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Registered Document No. 2425/83-84, dated 30-9-1983.
Non-agricultural land bearing SY. No. 136/1 and 136/2 situated at Kusnoor Village, Gulbarga, purchased for Industrial purpose.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hanmantha Rao Krishnarao Deshmukh,
R/o Station Bazar, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Shri Nagaraj Venkatarao Kulkarni,
R/o Station Bazar, Gulbarga.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th April 1984

Ref. Notice No. 747/83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Lands SY. No. 50 & 66 situated at Kotnoor village TQ & Dist. Gulbarga (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2223/83-84, dated 12-9-1983.

Agricultural land bearing SY. No. 50 & 66 situated at Kotanoor, Village, TQ & Dist: Gulbarga.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40751|83-84|ACQ|B.—Whereas,
 I, MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 No. 434 and 435 situated at Banashankari II Stage,
 Bangalore
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
 of the Registering Officer
 at Jayanagar dated 16-9-83
 for an apparent consideration and which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen percent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Vasudev, P.A. holder Mr. Venkatesh Bhimrao
 Kulkarni, No. 490, Banashankari II Stage,
 B'lore.

(Transferor)

(2) S/Shri A. Srinivasan, 2. A. Subramanyam,
 3. A. Rajamani Kyani, No. 2257, 22nd cross
 Banashankari II Stage, B'lore-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the res-
 pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2130|83-84 dated 16-9-83)
 Property bearing No. 434 and 435 situated at Banashankari
 II Stage, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 12th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40714|83-84|ACQ|B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 55, situated at IX Main, Binnamangala II stage Indiranagar, Bangalore
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar dt. Sept. 83
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri M. B. Raj, No. 55, IX Main Indiranagar Blore-38.
 (Transferee)
- (2) Shri G. Ganeshan, No. 28, II Cross, Journalist Colony, Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1487|83-84 dt. Sept. 83)
 Property bearing No. 55, situated at IX Main, Binnamangala II Stage, Indiranagar, Bangalore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-84
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. T. S. Padmavathi, 2, Sri Ravi Shankar Tallam,
No. 3/24, Kaveriappa Layout, Bangalore-52.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ratna Suresh Shinde, Renuka Bhavan,
No. 1201/5, Golay Road, Puna-5.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40694/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Lower Palace Orchards, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar dt. 2-9-83
August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1640/83-84 dated 2-9-83)
All that property bearing No. 12, situated at Lower Palace Orchards, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd April 1984

Ref. No. C. R. No. 62/41538/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, **MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, situated at Pipeline West, Karithimmanahalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Basavanagudi dt. 21-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. P. Muddaveera Shetty,
2. S. M. Nagaraj, 3. Mrs. Nagarathna, 4. S. M.
Nagendraprasanna, 5. Smt. Vanaja Shivaganga,
Nelamangala Taluk, B'lore Dt.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Gupta 48/7, Rangarao Road,
Shankarapuram, B'lore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2274/83-84 dated 21-9-83)
Property bearing No. 76, situated at Pipeline West, Karithimmanahalli, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-84

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

- (1) Shri R. Ravishankar, No. 198 (54), Rama Iyengar Road, V. V. Puram, B'llore-4.
(Transferor)
- (2) Smt. M. Padmini Holla, No. 322, Chinmaya Mission, Hospital Road, Indiranagar, B'llore-38.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62[40744]83-84[ACQ]B1.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New No. 321[1], situated at Chinmaya Mission, Hospital Road, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Shivajinagar dt. 22-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1623[83-84] dated 22-9-83)
All that property bearing No. 321[1] situated at Chinmaya Mission, Hospital Road, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/41373/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K. No. 1970 situated at Kacharkanahalli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk on 8-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri K. P. Shamanna
2. Shri K. P. Munireddy,
3. Sri K. P. Murthy
No. 101, Kacharkanahalli,
Bangalore North Taluk.

(Transferor)

- (2) Shrimati Mary Jude Brendra Thomas rep by
Sri Morris-Sebastian D'Souza,
No. 28, Hutchins Road Extension
St. Thomas town B' ore-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3223/83-84 dated 8-9-83)
All that property bearing No. K. No. 1970 situated at Kacharkanahalli, Bangalore North Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

Date : 23-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. S|Shri K. P. Shamanna 2. K. P. Mundireddy, 3. K. P. Murthy, No. 101, Kacharkanahalli, B'lore North Taluk, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Felix Reymond Thomas, P. A. Holder Mr. Morris Sebastian No. 28, Hutchins road Exten. D'Souza, St. Thomas Town, B'lore-84.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3225|83-84 dated 8-9-83)

Property bearing No. 1970, situated at Kacharkanahalli B'lore North Taluk, B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 23-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri S. Joseph 56, Kenchappa Road,
Cox Town, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Sri M. Krishnamurthy No. 2, 9th Cross,
K. Kamarina Road, Bangalore-42.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/41504/83-84/ACQ.B.—Whereas, I.

MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31 (Northern Portion)
situated at Wheeler Road, Fraser Town, Bangalore-5.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 1622/83-84
dt. 21-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1622/83-84 dated 21-9-83)
Premises No. 31 Northern Portion) of Wheeler Road,
Fraser Town, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 26-4-84
Seal :

FORM ITNS

- (1) Kumari Irla Martelli 16/5th Cross B.
Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Smt. Alice John 86, 3rd Cross Nandidurg Road
Exten, Bangalore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th April 1984

Ref. No. 62/41403/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 201/1 New No. 16 situated at 5th cross B. Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 1547/83-84 dt. 13-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1547/83-84 dated 13-9-1983).
Vacant site No. 201/1 new No. 16 measuring 1800 sq. ft situated at 5th Cross B. Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—86GI/84

Date : 26-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/41402/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, **MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/12 situated at III Cross, Hutchins Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore under Document No. 1553/83-84 dt. 14-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri K. Madhavan 22/12, Hutchins Road, 3rd Cross, St. Thomas Town, Bangalore. (Transferor)
- (2) Sri R. Srinivasan, 8/4 Harris Barracks Ulsoor, Bangalore-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1553/83-84 dated 14-9-1983)
Premises No. 22/12-III Cross Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

Date : 26-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. V. T. Mary W/o V. A. Andrew,
No. 19, Infantry Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Mrs. Mallika Begum, w/o Mohd. Aleem
No. 16 Infantry Road, Bangalore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th April 1984

Ref. No. C.R. No. 40712/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 situated at Infantry Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 1448/83-84 dt. 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1448/83-84 dated 15-9-83)
Property No. (old) 11/1 New No. 16, Infantry Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd April 1984

Ref. No. 62/40738/83-84/AC/B.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1179, situated at Ashok nagar, B.S.K. I Stage-Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Basavangudi, Bangalore under Document No. 2249/83-84 on 19th September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(1) Shri K. T. Thimme Gowda,
S/o Ane Thimme Gowda,
No. 1179/70-X-Cross,
Ashoknagar, B.S.K. I Stage,
Bangalore-50.

(2) Shamasunder and Mrs. Leela V. Morey,
Leela V. Morey, W/o V. J. Morey,
No. 56/4 15th Cross, No. 166 Subba Rama Shetty
Road, Basavangudi, Bangalore-4, Maheshwaram,
Bangalore.

(Transferor)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2249/83-84 Dated 19-9-83)
House property bearing Municipal No. 1179, situated in Ashoknagar, B.S.K. I Stage, Bangalore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 26th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40698/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 850/4-1 (New) 12/4-1 situated at Lokaranjan Mahal Road, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 2336/83-84 dt. 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri H. N. Pallegar (Retd.)..
Divisional Commissioner,
D. No. 850/4 (New) 12/4-Mirza Road.
Nazarbad. Mysore-10.
(Transferor)
- (2) Smt. N. M. Sheela,
D/o Shri N. N. Malikarjunappa,
D. No. 850/4-1 (New) 12/4-1.
Lokaranjan Mahal Road,
Ittigegud, Mysore-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2336/83-84 Dated 2-9-83)

House Property with apartment land bearing No. 850/4-1 ((New) 12/4-1 Lokaranjan Mahal Road, measuring about 15 squares and land measuring 1394.61 Sq. mtrs., Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th April 1984

Ref. No. 62/40700/83-84/Acq/B.—Whereas, I, MANU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 146, 3rd Block situated at 8th Cross, Kalidasa Road, V. V. Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of at Mysore under Document No. 2340/83-84 (dt. 2nd September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ramachandraiah,
S/o Chikka Subbaraya,
2714/1, Kalidasa Road,
8th Cross, V. V. Mohalla, Mysore.

Transfer(s)

(2) N. V. Sukumar,
S/o Vishwanath,
Nandi, Nanthapura Periyapatana,
Patara Taluk, Mysore Dist.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2340/83-84 Dated 2-9-1983)

House bearing Door No. 146, situated in 8th Cross, III Block Kalidasa Road, V. V. Mohalla, Mysore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date :26-4-1984

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 01, the 26th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/41399[83-84]ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, situated at St. John's Church Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 1456/83-84 Dt. 1-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Abdul Bari,
3, Bore Bank Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Saleem Shariff and
Mrs. Abida Begum,
Both are r/o 99, Neckan Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1456/83-84 Dated 1-9-1983)
Residential premises No. 95, St. John's Church Road, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 26-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th April 1984

Ref. C.R. No. 62|41415|83-84.ACQ|B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 678 situated at Magadi Chord Road, Extension, Bangalore
(Vijayanagar), Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Srirampuram Banglow, under Document No. 1599|83-84 dt.
9-9-1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. T. G. Jayalakshmi, W/o Late T. S. Gopalakrishnan,
(2) Mrs. Nararathna,
D/o Late T. S. Gopalakrishna,
No. 32 24th Cross,
N.H.S. Colony Phase-II, Thimmenahalli,
Bangalore-79.

Transferor(s)

- (2) Dr. G. Viswawaraiah,
No. 38, 11 Main Road, Chamrajapet,
Bangalore-18.

Transferee(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1599/83-84 Dated 9-9-1983)
Vacant site No. 678 Magadi Road, Chord Road Extension,
Vijayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Pushpa K. Gopal, W/o M. Krishna Gopal & 2. Shri M. Krishnagopal, Kankanadi, Mangalore.
(Transferor(s))
- (2) 2. Shri K. Sateeshchandra Heggade S/o Late Shri S. Hiriyantha Heggade R/o Ajjarkadu, Udapi, S. K.
Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd May 1984

Notice No. 748/C.R. No. 62/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal Asst. No. 1195:1144 situated at Teerth-hally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Teerth-hally under document No. 656/83-84 on 21-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 656/83-84, dt. 21-9-1983.
Property bearing Municipal Asstt. No. 1195 : 1144 situated at Teerth-hally, Shimoga Dist.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

MADRAS-600 006

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 13227.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/24A, 1/24A/1, Syrian Kandathu,
situated at Colony, Ganapathy, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipurum, Coimbatore (Doc. 3517/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Saraswathy,
13, Mariyappa Pillai St.,
Pollachi.

(Transferor)

(2) A. Vijayalakshmi,
1/24A, Syrian Kandathu Colony,
New Siddapudur,
Coimbatore-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/24A, 1/24A/1, Syrian Kandathu Colony, New Siddapudur, Coimbatore-47.
(Doc. 3517/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M. N. Gopalswamy, Raghu G. Rao,
Ram G. Rao,
3, Indrajit 17th Road,
Santacruz, West Bombay.

(Transferor)

(2) D. Raja, R. Jeeva Raja,
157, North Usman Road,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Land at 38, Murugesa Mudali St., Madras-17
(Doc. 1009/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Telugu Film Procedures Council,
604, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Vijayagowri,
9, Sivagnanam Road,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19243.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, Chari St., situated at Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1116/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 1, Chari St., Madras-17.
(Doc. 1116/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) V. Sampathkumaran,
32, Rajendra Prasad St.,
Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) R. Jayachandran,
11, Govindan St.,
Madras-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

Ref. No. 19076.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 39 and 40/2, Rajendra, situated at Prasad St., Madras-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 909/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 39, 40/2, Rajendra Prasad St. Madras-33.
(Doc. 909/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM IFNS

(1) K. V. Nagamani,
32, I Cross St.,
Madras-24.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajeswari Vaidyanathan,
42, Venkatesan St.,
Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19075.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sarangapani St., situated at Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Nagar (Doc. 908/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Sanangabanist Madras-17.
(Doc. 908/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M. S. Rajagopalan & others,
59, Thambiah Reddy St.,
Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19077.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, Thambiah Reddy Road, situated at Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 905/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 59, Thambiah Reddy Road, Madras-33.
(Doc. 905/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. Jejodiah,
15, Boag Road,
Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. K. N. Ummath, S. C. M. Guldee,
S. M. A. Kabeer, 43, CIT Colony,
Madras-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19278.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15, Boag Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 992/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 15, Boag Road, Madras-17.
(Doc. 992/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Nanjappa Gr.
10/6, Idayalayam,
Coimbatore-25.

(Transferee)

(2) A. Velraj, Manivasakan & Co.
425, Oppanakara St.,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 13232.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 15,000/- and bearing No.

S. No. 371/3, Goundampalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3568/83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 371/3, Goundampalayam, Coimbatore.
(Doc. 3568/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
49—86 GI/84

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 18973.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 44, Nelson Manicka Mudaliar Road, situated at Madras-29, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3192/83) on September 83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Leela Thomas, 21A, Railway Colony, Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras-29.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Velan, 10, Kapali Nagar, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 44, Nelson Manicka Mudaliar Rd., Madras-29.
(Doc. 3192/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M. Natarajan,
70, Tower Block
Madras-600 018.

(Transferor)

(2) Krishnaswamy,
798-C, K. K. Nagar,
Madras-78.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19340.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 798-C, Kodambakkam-pudur situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
as been transferred under Registration Act, 1960 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at Madras North (Doc. 3049|83), on September 83.
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 798-C, Kodambakkam-Pudur
(Doc. 3049|83).

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19295.—Whereas, I,
 R. P. PILLAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and
 bearing No. 17, Bharathi Road, situated at
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
 of the Registering
 Officer at Puraswakkam (Doc. 1634/83) on September 83,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. K. Jayaraman,
 V. K. Lakshmanan,
 V. K. Srinivasan,
 Kamla,
 Chandrasekaran,
 Geetha,
 Rama Rodhakrishnan,
 Balasubramanian,
 Uma,
 4, Patel Road,
 Madras-11.

(2) V. Thiagarajan,
 10, Subramania Mudali Street,
 Madras-11.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17, Bharathi Road, Madras-11.
 (Doc. 1634/83).

R. P. PILLAI
 Competent Author
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-t
 Acquisition Range-
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
 Seal :

FORM ITNS

(1) R. Jothi Ranganathan
9B, Sivaganga Road,
Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Thiagarajan,
67, Murthy Street,
Madras-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 19228.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. 67, Murthy Street, Madras-33 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadambakkam (Doc. 3398|83) on September 83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 67, Murthy Street, Madras-33.
(Doc. 3398|83).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 18975.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. RS 4785, 20, Habibullah Road, situated at
Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at North Madras (Doc. 3119|83) on September 83,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sardarini attar Kaur,
21, Habibullah Road,
Madras-17.

(2) Manjit Kaur,
21, Habibullah Road,
Madras-17.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 20, Habibullah Road, Madras-17
(Doc. 3119|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Padmavathi Bai
 Nagaraja Rao
 38, Murugesa Mudali St.,
 Madras-17
 Leela Jagannatha Rao,
 1248-32, G. Cross IV Block,
 Jayanagar, Bangalore
 Malathy Krishnaswamy Rao,
 37, SBM Colony,
 Hanumanth Nagar,
 Bangalore

(Transferor)

(2) R. Jeeva Raja and
 D. Raja, 157, North Usman Road,
 Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITION RANGE-II,
 MADRAS-600 006

Objection, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19279.—Whereas, I,

R. P. PILLAI;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, Murugesa Mudali St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 961, 962, 963/83) on Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tranferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 38, Murugesa Mudali St., Madras-17 (Doc. 961, 962, 963/83).

R. P. PILLAI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19280.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. 118, 119, 120, Sir Thiagaraya Road, situated at
Madras-17.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 958, 959, 960[83]) on Sept., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) G. Rathnavalli,
G. Ravinder, Indira
Shanthakumar,
Coogee, South Waloo,
Australia
P. S. Santhanakrishnan,
9, Bellary Road,
Upper Palace Orchard,
Bangalore
P. M. Krishnaveni,
P. M. Sivakumar,
P. M. Vijaykumar,
120, Thiagaraya Road,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Muguntha Subbarama Reddy
Mugunda Sudakar Reddy,
Muguntha Parvathy,
Muguntha Sevalatha,
Muguntha Geetha,
4, Chinniah Pillai St.,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 118, 119, 120, Sir Thagraya Rd., Madras-17.

(Doc. 958, 959, 960[83]).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 9-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) R. Selvanayaki,
6, Kuppuswamy St.,
Madras-17.

(Transferee)

(2) T. S. Meenakshi,
S. Mahadevan,
2, Sundrarajan St.,
Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19244.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. 6, Kupuswamy St., situated at Madras-17,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at T. Nagar (Doc. 1105, 1106/83) on September 83.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Kupuswamy St., Madras-17.
(Doc. 1105, 1106/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Acquisition Range-II
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-
ing persons, namely :—
50—86 GI|84

Date : 9-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) K. S. Bhaskara Rao,
15, Coats Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19264.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, Rajamannar St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1042, 1043, 1044/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Padmav Rao, Block 7 (First floor, 63, G. N. Chetty Road, Madras-17.
P. J. Jacob, 0/8, Ramamurthy St., Nehru Nagar, Madras-44.
Shiny Rosa, 0/8, Ramamurthy St., Nehru Nagar, Madras-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 16, Rajamannar St., Madras-17.
(Doc. 1042, 1043, 1044).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-4-84.

Seal :

FORM ITNS

- (1) K. V. Ramana, 14, Club Road, Madras-31.
(Transferor)
(2) K. C. Shivasankar, I.8, Mahalakshmi Flats,
Harrington Road, Madras-31.
M. Vasudevan, 340, Sarojini Devi Lay out
Tirupathi, AP.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 19290.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, Pycrofts Garden Road, situated at Nungambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 86, 87/83) in Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Land at 20, Pycrofts Garden Road, Nungambakkam, Madras-34.
(Doc. 86, 87/83).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-84.

Seal :

FORM ITNS—

(1) V. Parthasarathy, 111, Thiagaraya Road,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R. Mahendramani, 78, Vysial St.,
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19262.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Ramachandra Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1069|83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and building at 2, Ramachandra Road, Madras-17.
(Doc. 1069|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-84.

Seal :

FORM ITN

- (1) Mrs. Rafia Begam, 28, Audiappa Mudali St., Madras.
(Transferor)
- (2) Deota Anand Misra,
177, Linghi Chetty St., Madras-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Office of the INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19270.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. RS 501, A Udiappa Mudali St., situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Purasawalkam (Doc. 1675/83) on September 1983 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1—76GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Audiappa Mudali St., Madras.
(Doc. 1675/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 9-4-84.
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Madanchand Semdaria, Gyanchand Kishore Chand, D. Nagarajan, P. Sellakani, Padma Gopalan, S. N. Chandrasekaran 39, Veerappan St., Madras-79.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Subbu Real Estates, 17, B. N. Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1984

Ref. No. 19282.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 36|44, 35|1, 32, Pathari Road situated at Anna Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 101|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 36|44, 35|1, 32, Pathari Road, Anna Road, Madras-6.

(Doc. 101|83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984.
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th April 1984

Ref. No. 158/Sep./83.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, situated at Andiappa Naicken Street, Choolai, Madras-112 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, (Doc. No. 961/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M. Govindarajan, Slo. G. T. Manickka Naicker, Thirulokachander, Sridhar, Mohan, 6, Manickka Naicker Street, Purasawalkam, Madras-600 007.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Saraswathi Ammal, W/o. Late K. N. Govindaraj, K. G. Balaji (Minor), 25, Andiappa Naicken Street, Choolai, Madras-600 112.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 25, Andiappa Naicken Street, Choolai, Madras-600 112.

(Doc. No. 961/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th April 1984

Ref. No. 10|Sep.|83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 631|1C, situated at Attur Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Attur (Salem), (Doc. No. 2427|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri A. Mani,
 S/o Appavu Udaiyar,
 Karuthan Street,
 Attur Town,
 Attur T. K.
 Salem Dist.

(Transferor.)

(2) Shri B. Baskaran,
 S/o Balasubramaniam,
 Kalaiselvi,
 125, Adithiravidar Colony,
 Paithur Road,
 Attur Town,
 Attur T. K.
 Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 631|1C, Attur Town. Doc. No. 2427|83).

R. P. PILLAI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I (i.e)
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 17th April 1984

Ref. No. 192|Sep.|83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 282, situated at Kodaikanal Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, (Doc. No. 2980|83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Elie @ Amminie John,
W/o Late V. K. John,
23, Nungambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha Bhatia,
W/o, Mr. Virood Bhatia,
138-A, St. Mary's Road,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant land at R. S. No. 282, Kodaikanal Town. Doc. No. 101|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
51—86 GI|84

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM IINS—

(1) VGP Housing Private Limited,
No. 6, Dharmaraja Koil Street,
Saidapet,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 17th April 1984

Ref. No. 194/Sep./83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

S. No. 153, situated at Kodaikanal village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3547/83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant land at S. No. 153, Kodaikanal village, Doc. No. 2980/83).

R. P. PILLAI
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Rajeswari, 18, Bajanai Koil St
Mavunavakkam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S. Prema, 1, 10th Avenue,
Madras-83.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 19205.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 331|2, Kolapakkam, situated at Pallavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
at Madras South (Doc. 2654|83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 331|2, Kolapakkam (Doc. 2654|83).
Date : 16-4-84R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i)c)
Madras-600 006.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 12-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) C. Somasekhar, 205, Iriplicane
High Road, Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss U. Prashanthi, 22, Rajaram Mehta Nagar, Madras-29.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 19353.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. Vanagaram, Saidapet situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Saidapet (Doc. 2775|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Vanagaram, Saidapet (Doc. 2775|83)
Date : 16-4-84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Venkateswara Printers,
Co-Operative Colony, Mettupalayam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13298.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Banga No. IS 771|K, 771|2A, 770|1C, 770|1B, situated at Ihekkampatti.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Mettupalayam (Doc. 2127|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sambaka Textile Printers
LS puram, Mettupalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 771|K, 2A, 770|1C 770|18, Ihekkampatti (Doc. 2127|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13265.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 15/411, Oppanakara St., situated at Coimbatore
(and morefully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at Coimbatore
(Doc. 4791/83 in September 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) G. M. Krishnaraj, S. Premaleela,
Padmavathi, M. Sudhachalamurthy, Vasanthi,
Dhanalakshmi, Maheswari, 4/2A, Oppanakara St.
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M. Natarajan, 436, Oppanakara St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 15/411, Oppanakara St., Coimbatore
(Doc. 4791/83).

R. P. PILLAI
Acquisition Range-I (I/c)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Venkateswara Printers,
Co-Operative Colony, Mettupalayam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13298.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Banga No. IS 771|K, 771|2A, 770|IC, 770|IB, situated at Ihekkampatti.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Mettupalayam (Doc. 2127|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 771|K, 2A, 770|IC 770|18, Ihekkampatti (Doc. 2127|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) P. L. Marudappa Chettiar
Indian Overseas, Bank Upstairs, RS puram,
Coimbatore-2.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Kannamoor Achi Santhu, P. Pudupatti,
Pudukkottai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 13225.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 400|1, 406|1, Sangaur situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3547|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 400|1, 406|1, Sangaur, Coimbatore (Doc. 3547|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM TNS

(1) Susilabai, 373, Raja St.,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) J. Padma, 34, Upputhottuda Gounder
Lane, Idayar St., Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Jalandhar, the 16th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 13196.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. IS 6|900, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3965|83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at IS 6|900, Coimbatore.
(Doc. 3965|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (IIC)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2—86 GI|84

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13314.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 171[A]1, 2, 172[A]1, 2 situated at 173[A]1, 2 Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mettupalayam (Doc. 1784/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Rajkondalar M. R. Doraiswamy Naidu, Dr. Rajendran, D. Rajasekaran, Chickadasampalayam, Mettupalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) B. S. Kannappan, Slo B. K. Sunchay Gowder, Adashola, Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 171[A]1, 2, 172[A]1, 2, 173[A]1, 2 Odanthurai, Mettupalayam. (Doc. 1784/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Sasireka Srinivasan
Gangeyam,
Dharapuram 1K Periyar Dt.

(Transferor)

(2) R. Geetha,
14, Muthu Vinayakar
Koil St Vysial St Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13272.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23/136, Oppanakara St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4154/83) in September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23/136, Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. 4154/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) K. K. Krishnakumar,
368C, Cross Cut Road,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Palaniswamy,
N6, Ramaswamy St.,
Coimbatore-37.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13234.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. IS 11/278, Ganapathy situated at Gandhipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram (Doc. 3316/83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at IS 11/1278, Ganapathy. (Doc. 3316/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lakshminarayanan,
Rajavelu,
Mundiyambakkam,
Villupuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) South India Sugars Ltd.,
Madras.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 10600.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 231, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11 situated at

Vikravandi, Villupuram

Next to Alpa Bldg. Sarojini Exten., Road, Vile Parle (West), Bombay 400 056 situated at Vile Parle (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961, in the office of the Competent Authority

Vikravandi (Doc. 1990/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 231, to 7, 10, 11, Mundiyambakkam, Vikravandi. (Doc. 1990/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mallika,
328, Nadhan Nagar,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 13211.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 73, 75, Telengupalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3328/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sakuntala Ganesan,
W/o T. Ganesan
P.M. Swamy Colony,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Borey Gounder,
B. Manikam,
B. Doraiswamy,
Veerakeralam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

(2) V. D. Indiran,
V. D. Udayakumar,
Veerakeralam,
Coimbatore Tk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13213.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 711, Vadavalli situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3321, 3322/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land A.S. No. 711, Vadavalli (Doc. 3321, 3322/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Yousuff Abdul Kareem,
A. K. Yousuff Hussain Abdul Kareem,
66, Melapulivard Road,
Trichy.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

(2) M. G. Mohd. Zackria,
Askar Begam,
Asma Barveen,
6, Allimal St., Trichy.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 10521, 10522, 10523.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. IS No. 9 and 10, Chinthamani situated at Wornaiyur As per Schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registrar Wornaiyur (Doc. 2406, 2407, 2408/83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at IS No. 9 and 10, Chinthamani, Koraiyur. (Doc 2406, 2407, 1408/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13317.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

RS No. 3906, Ooty situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 734, 735[83]) in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) G. Giridappa,
Thimmaya,
C. Deviammal,
Glenrock, Ooty.

(Transferor)

(2) Reetu Peeran,
Gandhikandi, Emerald (PO)
The Nilgiris M. Peeran,
Karpagam Medicals,
Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 3906 Ooty (Doc. 734, 735[83]).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
53—86 GI|84

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Khatija Bai,
W/o A. M. Rasheed Sait.,
Mosque St., Coonoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

(2) M. Jambulingam,
M. Ravi,
M. Sivanandam,
Donnington Road,
Near Sakthi Theatre,
Kotagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13174.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 369|2, Konavakorai situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. 837, 838, 839|83) in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 369|2, Konavakorai, (Doc. 837|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13299.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS 181, 2, Kotagiri Nilgiris situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. 1032/83) in September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Gurdial Sundar Singh,
S/o Sundar Singh,
Woodlands, Kotagiri,
Kuldeep Singh,
5/54, Turf View Hastings,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Pandiaraj Memorial Education Trust,
Farm Tea Estate,
Kotagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at RS 181, 2, Kotagiri, Nilgiris.
(Doc. 1032/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 16-4-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 19208.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 116|1A50, 116|1A60 situated at Vallancheri, Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras South (Doc. 3001|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(1) K. R. Janardhanan,
52, Thallavaram, Chingleput,
R. Rajalingam, 29, R. A. Gowder Road,
Madras-33.

(Transferor)

(2) VGP Investments, VGP Square,
6, Dharmaraja Koil St.,
Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 116|1A50, 116|1A60, Vallancheri (Doc. 3001|83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Fine Hotels (P) Ltd.
G. E. F. Post,
Mysore Road,
Bangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Jain Svetamber Terapanth,
Trust 215, Triplicane High Road,
Madras-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 19188.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38, Singarachari St., situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Triplicane (Doc. 661|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 28, Singarachari St., Madras-5.
(Doc. 661|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—
63—76GI|84

Date : 19-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) J. Deepa,
1135, Trichy Road,
Uppilipalayam,
Sanganallur,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Sunitha,
Central Engineering Works,
Central Studio Compound,
Trichy Road,
Uppilipalayam,
Sanganallur,
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Ref. No. 13193.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 683 to 686 situated at Sanganallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3649/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 683 to 686, Sanganallur.
(Doc. 3649/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Parthasarathy,
35, West Circular Road,
West CIT Nagar,
Madras-35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sundaresan,
69, I Avenue,
Indira Nagar,
Madras-20.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 19181.—Whereas, I, R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 115/6, situated at Adyar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
Registering Officer at
Madras South (Doc. 2902/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(1 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 115/6, Adyar.
(Doc. 2902/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 19-4-1984
Seal :

FCRM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Ref. No. 13172.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at 89, Nehru Place, New Delhi No. 35, 36, Kuppuswamy St., situated at Guhalur, Gobi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichattipalyam (Doc. 750|83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) K. S. Chandrasekar,
K. J. Kumaresan,
59, Diwan Bahadur Road,
RS Puram,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. M. Subramaniam,
S/o Marappu Gr.
Gandhinagar,
Gobi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, building etc. at 35, 36, Kuppuswamy St., Guhalur, Gobi.
(Doc. 750|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 19-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Rahmath Bee,
2, Pilliar Koil St., II Lane,
Madras-5.

(Transferor)

(2) The Tata Oil Mills Co. Ltd.
6, Srinagar Colony,
Madras-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 19240.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95, Karungali, situated at Ponneri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. 2537|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 95, Karungali Ponneri Tk.
(Doc. 2537|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

54—86 GI|84

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Kalyanaraman,
Sundaram,
18, Brahmin St.,
Perumal Koil St.,
Madras-43.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

(2) A. K. Balakrishnan,
82, Nattupillayar Koil St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 19237.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, Saidapet situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1582/83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 14 Saidapet, Madras.
(Doc. 1582/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Ponnammal,
w/o K. Palaniswamy Gr
Aranmanai pudur.
Tirupur.

(Transferor)

(2) P. Krishnaswamy Gr.
S/o K. Palaniswamy Gr.
91/1 Road, Rakkiyapalayam,
Avinashi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13278.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thirumuruganpundi, Rakkiyapalayam, situated at Avinashi, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Avinashi (Doc. 1235|83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Thirumuruganpundi, Rakkiyapalayam, Avinashi.
(Doc. 1235|83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13233.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 238|2B, situated at Ganapathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3614|83) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) V. Somasundaram,
Girirajan,
West Garden,
Ganapathy.

(Transferor)

(2) R. Viswanathan,
1|33, Rangaji Layout Siddapur, Coimbatore.
C. Rajapandian,
13, Avarampalayam Road, PN Palayam, Coimbatore.
R. Nagarajan,
11|2, Gandhipuram II Road, Coimbatore.
N. Rajan,
N. Chandran,
Mohan
S/o C. Narayanan,
Syrian Kandathu Colony, Coimbatore.
G. Natarajan,
455, Sanganur Road, Ganapathy, Coimbatore.
P. R. Palaniswamy Gr. Gobi Road, Sathyamangalam.
Narayanan,
Site 47, Ganapathy Road, Coimbatore.
Visalakshi,
Chellapanur,
Karamadai.
Nanjamal,
100A, Gandhipuram I Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 238|2B, Ganapathy.
(Doc. 3614|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,****MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13230.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 532, Sanganur, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3425[83]) in September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) O. S. Ramaswamy,
200 Raja St.,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) L. Hemalakshmi,
153, Balasubramaniam St., KK Pudur,
Coimbatore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 532, Sanganur, Coimbatore.
(Doc. 3425[83])

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said , I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) K. Ramaswamy, 12-1/37A (1),
Kannanagar, Sangamur Road,
Ganapathy,
Coimbatore-6

(Transferor)

(2) Sarojini, 11F, Kannuswamy Gr. St
Rathinapuri,
Coimbatore-27

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13229.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 293/2A, Ganapathy, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 at Gandhipuram (Doc. 3467/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 293/2A, Ganapathy, Coimbatore (3467/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Ramaswamy Gr. S/o.
Chinnaswamy Gr.
Malayandi Goundanur,
Kannamanayakanur Udumalpet

(Transferor)

(2) Rangaswamy, S/o.
Chinnaswamy Gr.
Malayandigoundanur,
Udumalpet

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13219.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 706, Kannamanayakanur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Udumalpet (Doc. 2192|83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 706, Kannamanayakanur (Doc. 2192|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Bakthavatchalam, 20, Besansan
Line,
Madras-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

(2) K. Kasi, Sirukalathur,
Chengleput, Sri Perumbadur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

Madras-600 006, the 12th April 1984

Ref. No. 19180.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 2912, 291C1, 1C3, situated at 36|1, 2, 3, 37|2B2, Nallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2895|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 2912, 1C1, 1C3, 36|1, 2, 3, 37|2B2, Nallur (Doc. 2895|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kurnari, W/o Jagannathan,
Uppilipalayam Sintanaitur,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) President, Udayampalayam
Co-op. House Building Society.
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13201.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 66, 206, 207/3, 205 situated at Souripalayam,

Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3844/83) on September 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE *SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 66, 206, 207/3, 205, Souripalayam Coimbatore (Doc. 3844/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—86 GI/84

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13204.—Whereas, I,
 R. P. PILLAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. RS. No. 304|1, 305|2, situated at Ramanathapuram, Coimbatore
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3691|83) on September 1983
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) R. Munuswamy, 19, Thiruvengadaswamy
 R. S. Puram,
 Coimbatore

(Transferor)

(2) President, The Ramanathapuram
 Co-op. House Building Society,
 5, Kamaraj Nagar Trichy Road,
 R. N. Puram,
 Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at RS. No. 304|1, 305|2, Ramanathapuram, Coimbatore (Doc. 3691|83).

R. P. PILLAI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-84
 Seal.:

FORM ITNS

(1) Ponnammal, W/o,
Late M. M. Rangaswamy
Gounder, Chedimuthur, Mannur,
Pollachi.

(Transferor)

(2) M. Kumaresan,
S/o. B. M. Mayilswamy
Plechanur, Muthur Illam,
Coimbatore Tk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 13308.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
No. S. No. 85, 86|1, 87|1, 2, 3, 6 situated at Ramapattinam,
Pollachi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Pollachi (Doc. 1950|83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 85, 86|1, 87|1, 1, 2, 3, 6, Ramapattinam,
Pollachi (Doc. 1950|83).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Govindaswamy Naidu,
G. Lakshmanan
G. Venugopal, Nachammal,
C/o. Guruswamy Naidu,
Reddypalayam, Puthur,
Dharapuram Tk.

(Transferors)

(2) N. Palaniswamy, P. Swaminathan,
P. Subramanian, P. Viswanathan,
18/22, Govindaswamy Gr. St., Tiruppur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'L. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 10528.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25000/- and bearing No.
S. No. 503 Puthur, Dharapuram
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Dharapuram (Doc. 2843/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 503, Puthur, Dharapuram (Doc. 2843/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M. Thangapragasam,
G. Perianayagam, 116, Varadarajapur
St., Ponda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Perumal,
W/8, Govt. Quarters
Lawspet, Ponda-8

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 16th April 1984

Ref. No. 10493.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. TS. No. 257, Saram, Oulgaret
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ozhukarai (Doc. 1912/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building at TS 257, Saram, Oulgaret (Doc.
1912/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Madura Coats Limited,
Regd Office : New Jail Road,
Madurai-625001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Ref. No. 81/Sep.83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 26,000/- and bearing

No. Ward No. 2, Block No. 3, situated at Near Madurai-Madras Trunk Road, Virudhunagar Town, Ramnad Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras North-I, (Doc. N. 2763/83) on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Vaigai Investments Limited,
31/13, Loyola Layout,
Victoria Road Cross,
Bangalore-500 047.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Land at Ward No. 2, Block No. 3, Near Madurai-Madras
Trunk Road, Virudhunagar Town, Ramnad Dist. Doc. No.
2763/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Narayanaswamy Bawayee,
Ottapalayam, Yeri thottam,
Bhavani Tk.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nachimuthu, Puchanur thottam
Bhavani Tk.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Ref. No. 13170.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 188, Tiruppur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 19908) in the office of the registering officer
at Andhipur (Doc. 1438|83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Tiruppur (Doc. 1439|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Srimati E. K. A. Amerunnisa Bibi,
199 Big Bazar St., Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Ref. No. 13177.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 57, Udumalpet situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 2051|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land S. No. 57, Udumalpet,
(Doc. No. 2051|83)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ponnuswamy Gr. Chinnuswamy
Chandmugham Annamelaikottai.
[ivacini].

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pongiyanna Gr. S/o
Shri Karuppappa Gr.
Kottaijpudur. Sivagiri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 13302.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 4412, Sivagiri situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivagiri (Doc. 1037/83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 4412, Sivagiri.
(Doc. No. 1037/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

56—86 GI/84

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Ref. No. 13301.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 227|1, 2, 256|, 257|1, 255|3 situated at Vettampatti-mangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivagiri (Doc. No. 1024|83) on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nachimuthu,
Shri N. Kumaraswamy,
Shri N. Annamalai,
Shri N. Sivasubramaniam,
Minnappalayam, Palamangalam.

(Transferors)

(2) Shri B. Saravananbhavan,
Shri B. Ramalingam,
Shri B. Sivaprakasam,
Shri B. Thanikachalam,
Brathapat Road, E. V. K. Sampath Road,
Madras.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227|1, 227|2, 256, 257|1, 255|3, Vettampatti-mangalam, Erode.
(Doc. No. 1024|83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mahalakshmi Chambers,
121, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1984

Ref. No. 37EE 44 to 52/83.—Whereas, 1, R. P. PJLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30, 31, Palani Andavar Koil St., situated at Madras-26 Madras on December, 1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri M. Chandrasekhar,
9A, II St., Madras-34.
2. Shri K. Nagaiyan,
29B, Railway Quarters, Madras-21;
3. Shri S. Ramachandra Rao,
11, Ramachandra Iyer St., Madras-17;
4. Shri L. Raghunathan,
91, Arya Gowder Road, Madras-24;
5. Shri T. Parthasarati
Shrimati P. Leelavathi,
8, IV Floor, 200, X,
S. P. Mukherjee Road, Calcutta-26;
6. Shrimati Meena Ramakrishnan,
97, Egmore High Road, Madras-8;
7. Shri R. Thirumurthy,
Mrs. Rajalakshmi,
3, Judie Flats, Rosary Church Road,
I Lane Santhome, Madras-4;
8. Mrs. G. Parvathy,
97, Egmore High Road, Madras-8;
9. Shrimati R. Shenbaga Lakshmi,
7, Ramaswamy St., Madras-17.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flats at 30, 31, Palani Andavar Koil St., Madras-26.

R. P. PJLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri M. K. Appa Rao,
5, Burkit Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd May 1984

Ref. No. 19356.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, Burkit Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Madras North (Doc. 3369 to 3376[83]) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri K. Santhanam,
SBI, Madras-6;
2. Shri R. Sankaranarayanan,
SBI, K. K. Nagar, Madras;
3. Shri S. Rengaswamy,
12, Taylortestate II St., Madras-24;
4. Shri S. Lakshminarasimhan,
SBI, Triplicane, Madras-5;
5. Shri K. Muralidharan,
SBI, Mambaran, Madras;
6. Shri J. Viswanathan,
4, Thanigachalam Pillai St., Madras-5;
7. Shri A. V. Navaneethan,
SBI, Neyveli;
8. Shri S. Maheswar,
SBI, Arkonam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 10, Burkit Road, Madras-17.
(Doc. No. 3369 to 3376[83])

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1984
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.JI]SR.I[9-83]482.—

Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 38, Krishna Cloth Market situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Virender Nath Seth & Smt. Uma Seth, R/o A-38, C. C. Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh, R/o D-154, Ajay Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed godown on Shop No. 30, Krishna Cloth Wholesale Market, Delhi with the land measuring 9'9"X7' under the said godown.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11.5.1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maharaj Krishan Gupta S/o
Late Bansi Lal, R/o
10, Navjivan Vihar, N. Delhi,
Managing Director of
M/s. Bansi Lal & Sons Pvt. Ltd.
at N-3, Janpath, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Madan Lal Sethi S/o
Shri Munshi Ram Sethi, R/o
C-1/145, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
SICON OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.I/9-83/500.—
Whereas, J. B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. C. No. 415, Karta Choban, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

First Floor and Second Floor of property bearing M. C. No. 415 (part) Ward No. V, built on Shop No. 414 situated at Karta Choban Bazar, Chandni Chowk, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|9-83|502.—

Whereas, I, B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 53-J, Rajouri Garden situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Delhi on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri S. Kishan Singh Slo
Late Shri Ram Partan Singh and
2. Shri S. Naib Singh Slo
Shri Kishan Singh,
Both residents of
House No. J-53 Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prem Kumar Verma.
2. Shri Parmod Kumar Verma &
3. Shri Ashok Kumar Verma Slo
Late Shri Kundan Lal Verma, Slo
J-53 Rajouri Garden, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 Storeyed building built on free hold, Plot No. 53 in
Block 'J' measuring 243 sq. yds., situated at Rajouri Garden
area of village Bassai Durapur, Delhi State, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1/9-83/506.—

Whereas, I, B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 3, Punjabi Bagh situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ramji Das Wadhwa, R/o
11/8, East Punjabi Bagh Delhi and
Smt. Kaushalya Devi, R/o
A-6, Greater Kailash,
Enclave Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Amar Lubricants,
27/35, North Avenue Road,
Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-Office No. 3, Sector No. IV, North West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Misri Devi W/o
Shri Ram Dass.
2. Shri Tara Chand S/o
Shri Ram Kiran Dass.
3. Shri Narsing Kishore S/o
Shri Tara Chand.
4. Smt. Savitri Devxi W/o
Shri Tara Chand, R/o
3756, Jamadar Gaji Pahari Dhira,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Bimla Devi W/o
Shri Mool Chand, R/o
4597 Gali Nathan Singh, Pahari Dhira,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|9-83|511.—
Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Property No. 5152, Rai Mandi, S. B. Delhi situated at Delhi
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
been transferred

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on September, 1983

an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
in per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereby as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 5152, Rai Mandi, Sadar Bazar, Delhi-6
47.56 sq. yds.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Shri Manohar Lal
R/o 17, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jai Gopal
R/o 3188, Mori Gate,
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|9-83|521.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Shop No. 5, Chandni Chowk situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on September, 1983for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One half share of G. F. of Shop No. 5, Krishna M
Chandni Chowk, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kashmiri Lal
S/o Shri Mulkh Raj
R/o Road No. 7,
H. No. 6.
Jaidev Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath
S/o Shri Mulkh Raj
R/o Road No. 7,
H. No. 6.
Jaidev Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|SR.I|9-83|523.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Prop. No. 6, Bassai Darapur situated at Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Delhi on September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

1/2 Share in property No. 6, Road No. 7, Jaidev Park,
(Narendra Avenue Street), New Delhi mg 155 sq. yds.
area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

* Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 4/14A, ASAF ALI ROAD,
 NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/9-83/525.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 87, K. Gate situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sita Rani
 W/o Shri J. P. Saigal
 R/o W/158, Greater Kailash,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Rewari
 S/o Shri R. K. Rewari
 R/o No. Z/4,
 Haus Khas,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 87 (2nd Floor) bearing Mpl. No. 1/2846, Guru Nanak Auto Market in Bara Bazar Kashmere Gate, Delhi 348 sq. ft.

B. L. DHAWAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA LI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAIC|Acq.II|SR.I|9-83|526.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27-D, Adarsh Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Chandra Vati
W/o Ram Kumar
Village & P. O. Bakhtawarpur,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Jain
W/o Shri Darshan Kumar Jain
R/o G-3/80, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 27, Block No. 'D', Ashok Road, Adarsh Nagar, Delhi 150 sq. yds. (125.824 sq. mts.) in area.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.J|9-83|528.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G/67, Kirti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Smt. Daya Wanti
W/o Late Shri Harbans Singh
D/o Shri Jai Singh
R/o G-67, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Niwas Parshad Tandon
S/o Shri Ram Niwas Parshad Tandon
R/o 26/87, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of plot No. G-67 measuring 116 sq. yds. situated at Kirti Nagar, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 11-5-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Jaswant Kaur
W/o Late Shri Hardit Singh
R/o 1553, Mohalla Faiz Ganj,
Darya Ganj,
Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
414A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC. Acq.II|SR.I|9-83|529.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-427, Majlis Park situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Vijay Kumar Gupta
S/o Shri Dhajja Ram
R/o C-411, Majlis Park,
Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-427 measuring 111 sq. yards out of Khasa No. 262|258|217|4 situated in Revenue Estate of V. Bharola known as Majlis Park, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) S|Shri Rajendra Nath Nigam,
Kuldip Kumar Nigam,
Anil Kumar Nigam,
Suswant Nigam,
Narinder Nath Nigam,
Virender Nigam,
Davinder Nath Nigam,
Anop Nigam,
Ajit Nigam
R/o 677, Sector No. 1,
R. K. Puram,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Kumar Nigam
S/o Jagdish Pershad Nigam
R/o 1917, Kucha Challan,
Khari Baoli,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1917, Kucha Challan, Khari Baoli, Delhi-6 80 sq. vds.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kaushilya Devi
R/o E-159, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swaranjit Kaur
R/o E-159, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|9-83|532.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-159, W. Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Qr. No. E-159, West Patel Nagar, New Delhi 254 sq. ft.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

58—86GI|84

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I]9-83|536.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New No. 6247 and 6248, Khari Baoli situated at Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Rukmani Devi
W/o Sidhu Ram
D/o Shri Lachu Ram
2. Shri Harish Chand
S/o Shri Sidhu Ram
3. Smt. Shakuntala Devi
D/o Shri Sidhu Ram
All R/o 6267, Kucha Shiv Mandir
Khari Baoli,
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar
Satish Kumar
Mukesh Kumar and
Shri Raj Kumar
Sons of Shri Radhey Mohan
R/o 6246, Kucha Shiv Mandir
Khari Baoli,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Old No. VI 3055 and New 6247 and 6248, Ward No. 6, Shiv Mandir Kucha Khari Baoli Delhi-6.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Lakshmi Rani Mehra,
W/o Shri P. N. Mehra
R/o 38/10, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May 1984

(1) 1. Shri Om Prakash Wadhwa
2. Shri Satish Wadhwa
Sons of Late Shri Jiwan Dass Wadhwa
C/o M/s Jeewan Dass & Sons,
2878, Hardhian Singh Road,
Opp. Gaffar Market,
Karol Bagh.

(Transferee)

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I]9-83|539.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38/9, East Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

38/9 Mg. 200 sq. yds. situated at East Patel Nagar, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITIN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I|9.83|540.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 38-B, Adarsh Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 83

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 38 measuring 223 sq.yds. situated at Tagore Road in Block B out of Khasra No. 35, 36 and 38 and 262|258|217|4, 263|258|217|4 situated at Vill. Bharola, Adarsh Nagar Colony Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR. 1|9. 83|547.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. G-22/6 Rajouri Garden situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of Registering Officer at
New Delhi in Sept. 83
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Sarla Harjit W/o
Sh. Harjit Singh R/o G-22/6
Rajouri Garden, New Delhi
(Transferor)
- (2) Sh. Surjit Singh Oberoi,
S/o Sh. Lubh Singh R/o J-22 Rajouri Garden
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House built on Plot No. G-22/6 mg. 143.3 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Leela Mehra D/o
Late Sh. Kashmiri Lal R/o BK-33
Shalimar Bagh Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Amita Arora, W/o Sh.
Man Mohan Singh and 2. Smt. Satwant Kaur
W/o Sh. S. Karam Singh both R/o F-2/5
Model Town Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I]9.83|554.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. F-3/15 mg. Model Town
situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in Sept. 83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. F-3/15 measuring 2722 sq. yards situated in
the colony known as Model Town Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sheela Devi W/o Parma
Nand R/o 232 Ganda Nala,
Kashmere Gate Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shukla W/o Parma Veer
R/o 168 Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq. II]SR. I]9.83|560.—Whereas, I.
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 168, 169, 170, 171, 172, 173, situated at
Kashmere Gate Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at New Delhi in Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, In
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 168, 169, 170, 171, 172 and 173 Ward No.
1, Kashmere Gate Delhi 80 sq. yds.

B. L. DHAWAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq. II]SR. I]9.83|561.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1862A and B Noorganj Hathi Khanna, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at on Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Zainab Bai D/o Late Sh. Fazal Bhai wd/o late Sh. Rashid Jaffar through her General attorney Shri Rajab Ali S/o Late Sh. Rashid Jaffar 8844 Naya Mohalla, Pul, Bangash, Delhi-6 vide General Power of attorney dated 4-5-1981

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Lal s/o Sh. Badri Nath and Dinesh Kumar S/o Sh. Joginder Lal both resident of 6232 Pakki Gali Bara Hindu Road, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Ground floor shop No. 1862-A & B situated at Noor Ganj Hathi Khanna, Delhi, 95 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Phula Rani
P/o M-7 Kirti Nagar New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR. I|9.83|562.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-7 Kirti Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M-7 Kirti Nagar, New Delhi

B. L. DHAWAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

59—86GI|84

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|9.83|569.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. J-712 C Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Sh. R. P. Mehta (2) Sh. G. L. Mehta sons & Late Sh. Chunni Lal Mehta R/o J-7|12-C Rajouri Garden, New Delhi (3) Sh. H. L. Mehta s/o S Chunni Lal Mehta R/o Jarnaili Kothi National Seed Corp. Karnal and Mr. Anil Mehta s/o Sh. S. Mehta R/o D-8|Madinee Niketan Coop. Housing Society Beman Wadi Chakla Vile Parle (E) Bombay General Attorney on Behalf of Smt. Sudesh Mehta Miss Aneeta Mehta, Miss Poonam Mehta and Mr Suneeta Mehta.

(Transferor

(2) Sh. Harish Chander son of Sh. Hukam Chand Dua and Smt. Sudesh Dua wife of Shri Harish Chand Dua both R/o J-7|16 Rajouri Garden, New Delhi (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-7|12-C mg. 143 sq yds. situated at Rajouri Garden New Delhi area of Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1984

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. 1/9.83/572.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop. No. 3319 and 3321 Kucha Kashgari Bazar Sita Ram situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh. Parmod Kumar (Rathi)
Through his father and constituted his Legal guardian Shri Mohan Lal Rathi R/o E-73
Greater Kailash No. 1 New Delhi and Shri Parmod Kumar Rathi
(Transferor)
- (2) Smt. Laxmi Devi W/o Sh. Sri
Kishan Maheshwari R/o 3321 Kucha Kashgari
Bazar Sita Ram, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in portions of properties 3319 and 3321, Kucha Kashgari Bazar Sita Ram, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Ajit Prashad Jain S/o Late Mangat Ram Jain previously r/o 3863/13 Pahari Dhiraj Delhi Now Residing at 49, Rajpur Road, Civil Lines Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Guljar Singh s/o Sh. Sham Singh of 856/18 S. P. Mukherjee Marg (Queens Road) Delhi-110006. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. JAC/Acq. II/SR. I/9.83/573.—Whereas, I,

B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Prop. No.856/18 S. P. Mukerji Marg Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at on Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing Private No. 856/18 out of building bearing Municipal No. 856 to 863 Ward No. 111, Sarai Mansoor Nahar Sadat Khan S.P. Mukerjee Road, Delhi measuring approx. 20.03 sq. mts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : .

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1984

Ref. No. IAC(Acq.)II/SR. 19/33/582.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 4675 and 4677 Mahabir Bazar Cloth Market, Delhi
situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Amar Chand Dharam Chand
Katra Ashrafi Chandni Chowk, Delhi, through
Shri Nirmal Kumar Goyanka Partner.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Dass Gandhi S/o Sh.
Ram Rang R/o 1288 Gandhi Nagar
Gandhi Gali Bagchi Nund Kishore Delhi
Smt. Tara Rani W/o Sh. Ram Rang Gandhi
(above address)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four Shops & Baranda in front of Shop Kolki Andrani and shutter in Baranda Property No. 4675 and 4677 Mahavir Bazar Market Delhi and 2/233 Hissa Market Trust Committee. Area (Gr Fl.) 76/2[3].

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
414A ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR.I|9.83|586.—Whereas, I,
B. L. DHAWAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B-2 Rattan Park situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Daya Ram s/o Shri Gobind Ram
R/o B-29 Gall No. 1,
West Chander Nagar, Delhi-51
through his General attorney
Smt. Papinder Kaur w/o Shri Raghbir Singh
R/o 265 DDA Colony, New Ranjit Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Kusam Kaur w/o Shri Ved Parkash
R/o 487, Sudershan Park,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-2 measuring 115.1/2 sq. yards situated in the colony, known as Rattan Park area of village Bassai Dorapuri Delhi State Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Nath Arora
S/o Late Shri Ganpat Ram
R/o No. D-28 Nizamuddin East,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Kapoor
S/o Late Shri Sham Dass Kapoor
R/o No. D-36 N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A ASAFAI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I|9.83|589.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4852/24, Darya Ganj situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of property bearing MPL. No. 4852/24 out of Khasra No. 51 situated in the abadi of Harbans Singh Street, Daryaganj, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Parkash Puri
R/o 5/61 Tilak Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

New Delhi, the 17th April 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-83/890.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/61, Tilak Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 5/61 Tilak Nagar, New Delhi,

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manohar Lal Kohli
S/o Devi Dayal
R/o XIV/527, Faiz Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Buri Devi w/o Nand Kishore,
Radendra Pd. and Mahesh Kumar
Sons of Nand Kishore
R/o C-64/B, Shivaji Park, Rohtak Road,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th April 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-83/773.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-6, Shivaji Park, situated at Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. C-6, Mg. 463. 1/10 sq. yards, at Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 17-4-1984

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
0—86GI/84

FORM ITNS

(1) Smt. Chameli Devi
W/o Jai Parkash,
Village Burari,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Gupta
S/o Tilak Raj
156 Part-II, Gujranwala Town,
Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-83|811.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Agricultural land situated at village Burari, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at New Delhi on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXX of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 26 Bighas 18 Biswas Kh. No. 21|16|2,
25, 24|2, 22|19|2, 20, 21, 22|1, 35|1, 10, 2|1, 9|2 Village
Burari, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-HI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
 AGGARWAL BHAWAN,
 NEAR BROADWAY HOTEL,
 4/14A ASAF ALI ROAD,
 NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-83|828.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1, on Road No. 83 situated at Class "C" Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kuldip Singh
 Slo Shri Nidhan Singh
 R/o J-3/76, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Bansal
 W/o Shri K. C. Bansal
 R/o 10/66, Punjabi Bagh, West Delhi,
 (Owner of 3/4th share) and
 Shri Ram Krishan
 Slo Shri Ram Gopal
 R/o 11704, G.T. Karnal Road,
 Shakti Nagar, Delhi
 (owner of 1/4th share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1, on Road No. 83 in Class 'C' Mg. 633.33 sq. yards Punjabi Bagh, Village Madipur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lami Chand
S/o Hari Chand,
R/o 9/44, Punjabi Bagh, New Delhi & others.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-83|798.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 12, on Road No. 37, situated at
Punjabi Bagh (West), Village Shakurpur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Shri Hukam Singh
S/o Shri Puran Singh
R/o 3, Krishan Nagar,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 12 on Road No. 37, Mg. 279.55 sq. yards, Punjabi
Bagh (West) area of Village Shakurpur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-83|838.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. N|26 situated at Shivaji Park, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at New Delhi in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ravi Chand Abrol
S/o Late Shri Parkash Chand Abrol
R/o 75, West Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anurag Gupta
S/o Shri Ishwar Chand Bansal (minor)
Guardian Shri Ishwar Chand Bansal
R/o 134, Gujranwala Town, Part-II,
Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N|26, Mg. 250 sq. yards Shivaji Park area of
Village Madipur Delhi State, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
414A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 17th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III|9-83|304.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing W-7, Green Park situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S|Shri Naubat Rai and Tola Ram Ahuja
Sons of Uttam Chand
R/o 51-63, Faridabad (Haryana).

(Transferee)

(2) Shri Punna Husseri Kurian Idicula
S/o Late Kurialla Kurian and
Mrs. Annama Idicula
W/o P. K. Idicula
R/o W-7, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. No. W-7, Mg. 200 sq. yards, Green Park, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Swapna Bose
W/o Sudeb Bose
R/o F-1/2, Hauz Khas,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mange Ram Sharma
S/o Shri Budh Ram
R/o 36/5, Yusuf Sarai,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-83|289.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Agricultural land situated at Village Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later; .

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas and 9 Biswas Mustakil No.
42, Killa No. 10, Village Mehrauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Swapna Bose w/o Sudcb Bose R/o F-1/2,
Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mange Ram Sharma s/o Sh. Budh Ram R/o 36/5,
Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAVAN NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-83,290.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Agri. Land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi
and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1983
on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 4 Bighas 9 Biswas M. No. 42, Killa No. 9,
Vill. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Swapna Bose w/o Sudeb Bose & Sudeb Bose
s/o Amiya Mohan Bose R/o F-1/2, Hauz Khas,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mange Ram Sharma s/o Sh. Budh Ram R/o
36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
AGGARWAL BHAVAN NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-83|291.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. Land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 4 Bighas 12 Biswas M. No. 42, Killa No. 12, Vill. Mehrauli, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

61—86GI/84

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swapna Bose w/o Sudeb Bose and Sudeb Bose s/o Amiya Mohan Bose, F-1/2, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III
 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
 NEW DELHI

(2) Mange Ram Sharma s/o Sh. Budh Ram R/o 36/5,
 Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-83|292.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 1 Bigha and 15 Biswas M. No. 42, Killa No. 11/1, Vill. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III]9-83|316.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
XVI|2277, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Nirmal Singh Barmi and S. Surjeet Singh Barmi
sons of S. Amar Singh R/o XVI|2120, Naiwala,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Superstar Estates (Delhi) (P) Ltd. R/o
XVI|2277, 68 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property No. XVI|2277, Gali No. 68|69, Naiwala, Karol
Bagh, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date : 16-4-84
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Swaraj Singh s/o Sh. Kesar Mall R/o B-164, Ashok Vihar, Phase I, New Delhi-52.
(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Om Parkash R/o 199-B, Gali No. 4, Thapur Nagar, Meerut City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL BHAVAN NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 17th April 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-IV|9-83|857.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. F|9|3, Krishan Nagar, situated at Delhi-51
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the India Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

House No. F|9|3, measuring 166-2|3 sq. yds. Krishan
Nagar, area of village Ghondli, Delhi-51.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-84
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Smt. Bimla Rani Bajaj & Sh. V. N. Bajaj, K-43, Connaught Circus, New Delhi.
(Transferor)

(2) Km. Ashima Goumbir & Miss Punja Goumbir, 40/44, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-83/917.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'); have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 6 on floor No. 2 situated at Pargati Tower, 26,
Rajindra Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
IAC Acquisition, New Delhi on September 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfe-
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 6 on floor No. 2 in Pargati Tower 26, Rajindra
Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-4-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|9-83|916.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6, Pargati Tower situated at 26 Rajendra Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition, New Delhi on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bimla Rani Bajaj
Smt. Nirmal Rattan,
K-43 Connaught Circus,
New Delhi.

(2) Master Manik Gambhir and
Master Karan Gambhir,
40/44 Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 on floor No. 2 in Punjabi Tower 26 Rajendra Palace, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Ms. Neha Deep Constructions,
1, Rajendra Place,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Col. Narinder Mohan Goswami and
Mrs. Kiran Goswami
B-109 Sarvodaya Enclave,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
414, ASAFAZ ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|983|16.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Air Conditioned Space No. C-9 situated at Ground Floor, 1 Rajendra Place, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Air conditioned Space No. C-9 on Ground floor in the Building under construction at 1 Rajendra Place, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4500.—Whereas, I,
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Southern portion of 2nd floor of House on
Plot No. 4 situate at Nemi Nagar Extension, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on September, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Narendra Kumar S/o Babulalji Patodi
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.
for himself and as attorney for Sanat Kumar and
Raj Kumar S/o Baboolal
(Transferor)
- (2) Shri Chiranjilal S/o Kandhelalji Jain
R/o Lakhna Don
Distt., Sivani (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in the Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of 2nd floor of house constructed on
4 at Nemi Nagar Extension, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
Bhopal.

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|Acq|Bpl|4501.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern portion of house on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi
2. Rajkumar Patodi &
3. Narendrakumar Patodi
S/o Shri Babulalji Patodi,
Tarse Aum Mu. Narendrakumar Patodi,
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Mahendrakumar Jain
S/o Shri Chironjilal Jain
R/o Lakhna Don Village
Distt. Sivni.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Northern portion of house constructed on Plot No. 4 at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bp|4502.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house constructed on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar, Extension, Jain Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi
 2. Rajkumar Patodi &
 3. Narendrakumar Patodi
 S/o Shri Babulalji Patodi,
 No. 1 and No. 2 at
 Tarfe Aum Mu No. 3 Narendrakumar Patodi
 R/o 64/3, Malharganj,
 Indore.

(2) Shri Prakashchandra Jain
 S/o Shri Chironjilal Jain
 R/o Gram Lakhna Don
 District Sivni (M. P.)

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore.
 (Part of house).

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar,
 Bhopal.

Date : 17-4-1984.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4503.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Northern portion of house on 2nd story on plot No. 4, situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi
2. Rajkumar Patodi &
3. Narendrakumar Patodi
S/o Shri Babulalji Patodi,
No. 1 and No. 2 at
Tarse Aum Mu No. 3 Narendrakumar Patodi
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.

(2) Chironjilal S/o Shri Kandhelalji Jain,
R/o Lakhna Don
Distt. Sivni (M. P.)

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house constructed on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Rcf. No. IAC|ACQ|Bpl|4504.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern portion of house on 1st floor on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar, Extension, Jain Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi
2. Rajkumar Patodi &
3. Narendra Kumar Patodi
S/o Shri Babulalji Patodi,
No. 1 and No. 2 at
Tarse Aum Mu No. 3 Narendra Kumar Patodi,
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar
S/o Shri Chironjilal Jain
R/o Lakhna Don
Distt. Sivni (M.P.)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Southern portion of house on 2nd floor on plot No. 4 situated at Nemi Nagar, Extension, Jain Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.**

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4505.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on 1st floor on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi
2. Rajkumar Patodi &
3. Narendrakumar Patodi
S/o Shri Babulalji Patodi,
No. 1 and No. 2 at
Tarse Aum Mu No. 3 Narendrakumar Patodi,
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.

(2) Abhaykumar S/o Shri Chironjilal Jain
R/o Lakhna Don Village,
Distt. Sivni (M.P.).

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house on 1st floor constructed on Plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4506.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house on ground floor on plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Dr. Sanatkumar Patodi.
2. Rajkumar Patodi and
3. Narendra Kumar Patodi sons of Shri Babulalji
Patodi, No.1, and No.2
Tarse Aum Mu. No. 3
Narendra Kumar Patodi
R/o 64/3, Malharganj,
Indore.

(2) Shri Prakashchandra Jain
S/o Chironjilal Jain
R/o Gram Lakhna Don
Distt. Sivni (M. P.)

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house on ground floor on plot No. 4 situated at Nemi Nagar Extension, Jain Colony, Indore.

D. P. PNTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nazar
Bhopal

Date : 11-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4507.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 31 and part of Plot No. 30 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gokaldas
S/o Shri Kanhaiyalalji Muchhal,
R/o Udapura,
House No. 2,
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri De-Lux Apartments Co. Operative Housing
Society Limited,
7, Nasia Road,
Indore Tafe,
President Shri Chandramal.
S/o Kundandasji.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 31 and part of plot No. 30 situated at Saket Nagar, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pragati Construction Company,
36, Siyaganj,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Vaman Jog,
R/o 48, Pant Vaidhya Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4508.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, situated at Agarwal Nagar, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat number 7, which is one of the flats constructed on plot number 58 Agarwal Nagar, Indore, M. P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Samta Sahkari Grah Nirman Samiti,
Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Paremshwari Bai
W/o Kartarsingh Punjabi,
Nahar Para,
Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4509.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. Plot No. 321 situated at Chirhuldeah at
Samta Colony, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
Officer at Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 321 situated at Chirhuldeah at Samta Colony,
Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

3—86GI|84

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.**

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4510.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 221 situated at Gumashta Nagar, Sukh Niwas Road,
Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering
Officer at Indore on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Indore Cloth Market Madhyam Vargiya
Grih Nirman
Sabkari Sanstha,
Gumasta Nagar,
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Anandilal Shantilal,
R/o 6, Murai Mohalla,
Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 221 situated at Gumashta Nagar, Sukh Niwas
Road, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.
1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Indore Cloth Market Madhyam Vargiya
Grah Nirman
Sahakari Sanstha,
Gumasta Nagar,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmandas S/o Prahladdas Muchhal,
R/o 209, Usha Nagar,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC|ACQ|Bpl|4511.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 103, situated at Gumasta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 103 situated at Gumasta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grah Nirman
Sahkari Sanstha Maryadit,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal
S/o Shri Tejmal Jain
R/o 16, Bhandari Market,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4512.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 21 situated at
Gumashta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21 situated at Gumashta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANT,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grih Nirman
Sahkari Sanstha, Gumashtha Nagar,
Indore.
(Transferor)

(2) Shri Phoolchand
S/o Shri Premchand Sharma,
R/o 909, Sudama Nagar,
Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC(Acqn)Bp.4313.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 19 situated at
Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of his liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 19 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-III,
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl|4514.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority made Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act"), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
Plot No. 3 situated at
Gumashta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grah Nirman
Sahkari Sanstha Maryadit,
Sahkari Sanstha Maryadit, Gumashta Nagar, Sukh
Niwas Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar
S/o Shri Bhagirath,
C/o Dilipkumar Bhagirath,
R/o M.T. Cloth Market,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3 situated at Gumashta Nagar, Sukh Niwas
Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grhi Nirman
Sahkari Sanstha Matyadit, Gumashtha Nagar,
Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purushottamdas
S/o Shri Rameshwar Sureka.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4515.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 95 situated at
Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Plot No. 95 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas
Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC|ACo|Bpl|4516.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 83 situated at
Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (1) Cloth Market Madhyam Vargava Grah Nirman
Sahkari Sanstha Maryadit,
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Gyanchand
S/o Shri Mishrilal Patwa,
R/o Hukumchand Marg,
Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 83 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas
Road, Indore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grah Nirman
Sahkari Sanstha
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar
S/o Shri Balaram,
R/o 16, Santha Bazar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 364 situated Gumashta Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 17-4-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—
64—86GI/84

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4518.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 216 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Cloth Market Madhyam Vargiya Grh Nirman Sakhai Sanstha, Gumashtha Nagar, Indore.
 (Transferor)

(2) Shri Pukhraj
 S/o Shri Tejmal
 R/o M.T. Cloth Market, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 216 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore.

D. P. PANTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 4th Floor, Gangotri Building
 T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Cloth Market Madhyam Vargya Grah Nirman
Sahkari Sanstha, Gumashtha Nagar
Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Hasanand
S/o Shri Thadaram
R/o 90, Bairathi Colony
Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
Bhopal M.P.

Bhopal, the 17th April 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4519.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot. No. 83 situated at
Gumashtha Nagar, Sukh Niwas Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Plot No. 83 situated at Gumashtha Nagar, Sukh Niwas
Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE
JALANDHAR**

Jalandhar, the 2nd May 1984

(1) Shri Manmohan Singh
S/o Shri Niranjan Singh
R/o EH-35, Ladowali Road,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Harmanjit Kaur
W/o Shri Kashmir Singh
R/o Bhawani Pur Calcutta-20 and
Smt. Surinder Kaur
W/o Shri Amarjit Singh,
New Calcutta-53.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.P. No. 5371.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Garha Act, 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property area 1 K-1½ Mls. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3578 dated September, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5372.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) New Finance & Credit Corporation Pvt. Ltd.
Jalandhar
through Shri Ram Kumar Bhardwaj,
Managing Director,
C/o Pt. Sat Pal & Co.
Milap Chowk, Jalandhar.

(Transferee)

(2) Smt. Rajinder Kaur
W/o Shri Tarsem Singh
V. Adekali, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

Property House No. 78 area 4980 Sq. ft. situated in abadi Jyoti Nagar, Garha and Persons as mentioned in the registered sale deed No. 3871 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5373.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mithapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Banta Singh
S/o Shri Kahata Singh
R/o Model Town Derian, Jalandhar
Mukhtiar-ai-am Jagir Singh
S/o Shri Dalip Singh
R/o V. Bara Nanga, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Kundan Singh
S/o Shri Jiwan Singh
R/o Y. Folri Wala, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property area 1 Kl. situated in Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3588 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
JALANDHAR**

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5374.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Faqir Chand S/o Shri Chhotu Ram, Mukhtiar Khas of Brij Mohan Self and Mukhtiar-ai-am of Bachiter Singh S/o Shri Munshi Ram, II-A, Cheema Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Harpreet Manocha W/o Harjinder Singh R/o EE-46, Bagh Kurnam Bux, Jalandhar and Balkrishan Arora S/o Duni Chand ND-369, Tanda Road, Jalandhar and Rama Rani W/o Romesh Chand Dalia, WX-196 Basti Nau, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 8 mls. and 16 Mls. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3967 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5375.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Kingra (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Om Parkash s/o Kundan Lal, r/o Hind Samachar Street, Jalandhar, Secretary The New Light Co-operative House Bldg. Society, Ltd., Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harjit Singh s/o Gurdial Singh, r/o 372 Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property plot area 60 x 69 Sq. ft. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3628 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5376.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1981) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sohan Singh s/o Bhatia Singh,
r/o Kingra, Tch. Jalandhar,
through Mukhtiar-ai-am Balwant Singh.
(Transferor)
- (2) Shri Raja Singh s/o Nobat Singh,
r/o 8-New Vijay Nagar,
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property area 1 KI situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3563 of September 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

65—86GI|84

Date : 2-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh,
r/o V. Kingra, Teh. Jalandhar,
through Mukhtiar Sh. Anil Chopra,
Shishu Model School,
Mohalla Khodian, Nayya Bazar,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Bir Singh s/o
Satwinder Singh,
W.S. 55, Basti Sheikh,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property area 13 Mls. 180 S. ft. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3576 of September, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date, 2-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No./5378.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manjit Singh s/o Mela Singh,
r/o 4-Model Town,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s/o Joginder Singh,
r/o V. Noli. Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 4000 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sole deed No. 3694 of the month September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No./5379.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Avtar Singh s/o Bhagwan Singh,
Mukhtiar-Khas Rameshwari Singh s/o
Dr. Karam Singh,
1/o Masand Chowk, Jalandhar,
Mukhtiar-ai-am Sh. Pithi Pal Singh,
s/o Inder Singh of Kingra.

(Transferor)

(2) Shri Modi Jai Lai s/o Chanan Ram,
r/o House No. 6-48/3399,
Gurdwara Sani Pura, Nakodar Road,
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property area 2.5 Mls. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3788 of September 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5380.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Avtar Singh s/o Bhagwan Singh, Mukhtiar-ram Jyoti Sarup s/o Lahori Mal, W.M. 243, Basti Guzan, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Manjit Singh, s/o Bhola Ram, r/o House No. WX-76, Mohalla Mochian, Basti Sheikh, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property 1 K. 7 Mls. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4120 of September, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 2-5-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No./5381.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Baldev Singh s/o Darshan Singh, r/o V. Kingra, Teh. Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Randhir Singh s/o Atma Singh, r/o V. Litra, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 100 x 50 S. ft. situated in V. Kingra and deed No. 3806 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Buta Singh s/o Niranjan Singh,
r/o Chak Hussain Lama Pind,
Teh. Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh s/o
Niranjan Singh,
r/o Dhoda, Teh. Jalandhar.
- (Transferee)
- (3) As S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No./5382.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Chak Hussain Lama Pind,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property area 67 Mls. situated in Chak Hussain Lama Pind and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4022 of September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) Shri Mool Raj &/o Vilhan Dass,
1/o Boota Mandi,
Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5384.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Bootan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 1st of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sudesh Kumar, Kartar Kaur, Nanak Chand Bhagwanti, Gurmeet Singh Boota Mandi, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 K 15 Mls. situated in V. Bootan and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3642 of September, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 2-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR**

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No./5385.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Giani Gurdial Singh,
s/o Sewa Singh Vaid,
r/o L-61-A, near Running Room Loko Shed,
Rlys.. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Sarbjit Singh s/o
Kartar Singh,
r/o 147, Ranjeet Nagar,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property plot No. 640, situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4144 dated September, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
66—86GT/84

Date : 2-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A.P. No./5363.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at V. Dara Pur, Teh. Dasuya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Tanda in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(1) Shri Gian Singh s/o Gurditta Ram, r/o Bye Pass, Darapur, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(2) Shri Gursharan Singh, Santokh Singh, Harvinder Singh s/o Bhajan Singh, Saw Mills, Bye Pass, Darapur, Unistar (Hoshiarpur).

(3) As per S. No. 2 above and Sh. Hajinder Singh s/o Piara Singh, Agent Transport, Bye Pass, Unistar Tanda, Distt. Hoshiarpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 735 of September, 1983 of the Registering Authority, Tanda.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A.P. No./5387.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mahavir Parshad, S/o Chiranji Lal Abohar.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Kumar s/o Baboo Ram,
Barnala.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2828 of September, 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5388 & 5389.—Whereas,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vijay Kumar,
Shri Amrit Lal S/o
Shri Diwan Chand,
2. Shrimati Panna Devi W/o
Shri Diwan Chand &
Mukhtiar-e-am of
Nirmala Devi,
Bimla Devi,
Krishna Devi D/o
Shri Diwan Chand,
Near Arya Samaj Chowk
C/o Vijay Cloth House, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gurdev Aulakh S/o
Shri Kirpal Singh,
Shri Joginder Singh S/o
Shri Gobind Singh,
Shri Karnail Singh S/o
Shri Kahn Singh,
Gurcharan Singh S/o
Shri Amar Singh,
Shri Bikkar Singh,
Shri Harvinder Singh S/o
Shri Jaggar Singh R/o
Malout Road, near J. B. Ind. Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed o. 2866 & 2867 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date : 4-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5390 & 5391.—Whereas, J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Vijay Kumar,
Shri Amrit Lal S/o
Shri Diwan Chand.
2. Shrimati Panna Devi W/o
Shri Diwan Chand &
Mukhtiaranam of
Kumari Nirmala Devi,
Bimla Devi,
Kumari Krishna Devi D/o
Shri Diwan Chand, R/o
Near Arya Samaj Chowk
C/o Vijay Cloth House, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gurdev Singh.
Shri Sukhdev Singh S/o
Shri Sarwan Singh.
2. Shri Kirpal Singh S/o
Shri Pooran Singh.
3. Shri Kartar Singh S/o
Shri Sucha Singh.
4. Shrimati Nasib Kaur W/o
Shri Hari Singh, R/o
Malout Rd., near J. B. Ind., Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed Nos. 2866 & 2867 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range.
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984

Seal :

FORM IIMS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5392.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Surinder Kaur W/o
 Shri Gurdarshan Singh, R/o
 Vill. Marnaian Kalan,
 Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarni Kaur D/o
 Shri Shamsher Singh,
 C/o Subedar Shamsher Singh,
 Lambardar Power House Road,
 Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2881 of Sept., 1983 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984
 Seal :

FORM ITNS—

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th May 1984

Ref. No. A. P. No. 5393-5394-5395.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devinder Singh,
Shri Hardip Singh, S/o
Shri Santokh Singh, R/o
333-Model Town, Jalandhar through
Smt. Mohinder Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Bishamber Nath S/o
Shri Devi Dyal and Gurdev,
Shri Jagdish Chander S/o
Shri Bishamber Nath, R/o
Chowk Masjid Ghumaran,
Jalandhar.

(Transferee)

(2) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 2K-1M-10 S. ft. & 2K-1M-34 S. ft. and 2K-0M-167 S. ft., situated at G T Road, By-Pass, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 3929 and 3978 and 4036 of Sept., 83 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date : 4-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5396.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhag Singh S/o. Dharam Singh, Mansa Road, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shrimati Balwinder Kaur D/o. Jasmer Singh, Vill. Khundz, Teh. Fazilka.
- *(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2810 of Sept. 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 5th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5397.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pritam Singh S/o. Kirpal Singh R/o Kothi Amarpure Backside of Thermal Colony, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Sham Lal Grover S/o. Sant Ram Grover, Vill. Mehma Sarkari, Teh. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registering sale deed No. 2935 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

67—86GI|84

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 4th May 1984

Ref. No. BWN/11/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot area 95 sq. yds. with Gher situated at Bichla Bazar, Bhiwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhiwani in Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Sh. Sham Sunder,
2. Sh. Hem Raj ss/o Sh. Ram Bilas,
3. Sh. Deep Chand s/o Ram Sarup,
4. Sh. Inder Sen s/o Sh. Beg Raj,
5. Sh. Ravi Kumar,
6. Sh. Sunil Kumar ss/o Purshotam Dass,
7. Sh. Mange Ram s/o Maman Chand
r/o Gali Chirimaran, Bhiwani.

(Transferor)

- (2) S|Sh. Pawan Kumar, Sushil Kumar ss/o Shri Bhagirath Mal Bhiwani wala r/o Bichla Bazar, Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land with boundary wall on Bichla Bazar, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1764 dated 5-9-1983 with the S.R. Bhiwani.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bimal Kumar Kanoria S/o Shri Gaja Nand,
Gali Khialikan, Halu Bazar, Bhiwani c/o Cloth
Market, Phete puri, Delhi.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 4th May 1984

Ref. No. BWN/13/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gali Khialikan, Halu Bazar, Bhiwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act of 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhiwani in Sept., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Gugan Ram, Tara Chand Dulchriwala Charity Trust through Shri Tara Chand Trusty, Patram Gate, Halu Bazar, Bhiwani.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House at Gali Khialikan, Halu Bazar, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1828 dated 12-9-1983 with the S.R. Bhiwani.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-5-1984.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Avtar Singh S/o Sh. Karam Singh,
H. No. 474, Sector 16,
Faridabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parmod Kumar Kaushik s/o Late Shri Chandan
Sen Sharma, H. No. 146, Sector 16-A,
Faridabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK**

Rohtak, the 2nd May 1984

Ref. No. BGR/112/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property on plot No. R-8/1-B, situated at NH-5, New Township, Faridabad has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being building on plot No. R-8/1-B, NH-5, New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7580, dated 26-9-1983 with the S. R. Ballabgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yoginder Singh S/o Shri Ram Singh
r/o Mujessar.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam Rani W/o Sh. Vijay Kumar r/o
Aggan Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 5th May 1984

Ref. No. BGR/107/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. A-2/10, Sector-11, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Plot No. A-2/10, Sector-11, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered No. 7377 dated 20-9-1983 with the S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK,
D. L. F. COLONY**

Rohtak, the 5th May 1984

Ref. No. BGR/116/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 114 Block-J Sector-10 situated at Faridabad Faridabad in Sept. 1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

(1) Shri J. N. Grover for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Shri Ghansham Das,
A-52, Gulmohar Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Singh
S/o Sh. Narain Singh,
847, Panchsheel Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot No. 114 Block-J, Sector-10, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7642 dated 28-9-1983 with the S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Murti Khanna
S/o Shri Horia Mal Khauna,
R-558, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. Yogendra
S/o Sh. Karam Chand,
Shri Mukul Yogendra
S/o Sh. H. Yogendra,
H. No. B-B|5, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK,
D. L. F. COLONY

Rohtak, the 5th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. BGR[109]83-84.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 109 Block-1, Sector-10 situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being plot No. 109 Block— Sector-10, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7453 dated 22-9-1983 with the S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2936 Acq.23|I|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Building at Ghogha Circle—Plot No. 1274-A situated at Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Patel Manharben Kantilal,
Plot No. 1274-B Ghogha Circle,
Bhavnagar,
2. Patel Ramesh Kantilal,
Plot No. 1274-B Ghogha Circle,
Bhavnagar,
3. Patel Upendra Kantilal,
Plot No. 1274-B Ghogha Circle,
Bhavnagar,
4. Patel Hemant Kantilal,
Plot No. 1274-B Ghogha Circle,
Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) 1. Anilkumar Harsingh Chachoria,
2. Pravinkumar Harsingh Chachoria,
Plot No. 1222-B—Ambawadi,
Swastik Society,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at plot No. 1274-A, Ghogha Circle, Bhavnagar registered vide 1482, 1483, 1484|1485|6-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-4-1984

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2937 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 246 paiki F.P. No. 60 paiki, 2nd floor, Flat No. 10 situated at Ghatlodia, A'bad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 1-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ghatlodiya Mina Park Co.op. Hsg. Socy.
Chairman Shri Vasantkumar Umedbhai
Secretary, Kanubhai P. Patel,
'Manek Nivas' Sardar Kunj Socy.
Bahai Centre, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshbhai Maneklal Sheth,
B-2-45, Madhuwan Flats,
Near Hatkeshwar Police Chowky,
Amraiwadi,
Ahmedabad-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat adm. 77 sq. yd.—situated at Ghatlodiya S. No. 246—duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed R. No. 12447/1-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
68 -86GT/84

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2938[Acq.23]I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 17-1 & 17-2, T.P.S. 20, F.P. No. 155, paiki S.P. No. 6 situated at Ghansipur, Mithakhali, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shantilal Girjashankar Trivedi,
Through :
Power of Attorney Holder—
Shri Batuklal Girjashankar Trivedi,
5, Sardar Patel Nagar,
Telephone Exchange, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Shantilal Shah,
4-A, Vivek Apartment, 1st Floor,
Mithakhali, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 100 sq. yd.—situated at Mithakhali Navrangpura, A'bad duly registered by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 12929|13-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanubhai Adarbhai Patel,
Village : Vasana,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2939/Acq.[23]I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. S. No. 601—Hissa No. 1, Paiki undivided 1/3rd @ Vejalpur, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Tulsirund Co.op. Hsg. Socy. (Proposed), Main Promotor Shri Rameshbhai Balkrishna Dave, Vrindavan Flats, Vasana, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd land out of land adm. 963 sq. mtr., situated at Vejalpur, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 12469[1-1-1933].

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-4-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Charuben Surendrabhai Mehta,
Shreeji Baug Flat,
Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2940 Acq.23/I/84-85.—Whereas, 1,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. S. No. 28-1 & 28-2 situated at Maktampura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 3-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Nafeesa Anwar Shekhani
11-A, Fajj Mohmed Society,
Paldi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building situated at Maktampura, A'bad duly registered by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 12487/3-9-1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2941 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a piece of land situated at No. S. No. 28-1, 28-2, paiki plot No. 17 situated at Maktampur, Dist: A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 3-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Padmaben Ashanand Dua,
Azam Mozam Socy.
Bunglow No. 8, Vasana,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shamim Rauf Shekhani
11-A, Faiz Mohmed Society,
Paldi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building situated at Maktampur, A'bad duly registered by S.R. A'bad, vide sale deed R. No. 12486/3-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harshadkumar Vithaldas Parikh,
6, Vaishali Nagar,
Rajkot-360 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2942 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 390-1, TPS. 20, situated at Flat No. 10, 3rd Floor, Block No. F, New Girdhar Park Co.op. Hsg. Socy. Ambawadi, Opp: C. N. Vidya Vihar, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Dr. Vishwanthra Misrimal Singi,
Flat No. 10, F-Block, 3rd Floor,
New Girdhar Park Co.op. Hsg. Socy.
Opp: C. N. Vidya Vihar—Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 91 sq. yd. situated at Ambawadi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 12908/13-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2943 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,

R. R. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. TPS. 2 18—FP No. 21 & 187 situated at Shop No. 40 of New Cloth Market, O's Raipur Gate, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at A'bad on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s K. Mansukhram & Sons,
 C/o N. Mansukhram & Co.
 Doshiwada's Pole, Kalupur,
 Ahmedabad-380 001.

(Transferor)

(2) M/s Shreeji Trading Co.
 14, Shantiniketan Socy.,
 Near Gujarat College,
 Ahmedabad-380 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 40 situated at New Cloth Market, O's Raipur Gate, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 13053/15-9-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Madhukantaben Narandas Modi,
15, Purnima Apartment,
Opp: Ishwar Bhuvan, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kalidas Mulchand Shah,
C-13, Chandan Apartment,
Shahibaug,
Ahmedabad-380 004.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 2944 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 190—situated at GF—Flat No. C-13 situated at Chandan Apartment, Shahibaug, Ahmedabad-380 004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 19-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat adm. 90 sq. yd.—situated at Dariapur Kazipur, A'bad, duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 13219/19-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gulabben Vanmalidas Babri,
22, Hir Darshan Apartment,
Near Ramji Mandir
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2945.Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. T.P.S. 22, FP 82/2 situated at Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at i Aybad on 16-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat adm. 97 sq. yd.—situated at Paldi A'bad, duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13098/16-9-1983.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Ketkiben Girishchandra Parikh
2. Smt. Bhartiben Dilipkumar Parikh.
Dakore, Dist. Kaira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2946.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule R. S. No. 1126 situated at Satyagari Chhavani Co-op. Hsg. the Registering Officer at A'bad on 16-9-1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Ahmedabad on 16-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt. Madhviben Dipakbhai Desai
2. Shri Deepakbhai Pramukhbhai Desai
Manekbaug, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 566.66 sq. yd.—situated at Vejalpur Satyagrah Chhavani, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13103|16-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2947.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 307, TPS. 20 situated at 17, Swair Vihar Co.op. Hsg. Socy. Ltd. near old Sachivalaya, Ambawadi, Vastrapur, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registering Officer at A'bad on 16-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Amarben Chhaganlal Hirani,
17 Swairvihar Co. op. Hsg. Socy.
near Polytechnic Old Sachivalaya,
Ambawadi Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Miles Jayantilal Shah,
Shri Mayank Jayantilal Shah,
51, Dreamqueen, Vallabhbhai Road,
Santacruz West, Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat adm. 110 sq. yd. situated at Vastrapur A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13151 16-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I**
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2948.Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 484-A, 484-B, 482-2, 488-17-12, Block No. 17, paiki-situated at Wadaj—A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kailashben Popatlal Palkhiwala,
Shadhpur Darwaja Khancha,
Shahpur A'bad.

(Transferor)

(2) Kantaben Kanchanlal Bavishi
Jivan Kamalshini Pole,
Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 74 sq. yd.—situated at Wadaj A'bad (2nd floor No. 12) duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13200|17-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2949.Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 170-1 paiki and 170-2 paiki TPS 21—F.P. 490—SP No. 13-1, 13-2, situated at Paldi, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sureshchandra Trambaklal Bhatt, Sector No. 20, Block No. 30/4, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri Pravinkumar Natwarlal Modh, C/o Sureshchandra Trambaklal Bhatt, Sector No. 20, Block No. 30/4, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 70 sq. yd. situated at Paldi A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13207/17-9-83

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2950.Acq.23/I/84-85.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 192, 194 paiki SP No. 27—Flat No. 3 situated at Rajpura—Hirpur Maninagar—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at A'bad on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Ambica Flat owners Association (Proposed) through: Smt. Shardaben Natwarlal Mistry, 14, Amrut Flats, Maninagar, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Dr. Rajendra Navinchandra Pandya, Near Azad Society, Saraswatinagar, Ambawadi, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3—adm. 170 sq. yd. situated at Rajpura—Hirput Maninagar, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13186, 13190, nil 17-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Laxmiben Gordhandas Patel,
Navi Pole, Gomtipur,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ranchhodilal Gordhandas Patel,
No. 34, at Ground Floor,
Dreamland Co.op. Hsg. Socy. Ltd.
Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2951.Acq.23|I|84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 60 muni. C. No. 44|2|34 situated at tenement No. 34,
Dreamland Co. op. Hsg. Socy. Naranpura, A'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
at A'bad on 19-9-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Tenament No. 34 of Dreamland Co. op. Hsg. Socy. Naranpura, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13277|19-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anilbhai Purshottamdas Patel,
Bunglow No. 7, Motilal Park,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2952.Acq.23/1/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP No. 253, TPS 19, Shaikhpur Khanpur—situated at Flat No. 35, 1st floor Jai Swarna Co. op. H. Socy. Ltd. Near Purnanand Ashram @ Ishwar Bhavan, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28-9-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

Flat adm. 106 sq. yds—situated at Shaikhpur Khanpur, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13692/28-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2953Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. FP No. 232 of TPS. 19 Fat No. A/3-GF situated at Deepkunj Co-op. Hsg. Socy.—Shaikhpur—Khanpur—Memnagar—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amratlal Kishandas Kataria,
4, Premal Flats, Vikas Grah Road,
Paldi,
Ahmedabad-380 007.

Transferor(s)

(2) Shri Pradhyotkumar B. Ganguli,
C/o M/s Rollstrips (India)
Gujarat Vepari Maha Mandal Indust. Estate,
Odhav, Ahmedabad.

Transferee(s)

(4) M/s Rollstrips (India) Gujarati
Vepari Maha Mandal Indust. Estate,
Odhav, Ahmedabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm. 95 sy. yd.—situated at Shakhpur Khanpur alias Navrangpura, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 11653|26-9-1983.
Date : 12-4-1984.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Dato : 12-4-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2954Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 117-Block No. 20, 1st floor, situated at Pragatinagar, Naranpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 26-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Popatlal Bhawanbhai Prajapati,
Block No. 62/8,
Sector No. 16,
Gandhinagar.

Transferor(s)

(2) 1. Smt. Kunjbal Chandrakant Parikh
2. Shri Bankim Chandrakanta Parikh
3. Shri Dheemant Chandrakant Parikh
4. Minor Bhavesh Chandrakant Parikh
All R/o M-20-117, Pragatinagar, Naranpura—
Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 105 sq. yd., situated at Naranpura, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed R. No. 13608/26-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 12.4.1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2955|Acq.23,1|83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. F|11, Mahavirbaug Apartment, Ambawadi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 22-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Deepak Maneklal Mudliar alias Arkat
C/o Mr. Palmaner Vyaghrapuri Raghunathan,
F|11, Mahavirbaug, Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Palmaner Vyaghrapuri Raghunathan
F|11, Mahavirbaug, Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat adm. 100 sq. yd. situated at Ambawadi Abad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 13523|22-9-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2956[Acq.]23[I]84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
F. P. No. 253, T.P.S. 19—Shaikhpur—Khanpur situated at
Flat No. 32, Jai Suvarna Coop. H. Socy. Near Purnanand
Ashram near Ishwar Bhawan, Navrangpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
A'bad on 20-9-1983
of the Registering Officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Rameshbhai Parshottamdas Patel
C/o Patel Rameshkumar Motilal
Flat No. 32, Jai Suvarna Co.op. H. Socy.,
Near Purnanand Ashram,
Near Ishwar Bhawan,
Navrangpura,
Ahmedabad.

(2) 1. Shri Patel Rameshkumar Motilal
2. Shri Patel Anilkumar Mohanlal
Village : Hansalpur, Tal : Himatnagar,
(Dist : Sabar Kantha).

(Transferor)

(Transferee)
Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 106 sq. yd. situated at Shaikhpur, Khanpur,
A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No.
13313[20-9-1983].

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 12-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raiben Widow of Mafatbhai Jeshingbhai Memnagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Gautambhai Ambalal Patel
7, Achalayatan Society,
Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2957[Acq.23]I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 40/3 & 40/5 paiki T.P.S. 1 F. P. 88, Hissa No. 4 cc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Memnagar situated at A'bad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 826.13 adm. situated at Memnagar, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed R. No. 13189 17-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2958/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 40/3 neik & 40/5 paiki TPS. 1 FP No. 88 situated at
Memnagar, A'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
A'bad on 17-9-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Rambhai Mafatbhai Patel
Village : Memnagar,
Dist : Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Ambalal Patel
7, Achalayat Society,
Naranpura Rly. Crossing,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land adm. 731 sq. mtr. 95.13 sq. mtr. situated at Mem-
nagar, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed
R. No. 13188/17-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, the following
persons, namely :—

Date : 12-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rattnabhai—Babubhai & Nagubhai
& Hansrajbhai Khapariva.
Bavawala Para,
Jetpur, Dist : Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2959[Acq.23]I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land at Jetpur—Dhoraji Road, S. No. 136, Jetpur Dist :
Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jetpur on 14-9-1983
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Jagdishchandra Kanjibhai Patel
2. Shri Parshotambhai K. Patel
3. Ratilal Kanjibhai Patel
4. Prabhudas Kanjibhai Patel
5. Mansukhlal Kanjibhai
6. Rajnibhai Ranchhbhai
7. Sushila Rajnikant
C/o Patel Brothers,
Fulwadi,
Jetpur, Dist : Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land at Jetpur S. No. 136, registered vide
R. No. 1473 Dt. 14-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1 April 1984

Ref. No. P.R. No. 2960[Acq.23]I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Rajyya S. o. 131|1, plot No. 38 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 3-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manharlal C. Chinai
Jay Prakash Nagar,
Plot No. 102,
Goragav, Bombay-63.

(Transferor)

(2) Smt. Truptiben Damodarbhai Gariba
C/o Dr. Guriba Hospital,
Mamlatdar Wadi,
Malad, Bombay-64.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Rajyya S. No. 131|1, Plot No. 38, registered vide R. No. 3943 Dt. 3-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Hasumatiiben Vrandravanhai Ruparel
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 16th April 1984

Ref. No. P.R. No. 29611 Acq 23, I/84-85. —Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Mahavir Navr Suv. Kalvad Road S. No. 458, Plot No. 49-B situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Rajkot Mahavirnagar Socy. S. No. 458, Plot No. 49-B registered vide R. No. 5699 Dt. 21-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

71—86GI|84

Date : 16-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2962/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Mahavir Co-op. Socy. S. No 458 situated at Kalavad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Shantaben Harlal Mehta,
Power of Attorney—
Shri Bhaichand Ratanshi Mehta
Mehta House 29,
Prabhd Plot,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Lilavantiben Manubhai Mehta
Vivekanand Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kalavad Road, Mahavir Co. op. Socy., Plot No. 35, registered vide R. No. 2728 Dt. 26-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jyoti Construction Co.

Power of Attorney—

Partner Shri Vasantray Jaychand Gandhi
Housing Board, Kalavad Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-I,**2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2963[Acq.23]1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Kalavad Road, Jyoti Apartment situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 29-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Chandra Prabha Venilal

Power of Attorney—

Venilal Valjibhai Kotecha
Chief Officer—

Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Kalavad Road, Jyoti Apartment registered vide R. No. 869 Dt. 29-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2964/Acq./23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 10, Asha Bldg., in Ghatkopar Asha Bindu Co-op. Building at Bhaktinagar Socy., Plot No. C-97 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ichhagauri Keshavlal Pandya
2. Shri Kashavlal Bhagwanji Pandya,
Gopal Nagar, Rajkot,

(Transferor)

(2) Shri Bhartiben Marilal Shah
2, Bhaktinagar Society,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Building at Rajkot Bhaktinagar, Plot No. C-97 registered
vide R. No. 5435 Dt. 8-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vrijbalaben Vadilal Shah,
G-20-21, Tarabug Estate, Girgaum,
Bombay 4.

(Transferor)

(2) 1. Shri. Lala Ben Chamanlal Soni,
2. Shri. Harsadubhai Chamandal Soni,
3. Shri. Sureshchandra Chamandal Soni,
4. Shri Subhashchandra Chamandal Soni,
4, Sudarshan Society, Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2965/Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
FP No. 201, SP No. 37, TPS 29, situated at
37-Sudarshan Society No. 2, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at 37, Sudarshan Society Naranpura,
Ahmedabad, intimation as per 37EL form filed in the office
of the undersigned on 5-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2966|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 205 S. No. 67, 70, 75 & 123, situated in Gujarat Vopari Maha Mandal Sabkari Audhyogik Vasahat Ltd, Odhav village, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been intimated as per 37EE form in the office of the undersigned on 27-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Bhupendra Kasturbhai Shah, 602, Pleasant Palace Building, Narayan Dhabhoker Road, Bombay-400006. (Transferor)
- (2) M/s. Mihir Engineers Pvt. Ltd., Director, Shri Dinesh R. Shah, 31, Shantinagar-A, 98, Napean See Road, Bombay-400006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory Bldg. situated at Plot No. 205, Gujarat Vepari Maha Mandal Sabkari Audhyogik Vasahat Ltd., Ahmedabad intimation given as per 37EE form filed in the office of the undersigned on 27-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harsutray Jivanlal Raval,
Raiyya Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Mahesh Devchand
2. Nirmalaben Maheshbhai
3. Vijay Devchand Shah
4. Devchand Kanjibhai
5. Jayaben Devchand
1, Vaishalinagar
Near Chanchal Niwas,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2967[Acq.23]I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building at Rajkot Raiyya Road
S. No. 451/1 Plot No. 9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building a Raiyya Road S. No. 451/1 Plot No. 9, registered vide R. No. 3567[22-9-83].

R. R. SHAH
Competitive Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Sabhirbhai Abdulhussein
2. Joyabhai Abdulhussein,
Para Bazar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Space-24 Sole Proprietor
Shri Jaswantray Babulal Mehta,
Dr. Yagnik Road,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. P.R. No. 2968/Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building at Ramkrishna Nagar Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Rajkot on 17-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building at Ramkrishnanagar Rajkot registered vide R. No. 3182 dated 14-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

Ref. No. 2969/Acq.23/1/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Land at Krishnanagar Plot No. 837A
Ward No. 5, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Bhavnagar on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Labhuben Ramniklal
2. Jayantkumar Ramniklal
3. Harishkumar Ramniklal
4. Yogeshkumar Ramniklal
5. Ajaykumar Ramniklal
6. Vijaykumar Ramniklal
Power of Attorney
Shri Vrajlal Raychand Malaviya,
Megani Circle, Bhavnagar.
(Transferor)
- (2) Smt. Pramodiniben Shashikantbhai Mehta,
Plot No. 1200, Mahalami Krupa,
Near Ambawadi Bus Stand;
Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Krishnanagar Plot No. 837A Ward No. 5, Bhav-
nagar Registered vide R. No. 3126 dated 20-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 17-4-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
72—86GI/84

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2970|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building at Krishna Nagar, Manekwadi Vistar Plot No. 534 Aerodram Road, Ward No. 5, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhavnagar on 23-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Dilip R. Trivedi,
Dr. Ambedkar Road,
Manguga Bombay
2. Chitrakha P. Dave
Pankaj Opp. Rozori's School,
Baroda
3. Rajaniben Bhasker Vyas,
Parimal Mazumdar's Vado,
Pratap Road, Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Pratapray Vrajlal Parekh,
Manekwadi Plot No. 543,
Bhavnagar.
2. Rammiklal Vrajlal Parekh,
Nagar Pole Dehlo, Vora Bazar,
Bhavnagar.
3. Pratapsinh Mangal Singh,
Military Society, Plot No. 65,
Bhavnagar.
4. Mangalsinh Vajesinh,
Military Society, Plot No. 65,
Bhavnagar.
5. Nathdev Kesumal,
Rasala Camp Upper Kot,
Bhavnagar.
6. Pratapmal Kesumal,
Rasala Camp Upper Kot,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building at Krishna Nagar Manekwadi Vistar Ward No. 5 Plot No. 534 registered vide R. No. 3045 dated 23-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref No. P.R. No. 2971/Acq.23-I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Krishnanagar Plot No. 837-B Ward No. 5-situated at Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 20-9-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Jayantkumar Ramniklal
2. Kritikumar Ramniklal
3. Yogeshkumar Ramniklal
4. Ajaykumar Ramniklal
5. Vijaykumar Ramniklal
6. Labhuben Ramniklal
Power of Attorney Shri Vrailal Raychand Malaviya,—Megani Circle, Bhavnagar,

Transferor(s)

- (2) 1. Shashikant Chhaganlal Mehta
2. Smt. Pramodiniben Shashikant Mehta
Plot No. 1200, Mahalaxmi Krupa Near Amba Wadi Bus Stand, Bhavnagar

(Transferee's)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land at Krishnanagar Plot No. 837B Ward No. 5 Bhavnagar registered vide R. No. 3127 Date 20-9-1983 .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND HANDI COM FLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009. 3rd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2972Acq.23-I|84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
T.P.S. 4 F.P. No. 23 situated Opp. I. S. Hospital Kotiyark
Kurpa, Vakilwadi, Mainnagar, A'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
A'bad on 15-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Shaileshkumar Shantilal Shah,
8, Niraj Society,
Swaminarayan Mandir Road,
'Shailesh Bhuvan' Muninagar—
Ahmedabad-380 008.

(2) Shri Rajeshkumar Shantilal Shah,
'Kotiyark Krupa Vakilwadi,
Opp: L. G. Hospital,
Muninagar,
Ahmedabad.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 888 sq. yd. situated at Main-
nagar A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed
R. No. 13068|15-9-1984.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 3-5-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hiraben P. Shah,
1652, Sukerwar Peth,
Near Police Chowky,
Poona-2.

Transferee(s)

(2) 1. Shri Hitesh D. Shah,
A-1, 1st floor, Jan Shanti Flats,
Pritam Nagar Pehlo Dhal, Paldi,
Ahmedabad.
2. Shri Jayendra R. Shah,
Bala Sinor—
District Kaira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2973Acq.23-I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 824 paiki Kocharab situated at A-1 1st Floor, Jan Shanti Flats, Paldi, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 16-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat adm. 104 sq. yd.—situated at Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13143/ 16-9-1983 .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1984.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajen Jayantilal Patel,
46-2 Near Bhairavnath Mandir,
Bhairavnath Road,
Maninagar,
Ahmedabad-380 022.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2974Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.P.S. 3 FP 166 paiki SP No. 6 & 7—situated at 5th Floor B-5, Chir Trupti Park Co-op. Hsg. (Flat) Socy. Ltd., near High Court, Navrangpura, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Officer at A'bad on 9-9-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Mahavirprasad Lakirchand
B-5, 5th Floor, Chir Trupti Park
Co-op. Hsg. Socy. Behind Gujarat High Court,
near Railway linc,
Navrangpura—Ahmedabad.

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat adm. 121.7 sq. yd.—situated at Shaikhpur Khanpu alias Navrangpura—TPS. 3—Near Gujarat High Court, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 12785|9-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2975Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 138 paiki SP No. A TPS. 4 situated at Khokhara Mehmabad, Maninagar, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 20-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(1) Shri Yashwanthbhai Ambalal Patel & Ors.
7, Maninagar Society, Near Maninagar Station,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Purvi Construction
Through : Shri Kanubhai
Bhogilal Shah,
C/o P. K. House,
Kavi Nanjal Marg,
behind Mangaldas Town Hall,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admi. 2746 sy. mr. situated at Khokharam Ahmedabad Maninagar, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 13396/20-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984,
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Madhuben Chimanlal Patel
Village Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2976Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 76, SP No. 2 TPS 2 SP No. 4, 3 & 1 S. No. 29 Hissa No. 1 & 2 situated at Ghatlodiya-A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Vidhata Tenaments—
Secretary :—Shri Purshottam Atmaram Patel
16, Bhagya Laxmi Society,
Nava-Wadaj—Ahmedabad.
Chairman :—Kokilaben Ganpatbhai Patel,
28-B, Vir Nagar Society,
Nava-Vadaj,
Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 1713 sq. mt. 1713 sq. mtr. 2000 sq. mtr. & 1713 sq. mtr. situated at Ghatlodiya, A'bad, duly registered vide sale deed R. Nos. 13368, 13373, 13372, 13367] 20-9-1983 by S. R. Ahmedabad,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal
Through : Executors.
1. Parmanandbhai Mohanlal Patel,
2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
Gol Bazar, Jabalpur—(M. P.)

Transferor(s)

- (1) Jaishankar Kalidas Joshi,
Uttar Gujarat Patel Nagar
Co-op. Hsg. Socy.
Asarva, Ahmedabad.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No.P.R. No. 2977Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
S. No. 197-B+415B TPS. 14 (FP No. 227 Paiki Hissa No.
1 SP Nos. 5 situated at Shahibaug Camp Road, Ahmeda-
bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
A'bad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 247.50 sq. mtr. situated at Daria-
pur Kazipur A'bad duly registered by S. R. A'bad vide
sale deed R. No. 4448/22-3-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date : 5-5-1984.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2978Acq.23/H/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 197-B+415 TPS 14 SP No. 227 Paiki Hissa No. 1 SP No. 3 situated at Shahibaug Camp Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal Through Executors :
 1. Parmannadbhai Mohanlal Patel
 2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
 Gol Bazar, Jabalpur (M. P.).

Transferor(s)

(2) Shri Kantibhai Ishwerbhai Patel
 35, Vishnunagar Co. Op. Hsg. Socy.
 Saraspur—Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land adm. 249. 70 sq. mtr. situated at Shahibaug—Dariapur-Kazipur, A'bad duly registered by S. R. A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide Sale deed R. No. 4456/15-9-1983.

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad.

Date : 5-5-1984.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2979Acq.23|184-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 197-B-415 TPS. 14 FP 227 Paiki Hissa No. 1 S. P. 61 situated at Shahibaug, Camp Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal Through Executors :
1. Parmannadbhai Mohanlal Patel
2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
Gol Bazar, Jabalpur (M. P.).
Transferor(s)

(2) Shri Babubhil Bhaktidas Patel,
23, Uttar Gujarat Patel Nagar
Co. Op. Hsg. Socy.
Asarga,
Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 250 sq. mtr. situated at Dariapur, Kazipur A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 4450|15-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2980Acq.[23]I[84-85].—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 197-B+415, TPS, 14 FP 227 paiki Hissa No. 1 SP No. 4 situated at Shahibaug—Camp Road, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal
 Through Executors :
 1. Parmanandbhai Mohanlal Patel,
 2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
 Gol Bazar, Jabalpur (M. P.).

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Keshavlal Patel
 9, Bharat Milap Society,
 Near Sanghvi High Society,
 Naranpura—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg standing on land 249.73 sq. mtr. situated at Daria-pur Kazipur, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 4455/15-9-1983.

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad.

Date : 5-5-1984.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2981 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 197-B+415, TPS, 14 FP 227 paiki Hissa No. 1 SP No. 6 situated at Shahibaug Camp Road, Ahmedabad. (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) Shri Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal Through Executors :
1. Parmantadbhai Mohanlal Patel.
2. Smt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
Gol Bazar, Jabalpur (M. P.).
(Transferor)

(2) Amratlal Babaldas Patel
Uttar Gujarat Patel Nagar Co. Op. Hsg. Socy.
Asarva—Ahmedabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 249.63 sq. mtr. situated at Daria-pur Kazipur A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 4460/15-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 5th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2982Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. K. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 197-B+415, TPS, 14 FP 227 paiki Hissa No. 1 No. 2 situated at Shahibaug Camp Road, A'bad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad in Sepember, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Deceased Ujamben W/o Hargovandas Maganlal Through Executors :
1. Parmartandbhai Mohanlal Patel.
2. Smrt. Jyotsnadevi Parmanandbhai Patel
Gol Bazar, Jabalpur (M. P.). Transferor(s)

(2) Shri Ashwinkumar Bhaktidas Patel
4, Bharatmilk Socy.
Near Sanghvi High School,
Naranpura,
Ahmedabad. Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 243.70 sq. yd.—situated at Dariapur-Kazipur A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 4453[Sept.83].

R. K. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shakti Builders & Co.,
7, Uma Smruti, New Maneklal,
L.B.S. Marg, Ghatkopar(W)
Bombay-86.

(Transferee)

(2) Smt. Ashalata S. Kanchan,
8, Skandagiri, Ganesh Mandir Road,
Dombivali (E) Dist. Thane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Poona-4, the 21st February 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|568|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 207, Guru Prakash 'B' Bldg., Ganesh Mandir situated at Dombivali (E) District Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune, on October, 1983. for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 207, Guru Prakash 'B' Bldg., Ganesh Mandir Rd., Dombivali (E) District. Thane.
(Area-545, Sq. ft. Built-up area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2206/83-84 in the month of October, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-2-1984

Seal :

